भारतीय रेल
वार्षिक रिपोर्ट और लेखा
2023-24

(2024-25 के कार्य निष्पादन की विशिष्टताओं के साथ)

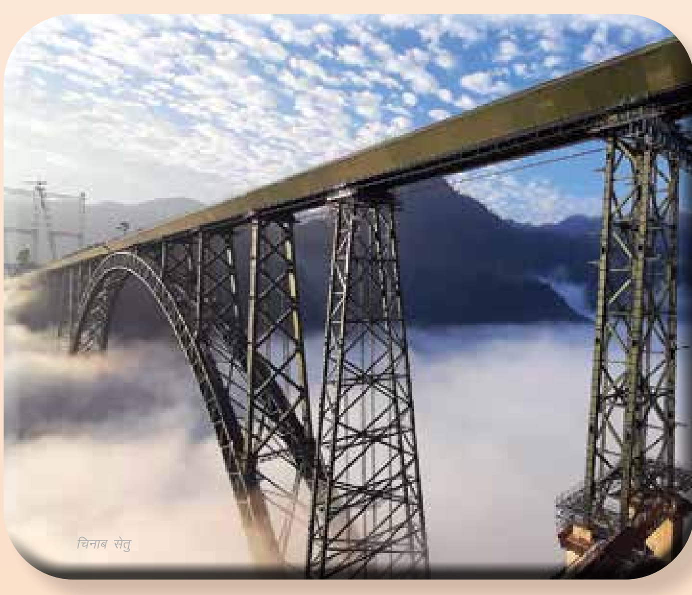
चिनाब सेतु

भारतीय रेल

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा
2023-24

(2024-25 के कार्य-निष्पादन की विशिष्टताओं के साथ)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

विषय सूची

संगठन संरचना	2
शीर्ष प्रबंधन	3
समीक्षा-संभावनाएं	5
वित्त	8
माल गाड़ी परिचालन	14
यात्री व्यवसाय	19
योजना	34
इंजीनियरी	36
रेल विद्युतीकरण	42
सिगनल एवं दूरसंचार	46
संरक्षा	51
चल स्टॉक	58
सामग्री प्रबंधन	65
अनुसंधान और विकास	67
पर्यावरण प्रबंधन	73
कार्मिक	75
महिलाओं का कल्याण, विकास और सशक्तिकरण	84
नि:शक्त व्यक्तियों के लिए सुविधाएं	86
सुरक्षा	91
सतर्कता	98
हिन्दी का प्रयोग-प्रसार	100
पूर्वोत्तर क्षेत्र	102
जन-संपर्क	105
उपक्रम तथा अन्य संगठन	107
सलाहकार बोर्ड	143
महत्वपूर्ण घटनाएं	144
शब्दों की परिभाषा	150
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा मुहैया कराई गई लेखा परीक्षा टिप्पणियों का सार और की गई कार्रवाई संबंधी नोट	152
वित्तीय विवरण और परिचालन सांख्यिकी	159

(01.01.2025 की स्थिति के अनुसार)

भारतीय रेल की संगठन संरचना

रेल मंत्री

रेल राज्य मंत्री (एस)

रेल राज्य मंत्री (आर)

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

- सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक) - एम/टीआरएस
- सदस्य अवसंरचना-एम/इंफ्रा
- सदस्य परिचालन एवं व्यवसाय विकास-एम/ओएंडबीडी
- सदस्य वित्त-एमएफ

महानिदेशक/रे.स्वा.से.-डीजी/आरएचएस
महानिदेशक/मा.सं.-डीजी/एचआर
महानिदेशक/रे.सु.ब.-डीजी/आरपीएफ
महानिदेशक/संरक्षा-डीजी/संरक्षा

सचिव, रेलवे बोर्ड

क्षेत्रीय रेलें (चालित लाइन)

महाप्रबंधक

1. मध्य
2. पूर्व
3. पूर्व मध्य
4. पूर्व तट
5. उत्तर
6. उत्तर मध्य
7. पूर्वोत्तर
8. पूर्वोत्तर सीमा
9. उत्तर पश्चिम
10. दक्षिण
11. दक्षिण मध्य
12. दक्षिण पूर्व
13. दक्षिण पूर्व मध्य
14. दक्षिण पश्चिम
15. पश्चिम
16. पश्चिम मध्य
17. मेट्रो

उत्पादन इकाइयां

महाप्रबंधक

1. चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन
2. बनारस रेलइंजन कारखाना, वाराणसी
3. सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई
4. रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला
5. रेल पहिया कारखाना, यलहंका
6. आधुनिक रेल कोच फैक्टरी, रायबरेली

प्र.मु.प्र.अ./मु.प्र.अ. (रेलें)*

7. पटियाला रेलइंजन कारखाना, पटियाला
8. रेल पहिया संयंत्र, बेला

अन्य इकाइयां

महाप्रबंधक

1. केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, इलाहाबाद
2. पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण), गुवाहाटी

प्र.मु.प्र.अ./मु.प्र.अ. (रेलें)*

3. केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन (कॉफमो)#

महानिदेशक

4. भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा
5. महानिदेशक एवं पदेन महाप्रबंधक अअमासं, लखनऊ

सीपीएसई/सीओआरपी एवं स्वायत्त निकाय/प्राधिकरण

1. बीसीएल
2. कॉनकोर
3. डीएफसीसीआईएल
4. इरकॉन
5. आईआरसीटीसी
6. आईआरएफसी
7. केएमआरसीएल
8. केआरसीएल
9. एमआरवीसी
10. आरसीआईएल
11. राइट्स
12. आरवीएनएल
13. क्रिस
14. आरएलडीए

(# बोर्ड के दिनांक 28.11.2022 के पत्र सं. 2021/ओएंडएम/18/5/1 (स्पेस कॉफमो) के मामले में संवरण आदेश के अंतर्गत)
* प्रधान मुख्य/मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें)

शीर्ष प्रबंधन

रेल मंत्री	**अश्विनी वैष्णव**
रेल राज्य मंत्री (एस)	**वी. सोमन्ना**
रेल राज्य मंत्री (आर)	**रवनीत सिंह**
सदस्य, रेलवे बोर्ड	
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)	सतीश कुमार
सदस्य (वित्त)	रूपा श्रीनिवासन
सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास)	हितेंद्र मल्होत्रा
सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक)	ब्रजमोहन अग्रवाल
सदस्य (अवसंरचना)	नवीन गुलाटी
सचिव	अरुणा नायर
महानिदेशक	
महानिदेशक/रेल सुरक्षा बल	मनोज यादव
महानिदेशक/रेल स्वास्थ्य सेवाएं	डॉ मान सिंह
महानिदेशक/मानव संसाधन	आर राजगोपाल
महानिदेशक (संरक्षा)	हरि शंकर वर्मा
महाप्रबंधक, क्षेत्रीय रेलें	
मध्य	धर्मवीर मीना
पूर्व	मिलिंद के. देउस्कर
पूर्व मध्य	छत्रसाल सिंह
पूर्व तट	परमेश्वर फुंकवाल
**मेट्रो	पी. उदय कुमार रेड्डी
उत्तर	अशोक कुमार वर्मा
उत्तर मध्य	उपेन्द्र चन्द्र जोशी
पूर्वोत्तर	सौम्या माथुर
पूर्वोत्तर सीमा	चेतन कुमार श्रीवास्तव
उत्तर पश्चिम	अमिताभ
दक्षिण	आर एन सिंह
दक्षिण मध्य	अरुण कुमार जैन
दक्षिण पूर्व	अनिल कुमार मिश्रा
दक्षिण पूर्व मध्य	तरुण प्रकाश
दक्षिण पश्चिम	अरविन्द श्रीवास्तव
पश्चिम	अशोक कुमार मिश्र
पश्चिम मध्य	शोभना बंदोपाध्याय
महाप्रबंधक, उत्पादन इकाइयां	
चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना	विजय कुमार
बनारस रेल इंजन कारखाना	नरेश पाल सिंह
सवारी डिब्बा कारखाना	यू. सुब्बा राव
रेल पहिया कारखाना	सी. वी. रमन
रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला	एस.एस.मिश्रा
आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली	पी.के.मिश्रा
महाप्रबंधक, निर्माण इकाइयां	
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)	अरुण कुमार चौधरी
केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन	संजय कुमार श्रीवास्तव
महानिदेशक	
भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी	राकेश राजपुरोहित, उप महानिदेशक*
अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन	उदय बोरवणकर
इरीन/नासिक	रविलेश कुमार
इरिसेन/पुणे	एस. के. झा
इरिसेट/सिंकदराबाद	शरद कुमार श्रीवास्तव
आईआरआईटीएम/लखनऊ	संजय त्रिपाठी, एडीजी*
आईआरआईएफएम/सिकंदराबाद	अपर्णा गर्ग
इरिमी/जमालपुर	मनु गोयल, एएम/ईएनएचएम*
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें)	
केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन	पी. अनंत, पीसीएमई
पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला	प्रमोद कुमार#
रेल पहिया संयंत्र, बेला	अतुल्य सिन्हा

*कार्यभार देख रहे हैं। **मेट्रो रेल, कोलकाता #प्रधान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (01 जनवरी, 2025 की स्थिति के अनुसार)

समीक्षा-संभावनाएं

केरल में चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन का 3डी वास्तुशिल्प डिज़ाइन

परिणाम: 2023-24

वित्तीय निष्पादन

वर्ष 2023-24 ₹3,259.68 करोड़ की शुद्ध राजस्व प्राप्तियों के साथ समाप्त हुआ।

माल यातायात परिचालन

	2022-23	**2023-24**	**निरपेक्ष अंतर**	**अंतर प्रतिशत में**
प्रारंभिक राजस्व टन (मिलियन)	1,509.10	**1,588.06**	**78.96**	**5.23**
राजस्व शुद्ध टन किलोमीटर (बिलियन)	959.57	**973.97**	**14.40**	**1.49**
माल आमदनी@ (करोड़ ₹ में)	1,60,158.48	**1,65,880.58**	**5,722.10**	**3.57**

@ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि।

यात्री व्यवसाय

	2022-23	**2023-24**	**निरपेक्ष अंतर**	**अंतर प्रतिशत में**
यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या (मिलियन)	6,396	**6,905**	**509**	**7.96**
यात्री किलोमीटर (बिलियन)	959	**1,065**	**106**	**11.05**
यात्री आमदनी (₹ करोड़ में)	63,416.85	**70,693.33**	**7,276.48**	**11.47**

कोलकाता मेट्रो स्टेशन पर पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था

इंजीनियरी संबंधी कार्य

वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित इंजीनियरी संबंधी कार्य पूरे किए गए थे:

	2023-24 (कि.मी. में)
नई लाइनों का निर्माण	**2,806**
बड़ी लाइन में परिवर्तन	**259**
रेलपथ नवीकरण	**5,950**

विद्युतीकरण

2023-24 के दौरान, भारतीय रेल के 4,644 किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

संरक्षा, सिगनल और दूरसंचार

2022-23 की तुलना में 2023-24 के दौरान, परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाएं और प्रति मिलियन किलोमीटर रेलगाड़ी किलोमीटर रेलगाड़ी दुर्घटनाओं (संरक्षा का महत्त्वपूर्ण सूचकांक) का ब्यौरा इस प्रकार है:

	2022-23	**2023-24**
परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाएं*	48	**40**
प्रति दस लाख रेलगाड़ी किलोमीटर रेलगाड़ी दुर्घटनाएं	0.04	**0.03**

*कोंकण रेल को छोड़कर

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नया पैदल पार पुल

अयोध्या धाम जंक्शन स्टेशन का पुनर्विकास कार्य

यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए थे:

व्यवस्था	2023-24 (रेलवे स्टेशनों की संख्या)
जन उद्घोषणा प्रणाली	5,980
रेलगाड़ी प्रदर्श बोर्ड	1,274
सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणाली	756

परिचालन कुशलता

2022-23 की तुलना में 2023-24 के लिए कुछ महत्वपूर्ण कुशलता सूचकांक इस प्रकार हैं:

कुशलता सूचकांक	बड़ी लाइन		मीटर लाइन	
	2022-23	2023-24	2022-23	2023-24
शुद्ध टन किलोमीटर प्रति मालडिब्बा प्रति दिन	8,670	7,851	-	-
सभी मालगाड़ियों की गति (किलोमीटर प्रति घंटे) (सभी कर्षण)	30.8*	25.0	-	-
कुल मालडिब्बा किलोमीटर से लदे हुए मालडिब्बों का प्रतिशत	62.5*	62.9	-	-
शुद्ध लदान प्रति मालगाडी (टन)	1,738*	1,899	-	-
शुद्ध टन किलोमीटर प्रति रेलइंजन घंटा	13,650*	14,256	-	-
यात्री रेलगाड़ी किलोमीटर प्रति रेलगाड़ी प्रति दिन	470	492	27*	48

*संशोधित

सामग्री प्रबंधन

भारतीय रेल में लागतों, भंडारण, सम्हलाई, बीमा और लाभांश शुल्कों का न्यूनीकरण की दृष्टि से सामग्री प्रबंधन का उत्तरोत्तर नवीकरण किया जा रहा है। 2023-24 के दौरान खपत की गई सामग्री के मूल्य से वस्तुसूची वस्तुओं के मूल्य के मामले-में टर्न ओवर अनुपात 10 प्रतिशत (ईंधन को छोड़कर) और 9 प्रतिशत (ईंधन के साथ) था जबकि पिछले वर्ष यह 09 प्रतिशत (ईंधन को छोड़कर) और 07 प्रतिशत (ईंधन सहित) था। अनुपयोगी चल स्टॉक और प्रोद्भूत स्क्रैप के निपटान की कड़ी निगरानी की गई।

पर्यावरण प्रबंधन

अधिक स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाकर, ऊर्जा संरक्षण के उपाय करके, खाली पड़ी रेल भूमि पर वृक्षारोपण आदि करके रेल परिचालन को पर्यावरण अनुकूल बनाने और प्रतिकूल प्रभावों का न्यूनीकरण करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र संस्थापित करने के लिए खाली भूमि और छतों का उपयोग किया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेलवे का मुख्यालय भवन रेल निकेतन

मानव संसाधन विकास

उत्पादकता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेल कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु कई पहलें की गई। इस दिशा में परिवहन से संबंधित शिक्षा, बहुविषयक अनुसंधान और प्रशिक्षण पर केंद्रित भारत के पहले विश्वविद्यालय के रूप में गुजरात के वडोदरा शहर में राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान की स्थापना की गई है।

औद्योगिक संबंध तथा कार्मिक

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 12,52,180 नियमित कर्मचारी थे जबकि 31 मार्च 2023 को 11,89,615 कर्मचारी थे, अर्थात 62,565 की वृद्धि हुई है।

2023-24 के दौरान औद्योगिक संबंध मधुर बने रहे। 2023-24 के दौरान सभी अराजपत्रित कर्मचारियों (रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के कर्मियों को छोड़कर) को 78 दिन के वेतन के बराबर उत्पादकता संबद्ध बोनस का भुगतान किया गया। रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के समूह 'ग' कोटि के कार्मिकों को 30 दिन के वेतन के बराबर तदर्थ बोनस स्वीकृत किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे में स्वचालित ब्लॉक सिगनल प्रणाली का शुभारंभ

कर्मचारी कल्याण

भारतीय रेलों की कल्याण योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलाप आते हैं, यथा रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए शैक्षणिक सुविधाएं तथा वित्तीय सहायता, परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए हस्तशिल्प केन्द्र स्थापित करना, बीमारी के समय आर्थिक सहायता, रियायती दरों पर आवास और कार्यस्थलों पर कैंटीन सुविधाओं की व्यवस्था करना तथा कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के लिए सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करना।

कार्यनिष्पादन: 2024 (1 जनवरी 2024 - 31 दिसंबर 2024)

यात्री संव्यवहार

जनवरी-दिसंबर 2024 के दौरान, भारतीय रेल में प्रारंभिक यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान 7,276.82 मिलियन की तुलना में 6,853.18 मिलियन थी, जो 423.64 मिलियन (6.18%) की वृद्धि का द्योतक है। इस अवधि के दौरान, यात्री आय ₹73,985.13 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान यात्री आय की तुलना में ₹4,827.13 करोड़ (6.97%) की वृद्धि का द्योतक है।

टाटानगर में मालगाड़ी और सवारी गाड़ी

माल यातायात परिचालन

पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में वर्ष 2024 (जनवरी-दिसंबर 2024) के लिए राजस्व अर्जक यातायात लदान का विवरण इस प्रकार है:-

(मिलियन टन)

पण्य	जनवरी से दिसंबर 2023 तक	**जनवरी से दिसंबर 2024 तक**
कोयला	762.29	**819.21**
इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल लौह अयस्क को छोड़कर	35.46	**30.99**
कच्चा लोहा और तैयार इस्पात	69.54	**67.65**
लौह अयस्क	176.13	**180.20**
सीमेंट	149.66	**145.93**
खाद्यान्न	53.80	**50.63**
उर्वरक	59.96	**59.16**
पेतेस्ने (खनिज तेल)	49.95	**51.02**
शेष अन्य पण्य	200.54	**209.70**
कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,557.33	**1,614.49**

जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के लिए अनुमान

माल यातायात परिचालन

जनवरी से मार्च 2025 तक तीन महीनों की अवधि के लिए कोंकण रेल निगम लिमिटेड को छोड़कर रेलवे द्वारा ढोए जाने वाले माल की अनुमानित मात्रा 434.7 मिलियन टन है।

यात्री व्यवसाय

जनवरी से मार्च 2025 तक आगामी तीन महीनों के लिए प्रारंभिक यात्रियों की कुल अनुमानित संख्या लगभग 1,794.62 मिलियन है।

त्रिची जंक्शन पर एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल

सकल राजस्व और संचालन व्यय

(विविध सहित)

(करोड़ ₹ में)

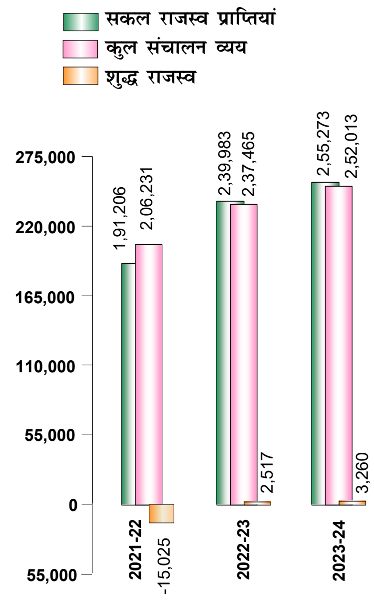

वित्त

2023-24 के परिणाम

रेलों की सकल यातायात प्राप्तियां 2022-23 में ₹2,39,982.56 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2023-24 में ₹2,55,272.63 करोड़ हो गई। कुल संचालन व्यय 2022-23 में ₹2,35,655.78 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में ₹2,50,893.61 करोड़ हो गया। विविध लेन-देनों को हिसाब में लेने के बाद, शुद्ध राजस्व प्राप्तियां ₹3,259.68 करोड़ थीं।

रेल अभिसमय समिति की सिफारिशों के अनुसार, 2023-24 के दौरान लाभांश का भुगतान नहीं किया गया था। वर्ष के अंत में शुद्ध राजस्व ₹3,259.68 करोड़ रहा।

2022-23 की तुलना में 2023-24 के वित्तीय परिणामों का सारांश नीचे दिया गया है:-

(₹ करोड़ में)

	2022-23	2023-24	कमी-बेशी
पूंजीगत निवेश (महानगर परिवहन परियोजना और सर्कुलर रेलवे, उधमपुर-बारामूला परियोजना और विशेष रेल संरक्षा कोष में विनियोग को छोड़कर)	5,19,470.28	**6,94,142.62**	**1,74,672.34**
पूंजी निधि से निवेश	53,449.91	**53,449.91**	**-**
कुल	5,72,920.19	**7,47,592.53**	**1,74,672.34**
सकल यातायात प्राप्तियां	2,39,982.56	**2,55,272.63**	**15,290.07**
कुल संचालन व्यय	2,35,655.78	**2,50,893.61**	**15,237.83**
शुद्ध यातायात प्राप्तियां	4,326.78	**4,379.02**	**52.24**
विविध लेन-देन (शुद्ध)	-1,809.40	**-1,119.34**	**-690.06**
शुद्ध राजस्व प्राप्तियां	2,517.38	**3,259.68**	**742.30**
सामान्य राजस्व को देय लाभांश	-	**-**	**-**
आधिक्य (+) / कमी (-)	2,517.38	**3,259.68**	**742.30**
निम्नलिखित का प्रतिशत:	-	**-**	**-**
(क) सकल आय से संचालन व्यय का प्रतिशत	98.10	**98.43**	**0.33**
(ख) पूंजी निवेश और पूंजी निधि से निवेश से शुद्ध राजस्व	0.44	**0.44**	**0.00**
प्रति शुद्ध टन किलोमीटर पूंजी निवेश* (पैसे में)	551	**704**	**153**

*पूंजी निधि से निवेश शामिल है।

राजस्व

पिछले वर्ष की तुलना में सकल यातायात प्राप्तियों में ₹15,290.07 करोड़ (6.37%) की वृद्धि हुई। प्रमुख स्रोतों के मामले में विवरण वित्त विवरणों के विवरण 1क में दिया गया है।

संचालन व्यय

2023-24 के दौरान कुल संचालन व्यय ₹2,50,893.61 करोड़ था, जो वर्ष 2022-23 की तुलना में ₹15,237.83 करोड़ अधिक है। संचालन व्यय का अनुदान-वार वितरण वित्त विवरणों के विवरण 1ख और 1ग में दिया गया है।

तुलन-पत्र:

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, तुलन-पत्र और 2022-23 की तुलना में कमीबेशी का सारांश इस प्रकार है:

			(₹ करोड़ में)
परिसंपत्तियां		**31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार**	**पिछले वर्ष की तुलना में कमी-बेशी**
ब्लॉक परिसंपत्तियां		**12,18,258.82**	**2,45,524.64**
केन्द्रीय सरकार के अधीन निधियां:			
(i) आरक्षित निधियां	**5,321.55**		
(ii) बैंक खाते	**80,227.94**		
		85,549.49	**12,580.65**
फुटकर देनदार आदि		**7,038.98**	**1,092.40**
हस्ते रोकड़		**337.58**	**(-)108.89**
कुल		**13,11,184.87**	**2,59,088.80**
देयताएं			
इनका निरूपण इस प्रकार है:			
ब्याज देय पूंजी*	**7,92,657.45**		
आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित निवेश, आदि	**4,25,601.38**		
कुल		**12,18,258.83**	**2,45,524.65**
आरक्षित निधियां		**5,321.55**	**2,969.41**
बैंक खाते:			
(i) भविष्य निधि	**38,689.13**		
(ii) विविध निक्षेप	**41,465.42**		
(iii) वित्तीय ऋण एवं अग्रिम	**73.39**		
कुल		**80,227.94**	**9,611.24**
फुटकर लेनदार, आदि		**7,376.55**	**983.50**
जोड़		**13,11,184.87**	**2,59,088.80**

*इसमें विशेष रेल संरक्षा निधि में ₹11,954.00 करोड़ का विनियोग, राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में ₹90,000.00 करोड़ का विनियोग, रेल संरक्षा निधि में ₹1,07,957.03 करोड़ का विनियोग और सॉवरेज ग्रीन फंड में ₹22,717.99 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं है।

आस्थगित लाभांश दायिता*

यह एक आकस्मिक देयता है और इसे तुलन-पत्र में नहीं दिखाया जाता है।

*इसके अलावा, 2016-17 से रेलवे को लाभांश के भुगतान से छूट दी गई है। रेल बजट के केंद्रीय बजट के साथ विलय उपरांत, रेलवे की ब्याज देय पूंजी को और फलस्वरूप लाभांश देयता को भी बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

परिचालन अनुपात
(प्रतिशत)

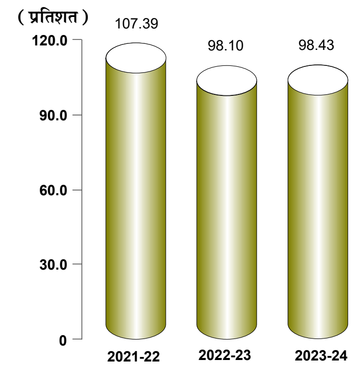

आधिक्य/कमी
(करोड़ ₹ में)

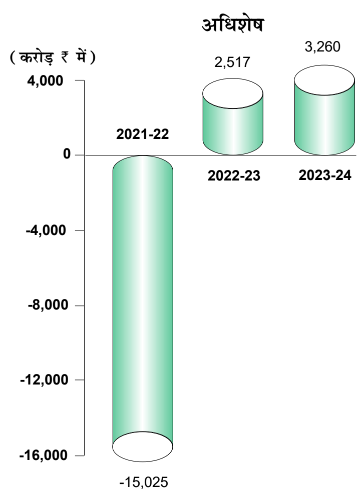

माल लदान, उत्तर पश्चिम रेलवे

रेल पूंजी निधि

रेल अभिसमय समिति (1991) की दूसरी रिपोर्ट में यथा अंतर्विष्ट सिफारिशों के अनुसरण में, वर्ष 1992-93 से रेल पूंजी निधि परिचालित हो गई थी। इस निधि में विनियोग राजस्व अधिशेष से किया जाता है और इसका उद्देश्य पूंजीगत स्वरूप की परिसंपत्तियों पर व्यय का वित्तपोषण करना है। वर्ष 2023-24 तक इस निधि से ₹53,449.91 करोड़ का निवेश किया गया था।

आरक्षित निधियों में शेष

रेल अभिसमय समिति (1991) की द्वितीय रिपोर्ट में यथा अंतर्विष्ट सिफारिशों के अनुसरण में, दो मौजूदा निधियों अर्थात दुर्घटना प्रतिकर, संरक्षा एवं यात्री सुविधा निधि और राजस्व आरक्षित निधि का संरक्षा और यात्री सुविधा संबंधी कार्यों पर व्यय को पूरा करने के लिए पुनर्गठन किया गया है। अत: समाप्त की गई निधियों के शेष का विकास निधि में विलय कर दिया गया है।

31 मार्च 2023 की तुलना में 31 मार्च 2024 को निधियों की स्थिति नीचे दी गई है:

(₹ करोड़ में)

निधि का नाम	1.4.2023 को शेष	2023-24 के दौरान निधि में अंशदान	2023-24 के दौरान आहरण	31.3.2024 को शेष
मूल्यह्रास आरक्षित निधि*	428.14	**1,019.90**	**667.94**	**780.10**
विकास निधि*	15.52	**1,509.68**	**952.66**	**572.54**
पूंजी निधि*	442.16	**14.81**	**0.00**	**456.97**
पेंशन निधि*	360.90	**59,631.26**	**58,037.76**	**1,961.39**
रेल संरक्षा निधि	3.38	**45,000.00**	**45,000.33**	**3.06**
ऋण अदायगी निधि*	237.15	**7.94**	**0.00**	**245.09**
राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	864.89	**11,759.68**	**11,322.17**	**1,302.40**
सॉवरेन ग्रीन फंड	0.00	**12,478.99**	**12,478.99**	**0.00**
कुल	2,352.14	**1,31,429.26**	**1,28,459.85**	**5,321.55**

*इसमें वर्ष 2022-23 के लिए मूल्यह्रास आरक्षित निधि से ₹19.90 करोड़, विकास निधि से ₹9.68 करोड़, पूंजी निधि से ₹14.81 करोड़, पेंशन निधि से ₹38.26 करोड़ और ऋण अदायगी निधि से ₹7.94 करोड़ का ब्याज शामिल है।

31 मार्च 2024 को आरक्षित निधियों में कुल शेष ₹5,321.55 करोड़ था, जो पिछले वर्ष की तुलना में ₹2,969.41 करोड़ की वृद्धि का द्योतक है।

रोकड़ प्रवाह

वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल के आंतरिक संसाधनों से ₹2,48,560.98 करोड़ जुटाए गए।

जीरो स्क्रैप मिशन के तहत स्क्रैप का निपटान

आंतरिक संसाधन सृजन और योजना परिव्यय के वित्तपोषण हेतु निधियों के उपयोग का विवरण वित्त विवरणों के विवरण IV में दर्शाया गया है। 2023-24 के दौरान, कुल योजना निवेश ₹2,48,560.98 करोड़ (महानगर परिवहन परियोजनाओं, सर्कुलर रेलवे और राष्ट्रीय परियोजनाओं सहित) था। इसका वित्तपोषण ₹2,42,648.46 करोड़ की सीमा तक बजट सहायता से किया गया। 2022-23 के दौरान तदनुरूपी स्थिति यह थी कि कुल योजना निवेश ₹1,62,978.50 करोड़ (महानगर परिवहन परियोजनाओं, सर्कुलर रेलवे और राष्ट्रीय परियोजना को सहित) था। इसका वित्तपोषण

₹1,59,256.15 करोड़ की सीमा तक बजट सहायता से किया गया। शेष योजना निवेश को आंतरिक तथा बजटेतर संसाधनों से पूरा किया गया। वर्ष 2023-24 के दौरान, योजना व्यय का वित्तपोषण करने के लिए निधि शेष में ₹2,969.41 करोड़ की वृद्धि हुई।

डब्ल्यूएजी-12,000 अश्व शक्ति रेलइंजन

लेखापरीक्षा की आपत्तियां

31 मार्च, 2024 तक भारतीय रेल के पास कुल 1,692 लेखापरीक्षा टिप्पणियां भाग-I, 688 विशेष पत्र और 5,095 लेखापरीक्षा निरीक्षण रिपोर्ट भाग-I थीं, जबकि 31 मार्च, 2023 के अंत तक क्रमशः 18,46,741 और 5,230 बकाया थीं।

भारतीय रेल में लेखापरीक्षा की सभी आपत्तियों, निरीक्षण रिपोर्टों, प्रारूप पैराग्राफों, आदि पर चर्चा और उनका निपटान सुनिश्चित करने का सुव्यवस्थित तंत्र है। लेखापरीक्षा, लेखा और कार्यकारी विभागों को शामिल करते हुए विभिन्न स्तरों पर त्रिपक्षीय बैठकें की जाती हैं। प्रारूप पैराग्राफों पर भी रेलवे बोर्ड और लेखापरीक्षा विभाग के बीच शीर्ष स्तर पर चर्चा की जाती है और दिए गए उत्तरों के आधार पर, उनमें से कई बंद हो जाते हैं।

इस वर्ष के लिए रेल मंत्रालय के कामकाज पर लेखापरीक्षा की आपत्तियों का, जैसा कि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं, सारांश पृष्ठ 152 पर दिया गया है।

रेलवे और सरकार के बीच वित्त व्यवस्था

संघ के अन्य मंत्रालयों/विभागों की तरह, रेल मंत्रालय केंद्रीय वित्त/बजट का अभिन्न अंग है। मोटे तौर पर, रेलवे का राजस्व व्यय रेलवे की राजस्व प्राप्तियों से पूरा किया जाना अपेक्षित है। राजस्व व्यय की तुलना में राजस्व प्राप्तियों के आधिक्य को मुख्यतः पूंजीगत व्यय के लिए आंतरिक संसाधनों के रूप में उपयोग किए जाने के लिए मूल्यह्रास आरक्षित निधि, विकास निधि, पूंजी निधि जैसी रेल आरक्षित निधियों में और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष को आंशिक अंशदान में डाला जाता है। रेलवे के पूंजीगत व्यय को आंतरिक संसाधन सृजन के साथ-साथ सामान्य राजकोष से सकल बजट सहायता, बाजार से बजटेतर संसाधनों और भागीदारी से पूरा किया जाता है।

भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा निवेश

1987-88 से, भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड, जो रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सरकारी क्षेत्र का उपक्रम है, रेलों में पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण करने के लिए बाजार ऋण जुटा रहा है। भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा जुटाई गई बाजार निधियां रेल योजना के लिए बजटेतर संसाधन बनते हैं और उनका ऐसे चल स्टाक और परियोजनाओं में निवेश किया जाता है, जिन्हें भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेल मंत्रालय को पट्टे पर दिया जाता है।

वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक भारतीय रेल वित्त निगम से पट्टे पर लिए गए चल स्टॉक का विवरण इस प्रकार है:

परिसम्पत्तियों की कोटि	2023-24 के अंत तक पट्टे पर लिए गए चल स्टॉक	
	अदद	मूल्य (₹ करोड़ में)
बिजली रेल इंजन	8,036	83,611.19
डीजल रेल इंजन	4,695	50,807.37
कुल रेल इंजन	**12,731**	**1,34,418.57**
माल डिब्बे	2,13,866	51,566.70
सवारी डिब्बे	72,329	1,07,559.63
रेलपथ मशीनें	81	342.33
अन्य विविध मदें	-	1,034.38
जोड़		**2,94,921.61**

सुदृढ़ अवसंरचना, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पीर पंजाल सुरंग, जम्मू और कश्मीर

भारतीय रेल वित्त निगम से पट्टे पर ली गई चल स्टाक परिसंपत्तियों पर, रेलवे द्वारा अग्रिम रूप से अर्धवार्षिक पट्टा किरायों का भुगतान किया जाता है ताकि भारतीय रेल वित्त निगम ऋण अदायगी करने में सक्षम हो सके। 2023-24 में रेल मंत्रालय द्वारा अदा किए पट्टा किरायों का मूल्य ₹30,154 करोड़ था जिसमें ₹17,078.54 करोड़ पूंजी घटक और 13,075.46 करोड़ ब्याज घटक था।

2011-12 में भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा 90 दोहरीकरण और 32 विद्युतीकरण परियोजनाओं के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए भी उस वर्ष में ₹2,078.49 करोड़ की सीमा तक वित्तपोषण उपलब्ध कराया गया था। वित्तपोषण की सीमा तक परियोजना परिसंपत्तियां भारतीय रेल वित्त निगम से रेल मंत्रालय को पट्टे पर हैं। 2023-24 में रेल मंत्रालय द्वारा पट्टा किरायों के रूप में ₹144.24 करोड़ (₹142.96 करोड़ पूंजी घटक और ₹1.28 करोड़ ब्याज घटक) की राशि (समायोजन के पश्चात्) का भुगतान किया गया।

वित्त वर्ष 2015-16 से वित्तपोषण के एक नए स्रोत यथा बजटेतर संसाधन (संस्थागत वित्त) शुरू किया गया है। बजटेतर संसाधन (संस्थागत वित्त) निधियां दीर्घकालिक निधियां हैं, जिन्हें दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं जैसे रेलों की ऐसी प्रवाह-क्षमता संवर्धन परियोजनाओं का वित्तपोषण करने के लिए उपयोग किया जा रहा है, जिनका अन्यथा संसाधनों की तंगी के कारण पर्याप्त वित्तपोषण नहीं हो पाता। 2023-24 के अंत तक भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेलवे को उपलब्ध कराई गई संचयी बजटेतर संसाधन-संस्थागत वित्त निधि ₹1,70,003.46 करोड़ है। रेलवे ने वित्त वर्ष 2015-16 से भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा वित्तपोषित परियोजना परिसंपत्तियों के लिए 2023-24 में पट्टा किरायों (समायोजन के बाद) के रूप में ₹7,732.24 करोड़ (₹2,863.10 करोड़ पूंजी घटक और ₹4,869.14 करोड़ ब्याज घटक) का भुगतान किया।

वंदे भारत रेलगाड़ी, सवारी डिब्बा कारखाना

चुनिंदा वित्तीय अनुपात

क्र.सं.	मद	यूनिट	2022-23	2023-24
(क)	**वित्तीय अनुपात**			
1.	परिचालन अनुपात	प्रतिशत	98.10	**98.43**
2.	पूंजी पर प्रतिफल दर	प्रतिशत	0.44	**0.44**
3.	भारतीय रेल का कार्यशील अनुपात	प्रतिशत	90.92	**91.31**
4.	सब्सिडी सहित परिचालन अनुपात (लागत वसूली)	प्रतिशत	80.40	**81.10**
5.	कोचिंग (यात्री) और माल (मालभाड़ा) के लिए परिचालन अनुपात			
	i. माल	प्रतिशत	66.97	**67.55**
	ii. कोचिंग	प्रतिशत	180.82	**177.69**
6.	ओडब्ल्यूई के प्रतिशत के रूप में और सकल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में कर्ज शोधन।			
	i. ओडब्ल्यूई के प्रतिशत के रूप में कर्ज शोधन	प्रतिशत	18.90	**19.70**
	ii. सकल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में कर्ज शोधन	प्रतिशत	14.20	**14.70**
7.	पूंजीगत व्यय और राजस्व का अनुपात- पूंजीगत व्यय (आंतरिक सृजन से)/राजस्व	प्रतिशत	1.40	**1.20**
(ख)	**आमदनी / प्रतिफल अनुपात (आमदनी के संविभाजन के आधार पर)**			
1.	यात्री प्रतिफल / यात्री किलोमीटर	पैसे में	66.13	**66.40**
2.	मालभाड़ा प्रतिफल / शुद्ध टन किलोमीटर	पैसे में	166.91	**170.31**
(ग)	**उत्पादकता सूचक**			
	i. कर्मचारी उत्पादकता		8,73,523	**8,43,391**
	ii. अवसंरचना उत्पादकता		78,53,951	**78,57,124**
(घ)	**परिसंपत्ति उपयोग**			
1.	परिसंपत्तियों का उपयोग			
	i. एनटीकेएम प्रति माल डिब्बा प्रति दिन - (बड़ी लाइन)	कि.मी.	8,670	**7,851**
	ii. माल डिब्बा किमी प्रति माल डिब्बा दिन - (बड़ी लाइन)	कि.मी.	223.00	**192.00**
	iii. माल डिब्बा प्रतिवर्तन - बड़ी लाइन	दिनों में	4.70	**5.11**
	iv. औसत लदान प्रति माल डिब्बा - बड़ी लाइन	टन	60.00	**65.00**
(ङ)	**परिचालन सूचकांक**			
1.	मालगाड़ी की औसत गति - (बड़ी लाइन) - सभी कर्षण	कि.मी./घंटा	30.80*	**25.00**
2.	चल स्टॉक का संक्रामक प्रतिशत - (बड़ी लाइन)			
	i. डीज़ल रेल इंजन	प्रतिशत	9.79*	**11.40**
	ii. बिजली रेल इंजन	प्रतिशत	5.29*	**5.49**
	iii. ईएमयू सवारी डिब्बे	प्रतिशत	7.41*	**8.48**
	iv. यात्री ढुलाई	प्रतिशत	5.11*	**4.84**
	v. अन्य कोचिंग वाहन	प्रतिशत	7.38	**7.39**
	vi. माल डिब्बे	प्रतिशत	2.74*	**2.46**
3.	विशिष्ट ईंधन की खपत (खपत प्रति 1000 जीटीकेएम) - (बड़ी लाइन)			
	i. यात्री सेवाएं डीज़ल	लीटर	3.57*	**3.42**
	ii. मालभाड़ा सेवाएं डीज़ल	लीटर	1.61*	**1.98**
4.	विशिष्ट ऊर्जा खपत (खपत प्रति 1000 जीटीकेएम) - (बड़ी लाइन)			
	i. यात्री सेवा - बिजली	किलो वॉट घंटे	20.20*	**19.10**
	ii. माल सेवाएं - बिजली	किलो वॉट घंटे	6.30*	**6.19**
5.	समयपालन सूचक - समयपालन (मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां) - (बड़ी लाइन)	प्रतिशत	80.79	**73.62**
6.	दुर्घटना प्रति मिलियन गाड़ी किलोमीटर		0.04	**0.03**

*संशोधित

भारतीय रेल में कंटेनर परिवहन

माल यातायात परिचालन

वर्ष 2023-24 में, भारतीय रेल ने 1,589.95 मिलियन टन माल यातायात की ढुलाई की, जिसमें से 1,588.06 मिलियन टन राजस्व अर्जक और 1.89 मिलियन टन राजस्व अनर्जक था और वर्ष 2022-23 में 960 बिलियन की तुलना में 974 बिलियन का कुल शुद्ध टन किलोमीटर प्राप्त किया। मालभाड़ा आमदनी 2022-23 में ₹1,62,262.90 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में ₹1,68,293.29 करोड़ हो गई जो 3.71% की वृद्धि का द्योतक है।

2022-23 की तुलना में 2023-24 में राजस्व-अर्जक यातायात का पण्य-वार लदान इस प्रकार था:

पण्य	ढोए गए टन (मिलियन में)	
	2022-23	**2023-24**
कोयला		
(i) इस्पात संयंत्रों के लिए	59.23	**62.75**
(ii) वाशरी के लिए	0.01	**0.00**
(iii) विद्युतघरों के लिए	568.62	**606.52**
(iv) सार्वजनिक उपयोग के लिए	99.38	**117.57**
जोड़	727.24	**786.84**
लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल	28.15	**29.17**
कच्चा लोहा और तैयार इस्पात		
(i) इस्पात संयंत्रों से	33.70	**34.75**
(ii) अन्य स्थानों से	36.17	**41.01**
जोड़	69.87	**75.76**
लौह अयस्क		
(i) निर्यात के लिए	7.19	**17.93**
(ii) इस्पात संयंत्रों के लिए	87.88	**88.81**
(iii) अन्य घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिए	65.07	**74.20**
जोड़	160.14	**180.94**
सीमेंट	143.93	**152.72**
खाद्यान्न	70.92	**51.44**
उर्वरक	56.34	**58.92**
खनिज तेल (पेतेस्ने)	48.22	**49.88**
कंटेनर सेवा		
(i) देशीय कंटेनर	19.83	**20.98**
(ii) निर्यात-आयात कंटेनर	59.39	**63.78**
जोड़	79.22	**84.76**
शेष अन्य पण्य	125.08	**117.61**
कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,509.10	**1,588.06**

साज-सज्जा चरण में वंदे मेट्रो

राजस्व अर्जक माल यातायात का स्वरूप
(कुल यातायात का प्रतिशत)

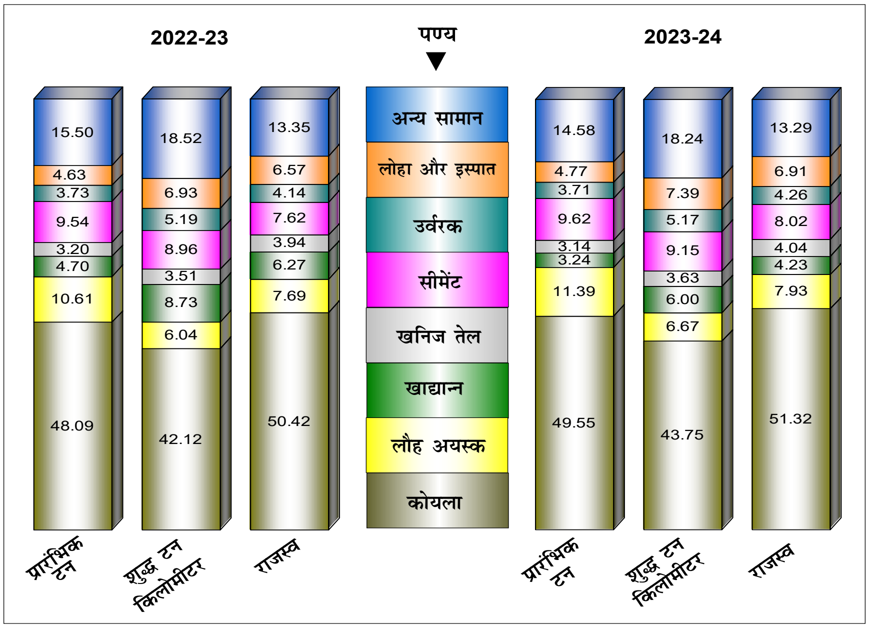

3-सी.आर. माल यातायात का प्रदर्शन

2022-23 की तुलना में 2023-24 में प्रमुख थोक पण्यों/पण्य समूहों के लिए राजस्व-अर्जक माल यातायात इस प्रकार था:-

क्र. सं.	पण्य/पण्य समूह	प्रारंभिक टन (मिलियन में)		शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन में)		आमदनी $ (₹ करोड़ में)	
		2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**
1	कोयला	727.24	**786.84**	4,04,138	**4,26,075**	80,746.75	**85,130.55**
2	लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल	28.15	**29.17**	16,702	**16,689**	2,650.56	**2,589.42**
3	कच्चा लोहा और तैयार इस्पात	69.87	**75.76**	66,495	**71,968**	10,529.33	**11,464.47**
4	लौह अयस्क	160.14	**180.94**	57,979	**64,955**	12,314.07	**13,155.77**
5	सीमेंट	143.93	**152.72**	86,009	**89,112**	12,196.83	**13,302.60**
6	खाद्यान्न	70.92	**51.44**	83,756	**58,415**	10,038.31	**7,024.03**
7	उर्वरक	56.34	**58.92**	49,832	**50,360**	6,629.45	**7,068.11**
8	खनिज तेल (पेतेस्ने)	48.22	**49.88**	33,690	**35,394**	6,305.05	**67,06.71**
9	कंटेनर सेवाएं	79.22	**84.76**	72,451	**76,894**	7,081.97	**8,117.24**
10	शेष अन्य पण्य	125.08	**117.63**	88,514	**84,106**	11,666.16	**11,321.69**
11	कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,509.10	**1,588.06**	9,59,566	**9,73,968**	1,60,158.48	**1,65,880.58**

$ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि।

पिछले 3 वर्षों के लिए राजस्व-अर्जक माल यातायात का रूझान इस प्रकार है

	2021-22	2022-23	**2023-24**
प्रारंभिक टन (मिलियन)	1,415.87	1,509.10	**1,588.06**
शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन)	8,71,816	9,59,566	**9,73,968**
औसत गमन-दूरी (किलोमीटर)	616	636	**613**
माल आमदनी $ (करोड़ ₹ में)	1,39,287.30	1,60,158.48	**1,65,880.58**

$ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि

प्रारंभिक टन
(राजस्व अर्जक)

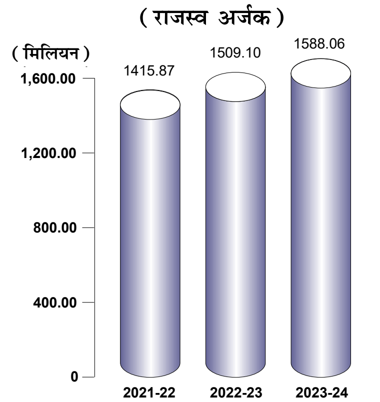

शुद्ध टन किलोमीटर
(राजस्व अर्जक)

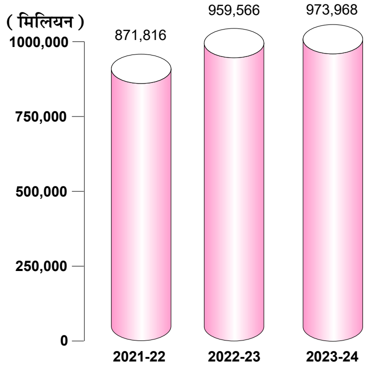

औसत गमन दूरी
एक टन माल के संचलन की औसत दूरी
(राजस्व अर्जक यातायात)

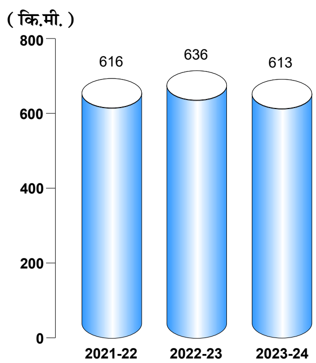

माल राजस्व

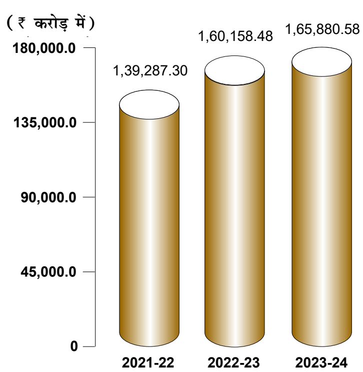

माल यातायात सेवाएं - संरचना और दरें

1. वर्ष 2023-24 में आधार मालभाड़ा दर में कोई वृद्धि नहीं की गई।
2. कंटेनर यातायात पर 10% की दर से व्यस्त अवधि प्रभार लागू किया गया है।
3. अधिसूचित रिक्त प्रवाह दिशा में एनएमजी ग्रुप स्टॉक, बीसीसीएनआर और बीसीएसीएम माल डिब्बों में लदान किए जाने पर ऑटोमोबाइल यातायात के लिए मालभाड़े में 20% की छूट।
4. भारतीय रेल के माल डिब्बों में बुक किए गए ऑटोमोबाइल यातायात की मालभाड़ा दर को युक्तिसंगत बनाया गया है।
5. नया परिवहन उत्पाद 'कार्गो एग्रीगेटर परिवहन उत्पाद' शुरू किया गया।
6. सामान्य कंटेनरों में परिवहन किए जाने पर थोक सीमेंट (खुला सीमेंट) पर विशेष ढुलाई दर पर प्रभार लिया जाएगा।
7. व्यस्त अवधि प्रभार वसूलने के लिए संशोधित परिपत्र जारी किया गया जो 01.07.2024 से प्रभावी था। अब, छतदार माल डिब्बों के लिए व्यस्त अवधि अक्टूबर से अगस्त तक और अन्य सभी स्टॉक के लिए पूरे वर्ष है।
8. विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की वैधता-अवधि को बढ़ाया गया है, जिनमें पारंपरिक रिक्त प्रवाह दिशाओं (टीईएफडी) में लादे गए यातायात के लिए उदारीकृत स्वचल मालभाड़ा छूट योजना, खुले और सपाट माल डिब्बों में लादे गए बोरीबंद परेषण पर छूट, खुले और सपाट माल डिब्बों में लदान करने पर बोरीबंद/खुली फ्लाई ऐश और बेड ऐश पर छूट, अल्प गमन-दूरी रियायत, नमक यातायात के लिए श्रेणीबद्ध रियायत, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए/से बुक किए गए यातायात के लिए 6% रियायत आदि शामिल हैं।

माल विपणन

1. **गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी):** दिनांक 15.12.2021 को भारतीय रेल ने नई 'गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल' नीति का शुभारंभ किया था। इस नीति का उद्देश्य रेल कार्गो की सम्हलाई के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में उद्योग जगत से निवेश को बढ़ावा देना है। इन टर्मिनलों का गैर-रेल भूमि के साथ-साथ अंशत: या पूर्णत: रेल भूमि पर निर्माण किया जा रहा है। गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल नीति के लोकार्पण के बाद सभी नए टर्मिनलों को गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल के रूप में चालू किया जा रहा है।
2. **'संयुक्त पार्सल उत्पाद और रैपिड कार्गो सेवा (जेपीपी-आरसीएस)' का शुभारंभ:** ई-कॉमर्स और एफएमसीजी पर विशेष ध्यान देते हुए, 'संयुक्त पार्सल उत्पाद (जेपीपी)' की संशोधित नीति जिसे 'संयुक्त पार्सल उत्पाद - रैपिड कार्गो सेवा (जेपीपी-आरसीएस)' नाम दिया गया है, 24.01.2024 को पेश की गई है। इस नीति के अंतर्गत, 'वर्चुअल एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म (वीएपी)' के माध्यम से एग्रीगेटर्स (भारतीय डाक के अलावा) द्वारा जेपीपी-आरसीएस सेवाओं में पार्सल स्पेस की ऑनलाइन बुकिंग हेतु प्रावधान किया गया है। यह सेवा परेषणों की डोर-टू-डोर डिलीवरी, ग्राहकों के लिए सिंगल-पॉइंट संपर्क, वास्तविक समय ट्रैकिंग सुविधाओं और प्रतिस्पर्धी माल भाड़ा दरों और द्रुत सेवाओं के लाभ प्रदान करती है।

   'सूरत-नारायणपुर अनंत' और 'रेणिगुंटा-निजामुद्दीन' मार्गों पर मौजूदा सेवाओं के अलावा, 27.02.2024 और 25.05.2024 को क्रमश: 'तुगलकाबाद-यशवंतपुर' और 'भिवंडी रोड-संकराइल' मार्गों पर नई जेपीपी-आरसीएस साप्ताहिक सेवाएं शुरू की गई हैं।

3. कुछ लोकप्रिय ई-कॉमर्स पण्यों (जैसे घरेलू सफाई/सैनिटाइजिंग उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन, व्यक्तिगत स्वच्छता उत्पाद, लिथियम आयन बैटरियां, बैटरी चालित वाहन आदि) को रेड टैरिफ में शामिल करना, ताकि रेलवे की पार्सल सेवाओं, जिनमें नियत पार्सल रेलगाड़ियां और जेपीपी-आरसीएस रेलगाड़ियां शामिल हैं, के माध्यम से इन पण्यों के संचलन को सुकर बनाया जा सके।

समर्पित माल यातायात गलियारा

4. **निजी निवेश आमंत्रित करके माल यातायात के लिए रेकों की अधिप्राप्ति:**

i. **सामान्य प्रयोजन माल डिब्बा निवेश योजना (जीपीडब्ल्यूआईएस):** अंतिम उपयोगकर्ताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पत्तन स्वामियों, संभार-तंत्र प्रदाताओं और खान मालिकों द्वारा सामान्य प्रयोजन माल डिब्बों की अधिप्राप्ति के लिए निवेश की अनुमति देने के लिए। यह योजना पात्र निवेशकों को इन रेकों में किसी भी पण्य की ढुलाई करने हेतु किसी भी वांछित सर्किट (सर्किटों) में सामान्य प्रयोजन माल डिब्बों के न्यूनतम एक रेक में निवेश करने की अनुमति देती है।

ii. **उदारीकृत विशेष मालगाड़ी ऑपरेटर योजना (एलएसएफटीओ):** वर्ष 2020 में उदारीकृत विशेष मालगाड़ी ऑपरेटर योजना को पूर्ववर्ती दो योजनाओं अर्थात उदारीकृत माल डिब्बा निवेश योजना (एलडब्ल्यूआईएस) और विशेष मालगाड़ी ऑपरेटर योजना (एसएफटीओ) को मिलाकर शुरू किया गया था। इस नीति का उद्देश्य रेल यातायात के जिंस आधार को बढ़ाने के लिए उच्च क्षमता और विशेष प्रयोजन माल डिब्बों में अपारंपरिक यातायात के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी को बढ़ाना है। यह नीति संभार-तंत्र सेवा प्रदाताओं या विनिर्माताओं को रेलवे और स्वयं दोनों पक्षों हेतु लाभकारी स्थिति का सृजन करने के लिए माल डिब्बों में निवेश करने और चयनित पण्य के रेल परिवहन की श्रेष्ठताओं का उपयोग करने का अवसर देती है। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए उनके पण्यों के साथ-साथ तीसरे पक्ष के पण्यों का परिवहन करके उनके चल स्टॉक का बेहतर उपयोग करने के अवसर का भी सृजन करती है।

iii. **मोटरयान मालगाड़ी ऑपरेटर योजना (एएफटीओ):** मोटरयान मालगाड़ी ऑपरेटर योजना ऑटोमोबाइल क्षेत्र के परिवहन हेतु निजी पार्टियों द्वारा विशेष प्रयोजन रेकों की अधिप्राप्ति और परिचालन की अनुमति देती है।

iv. **माल डिब्बा पट्टा योजना (डब्ल्यूएलएस):** इस योजना में भारतीय रेल में रेल माल डिब्बों को पट्टे पर देने की संकल्पना शुरू की गई थी। इस योजना का लक्ष्य सार्वजनिक निजी भागीदारी द्वारा कंटेनरों के संचलन हेतु सामान्य प्रयोजन माल डिब्बों, विशेष प्रयोजन माल डिब्बों और माल डिब्बों के रेकों का प्रवेशन है। माल डिब्बा पट्टे पर लेने वाली कंपनियां मोटरयान मालगाड़ी ऑपरेटर योजना, सामान्य प्रयोजन माल डिब्बा निवेश योजना, उदारीकृत विशेष मालगाड़ी ऑपरेटर योजना और कंटेनर रेलगाड़ी ऑपरेटरों को भी पट्टे पर माल डिब्बे दे सकती हैं।

माल शेडों पर लदान/उतराई

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए दावों की अपेक्षित जानकारी इस प्रकार है:

क. दावे (2023-24)

रेलवे द्वारा दर्ज किए गए दावों की संख्या 2020-21 के दौरान 3,845, 2021-22 में 3,401, 2022-23 में 3,584 और 2023-24 में 3,102 थी।

ख. दावे (अप्रैल-सितंबर 2024)

रेलवे द्वारा दर्ज किए गए दावों की संख्या अप्रैल से सितंबर 2021 की अवधि के दौरान 1,683, अप्रैल से सितंबर 2022 की अवधि के दौरान 1,717, अप्रैल से सितंबर 2023 की अवधि के दौरान 1,584 और अप्रैल से सितंबर 2024 की अवधि के दौरान 1,940 थी।

दावा उत्पन्न होने की रोकथाम करने के लिए रेलवे द्वारा शुरू किए गए उपाय इस प्रकार हैं:

1. उपयुक्त संबंधन के लिए खराब और अलग किए गए माल डिब्बों की निगरानी करना और उसे उसके बुक किए गए गंतव्य/सही परेषिती को भेजना। इस प्रयोजनार्थ माल डिब्बों को जोड़ने/अलग करने के विवरण एफओआईएस मॉड्यूल में दर्ज किए जाते हैं।
2. पार्सलों की निगरानी करने के लिए पार्सल/सामान की बुकिंग/लदान/उतराई/सुपुर्दगी का विवरण पीएमएस में डाला जाता है ताकि ग्राहकों के लिए उनके द्वारा बुक करवाए परेषणों की वस्तुस्थिति देख पाना साध्य बनाया जा सके।
3. बुकिंग करते समय, जहां भी आवश्यक हो, दोषपूर्ण पैकिंग दशाओं के बारे में परेषिती या उसके अधिकृत अभिकर्ता से अग्रेषण नोटों पर टिप्पणी प्राप्त की जाती है, जैसे "आंतरिक/बाहरी पैकिंग शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है, पारवहन के दौरान क्षति के लिए उत्तरदायी है, आदि" और रेल रसीद/रेलपथ बीजक पर भी उसी टिप्पणी की प्रतिकृति तैयार की जाती है।
4. परेषणों का संबंधन और सुपुर्दगी साध्य बनाने के लिए परेषणों के आगमन से पहले गंतव्य रेलवे स्टेशन पर ओआरआरएस/पीआरआरएस की प्रतिलिपि भेजना।
5. इलेक्ट्रानिक चलायमान तुला चौकियों द्वारा रेकों को तौलना और सुपुर्दगी से पहले गंतव्य पर पार्सलों को तौलना।
6. रेकों का मार्गरक्षण।
7. मानसून पूर्वोपायों के संबंध में प्रत्येक वर्ष सर्वसंबंधित को अग्रिम रूप से अनुदेश जारी किए जाते हैं ताकि गीला होने से परेषण की क्षति की रोकथाम की जा सके।
8. माल डिब्बों के दरवाजों को ठीक से बंद करना, बोल्ट लगाना और कसना।
9. बोरीबंद परेषणों से सामग्री की उठाईगिरी की रोकथाम करने के लिए सेलुलोस झिल्ली का उपयोग। पानी के रिसाव को रोकने के लिए दरवाजे के सुराखों पर गनी स्ट्रिप्स/प्लास्टिक शीट का उपयोग, और खुले माल डिब्बों पर तिरपाल का उपयोग।
10. सभी बड़े पार्सल कार्यालयों में पर्याप्त सीसीटीवी की व्यवस्था करना।
11. माल शेड में ऊंचे मस्तूल के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की सुविधा।
12. दावा मामलों के संबंध में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को नवीनतम नियमों, परिपत्रों और नई प्रौद्योगिकियों के बारे में नियमित परामर्श और प्रशिक्षण दिया जाता है।

यात्री व्यवसाय

यात्री यात्रा

(अदद)

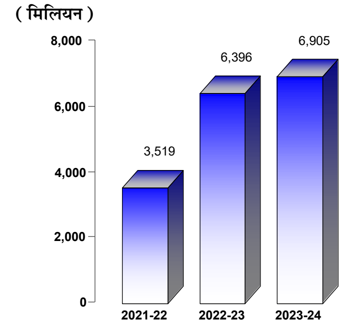

वर्ष 2022-23 की तुलना में 2023-24 में यात्री यातायात का स्वरूप नीचे दर्शाया गया है:

	उपनगरीय		अनुपनगरीय	
	2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**
प्रारंभिक यात्री (मिलियन में)	3,792	**3,981**	2,604	**2,924**
यात्री किलोमीटर (मिलियन में)	1,14,350	**1,18,506**	8,44,570	**9,46,193**
औसत गमन-दूरी (किलोमीटर में)	30.2	**29.8**	324.4	**323.6**
आमदनी (करोड़ ₹ में)	2,639.08	**2,861.55**	60,777.76	**67,831.78**
प्रति यात्री किलोमीटर औसत दर (पैसे)	23.08	**24.15**	71.96	**71.69**

पिछले तीन वर्षों में यात्री यातायात का समग्र रुझान इस प्रकार था:

	कुल उपनगरीय और अनुपनगरीय		
	2021-22	2022-23	**2023-24**
यात्री आमदनी (करोड़ ₹ में)	39,214.39	63,416.85	**70,693.33**
यात्री यात्राएं (मिलियन में)	3,519	6,396	**6,905**
यात्री किलोमीटर (मिलियन में)	5,90,217	9,58,919	**10,64,700**
औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)	167.7	149.9	**154.2**

यात्री किलोमीटर

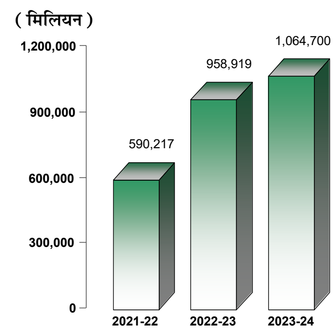

किराया संरचना

क. वर्ष 2023-24 में यात्री किरायों में कोई वृद्धि नहीं की गई।

ख. हाल ही में चालू की गई अमृत भारत गाड़ी का किराया मेल एक्सप्रेस गाड़ी की संबंधित श्रेणी की तुलना में 15% अधिक निर्धारित किया गया है।

बिना टिकट यात्रा

2023-24 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा (बुक नहीं किए सामान की ढुलाई सहित) के तहत 5.39 लाख जांच की गई। बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बुक नहीं किए गए सामान के लगभग 361.05 लाख मामलों का पता लगाया गया और इसके परिणामस्वरूप ₹2231.74 करोड़ वसूल किए गए।

यात्री राजस्व

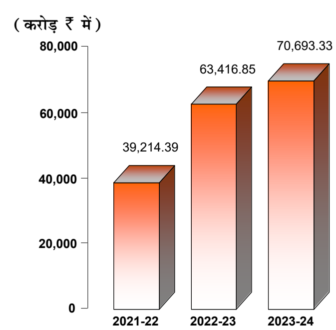

समयपालन

वर्ष 2023-24 के दौरान एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली के अनुसार मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों (सही समय पर गंतव्य पर पहुंचना) की समयबद्धता 73.62% थी। समयपालन का विश्लेषण करने के लिए जनवरी, 2009 से इस कंप्यूटर आधारित ऑन-लाइन प्रणाली को अपनाया गया था।

यूनिट राजस्व

वर्ष 2023-24 में प्रति यात्री किलोमीटर की औसत दर 66.40 पैसे थी, जबकि वर्ष 2022-23 में यह 66.13 पैसे थी। विभिन्न श्रेणियों के लिए औसत राजस्व इस प्रकार था:

प्रस्तावित अमृत भारत स्टेशन, मिदनापुर

	प्रति यात्री किलोमीटर आमदनी (पैसे में)		प्रति यात्री यात्रा आमदनी (₹ में)	
	2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**
उपनगरीय (सभी श्रेणियां)	23.1	**24.1**	7.0	**7.2**
अनुपनगरीय:				
वाता प्रथम श्रेणी	331.7	**343.5**	1,940.8	**1942.2**
वाता शयनयान	186.1	**188.5**	1,484.0	**1500.0**
वाता 3-टियर	137.0	**139.1**	1,183.4	**1185.4**
प्रथम श्रेणी	282.7	**265.1**	217.9	**210.8**
वाता कुर्सीयान	186.9	**199.4**	567.6	**624.8**
शयनयान श्रेणी:				
(i) मेल/एक्सप्रेस	56.8	**56.5**	416.5	**407.0**
(ii) साधारण	65.0	**69.9**	123.6	**129.9**
द्वितीय श्रेणी:				
(i) मेल/एक्सप्रेस	41.8	**38.2**	103.1	**108.7**
(ii) साधारण	15.2	**18.8**	8.8	**11.2**
कुल अनुपनगरीय	72.0	**71.7**	233.4	**240.2**

वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल द्वारा नई गाड़ियों की शुरुआत की गई, उनका चालन-क्षेत्र बढ़ाया गया और मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई, जैसा कि नीचे दिया गया है:

	रेलगाड़ियां शुरू की गई	रेलगाड़ियों के चालन-क्षेत्र बढ़ाए गए	रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए गए	कुल
अनुपनगरीय	262	236	38	536
उपनगरीय	41	71	02	114
कुल	**303**	**307**	**40**	**650**

(इकहरी रेलगाड़ियां)

खानपान सेवाएं

रेलगाड़ियों में और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं। मार्गवर्ती स्टेशनों पर रसोई यानों (562 जोड़ी रेलगाड़ियां), ट्रेन साइड वेंडिंग (702 जोड़ी रेलगाड़ियां) और स्थैतिक इकाइयों के माध्यम से मुहैया कराई जाती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलगाड़ी में यात्री ई-केटरिंग सेवाओं के माध्यम से अपनी पसंद के भोजन का लाभ उठा सकते हैं; जो 407 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। भारतीय रेल पर स्थैतिक खाद्य इकाइयों में 570 प्रमुख स्थैतिक इकाइयां (फूड प्लाजा, फास्ट फूड इकाइयां, जन आहार, सेल किचन, बेस किचन, जलपान गृह और स्वचालित वेंडिंग मशीनें) और 9,308 लघु स्थैतिक इकाइयां (सभी स्टॉल, ट्रॉलियां) शामिल हैं। इसके अलावा, यात्रियों की यात्रा संबंधी आवश्यक वस्तुओं की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर 875 जल विक्रय मशीनें, 1742 बहुप्रयोजनीय स्टॉल, 50 पुस्तक स्टॉल, 34 विविध/क्यूरियो स्टॉल और 03 अनन्य कैमिस्ट स्टॉल चल रहे हैं।

दोहरीघाट-मऊ मेमू रेलगाड़ी

भारतीय रेल द्वारा खानपान सेवाओं में सुस्पष्ट सुधार लाने के प्रयास में, वर्ष 2023-24 के दौरान कई पहलें की गई हैं, जो इस प्रकार हैं:

- बेस किचन/किचन यूनिटों का उन्नयन किया गया है।

रेलवे स्टेशन पर वाई-फाई सुविधाएं

- स्रोत पर ही भोजन तैयार करने की बेहतर निगरानी करने के लिए उन्नत बेस किचन/किचन यूनिटों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बेस किचनों की रियल टाइम निगरानी और लाइव स्ट्रीमिंग को शेयर करना।
- रेलगाड़ियों में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के पर्यवेक्षकों की तैनाती।
- भोजन के डिब्बों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं ताकि रसोई का नाम, पैकेजिंग की तारीख, एक्सपायरी की तारीख आदि जैसे विवरण प्रदर्शित किए जा सकें।
- भोजन के डिब्बों पर स्टिकरों द्वारा शाकाहारी और मांसाहारी भोजन को अलग करना।
- नकदी रहित लेनदेन की अनिवार्य सुविधा, खानपान इकाइयों में किए गए लेनदेन के सभी विवरणों को दर्शाने वाले मुद्रित बिल और बीजक जारी करना।
- शुरू किए गए जागरूकता अभियान: (क) सभी उत्पादों पर एमआरपी - 'यदि एमआरपी नहीं, लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा' (ख) बिल नहीं है - तो भोजन निःशुल्क है। (ग) सेवा प्रदाताओं की वर्दियों पर 'कोई बख्शीश नहीं' सिलवाया/प्रदर्शित किया जाता है।
- रसोईयानों और रसोई इकाइयों में साफ-सफाई और स्वच्छता की जांच करने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट किया जाता है। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण भी किया जाता है।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक खानपान इकाई के नामित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों से प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।
- खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता की पद्धतियों पर नजर रखने के लिए किचन यूनिटों में खाद्य संरक्षा पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।
- खाद्य संरक्षा अधिकारियों सहित रेलवे/ इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के अधिकारियों द्वारा नियमित एवं औचक निरीक्षण किए जाते हैं।
- इसके अलावा, रेलगाड़ियों में खानपान सेवाओं में सुधार लाने के उपाय के रूप में, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन को समान दरसूची के अंदर मेनू को अनुकूलीकृत करने की छूट दी गई है ताकि क्षेत्रीय व्यंजनों/पसंद की वस्तुओं, मौसमी व्यंजनों, त्योहारों के दौरान आवश्यक वस्तुओं विभिन्न यात्री समूहों के पसंद के अनुसार खाद्य पदार्थों जैसे मोटे अनाज के स्थानीय उत्पादों सहित डायबेटिक फूड, बेबी फूड, हेल्थ फूड का विकल्प दिया जा सके।
- रेल मदद, ट्विटर हैंडल @IR CATERING, सीपीजीआरएएमएस, ई-मेल और एसएमएस द्वारा यात्रियों का फीडबैक, शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक सुदृढ़ तंत्र भी मौजूद है।

रेल पर्यटन

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से रेल टूर पैकेजों, किफायती पर्यटक रेलगाड़ियों, चार्टर बिजनेस आदि के द्वारा रेल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। अब, बेहतर तालमेल के साथ प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में सफल होने के लिए रेल और रेल से इतर आधारित पर्यटन गतिविधियों को शामिल करके पर्यटन गतिविधियों के क्षितिज का विस्तार किया गया है, जिससे जनता को बेहतर पर्यटन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। रेल कनेक्टिविटी से अखिल भारतीय स्तर पर पर्यटन स्थलों तक पहुंचने और बढ़ावा देने में सहायता मिलती है।

अयोध्या धाम जंक्शन (राष्ट्र को समर्पित)

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से बजट से लग्जरी श्रेणी के यात्रियों को विभिन्न प्रकार के पर्यटन उत्पाद सुलभ कराती है। इसके अतिरिक्त, यह रेलवे स्टेशनों

भारत गौरव रेलगाड़ी

पर पर्यटन सूचना और सहायता केंद्रों, एग्जीक्यूटिव लाउंज आदि के माध्यम से विभिन्न गंतव्यों और टूर पैकेजों के बारे में भी जानकारी सुलभ कराकर प्रमुख स्थानों पर बजट होटलों का संचालन करने में भी व्यस्त है।

महत्वपूर्ण रेलगाड़ी/कोच सेवाएं, विभिन्न रेल आधारित टूर पैकेज हैं: (i) भारत गौरव गाड़ियां, (ii) लग्जरी टूरिस्ट रेलगाड़ियां जैसे महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरियट, पैलेस ऑन व्हील्स एवं डेक्कन ओडिसी, (iii) बौद्ध सर्किट स्पेशल रेलगाड़ी (iv) रेल टूर पैकेज, और (v) ऑनलाइन चार्टर रेलगाड़ियां/कोच और सैलून कार।

(i) भारत गौरव रेलगाड़ियां:

भारतीय रेल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को दिखाने के उद्देश्य से दिनांक 23.11.2021 के 2021 के वाणिज्यिक परिपत्र संख्या 14 द्वारा भारत गौरव रेलगाड़ी नीति के अंतर्गत थीम-आधारित पर्यटक सर्किट रेलगाड़ियां शुरू की हैं। सेवा प्रदाता अपना स्वयं का व्यवसाय मॉडल अपनाने और पर्यटकों से वसूला जाने वाला टैरिफ निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होगा। सेवा प्रदाता रेल परिवहन, आवास, भोजन, स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा आदि की सुविधा के साथ एक व्यापक पैकेज पेश कर सकता है। सेवा प्रदाता विपणन, टिकटों की बुकिंग, खानपान, आवास आदि जैसी बैक-एंड सेवाओं हेतु सहयोग-करार करने के लिए स्वतंत्र होगा। यह योजना रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भी गुणात्मक प्रभाव का सृजन करेगी। सवारी डिब्बों का स्वामित्व भारतीय रेल के पास रहेगा और भारतीय रेल सवारी डिब्बों के अनुरक्षण और उन्हें खड़ा करने की सुविधाओं सहित परिचालनिक सहायता प्रदान करेगी।

पूर्व रेलवे की नई अमृत भारत रेलगाड़ी का शुभारंभ

रेल मंत्रालय ने भारत गौरव रेलगाड़ी नीति के अंतर्गत बेहतर गुणवत्ता वाले लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्बों की व्यवस्था द्वारा घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों पर संघटित बल देने और भारत गौरव रेलगाड़ी योजना के अंतर्गत रेल आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु रेलों को देय प्रभारों में लगभग 33% रियायत देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, भविष्य में भारत गौरव रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए एलएचबी सवारी डिब्बों की मांग को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से, इस समय केवल भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम को नए रेक का अनुरोध करने की अनुमति है। मौजूदा सेवा प्रदाता, जो पहले ही अपना रेक अनुरोध दे चुके हैं/जिन्हें रेक आवंटित कर दिया गया है, भारत गौरव रेलगाड़ी नीतिगत रूपरेखा के अंतर्गत कार्य करना जारी रखेंगे।

इसके अलावा, भारतीय रेल ने भारत गौरव रेलगाड़ी रेक/सवारी डिब्बों का इष्टतम उपयोग करने के लिए, मौजूदा भारत गौरव रेलगाड़ी नीति में निर्दिष्ट न्यूनतम संरचना और ढुलाई शुल्क के भुगतान के अध्यधीन, यात्रा आधारित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेवा प्रदाता द्वारा आवंटित भारत गौरव रेलगाड़ी रेक में सवारी डिब्बों के मौजूदा पूल से रेक में सवारी डिब्बा संरचना को अनुकूलित करने की अनुमति देने का विनिश्चय किया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जम्मू तवी स्टेशन का पुनर्विकास

प्रथम भारत गौरव रेलगाड़ी अर्थात शिरडी यात्रा 14.06.2022 को कोयम्बतूर से मंत्रालयम और शिरडी तक और वापसी के लिए शुरू की गई थी और यह कुल 2,880 किलोमीटर की दूरी तय करती है। श्री रामायण यात्रा, विदेशी भूमि पर दौरा करने वाली पहली भारत गौरव रेलगाड़ी, जो पर्यटकों को लेकर नेपाल गई थी। भारत गौरव रेलगाड़ी नीति का विवरण https://bharatgauravtrains.indianrailways.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

वित्त वर्ष 2023-24 में देश भर के विभिन्न पर्यटन स्थलों को शामिल करने वाली भारत गौरव रेलगाड़ियों की विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा कुल 198 यात्राएं संचालित की गई जिनमें 1,20,114 लोगों ने यात्रा की। इन भारत गौरव रेलगाड़ियों को लगभग 86.18% की अधिभोगिता दर से संचालित किया गया था।

वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-सितंबर, 2024) में, भारत गौरव रेलगाड़ियां की कुल 74 यात्राएं संचालित की गई, जिनमें 79% की अधिभोगता दर से 42,228 यात्रियों ने यात्रा की।

मुख्यालय बिल्डिंग, दक्षिण मध्य रेलवे

(ii) लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ियां:

विभिन्न राज्य पर्यटन निगमों / इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के सहयोग से, भारतीय रेल कई लक्जरी पर्यटक गाड़ियों - 'पैलेस ऑन व्हील्स' (1982 से), 'डेक्कन ओडिसी' (2004 से), 'गोल्डन चैरियट' (2008 से) और 'महाराजा एक्सप्रेस' (2010 से) का परिचालन कर रही है। ये गाड़ियां मुख्य रूप से विश्व के विभिन्न भागों से आने वाले पर्यटकों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में लक्जरी पर्यटक रेलगाड़ियों की कुल 68 से अधिक यात्राएं परिचालित की गई, जिसमें देशभर के विभिन्न महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर करते हुए 2,426 यात्रियों ने यात्रा की।

वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-सितंबर, 2024) में, लक्जरी पर्यटक गाड़ियां की कुल 05 यात्राएं परिचालित की गई, जिनमें 123 यात्रियों ने यात्रा की।

(क) पैलेस ऑन व्हील्स:

राजस्थान पर्यटन विकास निगम के सहयोग से भारतीय रेल इस लक्जरी पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन करती है। 22 सवारी डिब्बों वाली यह गाड़ी जयपुर, रणथंभौर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, भरतपुर और आगरा जैसी जगहों की यात्रा के लिए 7 रातों/8 दिनों का एक पैकेज प्रदान करती है।

भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान

(ख) डेक्कन ओडिसी:

भारतीय रेल महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के सहयोग से इस लक्जरी पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन करती है। 21 सवारी डिब्बों वाली यह गाड़ी औरंगाबाद, पचोरा, गोवा, सावंतवाड़ी, आगरा, जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, ओरछा, बनारस, रामटेक और वरोरा जैसी जगहों की यात्रा के लिए 7 रातों/ 8 दिनों के छह पैकेज प्रदान कराती है।

(ग) गोल्डन चैरियट:

भारतीय रेल कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से इस लक्जरी पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन करती है। 18 सवारी डिब्बों वाली यह गाड़ी 5 रातों/6 दिनों के दो पैकेज और 3 रातों/4 दिनों के एक पैकेज के साथ परिचालित की जाती है, जो देश के दक्षिण हिस्से को कवर करती है। इस यात्रा कार्यक्रमों में हम्पी, मैसूर, बादामी जैसे कर्नाटक के स्थल, केरल, तमिलनाडु और गोवा शामिल है।

(घ) महाराजा एक्सप्रेस:

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से महाराजा एक्सप्रेस का प्रबंधन और परिचालन कर रही है। 23 बोगियों वाली यह लंबी रेलगाड़ी उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, रणथंभौर, आगरा, खजुराहो और वाराणसी जैसे स्थानों की यात्रा करने के लिए 6 रातों/7 दिनों के तीन पैकेज और 3 रातों/4 दिनों का एक पैकेज प्रदान करती है।

पूर्वोत्तर रेलवे के नए आमान परिवर्तित दोहरीघाट-इंदारा रेल खंड पर मेमू सेवाओं का शुभारंभ

(iii) बौद्ध सर्किट विशेष ट्रेन:

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा 2007 से बौद्ध सर्किट विशेष पर्यटक रेलगाड़ी

पर्यटक स्पेशल रेलगाड़ी, दक्षिण रेलवे

का परिचालन किया जा रहा है। यह पूर्णतः वातानुकूलित रेलगाड़ी है जो भारत के सभी प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थलों और नेपाल के लुंबिनी की यात्रा करने के लिए 7 रातों और 8 दिनों का पैकेज प्रदान करती है। इसमें भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल से जुड़े प्रमुख स्थानों जैसे बोधगया, राजगीर, नालंदा, वाराणसी, सारनाथ, कुशीनगर, लुंबिनी (नेपाल), श्रावस्ती और आगरा को शामिल किया गया है।

बौद्ध सर्किट रेलगाड़ी के नए रेक में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं जैसे दो डाइनिंग कार, वैक्यूम बायो-टॉयलेट, एयर सस्पेंशन स्प्रिंग्स, सुरक्षा लॉकर, साइड सीटिंग सुविधाओं के साथ आशोधित 2ए वातानूकुलित सवारी डिब्बे, ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग और सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरा सुरक्षा, दुर्घटना बीमा सुविधा, फुट मसाजर, मिनी लाइब्रेरी इत्यादि उपलब्ध कराई गई हैं। इस रेलगाड़ी की वेबसाइट अर्थात् www.irctcbuddhisttrain.com पर प्रस्थान तिथियों के साथ यात्रा कार्यक्रम अपलोड हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, 218 पर्यटकों सहित बौद्ध विशेष रेलगाड़ी की 04 यात्राएं संचालित की गई हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-सितंबर 24), इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा बौद्ध विशेष रेलगाड़ी की कोई यात्रा संचालित नहीं की गई।

(iv) रेल टूर पैकेजः

भारतीय रेल का भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम के माध्यम से यह एक व्यापक पैकेज है, जिसमें सड़क परिवहन, आवास, भोजन और दर्शनीय स्थलों की यात्रा जैसे पैकेज के अन्य भागों के अलावा सुनिश्चित आगे की और वापसी की रेल यात्रा के साथ उचित दरों पर व्यापक पैकेज सुलभ कराए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 26,395 पर्यटकों ने रेल टूर पैकेज की सुविधा का लाभ उठाया।

वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-सितंबर, 2024) के दौरान 13,255 पर्यटकों ने रेल टूर पैकेज की सुविधा का लाभ उठाया है।

(v) रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों और सैलून कारों का ऑनलाइन चार्ट तैयार करनाः

रेल मंत्रालय द्वारा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन को चार्टर आधार पर सभी रेलगाड़ियों और सवारी डिब्बों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए सिंगल विंडो एजेंसी के रूप में नामोद्दिष्ट किया गया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन के स्पेशल वेब पेजः www.ftr.irctc.co.in पर पूर्ण किराया दर रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों की ऑनलाइन बुकिंग की जाती है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन उन रेलगाड़ियों की एक सूची भी प्रदान करता है जिनमें ग्राहक की सुविधा के लिए सवारी डिब्बे जोड़े जा सकते हैं, जिसे नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन द्वारा 656 (187 रेलगाड़ियां, 389 सवारी डिब्बों और 80 सैलून कारें) चार्टर रेलगाड़ियां/सवारी डिब्बे व सैलून कारें परिचालित की गई हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-सितंबर 2024) में आईआरसीटीसी के माध्यम से 187 (52 रेलगाड़ियां, 123 सवारी डिब्बे एवं 12 सैलून कार) परिचालित किए गए।

यात्री सुविधाएं

2023-24 में योजना शीर्ष-53 "यात्री सुविधाएं" के अन्तर्गत आवंटन ₹13,355 करोड़ (बजट अनुमान) था और इसे संशोधित करके ₹9,618.21 करोड़ (संशोधित अनुमान) कर दिया गया था।

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के

तमिलनाडु के काटपाड़ी जंक्शन पर मैसूरू-चेन्नै वंदे भारत एक्सप्रेस का दृश्य

विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने के लिए एक स्टेशन एक उत्पाद, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इस योजना में स्टेशन इमारत में सुधार, शहर के दोनों छोरों के साथ स्टेशन को एकीकृत करने, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेल पथों का प्रावधान, आवश्यकता के अनुसार 'रूफ प्लाजा', दीर्घ अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर की चरणबद्ध योजना व व्यवहार्यता और निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1334 स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल में 356 ऊपरी पैदल पुलों का निर्माण किया गया। 160 रेलवे स्टेशनों पर वाटर कूलर सुलभ कराए गए, 82 रेलवे स्टेशनों को विद्युतीकृत किया गया और रेलवे स्टेशनों पर 276 यात्री लिफ्ट और 210 एस्केलेटर सुलभ कराए गए।

ग्राहक सेवा

क्षेत्रीय रेलों के फ्रंटलाइन कर्मचारियों को यात्रियों के साथ शिष्टता और विनम्रता से पेश आने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लिए मिशन कर्मयोगी के तहत आईजीओटी प्लेटफॉर्म लांच किया गया है ताकि ऐसे कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा सके। इस कार्यक्रम के तहत, मास्टर प्रशिक्षकों को ग्राहक सेवा सहित विभिन्न पहलुओं पर ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है और सभी क्षेत्रीय रेलों (स्टेशन मास्टर, चल टिकट परीक्षकों, बुकिंग क्लर्क, पूछताछ और आरक्षण क्लर्क और माल कर्मचारियों सहित) के सभी फ्रंटलाइन कर्मचारियों को शामिल किया गया है। कर्मचारियों को यात्रियों के प्रति विनम्र और शिष्ट व्यवहार के महत्व के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे अधिक स्वागत पूर्ण वातावरण तैयार हो सके। इस व्यापक दृष्टिकोण का उद्देश्य समग्र यात्री अनुभव को बढ़ाना, संपूर्ण रेल नेटवर्क गुणवत्ता में सुधार लाना और यह सुनिश्चित करना है कि सेवा ग्राहक-केंद्रित हो।

(क) यात्री आरक्षण प्रणाली

यात्री आरक्षण प्रणाली लगभग 3,531 स्थानों पर संचालित है और 3,000 से अधिक रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। 80% से अधिक टिकट www.irctc.co.in वेबसाइट के माध्यम से खरीदे जाते हैं।

भारतीय डाक के यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत आरक्षण टर्मिनलों का विस्तार दूरस्थ क्षेत्रों में किया गया है; साथ ही गैर-रेल शीर्ष यात्री आरक्षण प्रणाली सुविधाओं को राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के माध्यम से बढ़ाया गया है। पिछले वर्षों में यात्री आरक्षण प्रणाली स्थानों की प्रगति इस प्रकार है:

या.आ.प्र. सुविधा वाले स्थलों की संख्या										
13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	22-23	**23-24**
3,146	3,201	3,350	3,422	3,384	3,443	3,445	3,274	3,456	3,465	**3,531**

एटीवीएम और यूटीएस एप के माध्यम से डिजिटलीकरण

(ख) अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस)

2002-03 में शुरू की गई अनारक्षित टिकट प्रणाली अब भारतीय रेल पर लगभग 6,556 स्थलों पर कार्य कर रही है। इनमें भारतीय रेल के अधिकांश महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन शामिल हैं। पिछले वर्षों में स्थानों में वृद्धि का विवरण निम्नानुसार है:

अना.टि.प्र. सुविधा वाले स्थलों की संख्या										
13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	22-23	**23-24**
5,778	5,835	5,860	6,083	6,070	6,259	6,329	4,218*	6,120	6,331	**6,556**

*यह अना.टि.प्र. के कार्य कर रहे स्थलों को दर्शाता है। कोविड के कारण कुछ स्थलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप भी लोकप्रिय हो गया है, खासकर उपनगरीय क्षेत्रों में। नवीनतम संवर्धन एम-यूटीएस है जो पोर्टेबल प्रिंटर से जुड़े मोबाइल उपकरणों द्वारा अनारक्षित टिकट प्रणाली टिकटें बुक करने में सहायता करता है।

(ग) स्वचल टिकट विक्रय मशीनें /सिक्का-सह-कार्ड चालित स्वचल टिकट विक्रय मशीनें

इस समय भारतीय रेल में 4,215 से अधिक स्वचल टिकट विक्रय मशीनें और सिक्का-सह-कार्ड चालित स्वचल टिकट विक्रय मशीनें कार्य कर रही हैं। स्वचल टिकट विक्रय मशीनें एक टच स्क्रीन सुविधा से यात्री द्वारा अनारक्षित टिकट, प्लेटफार्म टिकट खरीदने और सीजन टिकट को रिचार्ज करने में सहायता करती हैं। इस प्रकार भीड़-भाड़ के समय काउंटरों पर कतार काफी कम हो जाती है।

(घ) भारतीय रेल में ऑनलाइन और मोबाइल टिकट प्रणाली

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम की ओर से आरक्षित टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग हेतु www.irctc.co.in की वेबसाइट, जो देशभर में सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइटों में से एक है, का प्रबंधन क्रिस द्वारा किया जाता है।

भारतीय रेल पर टिकट बुकिंग की कुछ प्रमुख विशेषताएं

(क) ई-टिकटिंग प्रणाली

ई-टिकटिंग भारतीय रेल की एक सर्वाधिक यात्री हितैषी पहल है, क्योंकि इससे रेल आरक्षण काउंटरों तक जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। जिन यात्रियों ने ई-टिकट बुक किए हैं, वे या तो इलेक्ट्रॉनिक रिजर्वेशन स्लिप का प्रिंट आउट ले सकते हैं या भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा भेजे गए शॉर्ट मैसेज सर्विसेज (एसएमएस) को दिखा सकते हैं, जिसमें आरक्षण चार्ट में यात्रियों का नाम मौजूद होने और मूल रूप में पहचान के निर्धारित प्रमाणों में से किसी एक को रखने के अध्यधीन आरक्षित श्रेणियों में यात्रा करने के लिए रेलगाड़ी में टिकट जांच कर्मचारी के लिए सभी महत्वपूर्ण विवरण होते हैं। ई-टिकटिंग द्वारा पेश की जाने वाली सहूलियत के कारण, पिछले कुछ वर्षों में ई-टिकटिंग का हिस्सा लगातार बढ़ा है और यह 2023-24 के दौरान बुक किए गए कुल आरक्षित टिकटों का लगभग 83% है।

(ख) मोबाइल फोन द्वारा अनारक्षित टिकट बुकिंग

नकदी रहित लेनदेन, संपर्क रहित टिकटिंग को बढ़ावा देने और संवर्धित ग्राहक अनुभव के लिए यूटीएसऑनमोबाइल ऐप शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए टिकट बुकिंग काउंटरों पर कतारों में यात्रियों की प्रतीक्षा करने को समाप्त करना और फलस्वरूप, अनारक्षित

टिकट-यात्रा सीजन टिकट और प्लेटफार्म टिकटों की निर्बाध बुकिंग में सहायता करना है। रेल वॉलेट (आर-वॉलेट) (सफल पंजीकरण पर शून्य-शेष के साथ बनाया गया और मोबाइल नंबर के साथ जोड़ा गया); या डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट-बैंकिंग; पेमेंट एग्रीगेटर्स जैसे पेटीएम, मोबिक्विक और फ्री चार्ज के माध्यम से यूपीआई जैसे अन्य डिजिटल साधनों द्वारा किया जा सकता है।

(ग) बुकिंग की स्थिति के बारे में जानकारी

पहले आरक्षण चार्ट को गाड़ी के निर्धारित प्रस्थान से कम से कम 4 घंटे पहले स्वतः अंतिम रूप दे दिया जाता है ताकि प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्री अपनी बुकिंग की अंतिम स्थिति के बारे में जान सकें। इसके बाद, उपलब्ध स्थान, यदि कोई हो, किसी भी कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर से या इंटरनेट द्वारा बुक करवाया जा सकता है। दूसरा आरक्षण चार्ट गाड़ी के निर्धारित/ पुनर्निर्धारित प्रस्थान से पहले 30 मिनट से 5 मिनट के बीच तैयार किया जाता है। शेष शायिकाएं, यदि कोई हो, तो अगले दूरस्थ स्थान पर स्थानांतरित कर दी जाती हैं।

यात्री को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस मिलता है, जिसमें आवंटित सवारी डिब्बा और बर्थ संख्या बताए गए होते हैं।

(घ) वैकल्पिक रेलगाड़ी स्थान योजना - विकल्प

प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्रियों को कन्फर्म्ड स्थान सुलभ कराने और उपलब्ध स्थान का यथेष्ट उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वैकल्पिक रेलगाड़ी स्थान योजना - विकल्प नामक एक योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत, प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्री टिकट बुक करवाते समय चार्ट तैयार करने के बाद शायिका कन्फर्म नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक रेलगाड़ी से यात्रा करने का विकल्प दे सकते हैं।

(ङ) स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट

टिकट बुक करवाने में सहायता करने के लिए 'अनुपनगरीय ग्रेड-5' और 'अनुपनगरीय ग्रेड-6' कोटि के रेलवे स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए 'स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों' को नियुक्त किया गया है। 'अनुपनगरीय ग्रेड-4' और 'अनुपनगरीय ग्रेड-3' रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना भी शुरू की गई है।

(च) यात्री टिकट सुविधा केंद्र

टिकटें (आरक्षित और अनारक्षित दोनों) जारी करने की सुविधाओं का विस्तार करने की दृष्टि से, यात्री टिकट सुविधा केंद्र नामक केंद्रों में कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली टर्मिनलों की स्थापना और संचालन में सार्वजनिक निजी भागीदारी की अनुमति दी गई थी।

(छ) दिव्यांगजन के लिए ऑनलाइन रियायती टिकट बुक करवाने की सुविधा

दिव्यांगजन को ऑनलाइन रियायती टिकट बुक करवाने की सुविधा सुलभ कराने के लिए इंटरनेट द्वारा टिकट बुक कराने की परिधि बढ़ाई गई है।

(ज) इंटरनेट द्वारा विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिन पहले बुकिंग

इंटरनेट (ई-टिकटिंग) द्वारा विदेशी पर्यटकों को कन्फर्म्ड आरक्षण सुलभ कराने के उद्देश्य से उन्हें 365 दिन पहले सभी रेलगाड़ियों में एग्जीक्यूटिव श्रेणी/प्रथम वातानुकूल, द्वितीय वातानुकूल, तृतीय

पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन, पूर्व मध्य रेलवे

पूर्वोत्तर रेलवे के शाहगढ़ रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित उपरी पैदल पार पुल

वातानुकूल, स्लीपर श्रेणी, द्वितीय सिटिंग और कुर्सीयान श्रेणी में स्थान बुक करने की अनुमति दी गई है। यह सुविधा अग्रिम आरक्षण अवधि के अनुसार रेलगाड़ी में आरक्षण खुलने के समय तक उपलब्ध है। इसके बाद विदेशी पर्यटक, विदेशी पर्यटक कोटे में टिकट बुक करवा सकते हैं जिसे मांग के स्वरूप के आधार पर कतिपय मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में निर्धारित किया गया है।

(झ) रेलगाड़ी में चढ़ने के स्थान को ऑनलाइन बदलने की सुविधा

यात्रियों की सहूलियत के लिए, प्रथम आरक्षण चार्ट तैयार करने के समय तक रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान ऑनलाइन बदलने सुविधा इंटरनेट द्वारा बुक करवाए गए टिकटों के साथ-साथ कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर से बुक करवाए गए टिकटों, दोनों के लिए उपलब्ध करा दी गई है। यह सुविधा 139 के माध्यम से और यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटरों पर (यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों के कार्य समय के दौरान) सर्वत्र उपलब्ध है। 24 घंटे पहले रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान बदलने के मामले में, सामान्य परिस्थितियों में कोई धन वापसी अनुमेय नहीं है।

(ञ) स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन

भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम लगाए गए हैं ताकि यात्री स्मार्ट कार्ड और भुगतान के अन्य डिजिटल तरीकों का उपयोग करके अनारक्षित टिकट खरीद सकें। यात्री डिजिटल भुगतान के तरीकों का उपयोग करके एटीवीएम से अनारक्षित टिकट प्राप्त कर सकते हैं या भारतीय रेल द्वारा नियुक्त सुविधा प्रदाताओं की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। 2023-24 के दौरान लगभग 21% अनारक्षित टिकट एटीवीएम के माध्यम से जारी किए गए थे।

कोचिंग वाहन

1. अर्ध-उच्च गति वंदे भारत (रेलगाड़ी-सेट) का प्रारंभ

भारतीय रेल ने यात्रीगाड़ी की रेल यात्रा को पूर्णत: नया रूप देने की परिकल्पना की है। नवीनतम विश्व स्तरीय चल स्टॉक तकनीक और बेहतर यात्री सुविधाओं को शामिल करके प्रत्येक प्रकार के यात्री चल स्टॉक का उन्नयन किया जा रहा है ताकि रेल यात्रा को सुरक्षित, विश्वसनीय, तीव्र और अद्वितीय यात्रा अनुभव वाला बनाया जा सके।

वर्तमान में, भारतीय रेल में 68 वंदे भारत चेयर कार गाड़ियां सेवा में चल रही हैं, जो निम्नानुसार है :-

(क) 2019 से नई दिल्ली - वाराणसी और नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच दो वंदे भारत गाड़ी सेवाएं (16 कार चेयर कार) चल रही हैं।

(ख) 2022-23 में उन्नत संरक्षा सुविधाओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं वाली 12 नई वंदे भारत रेलगाड़ियों के नए और बेहतर संस्करण का विनिर्माण किया गया है।

(ग) 2023-24 (31.03.2024 तक) में उन्नत संरक्षा सुविधाओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं वाली 51 नई वंदे भारत रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया गया है।

(घ) इसके अतिरिक्त, 2024-25 में अभी तक 14 और वंदे भारत रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया जा चुका है।

2. वंदे भारत स्लीपर गाड़ियां

यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्वोतर रेलवे के गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित एस्केलेटर का संस्थापन

- भारतीय रेल ने भा.रे. डिजाइन के अनुसार वंदे भारत स्लीपर रेक बनाने की योजना बनाई है। वंदे भारत के स्लीपर संस्करण की संकल्पना लंबी और मध्यम दूरी की अंतर-राज्य यात्रा के लिए की गई है।

- वर्तमान में, 10 वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों (16-कार) का विनिर्माण भारतीय रेल उत्पादन इकाइयों (अर्थात् सडिका) द्वारा किए जाने की योजना है।
- इसके अलावा, सडिका, चेन्नै में 24-कार संरूपण वाले वंदे भारत स्लीपर के 50 रेकों के विनिर्माण की परिकल्पना की गई है।
- वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों की प्रमुख विशेषताएं हैं:
  - ➢ वंदे भारत चेयर कार की सभी विशेषताएं।
  - ➢ उन्नत दुर्घटनारोधी व्यवस्था
  - ➢ बी.यू. के बीच अर्ध-स्थायी/अर्ध-स्वचालित कपलर की व्यवस्था।
  - ➢ विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप साज-सज्जा, डिजाइन, सुविधाएं आदि।
  - ➢ विमान की तरह के विश्वस्तरीय शौचालय/कोच पैनल।

अर्ध-उच्च गति वंदे भारत शुरु करना

3. अमृत भारत गाड़ियां

- 30.12.2023 को दरभंगा-दिल्ली और मालदा टाउन-बैंगलूरू के बीच नियमित सेवा में गैर-वातानुकूलित अमृत भारत एक्सप्रेस के दो रेकों को लगाया गया हैं।
- सौंदर्यबोध और यात्री अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त सुविधाओं के साथ 100 और अमृत भारत रेलगाड़ियों के उत्पादन की निम्नलिखित संरचना में परिकल्पना की गई है:
- 08 शयनयान, 11 अनारक्षित, 01 रसोई यान और 02 एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों वाले पूर्ण गैर-वातानुकूलित रेक।
- इन रेकों में निम्नलिखित विशेषताओं को शामिल किया गया है:-
  - ➢ सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन और श्रम-दक्षता डिजाइन वाली सीट और बर्थ।
  - ➢ सामान रखने के संशोधित रेक
  - ➢ फोल्ड होने वाली स्नैक टेबल और बोतल होल्डर
  - ➢ शौचालयों और विद्युत कक्षों में एरोसोल आधारित अग्निशामक प्रणाली।
  - ➢ मोबाइल चार्जिंग सॉकेट (एससीएन में प्रत्येक यात्री के लिए 1 और पर्याप्त संख्या में एलडब्ल्यूएस)।
  - ➢ बेहतर क्रैशवर्थनेस के लिए डिस्ट्रक्शन ट्यूब की व्यवस्था के साथ झटके मुक्त अर्ध-स्वचालित कपलर।
  - ➢ बाहरी एलईडी गंतव्य बोर्डों के साथ पीएपीआईएस।
  - ➢ सीसीटीवी निगरानी।
  - ➢ 3 घंटे के बैटरी बैकअप सहित नए डिजाइन की एलईडी लाइटें और बीएलडीसी पंखे।
  - ➢ आपातकालीन आपदा प्रबंधन प्रकाश व्यवस्था।
  - ➢ प्रत्येक सवारी डिब्बों प्रणाली में 3 भारतीय शैली और 1 पश्चिमी शैली का शौचालय है जिसमें प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम है।
  - ➢ रेडियम रोशनी वाली फ्लोरिंग पट्टी।
  - ➢ वंदे भारत स्लीपर की तर्ज पर बर्थो का बेहतर सौंदर्यबोध और अनुभव।
  - ➢ धूल रहित सीलबंद चौड़े गैंगवे।

अमृत भारत रेलगाड़ी

विस्टाडोम सवारी डिब्बों का भीतरी दृश्य

- ➢ ऊपरी बर्थ पर सुगमतापूर्वक चढ़ने के लिए सीढ़ी का बेहतर डिजाइन।
- ➢ यात्री उद्‌घोषणा एवं सार्वजनिक सूचना प्रणाली।
- ➢ ईपी सहायता ब्रेकिंग प्रणाली की व्यवस्था।

4. विस्टाडोम सवारी डिब्बे

विस्टाडोम सवारी डिब्बे ज्यादा चौड़ी खिड़कियों के साथ-साथ छत में पारदर्शी सेक्शनों से विशालदर्शी दृश्य दिखाते हैं, इस प्रकार यात्री को उन स्थानों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले पाते हैं जहां से वे गुजरते हैं। 30.09.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 111 विस्टाडोम सवारी डिब्बे उपलब्ध हैं।

5. हाइड्रोजन गाड़ी सेट

हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन पावर रेलगाड़ी के विकास हेतु पायलट आधार पर एक परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना की पावर रेलगाड़ी का डिजाइन तैयार कर लिया गया है। सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै उत्पादन इकाई में इसका उत्पादन किया जाएगा। यह गाड़ी भारतीय रेल में हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी के उपयोग को दर्शाएगी।

6. नमो भारत रैपिड रेल का निर्माण

नमो भारत रैपिड रेल को वंदे भारत की विशेषताओं का उपयोग करते हुए कम दूरी वाली इंटर-सिटी के साथ-साथ उपनगरीय यात्रियों और आम जनता की दैनिक यात्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया जा रहा है।

ये नमो भारत रैपिड रेल उच्च त्वरण से चलने में सक्षम और बेहतर सरकारी गुणवत्ता वाली होंगी और इनमें वंदे भारत की विशेषताएं होंगी जैसे कि कुशन वाली सीटें, स्वचल स्लाइडिंग दरवाजे, सीसीटीवी, आपातकालीन टॉक बैक प्रणाली, यात्री सूचना प्रणाली और इन्फोटेनमेंट प्रणाली, यूएसबी चार्जिंग और अन्य कई सुविधाएँ।

पहला सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै से निर्मित 12-कार वाला प्रोटोटाइप रेक 16.09.2024 से अहमदाबाद-भुज के बीच परिचालित है। इसके अलावा, रेल डिब्बा कारखाना ने 16-कार वाला प्रोटोटाइप रेक भी तैयार कर लिया है।

7. पूर्णतया एल.एच.बी. को अपनाना

रेल मंत्रालय ने एल.एच.बी. रेलडिब्बों का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का निर्णय लिया हैं, जो एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता सूचक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक) और कम संक्षारक काय जैसी विशेषताओं के साथ तकनीकी दृष्टि से बेहतर हैं। पारंपरिक सडिका रेलडिब्बों की तुलना में यह सवारी डिब्बे बेहतर आराम मुहैया कराते हैं और अधिक सुदंर हैं। अप्रैल 2018 से भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में अब केवल एल.एच.बी. रेलडिब्बों का उत्पादन हो रहा है। पारंपरिक सडिका सवारी डिब्बों से चलने वाली गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से एलएचबी सवारी डिब्बों से बदला जा रहा है। 31.08.2024 की स्थिति के अनुसार, कुल लगभग 1,399 अदद रेकों को एलएचबी सवारी डिब्बों के रेकों से बदल दिया गया है।

जैव शौचालय

8. सवारी डिब्बों में जैव शौचालय

भारतीय रेल ने 'स्वच्छ भारत अभियान' के भाग के रूप में अपने सभी सवारी डिब्बों में जैव शौचालय लगाने/संस्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया है। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि रेलडिब्बों से रेलपथ पर मानव अपशिष्ट न गिरे। इस प्रयास के फलस्वरूप, प्रतिदिन लगभग 2,74,000 लीटर अपशिष्ट जल और प्रतिदिन 3,980 टन मलमूत्र को पटरियों पर गिरने से रोका जा रहा है।

सवारी डिब्बों में जैव शौचालयों की व्यवस्था को वर्ष 2006-2014 में 3,647 सवारी डिब्बों से बढ़ाकर वर्ष 2014-2024 (सितंबर, 2024 तक) में 88,812 सवारी डिब्बे कर दिया गया है।

इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों से निकलने वाले सभी नवनिर्मित सवारी डिब्बों में जैव-शौचालय उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस प्रयास के फलस्वरूप, रेल लाइन पर चलने वाले सभी सवारी डिब्बों में जैव-शौचालयों की व्यवस्था है।

यात्रियों के लिए आरामदायक और सुरक्षित एलएचबी सवारी डिब्बे

9. नवनिर्मित सवारी डिब्बों में संरक्षा को बेहतर बनाने पर फोकस

भारतीय रेल उत्पादन इकाइयों में विनिर्माण के दौरान रेल यात्रियों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए निम्नलिखित कदम उठा रही है:

I. वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली का प्रावधान:- चालित रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर के उद्देश्य से, सभी नवनिर्मित वातानुकूलित सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली लगाई जा रही है। साथ ही, परिचालित सवारी डिब्बे में संस्थापित किए जाने का कार्य भी प्रगति में है। अभी तक 19,753 वातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की जा चुकी है। उत्पादन इकाइयों को अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली के साथ वातानुकूलित सवारी डिब्बों का निर्माण करने से संबंधी अनुदेश पहले से ही मौजूद हैं।

II. सभी सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों की व्यवस्था:- सभी वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्र लगाए जाते हैं। इसके अलावा, सभी गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्र लगाने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। अत:, सभी परिचालित सवारी डिब्बों में अग्निशामकों का प्रावधान है। इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों को अनुदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं कि सभी नवनिर्मित गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्र लगाए जाए।

III. रसोई यानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणालियां:- भारतीय रेल के बेड़े में परिचालित रसोई यानों और पावर कारों को स्वचालित अग्नि संसूचन और शमन प्रणालियों से लैस किया जा रहा है। अभी तक 2,165 पावर कारों और 982 रसोई यानों में स्वचालित अग्नि संसूचन और शमन प्रणालियों को मुहैया कराया गया है। साथ ही शेष रसोई यानों/पावर कारों में इसे संस्थापित करने का कार्य प्रगति में है। इसके अतिरिक्त, सभी उत्पादन इकाइयों को अनुदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं कि वे अग्नि संसूचन और शमन प्रणालियों के प्रावधान के साथ रसोई यानों और पावर कारों का विनिर्माण करें।

10. यात्री डिब्बों में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं

भारतीय रेल में लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) और सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) दोनों सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली लगभग सभी मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के अंत में एलएसएलआरडी/एसएलआरडी (द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड वैन और दिव्यांग अनुकूल कंपार्टमेंट) में दिव्यांगजनों के लिए निर्धारित एक अलग डिब्बे की सुविधा प्रदान की गई है। इन सवारी डिब्बों में चौड़े प्रवेश द्वार, चौड़ी शयिकाएं, चौड़े डिब्बे, चौड़े दरवाजों के साथ बड़ा शौचालय, व्हील चेयर पार्किंग क्षेत्र आदि होते हैं। शौचालयों के अंदर, सहारे के लिए साइड की दीवारों पर अतिरिक्त ग्रैब रेल और उचित ऊंचाई पर वॉश बेसिन और दर्पण भी उपलब्ध हैं। यह भी प्रयास किया जाता है कि प्रत्येक मेल/एक्सप्रेस गाड़ी में कम से कम एक ऐसा सवारी डिब्बा उपलब्ध हो।

इसके अतिरिक्त, दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, सभी नव-निर्मित सवारी डिब्बों में एकीकृत ब्रेल साइनेज अर्थात् ब्रेल लिपि के साथ लगाए गए साइनेज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों में भी चरणबद्ध तरीके से इनका रेट्रो-फिटमेंट किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेनसेट भी डिजाइन किए गए हैं। वंदे भारत ट्रेनसेट के पहले और आखिरी सवारी डिब्बों में चौड़े प्रवेश द्वार, पार्किंग व्यवस्था और आसानी से चलने के लिए स्थान सहित व्हील चेयर के लिए विशेष प्रावधान है। इन सवारी डिब्बों के शौचालय दिव्यांगजनों के अनुकूल हैं, जिनमें अतिरिक्त ग्रैब हैंडल, चौड़ा स्थान आदि की व्यवस्था हैं। वंदे भारत ट्रेनसेट में सभी महत्वपूर्ण निर्देश और सीट संख्या भी ब्रेल साइनेज के साथ दिए गए हैं।

सवारी डिब्बों में प्रवेश को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए वंदे भारत के दोनों छोर पर प्रथम और अंतिम सवारी डिब्बों में हल्के वजन वाले मॉड्यूलर रैंप भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। भारतीय रेल प्रत्येक यात्री के यात्रा अनुभव को यादगार बनाने के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने में प्रयासरत है।

11. एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों की शुरूआत

भारतीय रेल में ऑटोमोबाइल वाहक वाहनों की मांग में वृद्धि हुई है। तदनुसार, ऑटोमोबाइल संचलन संबंधी यातायात को हासिल करने के लिए, मौजूदा सडिका डिब्बे, जिन्हें रेलगाड़ी परिचालन से उत्तरोत्तर हटाया जा रहा है, को परिवर्तित करके एनएमजी/एनएमजीएच/एनएमजीएचएस डिब्बों का विनिर्माण करने पर अधिक बल दिया जा रहा है।

एनएमजी सवारी डिब्बों का और अधिक प्रसार किया गया है, जैसाकि एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों में 110 किलोमीटर प्रति घंटे की उच्च गति संभाव्यता होगी जिससे और अधिक लाइन क्षमता का सृजन होगा। 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता और साइड एन्ट्री की व्यवस्था वाले एनएमजीएचएस डिब्बे भी शुरू किए गए हैं।

12. अन्य पहलें:

क. गाड़ी के निर्धारित ठहराव के भीतर गाड़ियों में तेजी से पानी भरने के लिए स्टेशनों पर तीव्र गति वाली पानी भरने की सुविधा मुहैया कराई जा रही हैं। यात्रा के दौरान सवारी डिब्बों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ये सुविधाएं आवश्यक हैं। वर्तमान में, इस सुविधा के प्रावधान के लिए लगभग 226 स्थानों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से, इन प्रणालियां को 128 स्थानों पर स्थापित और चालू कर दिया गया है।

ख. सवारी डिब्बों के बाहरी हिस्से को अधिक प्रभावी ढंग से और कुशलता से साफ करने के लिए क्षेत्रीय रेलों पर स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र लगाए गए हैं। उच्च कोटि की सफाई के अलावा, इस संयंत्र के साथ एकीकृत जल पुनर्चक्रण संयंत्र के माध्यम से पानी की बर्बादी को रोकने और पानी को पुनर्यक्रित से सीधी पानी की खपत भी कम होती है। ये स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र 75 स्थानों पर कार्यरत हैं।

स्वच्छता और साफ-सफाई

रेलगाड़ियों में साफ-सफाई

- रेलगाड़ियों की स्वच्छता और हाउसकीपिंग सतत् प्रक्रिया है और भारतीय रेल गाड़ियों और स्टेशनों का उचित रखरखाव और स्वच्छता बनाए रखने का हर संभव प्रयास करती है।
- कचरा उठाने/हटाने संबंधी संविदाएं प्रदान की जाती हैं।
- लगभग 200 सवारी डिब्बा डिपुओं में पेशेवर एजेंसियों द्वारा दोनों छोरों पर सवारी डिब्बों की यंत्रीकृत सफाई की जा रही है। इस उद्देश्य के लिए उच्च दबाव वाले जेट क्लीनर, फ्लोर स्क्रबर, गीले और सूखे वैक्यूम क्लीनर आदि जैसी मशीनें कार्य में लगाई गई हैं।
- वर्तमान में, रेलगाड़ी के सभी सवारी डिब्बों को जैव-शौचालय के साथ तैयार किया गया है ताकि रेलगाड़ी से मानव अपशिष्ट के सीधे निर्वहन को समाप्त किया जा सके, जिससे स्टेशन और प्लेटफॉर्म की स्वच्छता के स्तर में सुधार हुआ है।

बीबीक्यू, चेन्नै में बूट लांड्री

- रेलगाडियों के चालन के दौरान सवारी डिब्बों के शौचालयों, दरवाजों, गलियारों और यात्री डिब्बों की सफाई करने के लिए राजधानी, शताब्दी और अन्य महत्वपूर्ण लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस सहित लगभग 1200 जोड़ी रेलगाडियों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस सुलभ कराई गई है।
- भारतीय रेल पर लगभग 40 क्लीन ट्रेन स्टेशन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि निर्धारित स्टेशनों पर मार्ग में उनके ठहराव के दौरान शौचालयों की सफाई सहित चिह्नित रेलगाड़ियों में सीमित मशीनीकृत सफाई की जा सके। इसके अलावा, 38 और क्लीन ट्रेन स्टेशन (सीटीएस) स्थापित करने का मामला विचाराधीन है।
- सवारी डिब्बों के बाहरी हिस्से की अधिक प्रभावी और कुशल स्वाच्छता के लिए जल पुनर्चक्रण सुविधा सहित लगभग 70 प्रमुख डिपो में स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट (एसीडब्ल्यूपी) स्थापित किए गए हैं, ताकि जल पुनर्चक्रण सुविधा द्वारा जल की सीधी आवश्यकता को कम किया जा सके।
- रसोई यान सहित सभी वातानूकुलित, आरक्षित और अनारक्षित गैर-वातानूकुलित सवारी डिब्बों में कीट एवं कृंतक नियंत्रण का कार्य पेशेवर एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।
- हाउसकीपिंग/सफाई ठेकों की प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए मानक बोली दस्तावेज और सेवाओं के लिए ठेके की सामान्य शर्तें जारी की गई हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों और सवारी डिब्बों में कूड़ेदान का प्रावधान किया गया है।
- रेलवे स्टेशनों और रेलगाडियों के स्वच्छता मानकों में महत्वपूर्ण और स्थायी सुधार लाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ भारतीय रेल में स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छता अभियानों के तहत विशेष स्वच्छता अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं जिनका एकमात्र उद्देश्य रेलवे स्टेशनों और रेलगाडियों के स्वच्छता मानकों में महत्वपूर्ण और स्थायी सुधार लाना है।
- रेलगाडियों की स्वच्छता, जिसमें शौचालय और स्नानागार शामिल हैं, का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बार-बार औचक निरीक्षण किया जाता है।
- सभी क्षेत्रीय रेलों को पूर्ववर्ती परिणाम पर आधारित संविदाओं के स्थान पर जनशक्ति आधारित संविदाओं के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।
- ओबीएचएस, लिनेन परिचर आदि के संबंध में सफाई कर्मचारियों के स्टाफ स्तर को मजबूत करना।

अवसंरचना विकास, पू.त.रे.

योजना

वर्ष 2023-24 में निम्नलिखित परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया गया:-

क्र.सं.	शीर्ष	संख्या
1	माल डिब्बे (बीएलसी + निजी माल डिब्बे)	37,650
2	रेल इंजन	1,472
3	सवारी डिब्बे जिनमें शामिल हैं	6,550
	(i) ईएमयू	444
	(ii) मेमू	524

इसके अलावा, निम्नलिखित निर्माण-कार्य पूरे किए गए:-

क्र.सं.	शीर्ष	कि.मी. में
1	नई लाइनें	2,806
2	मीटर/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन	259
3	दोहरी/बहुल लाइनें	2,244
4	मार्ग विद्युतीकरण	7,188
5	रेलपथ नवीकरण (प्राथमिक और द्वितीयक नवीकरण, दोनों)	5,950

2022-23 की तुलना में 2023-24 के लिए योजना आबंटन (संशोधित अनुमान) और वास्तविक शुद्ध व्यय इस प्रकार थे:-

(₹ करोड़ में)

	योजना शीर्ष	2022-23		2023-24	
		आबंटन (सं.अ.)	वास्तविक शुद्ध व्यय	आबंटन (सं.अ.)	वास्तविक शुद्ध व्यय
	सिविल इंजीनियरी				
1	नई लाइन (निर्माण)	26,014.07	24,310.17	**34,410.00**	**33,575.45**
2	आमान परिवर्तन	3,870.00	2,833.79	**4,278.54**	**4,356.95**
3	दोहरीकरण	42,526.06	29,979.17	**35,046.03**	**36,714.88**
4	यातायात सुविधाएं - यार्ड के ढांचे में परिवर्तन और अन्य	4,740.00	4,456.36	**7,808.62**	**7,372.77**
5	सड़क संरक्षा कार्य - रेल फाटक	750.00	519.82	**551.53**	**564.54**
6	सड़क संरक्षा कार्य - रोड ओवर/अंडर ब्रिज	6,000.00	4,825.25	**6,297.42**	**6,096.25**
7	रेलपथ नवीकरण	15,388.05	13,811.98	**16,826.36**	**15,907.60**
8	पुल संबंधी कार्य	1,215.00	1,042.82	**1,999.63**	**1,902.16**
9	कर्मचारी कल्याण	462.56	420.86	**732.62**	**667.76**
	जोड़	1,00,965.74	82,200.22	**1,07,950.75**	**1,07,158.36**
	यांत्रिक				
1	चल स्टॉक	60,198.86	43,878.98	**50,324.87**	**53,443.04**
2	पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां - पूंजी घटक का भुगतान	18,898.00	17,456.40	**21,300.00**	**20,741.37**
3	मशीन और संयंत्र	537.91	519.49	**467.71**	**514.37**
4	उत्पादन इकाइयों सहित कारखाने	2,671.46	2,478.67	**3,457.80**	**4,513.70**
	जोड़	82,306.23	64,333.54	**75,550.38**	**79,212.48**

गोरखपुर कैंट-कुसमिही स्टेशन के बीच प्रथम तीसरी लाइन, पूर्वोत्तर रेलवे

विद्युत इंजीनियरिंग					
1	विद्युतीकरण परियोजनाएं	8,030.22	6,641.61	**8,360.72**	**5,720.96**
2	टीआरडी को छोड़कर कर्षण वितरण कार्यों सहित अन्य विद्युत कार्य	676.17	731.28	**1545.20**	**1,428.43**
	जोड़	8,706.39	7,372.89	**9,905.92**	**7,149.39**
सिग्नल एवं दूरसंचार					
1	सिगनल एवं दूरसंचार संबंधी कार्य	2,428.47	2,448.85	**3,580.85**	**3,748.38**
	जोड़	2,428.47	2,448.85	**3,580.85**	**3,748.38**
अन्य					
1	कंप्यूटरीकरण	462.16	398.47	**690.48**	**480.89**
2	रेल अनुसंधान	107.00	39.12	**66.52**	**28.34**
3	उपयोगकर्ता सुविधाएं	3,824.20	2,157.72	**9,618.21**	**8,120.49**
4	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों/विशेष प्रयोजन योजना आदि में निवेश (सरकारी एवं गैर-सरकारी)	28,980.87	27,532.93	**32,869.83**	**31,909.37**
5	अन्य विनिर्दिष्ट कार्य	856.82	556.21	**850.97**	**794.36**
6	प्रशिक्षण/मानव संसाधन विकास	154.00	115.42	**242.12**	**101.93**
7	वस्तु सूचियां	350.00	1,243.77	**250.00**	**2,406.77**
8	महानगर परिवहन परियोजनाएं	3,536.00	4,497.91	**4,600.88**	**4,480.81**
9	बजटेतर संसाधन (भागीदारी)	14,700.00	-	**17,000.00**	**-**
10	क्रेडिट या वसूली	(-)2,077.88	-	**(-)2,976.91**	**-**
	जोड़	50,893.17	36,541.55	**63,212.10**	**48,322.96**
	कुल जोड़	2,45,300.00	#1,92,897.05	**2,60,200.00**	**##2,45,591.57**

वास्तविक शुद्ध व्यय

वर्ष 2022-23 के दौरान बजटेतर संसाधन (सार्वजनिक निजी भागीदारी) के अंतर्गत ₹11,086.03 करोड़ के वास्तविक व्यय को छोड़कर।

2023-24 के दौरान बजटेतर संसाधन (सार्वजनिक निजी भागीदारी) के तहत ₹16,625.36 करोड़ के वास्तविक व्यय को छोड़कर।

आमान परिवर्तन

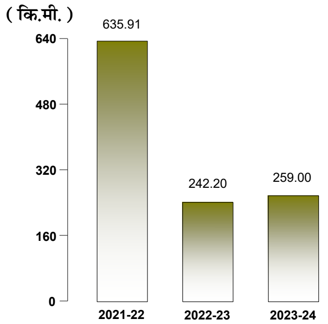

इंजीनियरी

वर्ष 2023-24 के दौरान, 2,806 किलोमीटर नई लाइनों का निर्माण किया गया, 259 किलोमीटर रेलपथ को मीटर लाइन/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में बदला गया और 2,244 किलोमीटर दोहरी/बहुल लाइनों का कार्य पूरा किया गया। इसका विवरण नीचे दिया गया है:-

नई लाइनें

2023-24 के दौरान, निम्नलिखित रेलखंडों पर कुल 2,806 किलोमीटर नई लाइनों का निर्माण पूरा किया गया है:-

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	चालू किया गया रेलखंड	कि.मी.
1	पश्चिम रेलवे	छोटा उदयपुर-धार नई लाइन	खंडाला-जोबाट	14.62
2	पश्चिम मध्य रेलवे	रामगंजमंडी-भोपाल	अकलेरा घाटोली	16
3	पूर्वोत्तर रेलवे	गाजीपुर सिटी-तारीघाट	गाजीपुर सिटी-तारीघाट	9.63
4	पूर्व तट रेलवे	खोरदा-बलांगीर नई लाइन	खम्बेश्वरपल्ली-झारतरभा	11.2
5	पूर्व मध्य रेलवे	फतुहा-इस्लामपुर	बिहारशरीफ- अस्थावां	13
6	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	अहरौरा रोड-डीडीयू (2×27 कि.मी.)	54
7	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	सानेवाल-शंभु	80
8	पूर्व तट रेलवे	खोरदा रोड-बलांगीर	नुआगांव-दसपल्ला	15.5
9	उत्तर रेलवे	रोहतक-महम-हांसी नई लाइन	महम-गढ़ी	24
10	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	दल्लीराजहरा-रावघाट	अंतागढ़-ताड़ोकी	17.7
11	मध्य रेलवे	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन	वर्धा-देवली	14.9
12	दक्षिण मध्य रेलवे	मनोहराबाद-कोट्टापल्ली नई लाइन	सिद्देपेट-दुद्देदा	11.1
13	उत्तर रेलवे	रोहतक-महम-हांसी नई लाइन	गढ़ी-हांसी	12
14	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	पिलखनी-न्यू शंभू	99
15	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	रूमा-सुजातपुर	260
16	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	डीडीयू-सोननगर	274
17	पूर्व तट रेलवे	अंगुल-सुकिंदा नई लाइन	बुधपंक-कमलांग	5.7
18	मध्य रेलवे	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन	देवली-कालाम्ब	24
19	उत्तर पश्चिम रेलवे	आरडीएसओ परीक्षण रेल पथ	गुढ़ा-जबदीनगर	13
20	पूर्व तट रेलवे	खोरदा-बलांगीर	सोनपुर - खंभेश्वरपल्ली	10.5
21	पश्चिम मध्य रेलवे	ललितपुर-सिंगरौली	रीवा-गोविंदगढ़	20
22	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	शुजातपुर-अहरौरा रोड	390
23	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	खुर्जा-दादरी	94
24	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	भाऊपुर-भीमसेन	100
25	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	खुर्जा-खतौली (एसएल)	134
26	समर्पित माल गलियारा	पूर्वी समर्पित माल गलियारा	खतौली - पिलखनी (एसएल)	88
27	समर्पित माल गलियारा	पश्चिमी समर्पित माल गलियारा	रेवाडी-दादरी	258
28	समर्पित माल गलियारा	पश्चिमी समर्पित माल गलियारा	भेस्तान-संजान	216
29	समर्पित माल गलियारा	पश्चिमी समर्पित माल गलियारा	मकरपुरा-भेस्तान	260
30	मध्य रेलवे	अहमदनगर-बीड-परली	आष्टि-अमलनेर	34

बनारस-झूंसी (प्रयागराज) रेलखंड का दोहरीकरण, पूर्वो.रे.

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	चालू किया गया रेलखंड	कि.मी.
31	उत्तर रेलवे	यूएसबीआरएल	बनिहाल खड़ी	15
32	पश्चिम मध्य रेलवे	रामगंजमंडी -भोपाल नई लाइन	निशातपुरा - संत हिरदाराम नगर	9.6
33	दक्षिण पश्चिम रेलवे	गडग-वाडी नई लाइन	हनामापुर-लिंगहबंदी	10.8
34	दक्षिण पश्चिम रेलवे	गिनिगेरा-रायचूर नई लाइन	कारटगी-सिंधनूर	18.3
35	पूर्व मध्य रेलवे	नेउरा-दनियावां नई लाइन	जटडुमरी-दनियावां	22.8
36	मेट्रो	जोका-एस्प्लेनेड मेट्रो परियोजना	माझेरहाट-तारातला	1.25
37	उत्तर रेलवे	यूएसबीआरएल	खड़ी-संगलदान	33.4
38	उत्तर पश्चिम रेलवे	आरडीएसओ परीक्षण रेल पथ	गुढ़ा हाई स्पीड लूप	6.8
39	पूर्व रेलवे	मुर्शिदाबाद-अजीमगंज नई लाइन	मुर्शिदाबाद-अजीमगंज नई लाइन	6.9
40	उत्तर पश्चिम रेलवे	दौसा-गंगापुर सिटी	डीडवाना-लालसोट	8.5
41	पूर्वोत्तर रेलवे	गाजीपुर-तारीघाट	गाजीपुर घाट-तरीघाट	7.2
42	दक्षिण मध्य रेलवे	नडिकुडी-श्रीकालहस्ती नई लाइन	गुंडलकम्मा-दारसी (27.83 किमी)	27.8
43	पूर्व तट रेलवे	अंगुल-सुकिंदा नई लाइन संपर्क	तालचेर रोड जंक्शन-कमलांग	7.5
44	मेट्रो	न्यू गरिया-एयरपोर्ट मेट्रो परियोजना	हेमन्त मुखोपाध्याय-बैलियाघाटा	8.8
45	मेट्रो	नोआपाड़ा-बारासात	नोआपाड़ा-दमदम कैंट	5.68
46	मेट्रो	कवि सुभाष-दमदम हवाई अड्डा बारास्ता राजारहाट	कवि सुभाष-हेमंत मुखोपाध्याय	10.8
47	मेट्रो	पूर्व पश्चिम गलियारा	हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड	9.6
48	दक्षिण रेलवे	कराईकल-पेरालम नई लाइन		13
49	दक्षिण रेलवे	चिन्नासलेम-कल्लाकुरिची नई लाइन		8
		जोड़		**2806**

राइट्स द्वारा गूटी-धर्मावरम मार्ग के साथ-साथ रेल दोहरीकरण कार्य

दोहरीकरण

2023-24 के दौरान, 2,244 किलोमीटर दोहरी/बहुल लाइनों का कार्य पूरा किया गया।

आमान परिवर्तन

2023-24 के दौरान, 259 किलोमीटर रेल मार्ग को मीटर लाइन/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में बदला गया था, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

क्र.सं.	रेलवे	परियोजना	चालू किया गया रेलखंड	कि.मी.
1	उत्तर मध्य रेलवे	ग्वालियर-श्योपुरकलां आमान परिवर्तन	ग्वालियर-बिरलानगर-रायरू	15
2	उत्तर मध्य रेलवे	ग्वालियर-श्योपुरकलां आमान परिवर्तन	रायरु-सुमावली	24
3	पूर्व मध्य रेलवे	झंझारपुर-लौकहाबाजार	महरैल-वाचस्पतनगर	13
4	दक्षिण मध्य रेलवे	रतलाम-खंडवा-अकोट-अंकोला	खंडवा-अमलाखुर्द	46
5	उत्तर मध्य रेलवे	ग्वालियर श्योपुरकलां आमान परिवर्तन	सुमौली-जोरा अलापुर	16
6	दक्षिण मध्य रेलवे	अकोला-खंडवा आमान परिवर्तन	गुरही-अमलाखुर्द	9

आश्चर्यजनक अवसंरचना: प्रगति का साक्षी, प.रे.

रेलपथ अनुरक्षण कार्य

क्र.सं.	रेलवे	परियोजना	चालू किया गया रेलखंड	कि.मी.
7	पूर्व मध्य रेलवे	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज-आमान परिवर्तन	अमोलवा-गवनाह	9.8
8	पूर्व मध्य रेलवे	सकरी-निर्मली और सहरसा फारबिसगंज आमान परिवर्तन	महरैल-वाचस्पतनगर	12.5
9	उत्तर मध्य रेलवे	ग्वालियर-श्योपुरकलां	जौरा अलापुर-कैलारस	13
10	पश्चिम रेलवे	कटोसन रोड=चनास्मा-रानुज	काटोसन रोड-चनास्मा-रानुज	38.1
11	पूर्व मध्य रेलवे	झंझारपुर-लौकहाबाजार	वाचस्पतिनगर-लौकहा बाजार	23
12	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	केन्द्री-धमतरी आमान परिवर्तन	केन्द्री-अभनपुर	7
13	पूर्व रेलवे	कृष्णानगर-अमघाटा आमान परिवर्तन.	कृष्णानगर-आमघाटा	8.3
14	उत्तर रेलवे	लखनऊ-पीलीभीत जीसी	शाहगढ़-पीलीभीत	24.5
			कुल	**259**

रेलपथ नवीकरण और अनुरक्षण

वर्ष 2023-24 के दौरान, संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाइयों में 5,950 किलोमीटर का रेलपथ नवीकरण किया गया है। रेलपथ नवीकरण और तत्संबंधी उपगत व्यय का वर्ष-वार विवरण इस प्रकार है:-

रेलपथ नवीकरण

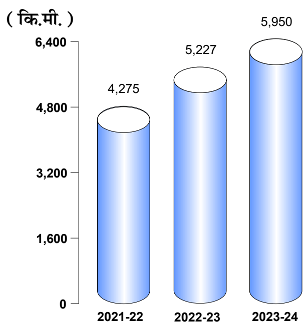

वर्ष	सकल व्यय (करोड़ रुपए में)	किया गया रेलपथ नवीकरण (संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई में
2022-23	16,325.72	5,227
2023-24	**17,850.25**	**5,950**

एक संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई में एक किलोमीटर संपूर्ण पटरी नवीकरण (0.5 संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई) और एक किलोमीटर संपूर्ण स्लीपर नवीकरण (0.5 संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई) शामिल होता है।

रेलपथ उन्नयन

रेलपथ एक रेल प्रणाली की आधारभूत अवसंरचना है और सदैव वृद्धिशील यातायात बोझ को वहन करती है। भारतीय रेल के उच्चतर गति और भारी धुरा भार परिचालन ने रेलपथ संरचना का उन्नयन करना आवश्यक बनाया है। रेलपथ को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से कई नीतिगत पहलें की गई हैं।

रेलपथ संरचना का नवीकरण के समय उन्नयन किया जाता है। स्लीपरों का लकड़ी, इस्पात और सीएसटी-9 से पीएससी (साधारण/ज्यादा चौड़े) स्लीपरों में उन्नयन किया जा रहा है। 90आर/52 किग्रा 72/90 यूटीएस पटरियों के स्थान पर ज्यादा भारी सेक्शन और उच्च तन्य सामर्थ्य की 60 किग्रा 90 यूटीएस/आर 260 पटरियों का उपयोग किया जाता है। इसी प्रकार, पूर्ववर्ती फिश प्लेट जॉइंटों के स्थान पर मुख्यत: लंबी पटरी पैनलों या वेल्डित पटरियों का उपयोग किया जा रहा है। मोटे वेब स्विचों का उपयोग करके ज्यादा मजबूत टर्नआउट को धीरे-धीरे मुख्य मार्गों और उच्च घनत्व मार्गों पर प्रदान किया जा रहा है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल की बड़ी मुख्य लाइनों में लगभग 90.79% लंबी वेल्डित पटरियां मौजूद थीं जिनमें से लगभग 99.47% लंबाई में पीएससी स्लीपर और 99.44% लंबाई में 52 किग्रा/60 किग्रा 90 अथवा उच्चतर यूटीएस पटरियां थीं।

रेलपथ का यंत्रीकृत अनुरक्षण, भा.रे.

वेल्डित पटरियां

अधिकांश बड़ी लाइन रेलपथों में पटरियों को वेल्डित पटरियों में बदला गया है। 39 मीटर से कम लंबी अल्प-वेल्डित पटरियां और इकहरी पटरियां केवल उन स्थानों पर सीमित हैं जहां तकनीकी दृष्टि से वेल्डित पटरियां अनुमेय नहीं है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, 93,844.2 कि.मी. लंबे रेलपथ वाली लंबी वेल्डित पटरियां और 8,648.4 कि.मी. लंबे रेलपथ वाली छोटी वेल्डित पटरियां मिलाकर भारतीय रेल की मुख्य लाइनों की कुल पटरियों का लगभग 99.2% हैं।

नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और पैनल इंटरलॉकिंग ट्रैक

रेलपथ आधुनिकीकरण

(i) भारतीय रेल रेलपथ अनुरक्षण, बिछाने, निरीक्षण और अनुरक्षण के उत्तरोत्तर यंत्रीकरण तथा आधुनिकीकरण की दिशा में कार्य कर रही है। वर्ष 2023-24 के दौरान, उठाए गए कुछ प्रमुख कदम इस प्रकार हैं:

(क) रेल ग्राइंडिंग मशीनें (96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीन): भारतीय रेल में पहले से कार्यरत 72 स्टोन रेल ग्राइंडिंग की 2 अदद मशीनों के अलावा, समूची भारतीय रेल के रेलपथ को कवर करने के लिए क्षेत्रीय रेलों के लिए उच्च उत्पादकता वाली 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग की 10 अदद मशीनों की खरीद की जा रही है। 2023-24 के दौरान भारतीय रेल पर 10 अदद मशीनों में से 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीनों की 5 अदद मशीनों को सेवा में शामिल किया गया है।

(ख) रेलपथ निरीक्षण और अभिलेखन: रेलपथ अनुरक्षण की योजना बनाना साध्य बनाने के लिए अनुबद्ध समयांतरालों पर मापदण्डों की निगरानी करने के लिए रेलपथ अभिलेखी यान सेवा में लगाए जाते हैं। 2023-24 के दौरान, कुल 2,82,754 किलोमीटर रेलपथ अभिलेखन किया गया।

(ग) वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल में 154 अदद रेलपथ मशीनों की आपूर्ति की गई, जिससे इनकी कुल संख्या 1,661 अदद हो गई है।

(ii) 2024-25 के दौरान (अप्रैल से सितंबर, 2024 तक)

(क) रेल ग्राइंडिंग मशीनें (96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीन): उच्च उत्पादकता वाली 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग की 10 अदद मशीनों की आपूर्ति की जा रही है। 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल में 10 अदद मशीनों में से 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग की 5 अदद मशीनों को सेवा में शामिल किया गया है और 2024-25 (सितंबर, 2024 तक) के दौरान भारतीय रेल पर 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग की 3 अतिरिक्त मशीनों को सेवा में शामिल किया गया है।

(ख) 2024-25 के दौरान (सितंबर, 2024 तक) भारतीय रेल में 23 रेलपथ मशीनों को सेवा में शामिल किया गया है।

रेल फाटक

रेल फाटक, विनिर्दिष्ट नियमों एवं शर्तों द्वारा शासित विनियमित विधि से यातायात का सुचारू चालन साध्य बनाने के लिए होते हैं। 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में रेल फाटकों की स्थिति इस प्रकार है:

रेल फाटकों की कुल संख्या	: 17,777
चौकीदार वाले रेल फाटकों की संख्या	: 17,260 (97%)
बिना चौकीदार वाले रेल फाटकों की संख्या	: 513 (3%)

भारतीय रेल द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं और रेल यात्रियों की संरक्षा के लिए रेल फाटकों को उत्तरोतर समाप्त करने का विनिश्चय किया गया है। वर्ष 2023-24 के दौरान, 784 अदद बिना चौकीदार वाले रेल फाटकों को समाप्त किया जा चुका है। 31.01.2019 तक, बड़ी लाइन पर बिना चौकीदार वाले सभी रेल फाटकों को समाप्त किया जा चुका है।

रोड ओवर ब्रिज

रोड ओवर/अंडर ब्रिज

रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा में सुधार लाने और सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए असुविधा को कम करने के लिए रेल फाटकों को यातायात की मात्रा के आधार पर चरणबद्ध ढंग से रोड ओवर/अंडर ब्रिज/सब-वे से बदला जा रहा है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल में सर्वत्र लागत में भागीदारी, रेल लागत/समायोजन कार्य, निक्षेप/बीओटी शर्तों के अंतर्गत और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 296 रोड ओवर ब्रिज और 782 रोड अंडर ब्रिज/सब-वे का निर्माण किया गया है।

पुल

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में कुल 1,63,810 पुल हैं जिनमें से 740 महत्वपूर्ण, 13,176 बड़े और 1,49,894 छोटे पुल हैं।

2023-24 के दौरान, रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 2,132 पुलों का सुदृढ़ीकरण/पुनर्स्थापन/पुनर्निर्माण किया गया है।

पुल निरीक्षण एवं प्रबंधन प्रणाली

आधुनिक पुल निरीक्षण तकनीकों को अपनाया गया है, जिसमें ड्रोन द्वारा निरीक्षण, जल के भीतर निरीक्षण, जल स्तर प्रणाली की सहायता से जल स्तर की निगरानी, नदी तल की 3डी स्कैनिंग आदि शामिल हैं।

भूमि प्रबंधन

दिनांक 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल लगभग 4.90 लाख हैक्टेयर भूमि की मालिक थी। इस भूमि का लगभग 81% हिस्सा नई लाइन बिछाने, दोहरीकरण, आमान परिवर्तन, रेलपथ, रेलवे स्टेशनों, कारखानों, कर्मचारी कालोनी इत्यादि जैसे भारतीय रेल के परिचालनिक और संबद्ध कार्यों में उपयोग किया जा रहा है। इस भूमि का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	विवरण	क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)
1.	रेलवे स्टेशन, कालोनियों आदि सहित रेलपथ तथा संरचनाएं	3.50
2.	वनरोपण	0.32
3.	'अधिक अनाज उगाओ' योजना	0.022
4.	वाणिज्यिक कार्यों के लिए लाइसेंस	0.036
5.	मत्स्यपालन जैसे अन्य उपयोग	0.12
6.	अतिक्रमण	0.01
7.	खाली भूमि	0.89
	जोड़	**4.9**

परिसंपत्ति विश्वसनीयता व संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पुल पुनर्स्थापन और पुनर्निर्माण

भावी रेल नेटवर्क के विकास के लिए विभिन्न अवसंरचनात्मक सुविधाओं का सृजन मुख्यत: भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। अत: भारतीय रेल की भूमि उपयोग नीति का मुख्य उद्देश्य रेल भूमि का संरक्षण और सार्थक अंतरिम उपयोग है। कार्गो टर्मिनलों, कार्गो संबंधी गतिविधियों जैसे गोदामों, नवीकरणीय ऊर्जा और सार्वजनिक सेवा उपयोगिताओं संबंधी अवसंरचना के लिए भी खाली रेल भूमि का उपयोग करने की अनुमति है।

रेलवे ने ऐसी भूमि का, जिसका निकट भविष्य में इस्तेमाल की आवश्यकता नहीं है, वाणिज्यिक इस्तेमाल भी शुरू किया है। रेल मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन रेल भूमि/नभ क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास से संबंधित सभी कार्यों को करने के लिए, रेल अधिनियम 1989 में एक संशोधन द्वारा 1 नवम्बर, 2006 को रेल मंत्रालय के अंतर्गत रेल भूमि विकास प्राधिकरण की स्थापना की गई है। दिनांक 31.03.2024 तक, 1060.97 हेक्टेयर (लगभग) के 143 स्थानों और कॉलोनी पुनर्विकास के लिए 109 स्थानों को वाणिज्यिक विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया था। रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा इन स्थानों का विकास करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण को खाली रेल भूमि का वाणिज्यिक विकास करने के साथ-साथ बहुकार्य परिसर विकसित करने का कार्य भी सौंपा गया है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, रेल भूमि विकास प्राधिकरण को कुल 84 साइटें सौंपी गई हैं, जिनमें से 15 को पहले ही सफलतापूर्वक पूरा और चालू किया जा चुका है। इसके अलावा, इस समय इरकॉन 24 बहुकार्य परिसरों का प्रबंधन कर रहा है।

वार्षिक रेल विद्युतीकरण
(मार्ग किलोमीटर)

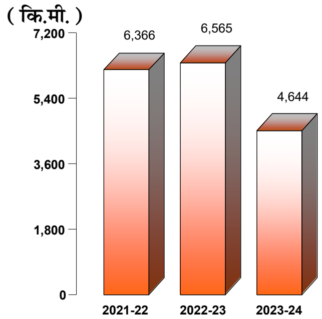

रेल विद्युतीकरण

भारतीय रेल की मिशन 100% विद्युतीकरण नीति को देश के संपूर्ण ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। शुरूआत में सरकार ने कच्चे तेल के आयात को कम करने और विदेशी मुद्रा भुगतान की बचत करने के लिए रेल विद्युतीकरण की दर को बढ़ाया था। बहरहाल, अब इस तथ्य को अधिकाधिक स्वीकार किया जा रहा है कि इससे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभ सुलभ कराएगा। कार्यनिष्पादन के मामले में, विद्युत कर्षण उपयोगकर्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा उपलब्ध कराता है। बिजली रेलइंजनों की उच्चतर शक्ति माल और यात्री रेलगाड़ियों, दोनों के लिए औसत गति और लदान को बढ़ाती है, जो रेलवे को आधुनिक बनाने और आर्थिक विकास के लिए समर्थन प्रदान करने के विशालकाय अवसर में परिणत होता है। विद्युतीकरण कार्बनफुटप्रिंट का न्यूनीकरण करके स्वच्छ परिवहन उपलब्ध कराने और देश के लिए परिवहन का पर्यावरण अनुकूल, हरित एवं स्वच्छ साधन सुलभ कराकर अपने नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

लंबे समय से रेलवे को अधिकांशतः कोयला और डीजल ईंधन द्वारा चलाया गया था, लेकिन 1947 में स्वतंत्रता के बाद विद्युतीकरण निरंतर बढ़ रहा है, लेकिन पिछले दस वर्षों में विलक्षण काया पलट देखने को मिला है। तब से, वितरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है और अधिकांश मार्गों का विद्युतीकरण कर दिया गया है।

मार्च, 2024 तक भारतीय रेल में विद्युतीकरण को 62,253 मार्ग किलोमीटर तक बढ़ा दिया गया है जिसमें कोंकण रेल शामिल नहीं है। यह कुल बड़ी लाइन रेल नेटवर्क का 90% है।

II. रेल विद्युतीकरण की प्रगति

(क) स्वतंत्रता पश्चात विद्युतीकरण की प्रगति नीचे सारणीबद्ध है:

वर्ष	संचयी विद्युतीकृत (मार्ग कि.मी.)
1951	388
1961	748
1971	3,706
1981	5,345
1991	9,968
2001	14,856
2011	19,607
2022	51,804
2023	58,074
2024	**62,253**

(ख) वर्ष 2023-24 के दौरान कीर्तिमान 4,644 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है।

अन्य रेल एजेंसियों द्वारा विद्युतीकृत बड़ी लाइन नेटवर्क

III. विद्युतीकृत रेलखण्ड (2023-24 में) :

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग कि.मी.
1	अहमदनगर - न्यू लोनी - आष्टी	मध्य	महाराष्ट्र	67
2	अजीमगंज - जियागंज	पूर्व	पश्चिम बंगाल	7
3	बुधपंक - कमलांगा	पूर्व तट	ओडिशा	6
4	झारतारभा - सोनपुर	पूर्व तट	ओडिशा	23
5	नुआगांव - दसपल्ला	पूर्व तट	ओडिशा	15
6	अमोलवा - गौनाहा	पूर्व मध्य	बिहार	10
7	बंधुआ - पैमार	पूर्व मध्य	बिहार	24
8	बिरौल - हरनगर	पूर्व मध्य	बिहार	7
9	निर्मली - फारबिसगंज	पूर्व मध्य	बिहार	104
10	सरायगढ़ - गढ़बरूआरी	पूर्व मध्य	बिहार	36
11	फाजिल्का - अबोहर - श्रीगंगानगर	उत्तर	पंजाब	92
12	धरम - बनिहाल - खड़ी	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	52
13	रोहतक - मेहम - हांसी	उत्तर	हरियाणा	68
14	फिरोजपुर - लोहियां खास	उत्तर	पंजाब	65
15	फिरोजपुर सिटी - हुसैनीवाला और फिरोजपुर सिटी - फाजिल्का	उत्तर	पंजाब	95
16	फिरोजपुर - फाजिल्का	उत्तर	पंजाब	120
17	जालंधर कैंट - होशियारपुर	उत्तर	पंजाब	36
18	जैजों दोआबा - नवांशहर दोआबा-राहों	उत्तर	पंजाब	37
19	ग्वालियर - जौरा अलापुर	उत्तर मध्य	मध्य प्रदेश	51
20	गाजीपुर - तारीघाट	पूर्वोत्तर	उत्तर प्रदेश	7
21	कुरैया - पीलीभीत	पूर्वोत्तर	उत्तर प्रदेश	52
22	अलीपुरद्वार - न्यू कूचबिहार	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल	24
23	बदरपुर - अगरतला	पूर्वोत्तर सीमा	असम और त्रिपुरा	229
24	अरुणाचल - जिरीबाम	पूर्वोत्तर सीमा	असम	50
25	अजरा - कामाख्या	पूर्वोत्तर सीमा	असम	11
26	करीमगंज - मैशासन	पूर्वोत्तर सीमा	असम	10
27	बराईग्राम - दुल्लाबचेरा	पूर्वोत्तर सीमा	असम	27
28	दलगांव - अलीपुरद्वार - समुक्तला	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल	65
29	लामडिंग - दीमापुर	पूर्वोत्तर सीमा	असम और नागालैंड	139
30	कटिहार - तेजनारायणपुर	पूर्वोत्तर सीमा	बिहार	33
31	लामडिंग - माईबोंग	पूर्वोत्तर सीमा	असम	67
32	चंद्रनाथपुर - बदरपुर	पूर्वोत्तर सीमा	असम	20
33	रंगिया - तंगला - धेकियाजुली	पूर्वोत्तर सीमा	असम	100
34	रानीनगर जलपाईगुड़ी - हल्दीबाड़ी	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल	31
35	सिलचर - बदरपुर	पूर्वोत्तर सीमा	असम	30
36	वाई लेग केबिन कनेक्शन - न्यू कूचबिहार	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल	90
37	बंगुरग्राम - रास	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	29
38	बाड़मेर - मुनाबाव	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	120
39	सूरतगढ़ - श्रीगंगानगर	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	135
40	रानीवाड़ा - भीलडी	उत्तर पश्चिम	राजस्थान और गुजरात	71

रेल विद्युतीकरण, भा.रे.

विद्युतीकृत रेलखंड, पूर्वो.रे.

रेल विद्युतीकरण, भा.रे.

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग कि.मी.
41	बीकानेर – लालगढ़ – फलौदी	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	166
42	समदड़ी – रानीवाड़ा	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	150
43	बिछीवाड़ा – खारवाचांदा	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	111
44	फलोदी – पोकरण	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	113
45	डीडवाना – डेगाना	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	63
46	मावली – नाथद्वारा	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	15
47	मेड़ता सिटी – पीपाड़ – राई का बाग एवं पीपाड़ – बिलाड़ा	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	155
48	भगवतीपुरम – एडामन	दक्षिण	केरल	33
49	मदुरै – बोदिनायक्कानूर	दक्षिण	तमिलनाडु	90
50	षोरनुर – नीलांबुर	दक्षिण	केरल	66
51	दीनागांव – परभणी – बसर	दक्षिण मध्य	महाराष्ट्र	260
52	देवरकद्रा – कृष्णा	दक्षिण मध्य	तेलंगाना	65
53	छाल फीडर लाइन	दक्षिण पूर्व मध्य	छत्तीसगढ	9
54	दल्लीराजहरा – भानुप्रतापपुर	दक्षिण पूर्व मध्य	छत्तीसगढ	34
55	केन्द्री – अभनपुर	दक्षिण पूर्व मध्य	छत्तीसगढ	6
56	कोरिचाप्पर – बरौद	दक्षिण पूर्व मध्य	छत्तीसगढ	5
57	आनंदपुरम – तलगुप्पा	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	41
58	बेलगावी – घाटप्रभा	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	58
59	मैसूर – हासन – सकलेशपुर	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	168
60	हसन – कुनिगल	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	105
61	पडिल – सुब्रह्मण्य रोड	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	82
62	कुम्सी – आनंदपुरम	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	31
63	माजोर्डा – वास्को और कैसल रॉक यार्ड	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक और गोवा	20
64	सखारायपटना – चिक्कमगलुरु	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	28
65	व्यास कॉलोनी – स्वामीहल्ली	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	40
66	वंदाल – बागलकोट	दक्षिण पश्चिम रेलवे	कर्नाटक	51
67	अलीराजपुर – जोबट	पश्चिम	मध्य प्रदेश	24
68	भीमनाथ – बोटाद	पश्चिम	गुजरात	28
69	बिलेश्वर – राजकोट	पश्चिम	गुजरात	14
70	गांधीधाम – कांडला पोर्ट	पश्चिम	गुजरात	10
71	हलवद – सुरबारी	पश्चिम	गुजरात	61
72	जेतलसर – वांसजालिया	पश्चिम	गुजरात	88
73	खंडवा केबिन – खंडवा	पश्चिम	मध्य प्रदेश	5
74	लूणीधार – जेतलसर	पश्चिम	गुजरात	57
75	लुशाला – वेरावल	पश्चिम	गुजरात	59
76	साबरमती – मोरैया	पश्चिम	गुजरात	32
77	अकलेरा – नयागांव	पश्चिम मध्य	राजस्थान	30
78	निशातपुरा – संत हिरदारामनगर	पश्चिम मध्य	मध्य प्रदेश	9
79	कवि सुभाष से हेमन्त मुखोपाध्याय तक	मेट्रो	पश्चिम बंगाल	6
80	तारातला से माझेरहाट	मेट्रो	पश्चिम बंगाल	1
	कुल			4,644

भारतीय रेल के खंड का विद्युतीकरण

IV. 2023-24 के दौरान पूरी की गई महत्वपूर्ण विद्युतीकरण परियोजनाएं:

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग कि.मी.
1	बठिंडा जं. - अबोहर - श्री गंगानगर	उत्तर	पंजाब	**125**
2	नवांशहर-राहों सहित फगवाड़ा जं. - नवांशहर दोआबा - जैजों दोआबा	उत्तर	पंजाब	**74**
3	लोहियां खास - नकोदर - फिल्लौर और नकोदर - जालंधर सहित बठिंडा - फिरोजपुर - जालंधर सिटी	उत्तर	पंजाब	**301**
4	फिरोजपुर सिटी - फाजिल्का - अबोहर और कोटकपुरा - फाजिल्का सहित लुधियाना - फिरोजपुर शहर - हुसैनीवाला	उत्तर	पंजाब	**339**
5	जालंधर शहर - होशियारपुर	उत्तर	पंजाब	**38**
6	कासगंज - बरेली, भोजीपुरा - डालीगंज	पूर्वोत्तर	उत्तर प्रदेश	**401**
7	न्यू बंगाईगांव - गोलपाडा - कामाख्या और दुधनोई - पथार मेंदी	पूर्वोत्तर सीमा	असम	**194**
8	रानीनगर - हल्दीबाड़ी	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल	**34**
9	कटिहार - तेजनारायणपुर, बारसोई - राधिकापुर और एकलाखी - बालुरघाट	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल और बिहार	**176**
10	मावली - नाथद्वारा	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**15**
11	डेगाना - रतनगढ़	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**143**
12	समदड़ी - बाड़मेर - मुनाबाव	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**250**
13	बंगुरग्राम - रास	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**29**
14	सेनगोट्टई - तेनकासी जं. - तिरुनेलवेली - तिरुचेंदूर और पुनलुर - सेनगोट्टई	दक्षिण	तमिलनाडु और केरल	**190**
15	उमदानगर - महबूबनगर को छोड़कर मनमाड - मुदखेड़ - डोन	दक्षिण मध्य	आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना	**783**
16	होसपेटे - स्वामीहल्ली	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**59**
17	चिक्बाणावर - हासन	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**166**
18	बीरुर - तालगुप्पा	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**161**
19	कडूरू - चिक्कमगलूरू	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**46**
20	गदग - होटगी	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक और महाराष्ट्र	**284**
21	अहमदाबाद - राजकोट	पश्चिम	गुजरात	**233**
22	सीहोर जंक्शन - पलिताना के साथ ढोला - भावनगर और राजुला रोड जंक्शन - महुवा	पश्चिम	गुजरात	**119**
23	सामाखियाली - गांधीधाम - कांडला पोर्ट	पश्चिम	गुजरात	**77**
24	महेसाणा - विरमगाम - सामाखियाली	पश्चिम	गुजरात	**292**

रामगिरी टीएसएस (मैसूरू मंडल)

विद्युतीकरण कार्य प्रगति पर, कोर

संरक्षा को सुनिश्चित करना: सिगनल प्रणाली, भा.रे.

सिगनल एवं दूरसंचार

सिगनल-प्रणाली

रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा का संवर्धन करने और इसे कुशल बनाने के लिए रंगीन रोशनी वाले बहु संकेती सिगनलों के साथ पैनल अंतर्पाशन/रूट रिले अंतर्पाशन/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन से युक्त आधुनिक सिगनल प्रणालियां उत्तरोत्तर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभी तक भारतीय रेल में 6,575 रेलवे स्टेशनों (बड़ी लाइन के लगभग 99.07% रेलवे स्टेशनों को शामिल करते हुए) पर अप्रचलित बहु-केबिन यांत्रिक सिगनल प्रणालियों को बदलकर ऐसी प्रणालियां उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, इस प्रकार इसके परिचालन में अंतर्ग्रस्त परिचालन लागत को यथेष्ट बनाने के साथ-साथ मानव हस्तक्षेप का न्यूनीकरण करके संरक्षा का संवर्धन किया गया है।

2016 में भारतीय रेल ने भविष्य में सभी प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन उपलब्ध कराने का सैद्धांतिक निर्णय लिया था। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, 62 यांत्रिक सिगनल-प्रणाली वाले रेलवे स्टेशनों सहित 6,637 अंतर्पाशित रेलवे स्टेशनों में से 3,424 रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

संपूर्ण रेलपथ परिपथन: रेलपथ उपयोग सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, 31.03.2024 तक ए, बी, सी, डी स्पेशल और ई स्पेशल मार्ग को शामिल करते हुए लगभग 35,743 स्थलों पर रेलपथ परिपथन पूरा किया जा चुका है। भारतीय रेल में कुल 6,597 रेलवे स्टेशनों (99.39%) पर संपूर्ण रेलपथ परिपथन उपलब्ध करा दिया गया है।

धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच (बीपीएसी): संरक्षा और रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी के पूर्ण आगमन का उन्नत गतिशील स्वचल सत्यापन का संवर्धन करने के लिए, कांटों एवं सिगनलों का केंद्रीकृत परिचालन रखने वाले रेलवे स्टेशनों पर धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच उपलब्ध कराई जा रही है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, 6,058 ब्लॉक रेलखंडों पर धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच उपलब्ध कराई जा चुकी है। 2023-24 में स्वचल सिगनल-प्रणाली कमीशन होने के कारण में यह संख्या कम हो गई है।

मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली (आईबीएस): एक ब्लॉक रेलवे स्टेशन के विकास और परिचालन के दौरान अपेक्षित परिचालन जनशक्ति एवं सुविधाओं के रूप में अतिरिक्त पुनरावर्ती राजस्व व्यय के बिना व्यस्त रेलखंडों में लाइन क्षमता का संवर्धन करने में मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली की व्यवस्था बहुत उपयोगी सिद्ध हुई है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 756 ब्लॉक रेलखंडों में मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

स्वचल ब्लॉक सिगनल-प्रणाली (एबीएस): भारतीय रेल में मौजूदा उच्च घनत्व वाले मार्गों पर लाइन क्षमता का संवर्धन और मध्यांतर का न्यूनीकरण करने के लिए, स्वचल ब्लॉक सिगनल-प्रणाली की व्यवस्था द्वारा सिगनल-प्रणाली कम लागत का समाधान उपलब्ध कराती है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, 4,431 मार्ग किलोमीटर पर स्वचल ब्लॉक सिगनल-प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

स्वचल रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली: कवच स्वदेश में विकसित स्वचालित रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली है। यदि लाको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है तथा खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को सुरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है। कवच अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणीकरण की आवश्यकता है। इसके बाद, जुलाई 2020 में कवच को राष्ट्रीय स्वचल रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली के रूप में अपनाया गया। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, कवच को दक्षिण मध्य रेल के 1,465 मार्ग किलोमीटर पर और 139 रेलइंजनों (इलेक्ट्रॉनिक मल्टीपल यूनिट रेकों सहित) में लगाया जा चुका है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा

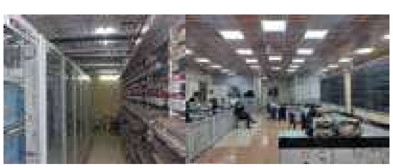

यांत्रिक सिगनल प्रणाली की समाप्ति, भा.रे.

गलियारों (लगभग 3,000 मार्ग किलोमीटर) के लिए कवच की निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और पूर्व, पूर्व मध्य, उत्तर मध्य, उत्तर, पश्चिम मध्य और पश्चिम रेल के क्षेत्रों के इन मार्गों पर कार्य प्रगति पर है। भारतीय रेल अन्य 6000 मार्ग किलोमीटर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर चुकी है। मथुरा-पलवल खंड का आईएसए निरीक्षण मार्च 2024 के दौरान किया गया था और इस खंड को 160 किमी प्रति घंटे की गति वाला पहले खंड के रूप में कमीशन करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

पुणे-लोनावला खंड-4 के बीच सर्वत्र स्वचालित सिगनल प्रणाली

केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण (सीटीसी):

यह कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जो कई रेलवे स्टेशनों को शामिल करने वाले कई सिगनल-प्रणाली प्रतिष्ठानों का एक ही स्थल से नियंत्रण और प्रबंधन करना साध्य बनाती है। यह रेल यातायात का केंद्रीकृत रियल टाइम सिमुलेशन भी उपलब्ध कराती है जिससे समयनिष्ठ रेलगाड़ी परिचालन के लिए रियल टाइम यातायात योजना बनाने में सहायता मिलती है। नियंत्रकों द्वारा रियल टाइम के आधार पर सीधे केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण केंद्र से रेलगाड़ी संचलन का प्रबंधन किया जा सकता है। अलीगढ़-कानपुर मार्ग पर 27 रेलवे स्टेशनों के साथ दोहरी लाइन रेलखंड के 322 मार्ग किलोमीटर को शामिल करने वाले केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण को चालू किया जा चुका है।

इसके अलावा, समस्त उच्च घनत्व नेटवर्क मार्गों को शामिल करते हुए लगभग 14,660 मार्ग किलोमीटर पर केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। उत्तर मध्य रेलवे पर टूण्डला-सीटीसी पर 'सीओए' के साथ सीटीसी के इंटरफेसिंग का कार्य चल रहा है।

रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली: रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली, मंडल नियंत्रण केंद्र में उपलब्ध कराई गई विशाल स्क्रीन पर रेलगाड़ियों की स्थिति, सभी रेलगाड़ी संचलनों की रियल टाइम स्थिति और शामिल रेलखंड का संपूर्ण दृश्य दिखाती है। नियंत्रण कार्यालय में समयपालन रिपोर्ट, रेक और कर्मीदल लिंक, रेलगाड़ी ग्राफ और असामान्य घटना रिपोर्ट जेनरेट होती हैं।

पूरे डिस्प्ले पैनल को, जिसे 'मिमिक इंडिकेशन पैनल' कहा जाता है, एक नजर में प्रणाली की विस्तृत स्थिति दिखाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रत्याशा है कि रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली/केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण परियोजनाओं के चालू होने के साथ, हमारे नियंत्रक रेलगाड़ी परिचालन का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। नियंत्रण कार्यालयों में रियल टाइम रेलगाड़ी चालन सूचना उपलब्ध कराने के अलावा, यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर यात्री सूचना प्रणाली के स्वचालित कार्य द्वारा रेलगाड़ियों के रेलवे स्टेशनों पर सटीक आगमन/प्रस्थान सूचना भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रणाली पश्चिम और मध्य रेलों में मुंबई तथा पूर्व रेल के हावड़ा के उपनगरीय रेलखंडों पर उपलब्ध कराई जा चुकी है। पूर्व तट रेल के खोरधा रोड और पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में समान प्रणाली उपलब्ध कराई जा रही है।

समपार फाटकों का अंतर्पाशन:

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल ने समपारों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 11,062 समपार फाटकों पर सिगनलों के साथ अंतर्पाशन उपलब्ध करा दिया है। वर्ष 2023-24 में 284 अदद समपार फाटकों का अंतर्पाशन होने के बावजूद, समपार फाटकों के बंद होने के कारण अंतर्पाशन किए गए समपार फाटकों की संख्या कम हो गई है।

समपार फाटकों पर स्लाइडिंग बूम:

विशेषकर उपनगरीय क्षेत्रों में सड़क वाहनों द्वारा समपार फाटक क्षतिग्रस्त होने पर रेलगाड़ी सेवाओं में व्यवधान का न्यूनीकरण करने में अंतर्पाशित की है स्लाइडिंग बूम की व्यवस्था बहुत कारगर सिद्ध हुई है। सलाइडिंग बूम अंतर्पाशन की व्यवस्था के साथ, सिगनल-प्रणाली रेलगाड़ी परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव के साथ सामान्य ढंग से कार्य करना जारी रखती है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, 7,667 अदद व्यस्त अंतर्पाशित समपारों पर लिफ्टिंग बैरियरों के साथ-साथ स्लाइडिंग बूम उपलब्ध करा दिए गए हैं, और व्यस्त फाटकों पर भी उत्तरोत्तर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्वचालित सिगनल प्रणाली

भारतीय रेल में सिगनल-प्रणाली की व्यवस्था में वृद्धिः

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार

मद	मार्च, 20	मार्च, 21	मार्च, 22	मार्च, 23	मार्च, 24
पैनल अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	3,863	3,747	3,438	3,134	**2,950**
रूट रिले अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	228	247	226	217	**201**
इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	1,927	2,206	2,572	3,045	**3,424**
पैनल अंतर्पाशन/रूट रिले अंतर्पाशन/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	6,018	6,200	6,236	6,396	**6,575**
धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच (ब्लॉक रेलखंड)	5,663	5,805	6,003	6,364	**6,058**
स्वचल सिगनल-प्रणाली (मार्ग किलोमीटर)	3,309	3,447	3,549	3,908	**4,431**
मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली (ब्लॉक रेलखंड)	602	628	666	727	**756**
अंतर्पाशित समपार फाटक (अदद)*	11,639	11,710	10,854	11,079	**11,062**

*वर्ष 2023-24 में 284 अदद समपार फाटकों का अंतर्पाशन होने के बावजूद, समपार फाटकों के बंद होने के कारण अंतर्पाशन किए गए समपार फाटकों की संख्या कम हो गई है।

आत्मनिर्भरताः

सिगनल-प्रणाली कारखानाः रेल सिगनल-प्रणाली संस्थापनाएं रेलगाड़ियों के सुचारू और संरक्षित परिचालन के लिए अनेक विशेषीकृत उपस्करों का उपयोग करती हैं। प्रौद्योगिकी के उन्नयन और सिगनल-प्रणाली की विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की ओर बदलाव के साथ इन उपस्करों की मांग बढ़ गई है। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए दक्षिण रेल के पोत्तनूर, दक्षिण मध्य रेल के मेट्टगुडा, पूर्वोत्तर रेल के गोरखपुर, पूर्व रेलवे के हावड़ा, मध्य रेल के भायखला, पश्चिम रेल के साबरमती, दक्षिण पूर्व रेल के खड़गपुर और उत्तर रेल के गाजियाबाद में भारतीय रेल के सिगनल-प्रणाली कारखानों में इलेक्ट्रिक पाइंट मशीनों, टोकनरहित ब्लॉक उपकरणों, दोहरी लाइन ब्लॉक उपकरणों, धुरा गणकों, विभिन्न प्रकार के रिले आदि जैसी वस्तुओं का विनिर्माण किया जा रहा है। इन सिगनल-प्रणाली एवं दूरसंचार कारखानों का वर्ष-वार उत्पादन इस प्रकार है:

सिगनल-प्रणाली एवं दूरसंचार कारखानों का वर्ष-वार उत्पादनः-

वर्ष	उत्पादन लाख में
2019-20	32,385.90
2020-21	25,041.89
2021-22	31,300.00
2022-23	34,033.42
2023-24	**45,771.00**

दूरसंचार

दूरसंचार भारतीय रेल में रेलगाड़ी नियंत्रण, परिचालन और संरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय रेल ने अपनी संचार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक, राष्ट्रव्यापी दूरसंचार नेटवर्क स्थापित किया है। रेलटेल, रेलवे केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम, भारतीय रेल दूरसंचार नेटवर्क की अधिशेष क्षमता का सफलतापूर्वक व्यावसायिक दोहन कर रहा है।

एलईडी टाइप सिगनल लैंप

मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के पास लगभग 66,179 मार्ग किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर केबल है जो गीगाबिट्स ट्रैफिक वहन कर रहा है। रेल नियंत्रण संचार भी, जो रेलगाड़ी परिचालन के लिए सारतात्विक है, ऑप्टिकल फाइबर केबल प्रणाली पर कार्य रहा है। यह ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क रेलटेल के माध्यम से राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। रेलटेल रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवाएं भी उपलब्ध कराता है।

भारत सरकार की "डिजिटल इंडिया" पहल के अनुसरण में, रेलवे 6,112 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करा चुकी है। भारतीय रेल संरक्षा सुनिश्चित करने और रेलगाड़ी परिचालन में विश्वसनीयता का संवर्धन करने के लिए 1.41 लाख वेरी हाई फ्रीक्वेंसी सेटों का भी उपयोग कर रही है।

यात्रियों और परिसरों की सुरक्षा का संवर्धन करने और रेलवे स्टेशन परिसरों में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध के प्रति एक शक्तिशाली निवारक के रूप में कार्य करने के लिए। भारतीय रेल ने सभी रेलवे स्टेशनों (हाल्ट स्टेशनों को छोड़कर सभी कोटियां) पर वीडियो निगरानी प्रणाली उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। 31.03.2024 तक 1001 रेलवे स्टेशनों पर वीडियो निगरानी (सीसीटीवी) प्रणाली उपलब्ध करा दी गई है। इसके अलावा, रेल कार्यालयों और भारतीय रेल के सभी मंडलों और क्षेत्रीय अस्पतालों में भी सीसीटीवी उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय रेल के विभिन्न भागों में हाथियों की घुसपैठ लंबे समय से संरक्षा संबंधी चिंता का विषय रही है। इनके कारण रेलगाड़ियाँ पटरी से उतर जाती हैं, जिससे लोगों की मृत्यु होती है, भारतीय रेल को भारी नुकसान होता है और रेलगाड़ियों के परिचालन में व्यवधान उत्पन्न होता है तथा वन्य जीवों को नुकसान पहुँचता है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए भारतीय रेल द्वारा विभिन्न निवारक उपाय किए गए हैं। इस संबंध में, विभिन्न क्षेत्रों में हाथियों के घुसपैठ संबंधी चेतावनी देने के लिए अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने हेतु समर्पित ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित ध्वनिक संवेदन प्रणाली की योजना बनाई गई है, ताकि आवश्यक निवारक कार्रवाई की जा सके और रेलवे के रेलगाड़ी यातायात को एक अभिनव संरक्षा समाधान मुहैया कराया जा सके। अब तक, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में 141 मार्ग किलोमीटर में इसकी व्यवस्था कर दी गई है।

रेलवे को कैप्टिव सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार (एमटीआरसी) दूरसंचार के लिए 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम में 5 मैगाहर्ट्ज बैंडविड्थ आबंटित की गई है। अब रेलवे ने डेटा और वॉयस की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) सिस्टम आधारित सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार को अपनाने का निर्णय लिया है।

रेलवे ने वॉयस ट्रैफिक के लिए अपना मल्टी-प्रोटोकॉल लेवल स्विचिंग (एमपीएलएस) आधारित नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क (एनजीएन) भी स्थापित किया है। इस नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क (एनजीएन) का उपयोग रेलवे के एडमिनिस्ट्रेटिव वॉयस ट्रैफिक को वहन करने वाली 100 एक्सचेंजों अधिकाधिक इंटरकनेक्ट करने के लिए किया गया है। संरक्षा, विश्वसनीयता और उत्पादकता का संवर्धन करने के लिए संचार को साध्य बनाने हेतु कॉमन यूजर ग्रुप (सीयूजी) मोबाइल फोन को भी किराये पर लिया गया है। इसके अलावा, रेलवे ने अपने सभी कर्मचारियों के लिए कॉमन यूजर ग्रुप सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

दूरसंचार भी यात्री आराम सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यात्रियों की सहूलियत के लिए, 1,274 रेलवे स्टेशनों पर रेलगाड़ी सूचना बोर्ड, 5,980 रेलवे स्टेशनों पर जनउद्घोषणा प्रणालियां और 756 रेलवे स्टेशनों पर सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणालियां उपलब्ध कराई गई हैं।

भारत सरकार की डिजिटल पहल के भाग के रूप में और डिजिटल अंतराल को पाटने के लिए, 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार 6,112 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। भारतीय रेल अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और कार्यकुशलता में सुधार लाने के साथ-साथ कार्यालय में कागज रहित कामकाज के लिए ई-ऑफिस एप्लिकेशन को उत्तरोत्तर क्रियान्वित कर रही है। 31.03.2024 तक, सभी क्षेत्रीय और मंडल मुख्यालयों सहित 236 स्थलों को ई-ऑफिस द्वारा जोड़ा गया है और भारतीय रेल में 1.47 लाख उपयोगकर्ता खाते भी बनाए जा चुके हैं।

महत्वपूर्ण दूरसंचार परिसंपत्तियां नीचे सारणीबद्ध हैं:

क्र.सं.	संस्थापन	इकाइयां	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2024 के अनुसार
1	ऑप्टिकल फाइबर केबल	मार्ग किलोमीटर	64,141	**66,179**
2	क्वाड केबल	मार्ग किलोमीटर	64,956	**65,943**
3	रेलवे टेलीफोन सब्सक्राइबर्स लाइनें	अदद	3,45,374	**345,374**
4	नियंत्रक रेलखंडों की संख्या जिनमें डुएल टोन मल्टीपल फ्रीक्वेंसी नियंत्रण उपस्कर उपलब्ध कराए गए हैं	अदद	325	**325**
5	टेट्रा आधारित सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार प्रणाली (मार्ग किलोमीटर)	मार्ग किलोमीटर	75.38	**75.38**
6	जन उद्घोषणा प्रणाली	रेलवे स्टेशनों की संख्या	5,516	**5,980**
7	रेलगाड़ी प्रदर्शन बोर्ड	रेलवे स्टेशनों की संख्या	1,208	**1,274**
8	सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणाली	रेलवे स्टेशनों की संख्या	705	**756**
9	वेरी हाई फ्रीक्वेंसी सेट			
	क. 5 वाट सेट (हैंड हेल्ड)	अदद	1,34,210	**141,726**
	ख. 25 वाट सेट (रेलवे स्टेशनों पर)	अदद	8,772	**7,335**
10	वी सैट	अदद	327	**324**
11	रेलनेट कनेक्शन	अदद	1,54,175	**1,70,189**
12	यूटीएस/पीआरएस सर्किट	अदद	10,507	**10,409**
13	एफओआईएस सर्किट	अदद	2,962	**3,003**
14	एक्सचेंज सर्किट	अदद	1,637	**1,600**
15	रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई	रेलवे स्टेशनों की संख्या	6,108	**6,112**
16	रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी	रेलवे स्टेशनों की संख्या	866	**1,001**
17	ई-ऑफिस (स्थलों की संख्या)	स्थलों की संख्या	236	**236**

संरक्षा

दुर्घटनाएं

वर्षों के दौरान परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, अनुरक्षण पद्धतियों में सतत सुधार और विभिन्न तकनीकी सुधारों के फलस्वरूप, कोंकण रेलवे सहित परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या में गिरावट आई है जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ द्वारा दर्शाया गया है

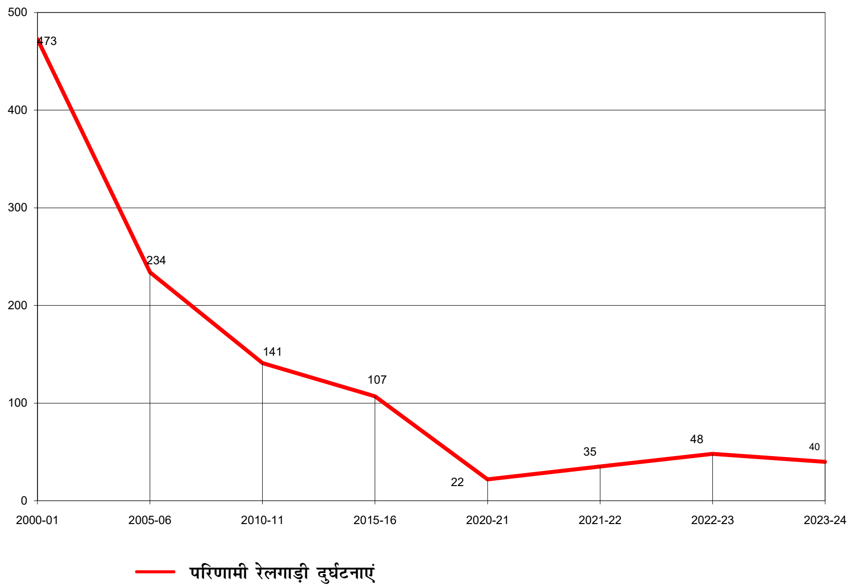

एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली के साथ ट्रैक रिकॉर्डिंग कार

प्रतिकर

वर्ष 2023-24 के दौरान रेलगाड़ी दुर्घटनाओं में यात्रियों की मृत्यु/घायल होने पर भारतीय रेल अधिनियम 1989 की धारा 124 के तहत निकट संबंधियों/पीड़ितों को प्रतिकर के रूप में ₹2,711.36* लाख (लगभग) की राशि का भुगतान किया गया जबकि वर्ष 2022-23 के दौरान ₹126.84* लाख (लगभग) का भुगतान किया गया था। वर्ष के दौरान प्रदत प्रतिकर राशि उस वर्ष के दौरान निपटाए गए मामलों की संख्या और किए गए भुगतान से संबंधित होती है और इसका उस वर्ष के दौरान हुई दुर्घटनाओं से संबंधित होना आवश्यक नहीं है।

*(*कोंकण रेल और मेट्रो रेल, कोलकाता को छोड़कर)*

रेल संपत्ति को क्षति

वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं के कारण रेल संपत्ति को क्षति की लागत और पारगामी संचार में व्यवधान की अवधि इस प्रकार है:-

वर्ष	क्षति की लागत (लाख में)		पारगामी संचार के व्यवधान (घंटों में)
	चल स्टॉक	रेलपथ	
2022-23	5,570.21	385.74	728.02
2023-24	**14,430.87**	**569.90**	**486.16**

पूरा किया गया रेलपथ नवीकरण

दमदम जंक्शन पर कमीशन की गई अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग

राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष

वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की पूंजीगत व्यय के भाग के रूप में ₹1 लाख करोड़ की कायिक निधि और ₹20,000 करोड़ के वार्षिक परिव्यय के साथ शुरुआत की गई थी। इस निधि के अंतर्गत रेलपथ नवीकरण, पुलों, सिगनल, चल स्टॉक और संरक्षा कार्यों से जुड़े कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण एवं सुविधाओं से संबंधित परियोजनाएं पूरी की जाती हैं। राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष से अधिकांश व्यय इंजीनियरी और सिगनल-प्रणाली कार्यों और सुरक्षा कार्य से जुड़ी यात्री सुविधा मदों पर किया गया है। सकल बजट सहायता, आंतरिक सृजन और अन्यों से सतत और सुनिश्चित वित्तपोषण के साथ, संरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दी गई है और पर्याप्त वित्तपोषण ने यह सुनिश्चित किया है कि इन कार्यों को प्राथमिकता के अनुसार निष्पादित किया जाए। वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष निर्माण-कार्यों पर ₹1.08 लाख करोड़ का सकल व्यय उपगत किया गया था।

भारत सरकार ने सकल बजट सहायता से ₹45,000 करोड़ के अंशदान के साथ राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की वैधता अवधि को 2021-22 से आगे पांच वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष के अंतर्गत ₹13,894.84 करोड़ और ₹12,805.69 करोड़ का व्यय क्रमश: वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए किया गया है। बजट अनुमान 2024-25 में इस कोष के अंतर्गत ₹12,800 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

I. संरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उपाय

- **संरक्षा पर फोकस** - मानवीय त्रुटियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का न्यूनीकरण करने के उद्देश्य से, मानव संसाधनों के कौशलों का उन्नयन करने के साथ-साथ मानव पर निर्भरता को कम करने हेतु नवीन प्रौद्योगिकियों की शुरुआत पर फोकस सहित बहुमुखी विधि, अनुरक्षण का यांत्रिकीकरण, खराबियों का शीघ्र पता लगाना आदि दुर्घटना की रोकथाम करने के प्रमुख संचालक थे।
- **आवधिक संरक्षा लेखापरीक्षा** - क्षेत्रीय रेलों की बहु-विभागीय टीमों द्वारा विभिन्न मंडलों की आवधिक संरक्षा लेखापरीक्षाओं के साथ-साथ अंतर-रेलवे संरक्षा लेखापरीक्षाएं नियमित रूप से की गईं। वर्ष 2023-24 के दौरान, 99 आंतरिक संरक्षा लेखापरीक्षाएं और 34 अंतर-रेलवे संरक्षा लेखापरीक्षाएं की गईं।
- **प्रशिक्षण सुविधाएं** - वर्ष 2023-24 के दौरान, 1,67,442 अराजपत्रित कर्मचारियों को पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया।

II. रेलगाड़ी टक्कर का परिवर्जन करने के उपाय

रेलगाड़ी टक्कर का परिवर्जन करने के लिए, सिगनल-प्रणाली से संबंधित प्रौद्योगिकीय सहायता की व्यवस्था इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 46 पर 'सिगनल प्रणाली' भाग के अंतर्गत 'सिगनल एवं दूरसंचार' अध्याय में संक्षेप में बताई गई है।

III. रेलगाड़ी का पटरी से उतरने का न्यूनीकरण करने के लिए उपाय

रेलगाड़ी का पटरी से उतरने का परिवर्जन करने के लिए, किए गए उपाय अर्थात रेलपथ नवीकरण, रेलपथ उन्नयन, वेल्डित पटरियां, पुल तथा पुल निरीक्षण एवं प्रबंध प्रणाली इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 38 पर 'इंजीनियरी' अध्याय के अंतर्गत संक्षेप में बताए गए हैं।

एलईडी टाइप सिगनल लैंप

IV. रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने के लिए उठाए गए कदम

भारतीय रेल ने रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए नीचे बताए गए कदम उठाए हैं:

(क) पूर्णतया एल.एच.बी. को अपनाना

एलएचबी सवारी डिब्बे

रेल मंत्रालय ने एल.एच.बी. रेलडिब्बों का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का निर्णय लिया हैं, जो एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता सूचक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक) और कम संक्षारक काय जैसी विशेषताओं के साथ तकनीकी दृष्टि से बेहतर हैं। पारंपरिक सडिका रेलडिब्बों की तुलना में यह सवारी डिब्बे बेहतर आराम मुहैया कराते हैं और अधिक सुंदर हैं। अप्रैल 2018 से भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में अब केवल एल.एच.बी. रेलडिब्बों का उत्पादन हो रहा है। पारंपरिक सवारी डिब्बा कारखाना के सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से एलएचबी सवारी डिब्बों से बदला जा रहा है। 31.08.2024 की स्थिति के अनुसार, कुल लगभग 1,399 अदद रेक एलएचबी सवारी डिब्बों वाले हैं।

(ख) अर्ध-उच्च गति वंदे भारत (रेलगाड़ी-सेट) का समावेशन

भारतीय रेल ने यात्री रेलगाड़ी यात्रा को पूर्णतः नए अवतार में पेश करने की परिकल्पना की है। नवीनतम विश्व स्तरीय चल स्टॉक प्रौद्यौगिकी और बेहतर यात्री सुविधाओं के माध्यम से प्रत्येक प्रकार के यात्री चल स्टॉक का उन्नयन किया जा रहा है ताकि रेल यात्रा को सुरक्षित, विश्वसनीय, तीव्र और अद्वितीय यात्रा अनुभव वाला बनाया जा सके। वर्तमान में, भारतीय रेल में 68 वंदे भारत चेयर कार रेलगाड़ियां चल रही हैं। 2023-24 में बेहतर संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं के साथ 51 नई वंदे भारत रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया गया है। इसके अलावा, 2024-25 (सितंबर, 2024 तक) में 14 अतिरिक्त वंदे भारत रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया गया है।

(ग) वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ियां

भारतीय रेल ने भा.रे. डिजाइन के अनुसार वंदे भारत स्लीपर रेक बनाने की योजना बनाई है। वंदे भारत के स्लीपर संस्करण की संकल्पना लंबी और मध्यम दूरी की अंतर-राज्य यात्रा हेतु की गई है। वर्तमान में, 10 वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों (16-कार) का निर्माण भारतीय रेल उत्पादन इकाइयों (अर्थात् सडिका) द्वारा किए जाने की योजना है। इसके अलावा, सडिका, चेन्नै में 24-कार संयोजना वाले वंदे भारत स्लीपर के 50 रेकों के विनिर्माण की परिकल्पना की गई है।

(घ) अमृत भारत रेलगाड़ियां

30.12.2023 को दरभंगा-दिल्ली और मालदा टाउन-बैंगलूरू के बीच गैर-वातानुकूलित अमृत भारत एक्सप्रेस के दो रेक नियमित सेवा में शुरू किए गए हैं। सौंदर्य और यात्री अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त सुविधाओं के साथ 100 और अमृत भारत गाड़ियों के उत्पादन की निम्नलिखित संरचना में परिकल्पना की गई है:

08 शयनयान, 11 अनारक्षित, 01 रसोई यान और 02 एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों वाले पूर्ण गैर-वातानुकूलित रेक।

(ङ) हाइड्रोजन रेलगाड़ी सेट

रेल ग्राइंडिंग मशीन, आरजीएम-96

हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन पावर रेलगाड़ी के विकास हेतु एक परियोजना को पायलट आधार पर शुरू किया गया है। इस परियोजना की पावर रेलगाड़ी का डिजाइन तैयार कर लिया गया है। इसका उत्पादन सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै की उत्पादन इकाई में किया जाएगा। यह रेलगाड़ी भारतीय रेल में हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रदर्शित करेगी।

भारतीय रेल में कवच सिम्युलेशन व्यवस्था द्वारा प्रदर्शित संरक्षा परिदृश्य

(च) नमो भारत रैपिड रेल का निर्माण

नमो भारत रैपिड रेल को वंदे भारत की विशेषताओं को अपनाते हुए इंटर-सिटी छोटी दूरी के साथ-साथ उपनगरीय यात्रियों और आम जनता की दैनिक यात्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया जा रहा है। ये नमो भारत रैपिड रेल उच्च गति से चलने में सक्षम होंगी और इनमें वंदे भारत जैसी विशेषताएं जैसे गद्देदार सीटें, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, सीसीटीवी, आपातकालीन टॉक बैक प्रणाली, यात्री सूचना प्रणाली तथा इन्फोटेनमेंट सिस्टम, यूएसबी चार्जिंग और अन्य कई सुविधाएँ होंगी। सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै से पहला 12-कार प्रोटोटाइप रेक 16.09.2024 से अहमदाबाद-भुज के बीच परिचालित है। इसके अलावा, रेल डिब्बा कारखाना ने 16-कार प्रोटोटाइप रेक भी उत्पादित कर लिया है।

(छ) सवारी डिब्बों में जैव शौचालय

'स्वच्छ भारत मिशन' के एक भाग के रूप में, भारतीय रेल ने अपने सभी सवारी डिब्बों में जैव शौचालय लगाने का कार्य पूरा कर लिया है। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि सवारी डिब्बों से कोई भी मानव अपशिष्ट रेलपथ पर नहीं गिरता है। इस प्रयास से प्रतिदिन लगभग 2,74,000 लीटर अपशिष्ट जल और 3,980 टन मलमूत्र को रेलपथ पर गिरने से बचाया जा सका है। सवारी डिब्बों में जैव शौचालय का प्रावधान वर्ष 2006-2014 में 3647 सवारी डिब्बों से बढ़ाकर वर्ष 2014-2024 (सितंबर, 2024 तक) में 88,812 सवारी डिब्बे तक कर दिया गया है।

इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों से उत्पादित होने वाले सभी नव-निर्मित सवारी डिब्बों में जैव शौचालय की व्यवस्था की जा रही है। इस प्रयास से, सभी यात्री सवारी डिब्बों में जैव शौचालय की व्यवस्था हो रही है।

(ज) यात्री डिब्बों में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं

भारतीय रेल लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) और सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) दोनों सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली लगभग सभी मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के अंतिम डिब्बे एलएसएलआरडी/एसएलआरडी (द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड वैन और विकलांग अनुकूल कंपार्टमेंट) में विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के लिए निर्धारित एक डिब्बे की अलग से सुविधा प्रदान करती है। इन सवारी डिब्बों में चौड़े प्रवेश द्वार, चौड़ी शयिकाएं, चौड़े कम्पार्टमेंट, चौड़े दरवाजों सहित बड़े शौचालय, व्हील चेयर पार्किंग क्षेत्र आदि होते हैं। शौचालयों के अंदर, सहारे के लिए साइड की दीवारों पर अतिरिक्त पकड़ने की रेलिंग और उचित ऊंचाई पर वॉश बेसिन और दर्पण भी उपलब्ध हैं। यह भी प्रयास किया जाता है कि प्रत्येक मेल/एक्सप्रेस गाड़ी में कम से कम एक ऐसा सवारी डिब्बा उपलब्ध हो।

इसके अतिरिक्त, दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, सभी नव-निर्मित सवारी डिब्बों में एकीकृत ब्रेल साइनेज अर्थात् ब्रेल लिपि के साथ लगाए गए संकेतक भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों में भी चरणबद्ध तरीके से इनका रेट्रो-फिटमेंट जारी है। दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक वंदे भारत गाड़ी सेट भी तैयार किए गए हैं।

(झ) एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों की शुरूआत

भारतीय रेल में ऑटोमोबाइल वाहक वाहनों की मांग में वृद्धि हुई है। तदनुसार, ऑटोमोबाइल संचलन संबंधी यातायात को हासिल करने के लिए, मौजूदा सडिका डिब्बे जिन्हें रेलगाड़ी परिचालन से उत्तरोत्तर हटाया जा रहा है, को परिवर्तित करके एनएमजी/एनएमजीएच/एनएमजीएचएस डिब्बों का विनिर्माण करने पर अधिक बल दिया जा रहा है।

हॉट बॉक्स डिटेक्टर (एचबीडी)

एनएमजी सवारी डिब्बों का और अधिक प्रसार किया गया है, जैसाकि एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों में 110 किलोमीटर प्रति घंटे की उच्च गति संभाव्यता होगी जिससे और अधिक लाइन क्षमता का सृजन होगा जो अधिक लाइन क्षमता का सृजन करेगा। 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता और बगल के प्रवेश की व्यवस्था वाले एनएमजीएचएस डिब्बे भी शुरू किए गए हैं।

खरसिया यार्ड, रायपुर मंडल, द.पू.म.रे. में क्योसन निर्मित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग

(ञ) अन्य पहलें

- ➢ गाड़ी के निर्धारित ठहराव के भीतर गाड़ियों में तेजी से पानी भरने के लिए स्टेशनों पर तीव्र गति वाली पानी भरने की सुविधा मुहैया कराई जा रही हैं। यात्रा के दौरान सवारी डिब्बों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ये सुविधाएं आवश्यक हैं। वर्तमान में, इस सुविधा के प्रावधान के लिए लगभग 226 स्थानों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से, इन प्रणालियां को 128 स्थानों पर स्थापित और चालू कर दिया गया है।
- ➢ सवारी डिब्बों के बाहरी हिस्से को अधिक प्रभावी ढंग से और कुशलता से साफ करने के लिए क्षेत्रीय रेलों पर स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र लगाए गए हैं। उच्च कोटि की सफाई के अलावा, इस संयंत्र के साथ एकीकृत जल पुनर्चक्रण संयंत्र के माध्यम से पानी की बर्बादी को रोकने और पानी को पुनर्चक्रित करने से सीधी पानी की खपत भी कम होती है। ये स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र 75 स्थानों पर कार्यरत हैं।

V. सवारी डिब्बों में आग लगने की रोकथाम करने हेतु किए गए उपाय

भारतीय रेल, उत्पादन इकाइयों में विनिर्माण के दौरान रेल यात्री डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को अतिरिक्त रूप से सुदृढ़ करने के लिए निम्नानुसार कदम उठा रही है:

❖ रसोई यानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणालियों की व्यवस्था

भारतीय रेल के बेड़े में परिचालित रसोई यानों और पावर कारों को स्वचालित अग्नि संसूचन और शमन प्रणालियों से सुस्सजित किया जा रहा है। 2,165 पावर कारों और 982 रसोई यानों में स्वचालित अग्नि संसूचन और शमन प्रणालियां मुहैया कराई गई हैं और शेष रसोई यानों/पावर कारों में इसे संस्थापित किया जा रहा है। सभी उत्पादन इकाइयों को अग्नि संसूचन और शमन प्रणालियों की व्यवस्था के साथ रसोई यानों और पावर कारों का विनिर्माण करने संबंधी आगे के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

❖ वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली की व्यवस्था

चलती रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, सभी नवनिर्मित वातानुकूलित सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली मुहैया कराई जा रही है। 19,753 वातानुकूलित सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की गई है और मौजूदा सवारी डिब्बों में संस्थापन का कार्य प्रगति पर है।

❖ वातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों की व्यवस्था

सभी वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्र मुहैया कराए गए हैं। इसके अलावा, सभी गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्र लगाने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। अत:, सभी परिचालित सवारी डिब्बों में अग्निशामकों का प्रावधन है।

VI. रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को सुदृढ़ करने के लिए किए गए उपाय

भारतीय रेल ने रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को अतिरिक्त रूप से सुदृढ़ करने के लिए निम्नानुसार कदम उठाए हैं:

❖ **सवारी डिब्बों के बिजली पैनल में एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली का प्रावधान** – चलती रेलगाड़ियों में अग्नि सुरक्षा को सुधारने को उद्देश्य से, डिब्बों के इलेक्ट्रिक पैनलों में एयरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली मुहैया कराने के लिए उत्पादन इकाइयों और क्षेत्रीय रेलवे को निर्देश जारी किए गए हैं। भारतीय रेलों पर कार्य करने के लिए समर्पित प्रावधान पर्याप्त रूप से किए गए हैं। 12,226 सवारी डिब्बों के इलेक्ट्रिक पैनलों में एयरोसोल अग्निशमन प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

VII. रेल फाटकों पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उपाय

इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा रेल फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपाय इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 39 पर 'इंजीनियरी' अध्याय में रेल फाटक, ऊपरि/निचले सड़क पुल के अंतर्गत संक्षेप में बताए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित उपाय किए जाते हैं:

(क) **रेल फाटकों का अंतर्पाशन** – 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल ने रेल फाटकों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 11,062 रेल फाटकों पर सिगनलों के साथ अंतर्पाशन उपलब्ध करा दिए हैं। 2023-24 में 284 रेल फाटकों का अंतर्पाशन किए जाने के बावजूद, रेल फाटकों के बंद होने के कारण अंतर्पाशित रेल फाटकों की संख्या में कमी आई है।

(ख) **रेल फाटक पर स्लाइडिंग बूम** – विशेषकर उपनगरीय क्षेत्रों में सड़क वाहनों द्वारा रेल फाटक गेट क्षतिग्रस्त होने पर रेलगाड़ी सेवाओं में होने वाले व्यवधान को कम करने में अंतर्पाशित स्लाइडिंग बूम की व्यवस्था बहुत कारगर सिद्ध हुई है। स्लाइडिंग बूम अंतर्पाशन की व्यवस्था के साथ, सिगनल-प्रणाली रेलगाड़ी परिचालन पर कम से कम प्रभाव के साथ सामान्य ढंग से कार्य करना जारी रखती है। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, 7,677 व्यस्त अंतर्पाशित रेल फाटकों पर लिफ्टिंग बैरियरों के साथ-साथ स्लाइडिंग बूम उपलब्ध करा दिए गए हैं और आगे भी व्यस्त फाटकों को उत्तरोत्तर शामिल किया जा रहा है।

VIII. अन्य प्रशासनिक उपाय

गाड़ी परिचालन में संरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

- दिनांक 30.11.2023 की राजपत्र अधिसूचना द्वारा भारतीय रेल (चालित लाइन) सामान्य नियमों में **चलायमान ब्लॉक का सिद्धांत** प्रारंभ किया गया है, जिसमें परिसंपत्तियों के एकीकृत अनुरक्षण/मरम्मत/बदलाव के कार्य की चलायमान आधार पर 52 सप्ताह पहले योजना बनाई जाती है और योजना के अनुसार निष्पादन किया जाता है।
- **बोर्ड के शीर्ष स्तर पर संरक्षा निष्पादन की निरंतर समीक्षा** – शीर्ष स्तर पर बोर्ड बैठक की कार्यसूची में पहली मद के रूप में संरक्षा निष्पादन की निरपवाद रूप से समीक्षा की जाती है। सभी दुर्घटनाओं का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है ताकि शोधक उपाय शुरू किए जा सकें।

- **क्षेत्रीय रेलों के साथ संरक्षा समीक्षा बैठकें** – अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड और बोर्ड सदस्यों द्वारा उनके दौरों के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से क्षेत्रीय रेलों के महाप्रबंधकों और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ संरक्षा समीक्षा बैठकें की जा रही हैं।
- **गहन रात्रिकालीन फुटप्लेट निरीक्षण** – फील्ड में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों, शाखा अधिकारियों तथा पर्यवेक्षकों के स्तर पर रात्रिकालीन निरीक्षणों सहित गहन फुटप्लेट निरीक्षण किए गए हैं।
- **नियमित संरक्षा अभियान और जागरूकता अभियान** – हाल की रेल दुर्घटनाओं से सीखे गए सबकों को शामिल करते हुए समय-समय पर संरक्षा अभियान और जागरूकता अभियान चलाए गए हैं ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके।
- **आपदा प्रबंधन योजना और मानक कार्यपद्धतियां** – आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के उपबंधों के अनुसार, रेल मंत्रालय ने आपदा प्रबंधन योजना तैयार की है। सभी क्षेत्रीय रेलों और मंडलों ने भी अपनी संबंधित आपदा प्रबंधन योजना तैयार कर ली है। आपदा प्रबंधन योजना आपदा प्रबंधन के सभी चरणों जैसे आपदा जोखिम न्यूनीकरण, प्रशमन, तत्परता, प्रत्युत्तर, समुत्थान और वापस बेहतर पुनर्निर्माण को अंतर्विष्ट करते हुए एक रूपरेखा प्रदान करती है। यह संबंधित हितधारकों द्वारा कारगर आपदा प्रबंधन के लिए संसाधनों को तीव्रतापूर्वक जुटाने के लिए कार्य की स्पष्टता के साथ भी एक रूपरेखा प्रदान करती है।
- **मॉक ड्रिल/अभ्यास** – वित्त वर्ष 2023-24 में, भारतीय रेल ने सभी क्षेत्रीय रेलों को शामिल करते हुए 53 मंडलों में 55 स्थानों पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के साथ विस्तृत आपदा प्रबंधन अभ्यास किया है। इसके अलावा, क्षेत्रीय रेलों द्वारा प्रत्येक मंडल में तिमाही मॉक ड्रिल की जाती है, जिसमें रेलों के संसाधनों जैसे दुर्घटना राहत रेलगाड़ियां, दुर्घटना राहत चिकित्सा वैन, ब्रेकडाउन क्रेन आदि को शामिल किया जाता है।
- **रेल दुर्घटनाओं से निपटने के लिए बचाव और राहत पर प्रशिक्षण** – भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान, बेंगलूरु ने अप्रैल, 2023 में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, अन्य विशेष एजेंसियों और रेल कर्मियों के सहयोग से रेल सवारी डिब्बों से पानी के भीतर बचाव और पुनर्प्राप्ति में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण इस प्रकार का पहला प्रशिक्षण था जिसमें लाइफ सेविंग सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता और विशेष बचाव प्रशिक्षण अकादमी, गोवा जैसी पानी के नीचे बचाव में विशेषज्ञता प्राप्त एजेंसियों के प्रशिक्षकों को शामिल किया गया था। भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली संयुक्त रूप से भारतीय रेल के सेवारत अधिकारियों के लिए प्रत्येक वर्ष आपतन प्रतिक्रिया एवं आपदा प्रबंधन योजना और उसकी तैयारी पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया जाता है। वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा कुल 2,072 रेल कर्मचारियों और 356 रेल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

द.म.रे. वर्कशॉप

चल स्टॉक

वर्ष 2023-24 के दौरान सेवा में लगाए गए चल स्टॉक का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

चल स्टॉक की किस्म		सेवा में लगाई गईं इकाइयाँ					
		परिवर्तन के कारण			परिवर्धन के कारण		
	वर्ष	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन
डीजल इंजन	2022-23	-	-	-	100	-	-
	2023-24	**-**	**-**	**-**	**100**	**-**	**-**
बिजली इंजन	2022-23	75	-	-	998	-	-
	2023-24	**155**	**-**	**-**	**1,225**	**-**	**-**
माल डिब्बे @	2022-23	22,790	-	-	-	-	-
(वाहन इकाइयों में)	**2023-24**	**37,650**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें							
मोटर कोच	2022-23	28	-	-	8	-	-
	2023-24	**92**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
ट्रेलर कोच	2022-23	56	-	-	16	-	-
	2023-24	**184**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें							
मोटर कोच	2022-23	51	-	-	31	-	-
	2023-24	**73**	**-**	**-**	**51**	**-**	**-**
ट्रेलर कोच	2022-23	153	-	-	93	-	-
	2023-24	**219**	**-**	**-**	**153**	**-**	**-**

@वर्ष के दौरान निर्मित कुल माल डिब्बे (बीएलसी और निजी माल डिब्बों सहित)

वर्ष के दौरान नकारा घोषित किया गया स्टॉक इस प्रकार था-

चल स्टॉक की किस्म						(इकाई में)
	बड़ी लाइन		मीटर लाइन		छोटी लाइन	
	2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**
डीजल रेल इंजन	377	**559**	-	**04**	03	**03**
बिजली रेल इंजन	75	**155**	-	**-**	-	**-**
माल डिब्बे (वाहन इकाइयों में)	4,241	**5,854**	22	**11**	-	**-**
इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें						
मोटर कोच	121	**84**	-	**-**	-	**-**
ट्रेलर कोच	284	**269**	-	**-**	-	**-**

कर्षण

सकल टन किलोमीटर और रेलगाड़ी किलोमीटर, दोनों के मामले में संपूर्ण यात्री एवं माल यातायात की ढुलाई डीजल और बिजली रेलइंजनों द्वारा की गई। बहरहाल, भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत के प्रतीक के रूप में हिल रेलवे सहित कुछ भाप सर्किट पर भाप रेलइंजनों को चलाना जारी रखा गया है।

थ्री फेस ट्रैक्शन मोटर, चिरेका

पिछले वर्ष की तुलना में, 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार कर्षण-वार बेड़ा इस प्रकार था:-

(इकाइयों में)

रेलइंजन	31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार
भाप	39	**38**
डीजल	4,730*	**4,397**
बिजली	9,565	**10,675**
कुल	14,334*	**15,110**

*संशोधित

वर्तमान में चिरेका कारखाने का एक दृश्य

चल स्टॉक का विनिर्माण

2023-24 के दौरान उत्पादन इकाइयों का कार्यनिष्पादन इस प्रकार था:-

- **चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन** ने आईजीबीटी प्रौद्योगिकी आधारित नोदन प्रणाली और अनुषंगी परिवर्तकों से युक्त 580 अदद अत्याधुनिक बड़ी लाइन 3-फेज उच्च अश्व शक्ति बिजली रेलइंजनों का विनिर्माण किया।
- **बनारस रेलइंजन कारखाना, वाराणसी** ने गैर-रेल ग्राहकों के लिए 5 रेलइंजनों सहित 475 रेलइंजनों का विनिर्माण किया। गैर-रेल ग्राहकों/निर्यात के लिए कुल विक्रय मूल्य 51.90 करोड़ रूपए था।
- **सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई** ने 2,829 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया जिसमें 1,738 एलएचबी सवारी डिब्बे, 456 ट्रेनसेट सवारी डिब्बे, 120 तीन फेज मेमू, 444 ईएमयू, 9 उच्च गति स्वनोदित दुर्घटना राहत रेलगाड़ियां, और 62 अदद टावर कार/निरीक्षण सवारी डिब्बे शामिल थे।
- **रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला** ने 1,901 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया जिसमें 1,574 एलएचबी सवारी डिब्बे और 316 मेमू सवारी डिब्बे तथा 11 विस्टाडोम केएसआर सवारी डिब्बे शामिल हैं।
- **आधुनिक रेलडिब्बा कारखाना, रायबरेली** ने 1,665 एलएचबी सवारी डिब्बों सहित 1,684 सवारी डिब्बों, 8 मेमू सवारी डिब्बों और मोजाम्बिक रेलवे के लिए 11 केप गेज सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया।
- **रेल पहिया कारखाना, बेंगलूरू** ने 94,175 पहिया सेटों को एसेम्बल किया, 1,96,265 पहियों और 93,327 (यूनिट) धुरों का विनिर्माण किया। गैर-रेल ग्राहकों के लिए विक्रय मूल्य 220.04 करोड़ रूपए था।
- **रेल पहिया संयंत्र, बेला** ने 2023-24 के दौरान 42,167 पहियों का विनिर्माण किया।
- **पटियाला रेलइंजन कारखाना, पटियाला** ने 196 उच्च अश्च शक्ति बड़ी लाइन बिजली रेलइंजनों और 56 अदद टॉवर कारों का विनिर्माण किया।

2023-24 के दौरान ईएमयू, एमईएमयू और कोलकाता मेट्रो रेक के नवोन्मेषों और नई पहलों का विवरण इस प्रकार है:

(i) सीपीसीबी-IV मानदंडों के अनुरूप डीए सेटों सहित पावर कारों का विकास और विनिर्माण:

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) संशोधन नियम, 2022 (800 कि.वॉ. तक के बिजली उत्पादन सेट अनुप्रयोगों हेतु उपयोग किए जाने वाले नए इंजनों की उत्सर्जन सीमा के लिए) जारी किए थे और ये नियम 3 नवंबर, 2022 की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार 1 जुलाई 2023 से प्रभावी हैं। इसमें डीए सेट के लिए एनओएक्स,

नया धुरा गढ़ाई परिसर

पहिया शॉप, चिरेका

एचसी और पीएम स्तरों की उत्सर्जन सीमाओं में बड़े बदलाव किए गए हैं। इसके लिए 500 केवीए के लिए डीए सेटों के नए डिजाइन के साथ पावर कारों के डिजाइन की पूरी समीक्षा करने और आरडीएसओ विनिर्देश में उचित संशोधन करने की आवश्यकता थी।

तदनुसार, आरसीएफ, कपूरथला में नए सीपीसीबी-IV मानदंडों पर आधारित पावर कारों का निर्माण शुरू किया गया था।

सीपीसीबी-4 अनुरूप डीए सेट सहित एक ऐसी प्रोटोटाइप पावर कार का निर्माण किया गया था और फील्ड परीक्षण के पश्चात् इसे सफलतापूर्वक परिचालन में शामिल कर लिया गया। सीपीसीबी-4 डीए सेट से लैस पावर कारों का श्रृंखलाबद्ध उत्पादन भी शुरू कर दिया गया।

(ii) पावर कारों की अनुरक्षण नीति में सुधार

एलएचबी प्रकार की रेलगाड़ियों के सवारी डिब्बों में विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में पावर कार बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यात्री गाड़ी परिचालन में पावर कार की महत्ता को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने ओईएम आधारित अनुरक्षण जारी किया है, जिसमें संबंधित ओईएम निर्धारित अनुरक्षण और मरम्मत संबंधी कार्य करेंगे तथा गाड़ी परिचालन के दौरान इन पावर कारों के उचित परिचालन को भी सुनिश्चित करेंगे। इससे गाड़ी परिचालन के लिए पावर कारों की विश्वसनीयता और उपलब्धता को सुधारने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा, पावर कार अनुरक्षण को किट-आधारित अनुरक्षण में परिवर्तित कर दिया गया है। सामग्री की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल ने ओईएम के साथ दर अनुबंध किया है, जिससे इन पावर कार के लिए आवश्यक खरीद के लीड समय को काफी कम कर देगा।

इसके अतिरिक्त, चूंकि सभी एलएचबी गाड़ियाँ हेड ऑन जेनरेशन के अनुरूप हैं, इसलिए, गाड़ियों में बिजली की उपलब्धता सुधारने के लिए बिजली आपूर्ति के स्रोत के रूप में यात्री रेलइंजनों के साथ में 500 केवीएएक्स2 के होटल लोड लगाए जा रहे हैं।

(iii) एसजी एसी सवारी डिब्बों में लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियां

इस समय, एसजी वातानुकूलित सवारी डिब्बों में बड़े पैमाने पर वीआरएलए बैटरी का उपयोग किया जाता है, जिसमें अधिक वजन, अधिक रखरखाव एवं कम जीवन-चक्र होता है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों के साथ कार्य पूरा किया गया है। लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों का वजन और आयतन की आवश्यकता कम होती है, इनका अधिक जीवन-चक्र होने के कारण, ये कम रखरखाव वाली रासायनिक रूप से अधिक स्थिर और पर्यावरण अनुकूल होती हैं।

लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों के परीक्षण के संतोषजनक प्रदर्शन को देखते हुए, 100 एसजी सवारी डिब्बों में इन्हें उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

मोटरयुक्त ट्रक असेंबली (डब्ल्यूएपी 7 / डब्ल्यूएजी 9 एचसी)

(iv) नमो भारत रैपिड रेल गाड़ियों (वंदे मैट्रो) का उत्पादन:

कम दूरी की इंटरसिटी यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने वंदे मैट्रो नामक हल्के वजन वाले ऊर्जा कुशल वातानुकूलित रेक बनाने की योजना बनाई है। वंदे भारत की तरह इन रेकों का सौंदर्यबोध बेहतर है जो कम दूरी की इंटरसिटी यात्राओं के लिए उपयुक्त हैं।

नमो भारत रैपिड रेलगाड़ी के एक-एक रेक का निर्माण आरसीएफ और आईसीएफ द्वारा किया गया है। इन रेकों को मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे प्रत्येक में यात्री सेवा के लिए शुरू किया गया है।

(v) मोबाइल और लैपटॉप चार्ज करने के लिए सवारी डिब्बों में यूएसबी-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग पोर्ट के प्रावधान की नीति।

मोबाइल और लैपटॉप चार्ज करने के लिए सभी एलएचबी सवारी डिब्बों में 3 पिन सॉकेट के साथ टाइप-ए और टाइप-सी पोर्ट के साथ यूएसबी चार्जर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इस नीति से 3 पिन सॉकेट की संख्या में काफी कमी आएगी, जिससे अनुरक्षण में कमी आएगी और सवारी डिब्बों के सौंदर्यबोध में सुधार होगा।

कारखानों की उपलब्धियाँ

(vi) ईएमयू/एमईएमयू के लिए प्रणोदन प्रणाली की प्रापण नीति में सुधार:

आपूर्तिकर्ता से प्रतिस्पर्धी दरें प्राप्त करने के लिए खरीद चरण में ही प्रणोदन प्रणाली के व्यापक वार्षिक अनुरक्षण (सीएएमसी) को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इससे न केवल प्रतिस्पर्धी दरें सुनिश्चित होंगी बल्कि अनुरक्षण संबंधी व्यवस्था में भी निश्चितता आएगी। इससे ईएमयू/एमईएमयू अनुरक्षण लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी।

आयात

वर्ष 2023-24 के लिए भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में विनिर्मित विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए कुल उत्पादन लागत (प्रोफार्मा प्रभारों को छोड़कर) के प्रतिशत के मामले में कच्चे माल/कलपुर्जों का आयात घटक इस प्रकार है:-

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2022-23	2023-24
बनारस रेलइंजन कारखाना	डब्ल्यूएपी-7	1.50	**1.36**
	डब्ल्यूएजी-9एचसी	0.47	**0.45**
रेल डिब्बा कारखाना	एलजीएस	-	**3.25**
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीबी-यूएसबीआरएल	1.27	-
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीडब्ल्यू-यूएसबीआरएल	1.11	-
	ईओजी/एलएचबी/एफएसी-यूएसबीआरएल	1.12	-
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीएन-यूएसबीआरएल	1.11	-
	ईओजी/एलएचबी/एलआरआरएम-यूएसबीआरएल	0.97	-
	एलएस दीन दयालु	0.93	-
	एलडब्ल्यूएस एसी	1.71	-
	कार्गोलाइनर डबल डेकर	0.95	-
	कार्गोलाइनर पार्सल	1.07	-
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	0.93	-
	जेडसीजेडएसी(विस्टाडोम)	2.76	-
	जेडएफसीजेडएसी (विस्टाडोम)	2.71	-
	जेडजीएस(विस्टाडोम)	3.01	-
	जेडएलआरएम (विस्टाडोम)	2.72	-
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीएन	1.38	-
	एलएसएलआरडी(एलसी)	1.63	**3.09**
	एलडब्ल्यूएससीएन	1.66	-
	ईओजी/एलएचबी/एफएसी	1.29	**2.49**

इस्पात संयंत्र, पूर्व तट रेलवे

सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, पू.म.रे.

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2022-23	**2023-24**
	आरएएनएसी	1.34	**-**
	वीपीएचएक्स	-	**4.19**
	एलडब्ल्यूएससीजेड	-	**3.22**
	वीपी पार्सल वैन	2.21	**-**
	एसीसीबी/ईओजी/एलएचबी	-	**2.54**
	एसीसीडब्लू/ईओजी/एलएचबी	-	**2.67**
	एलएसीसीएनएक्स	-	**2.56**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन (गरीब रथ)	-	**2.79**
	एलडब्ल्यूएसीसीएनई (गरीब रथ)	1.5	**-**
चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना	डब्लूएजी-9एचसी	0.40	**0.72**
	डब्ल्यूएपी-5	2.88	**3.03**
आधुनिक रेलइंजन कारखाना	एलडब्ल्यूएफएसी	1.64	**1.80**
	एलडब्ल्यूसीबीएसी/टी	1.49	**1.61**
	एलडब्ल्यूएफएसी/टी	1.38	**1.50**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन/टी	1.32	**1.44**
	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू/टी	1.32	**1.44**
	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू	1.75	**2.00**
	एलडब्ल्यूएफसीडब्ल्यूएसी	1.63	**1.77**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन	1.79	**1.79**
	एलडब्ल्यूएसीसीएनई	1.53	**1.98**
	एलडब्ल्यूसीबीएसी	1.28	**1.75**
	एलडब्ल्यूएससीसीजेड	-	**2.44**
	एलडब्ल्यूएससीजेडएसी	1.70	**1.94**
	एलएसएलआरडी	2.20	**2.39**
	एलडब्ल्यूएससीएन(जी)	-	**2.35**
	एलडब्ल्यूएस दीन	2.10	**2.35**
	एलडब्ल्यूएससीजेड	2.25	**-**
	एलडब्ल्यूएससीएन	2.09	**2.25**
	ब्रेक वैन/टी	-	**1.24**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम/टी	1.14	**-**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम (पीसी)	1.13	**2.06**
	पार्सल वैन	2.72	**3.91**
	3पीएच, ईएमयू/टीसी	0.90	**-**
	3पीएच, ईएमयू/एमसी	2.58	**-**

नया शील्ड बॉडी असेंबली सेक्शन, पू.म.रे.

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2022-23	**2023-24**
सवारी डिब्बा कारखाना	एलएसडीडी	3.83	**2.75**
	एलएसीसीएन	3.26	**2.36**
	एलएसीसीएन ई	3.11	**1.85**
	एलएसीसीडब्लू	3.26	**2.27**
	एलएफसीडब्ल्यूएसी	-	**2.17**
	एलएससीएन	-	**2.65**
	एलएससीएन पीपी	2.93	**-**
	एलएसएलआरडी	3.32	**2.7**
	एलएसएलआरडी पीपी	2.53	**-**
	एलपीवी	2.62	**3.55**
	एलआरएसी 1 ओडब्ल्यू	1.49	**-**
	एलआरएसी 2 ओडब्ल्यू	1.44	**-**
	एलआरएसी मैक ओडब्ल्यू	1.47	**-**
	एलआरएसी	-	**1.42**
	विस्टाडोम	-	**1.23**
	एलडब्ल्यूसीबी एसी	4.02	**2.48**
	एलडब्ल्यूसीबी एसी डीक्यू	-	**1.95**
	एलएफएसी	3.31	**2.91**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	2.52	**1.93**
	मेमू डीएमसी यूएस	0.59	**-**
	मेमू टीसी यूएस	1.80	**-**
	टीएस एमसी	0.76	**-**
	टीएस टीसी	0.85	**-**

बिजली रेलइंजन डब्ल्यूएपी 7 (यात्री गाड़ी)

भारतीय रेल की मालडिब्बों की थोक आवश्यकता की पूर्ति रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/कारखानों के साथ-साथ सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की मालडिब्बा विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाती है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में कुल 37,650 मालडिब्बों को शामिल किया गया। इनमें से 2,136 मालडिब्बों (399 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 35,514 मालडिब्बों (632 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था।

वर्ष 2024-25 (अप्रैल-सितम्बर, 2024) के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में 20,005 मालडिब्बे शामिल किए गए। इनमें से, 1,270 मालडिब्बों (35 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 18,735 मालडिब्बों (1,038 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था।

बिजली रेलइंजन डब्ल्यूएजी9एचसी (माल गाड़ी)

इस्पात उत्पादों की ढलाई, चिरेका

चल स्टॉक का अनुरक्षण

वर्ष के दौरान रेल कारखानों में चल स्टॉक इकाइयों की आवधिक ओवरहॉल की संख्या नीचे तालिका में दी गई है:-

चल स्टॉक की किस्म (ब.ला. + मी.ला.)	वर्ष के दौरान किए गए आवधिक ओवरहाल (संख्या)	
	2022-23	**2023-24**
डीजल रेलइंजन	53	**53**
बिजली रेलइंजन	399	**445**
सवारी डिब्बे	30,006	**29,270**
माल डिब्बे	65,142	**66,854**

विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए लाइन पर कुल स्टॉक की तुलना में अनुपयोगी स्टॉक का प्रतिशत इस प्रकार था:-

चल स्टॉक की किस्म	लाइन पर कुल स्टॉक की तुलना में अनुपयोगी स्टॉक का प्रतिशत			
	बड़ी लाइन		मीटर लाइन	
	2022-23	**2023-24**	2022-23	**2023-24**
भाप रेलइंजन	-	**-**	26.74	**42.44**
डीजल रेलइंजन	10.40	**12.03**	-*	**29.70**
बिजली रेलइंजन	5.05*	**5.29**	-	**-**
ईएमयू कोच	7.41*	**8.48**	-	**-**
यात्री सवारी डिब्बे	5.11*	**4.84**	11.60*	**2.16**
अन्य सवारी वाहन	7.38	**7.36**	-	**-**
माल डिब्बे	2.74*	**2.46**	-	**-**

*संशोधित

निर्यात आदेश

वर्ष 2023-24 के दौरान चल स्टॉक के निर्यात का कुल मूल्य 126.55 करोड़ रूपए था, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह 304.14 करोड़ रूपए (संशोधित आँकड़ा) था। अप्रैल-सितंबर, 2024 के दौरान चल स्टॉक/पुर्जो के निर्यात का मूल्य 18.23 करोड़ रूपए था।

वर्ष 2023-24 के दौरान निर्यात में सवारी डिब्बे, सवारी डिब्बे और रेलइंजनों के लिए पुर्जो/आकस्मिक सेवा की आपूर्ति और श्रीलंका, मोजाम्बिक और बांग्लादेश को डीएच शंटिंग रेल इंजनों की आपूर्ति शामिल हैं।

सामग्री प्रबंधन

सामग्री प्रबंधन विभाग संगठन में सामग्रियों के प्रवाह और तत्पश्चात विभिन्न उपयोगकर्ताओं तक इसके आगे संचलन से संबंधित सभी कार्यकलापों की योजना बनाने, व्यवस्था करने, संचार करने, निर्देश देने और नियंत्रण करने का कार्य करता है। भारतीय रेल सार्वजनिक क्रय करने वाले देश के सर्वाधिक विशाल संगठनों में से एक है।

क्रयों पर व्यय

वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल द्वारा परिसंपत्तियों के परिचालन, अनुरक्षण और उत्पादन (रेलपथ संबंधी वस्तुओं और निर्माण-कार्यों के भाग के रूप में आपूर्ति किए गए सामानों को छोड़कर) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं के क्रय पर व्यय ₹75,793.00 करोड़ था। ऐसी वस्तुओं के क्रय का विस्तृत वर्गीकरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

	2022-23	**2023-24**
परिचालन, मरम्मत और अनुरक्षण के लिए भण्डार	15,878.97	**20,376.62**
निर्माण के लिए भण्डार	5,174.69	**7,364.02**
ईंधन	19,227.74	**16,732.42**
चल स्टॉक के विनिर्माण हेतु भण्डार और संपूर्ण इकाइयों का क्रय	24,675.10	**31,319.94**
जोड़	64,956.50	**75,793.00**

संग्रहण डिपो

गोदाम प्रबंधन सामग्री प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारतीय रेल के पास अनन्य बहुत बड़ा गोदाम नेटवर्क है जो खपत बिंदु के समीप यथासंभव अधिक कुशलतापूर्वक अपेक्षित सामग्री उपलब्ध कराने के प्रति समर्पित है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के पास 306 संग्रहण डिपो हैं जो पूरे रेल नेटवर्क में फैले हुए हैं। इन डिपुओं में 2.42 लाख से अधिक वस्तुओं का भण्डारण किया जाता है जिनमें कच्चा माल, घटक, कलपुर्जे, उपभोग्य सामग्रियां आदि शामिल हैं।

अमरम्मती वस्तुओं का निपटान

कुशल सामग्री प्रबंधन में अनुरक्षण और उत्पादन कार्यकलापों के दौरान उत्पन्न स्क्रैप का समय पर और कारगर निपटान भी शामिल है। औद्योगिक अपशिष्ट और खतरनाक स्क्रैप का सुरक्षित निपटान करना एक कानूनी बाध्यता है जिसे भारतीय रेल द्वारा सतर्कतापूर्वक सुनिश्चित किया जाता है। नाकारा परिसंपत्तियों में फँसी हुई पूंजी को मुक्त करने के लिए ऐसी परिसंपत्तियों का निपटान करना अनिवार्य है। स्क्रैप का निपटान रेलों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। 2023-24 के दौरान स्क्रैप के निपटान के माध्यम से उत्पन्न कुल राजस्व 5,773.26 करोड़ रुपये था, जबकि 2022-23 के दौरान यह 5,756.98 करोड़ रुपये था।

डिजिटलीकरण

भारतीय रेल ने डिजिटलीकरण और नवीन आपूर्ति श्रृंखला उन्नति के माध्यम से एक परिवर्तनकारी यात्रा का अनुभव किया है। भारतीय रेल आपूर्ति श्रृंखला के संपूर्ण डिजटलीकरण को प्राथमिकता दे रहा है। भारतीय रेल ने 100% आपूर्ति श्रृंखला डिजटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। जबकि भारतीय रेलवे ई-प्रापण प्रणाली (आईआरईपीएस) प्लेटफॉर्म का उपयोग सभी ई-निविदा और ई-नीलामी के लिए किया जा रहा है, एकीकृत सामग्री प्रबंधन प्रणाली (आईएमएमएस) और उपयोगकर्ता डिपो मॉड्यूल (यूडीएम) जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कुशल सामग्री प्रबंधन गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, चूंकि ये महत्वपूर्ण अनुप्रयोग जैसे आईआरईपीएस, आईएमएमएस और यूडीएम एकीकृत हैं, इसलिए भारतीय रेल डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन और भी अधिक मजबूत है।

वर्ष के दौरान प्रमुख पहलें

- **ई-डिस्पैच इनवॉयस और ऑटो डीआरआर:** सामग्री आपूर्ति के समय आईआरईपीएस में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा ई-डिस्पैच इनवॉयस तैयार करने और सामग्री प्राप्ति के समय भंडार डिपो में रसीद विवरण को स्वचालित रूप से कैप्चर करने की प्रणाली को वर्ष के दौरान विकसित और कार्यान्वित किया गया है।
- **ऑनलाइन संविदा प्रबंधन:** वर्ष के दौरान क्रय आदेश में संशोधन के लिए विक्रेताओं के अनुरोधों की ऑनलाइन प्राप्ति और उनके ऑनलाइन निपटान की प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई है।
- **मांगों की 5 चरणीय निगरानी:** सुविचारित निर्णय लेने में सुविधा प्रदान करने, संभावित जोखिमों को कम करने और उन्नत ग्राहक सेवा के लिए प्रापण प्रथाओं में निरंतर सुधार करने के लिए विभिन्न स्तरों पर मांगों (स्टॉक और गैर-स्टॉक) की निगरानी के लिए प्रणाली विकसित की गई।

इस दिशा में की गई प्रमुख पहलों के साथ, भारतीय रेलवे ई-प्रापण प्रणाली (आईआरईपीएस) प्लेटफॉर्म ने सभी हितधारकों के लिए एकल खिड़की समाधान के साथ खुद को डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला में बदल दिया है।

प्रापण एजेंसी

क्षेत्रीय रेलें और उत्पादन इकाइयां अधिकांशत: उनके द्वारा अपेक्षित सामग्रियों का क्रय विकेंद्रीकृत प्रणाली में करती हैं, लेकिन कुछ वस्तुएं ऐसी हैं जो रेलवे बोर्ड के स्तर पर क्रय हेतु केन्द्रीकृत हैं। जीईएम पर उपलब्ध सामान्य उपयोग की वस्तुएं और सेवाएं जीईएम पोर्टल से क्रय के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2023-24 में क्रय किए गए ₹75,793.00 करोड़ मूल्य के भंडार में से, 72.88% क्रय क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों द्वारा, 1.32% प्रतिशत क्रय जीईएम से और 25.80% प्रतिशत क्रय रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया था।

वर्ष 2023-24 में ₹12,303.84 करोड़ मूल्य के भंडार का क्रय लघु उद्योग क्षेत्र तथा खादी एवं ग्रामीण उद्योगों से किया गया था।

आपूर्तियों के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने 20% अंशदान और अन्य उद्योगों ने 80% अंशदान किया था।

स्वदेशी विक्रेता विकास

भारतीय रेल ने सार्वजनिक क्रय (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश को पूर्णत: क्रियान्वित किया है। वर्ष 2023-24 के दौरान स्वदेशी भंडारों का मूल्य ₹75,354.00 करोड़ था, जो भारतीय रेल द्वारा कुल क्रय का लगभग 99.42% था। भारतीय रेल को अपने रेलइंजनों, सवारी डिब्बों, सिगनल और दूरसंचार उपकरणों आदि के लिए उच्च प्रौद्योगिकी घटकों के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है जो देश के अंदर अपेक्षित गुणवत्ता के साथ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।

वस्तुसूचियां

वस्तुसूचियों को यथेष्ट स्तर पर बनाए रखना सफल सामग्री प्रबंधन की कुंजी है। वर्ष 2023-24 के लिए टर्नओवर अनुपात 10% (ईंधन के बिना) और 9% (ईंधन सहित) था, जबकि 2022-23 के दौरान यह 9% (ईंधन के बिना) और 7% (ईंधन के सहित) था।

मालडिब्बों और इस्पात का प्रापण

वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में 37,650 मालडिब्बों को शामिल किया गया। इनमें से 2,136 मालडिब्बों (399 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 35,514 माल डिब्बों (3,239 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था। वर्ष 2023-24 के दौरान लौह एवं इस्पात सामग्री के लिए प्रापण 79,902 मीट्रिक टन (मूल्य 643.08 करोड़ रुपए) था, जबकि वर्ष 2022-23 के दौरान यह 1,27,864 मीट्रिक टन (मूल्य 1031.59 करोड़ रुपए) था।

अनुसंधान और विकास

आर350एचटी पटरी का विकास

रेल मंत्रालय के अधीन अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन (अअमासं), भारतीय रेल का एकमात्र अनुसंधान और विकास संगठन है और यह रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के तकनीकी सलाहकार का कार्य करता है। अअमासं के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

1. कवच चरण-II का विकास

कवच प्रणाली भारतीय उद्योग के सहयोग से अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित गाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है और भारतीय रेल में रेलगाड़ी संचालन में संरक्षा के कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा इसके परीक्षण की सुविधा प्रदान की गई है। कवच का उद्देश्य गाड़ियों को खतरे का सिगनल (लाल) पार करने से रोकने और टक्कर से बचने से रोककर संरक्षा प्रदान करना है। यदि चालक गति प्रतिबंधों के अनुसार गाड़ी को नियंत्रित करने में विफल रहता है तो यह गाड़ी की ब्रेकन प्रणाली को स्वचालित रूप से सक्रिय कर देता है। 'कवच' प्रणाली संरक्षा प्रामाणिकता स्तर 4 (एसआईएल-4) से प्रमाणित सबसे किफायती प्रौद्योगिकियों में से एक है। इससे विदेशी रेलमार्गों के लिए इस स्वदेशी तकनीक के निर्यात की संभावनाएं भी उत्पन्न होती हैं।

कवच संस्करण 4.0 के संशोधित विनिर्देशों को 16 जुलाई 2024 को जारी किया गया और इस प्रणाली को उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, नई दिल्ली-हावड़ा और नई दिल्ली-मुंबई मार्गों में संस्थापित किया जा रहा है।

2. आर350एचटी पटरी का विकास:

भारतीय रेल द्वारा 100 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से 25/22.9 टन धुरा भार के लिए आर350एचटी पटरी को विकसित किया गया है। यह पटरी सीधे और वक्र रेलपथ, दोनों के लिए उपयुक्त है। पटरी की घिस-पिट में 3 से 5 गुना कमी आती है। उच्चतर दरार कठोरता के परिणामस्वरूप पटरी और रेलपथ संघटकों में दरार की निम्नतर संभाव्यता में परिणत होता है। रेलपथ अनुरक्षण में लगने वाला समय अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुरूप होने की संभावना है। भारतीय रेल द्वारा उच्च घनत्व नेटवर्क मार्गों के लिए आर350एचटी पटरी के साथ 25टी मार्गों पर नए निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। वर्ष 2030 तक 10 लाख मीट्रिक टन आर350एचटी पटरियों की आवश्यकता का अनुमान है।

3. वंदे भारत स्लीपर:

वंदे भारत गाड़ीसेट प्लेटफार्म पर 17 टन धुरा भार क्षमता के साथ 160 कि.मी. प्रति घंटे के संचालन के लिए वातानुकूल शयनयान (राजधानी एक्सप्रेस) जैसी रेलगाड़ियों के 16-रेलडिब्बों की रेक संरचना की संकल्पना की गई है। प्रस्तावित डिजाइन में सभी प्रणोदन उपकरण अंडर-स्लंग हैं। इस गाड़ीसेट में त्वरित त्वरण के लिए 50% विद्युतीकरण के साथ 4 रेलडिब्बों की मूल इकाइयां हैं। इसमें डॉग बॉक्स सुविधा के साथ 1.5 टन क्षमता वाला अलग लगेज रेलडिब्बा भी है। वंदे भारत स्लीपर को एर्गोनोमिक आंतरिक भाग और बेहतर पैनलों के साथ बनाया गया है। इस गाड़ी में ईएन-45545 एचएल3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए अग्नि संबंधी संरक्षा विशेषताओं को बढ़ाया गया है। इसके साथ ही, इस रेक में ईएन 15227 के अनुसार टक्कर रोधी संबंधी पात्रता का अनुपालन किया जाएगा। इसके अभिन्यास को अनुमोदित कर दिया गया है और पारवहन संबंधी कोड आबंटित कर दिया गया है जबकि उत्पादन इकाइयों में इसके आद्यरूप सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया जा रहा है।

4. वंदे मेट्रो:

वंदे मेट्रो

वंदे मेट्रो सवारी डिब्बों की संकल्पना वंदे भारत प्रणाली पर 20.32-टन धुरा भार क्षमता के लिए की गई है। प्रमुख आयाम, बोगी डिजाइन, सस्पेंशन डिजाइन और ब्रेकन प्रणाली मौजूदा एमईएमयू/

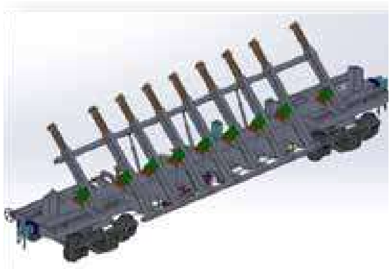

माल डिब्बों के नए डिज़ाइन

ईएमयू के समान हैं। 12 रेलडिब्बों वाली वंदे मेट्रो के लिए कुल यात्री क्षमता 3208 (बैठे यात्रियों के लिए 1150 + खड़े यात्रियों के लिए 2058) है। वंदे भारत गाड़ियों के समान पूर्ण रेकों को 50% विद्युतीकरण के साथ डिजाइन किया गया है। अअमासं द्वारा 130 कि.मी. प्रति घंटे तक की गति से परिचालन की संभावना का पता लगाने के लिए व्यापक रूप से सफलतापूर्वक परीक्षण पूरा कर लिया गया है। अब सभी वंदे भारत मेट्रो गाड़ियों को 130 कि.मी. प्रति घंटे तक परिचालित किया जा सकता है।

5. माल डिब्बों के नए डिजाइन

बोगी फ्लैट वाइडर प्लेट माल डिब्बे (बीएफडब्ल्यूपी):

3.0 मीटर से अधिक चौड़ाई वाली चौड़ी प्लेटों को मौजूदा माल डिब्बों और सड़क परिवहन द्वारा नहीं ले जाया जा सकता है। अअमासं ने सपाट माल डिब्बों का एक नया डिजाइन विकसित किया है जिसमें रोटेटिंग बेड का प्रावधान है। स्टील प्लेटों की सपाट अवस्था में रोटेटिंग बेड पर लदान/उतराई होगी। 4 मीटर चौड़ी प्लेट वाले रोटेटिंग बेड को चार हाइड्रॉलिक एक्ट्यूएटर्स की सहायता से लदान के बाद 45% तक झुकाया जा सकता है। इन माल डिब्बों के आद्यरूप का विनिर्माण मैसर्स ब्रेथवेट द्वारा किया जा रहा है।

अधिक ऊंचाई वाले ऑटो-कार वाहक (एसीटी2):

मौजूदा बीसीएसीबीएम के समान मालडिब्बा लंबाई और मालडिब्बों की संख्या वाले अधिक ऊंचाई वाले ऑटो कार माल डिब्बों के एक और प्रकार का विकास कार्य भी प्रगति पर है। माल डिब्बों में बेहतर वक्र परक्राम्यता के लिए दो माल डिब्बों के बीच आर्टिकुलेटेड कनेक्टर की व्यवस्था की गई है, एक एसीटी2 रेक के द्वारा 270 एसयूवी वाहन तक का परिवहन किया जा सकता है। इन मालडिब्बों के आद्यरूप का विनिर्माण और परीक्षण मैसर्स जुपिटर प्लांट, जबलपुर में किया जा रहा है।

बोगी ओपन स्टील बहुउद्देश्यीय मालडिब्बे (बीओएसएम):

अअमासं द्वारा थोक पण्यों और इस्पात उत्पादों के परिवहन के लिए बहुउद्देश्यीय खुले मालडिब्बों का एक नया डिजाइन विकसित किया गया है। यह माल डिब्बे 25 टन धुरा भार और टिपलर संचालन के लिए उपयुक्त है और इसमें 6% अधिक रेक थ्रुपुट है। इस डिजाइन के लिए भारतीय रेल द्वारा 12000 माल डिब्बों का प्रापण किया जा रहा है।

कॉइल बहुउद्देशीय मालडिब्बे (सीएमपी):

2000 मिलिमीटर व्यास तक के स्टील कॉइल के लदान के लिए ट्रांसवर्स पॉकेट वाले सपाट माल डिब्बों का एक नया डिजाइन विकसित किया गया है। इस्पात उत्पादों के अलावा, ड्वार्फ/आईएसओ कंटेनरों को भी इस मालडिब्बे के ऊपर वहन किया जा सकता है। प्रोटोटाइप मालडिब्बों का विनिर्माण और मैसर्स जेआरआईएल संयंत्र, वडोदरा में परीक्षण किया जा रहा है। दोलन परीक्षण पूरा कर लिया गया है और ईबीडी परीक्षण प्रक्रियाधीन है।

6. हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित 1600 एचपी डीजल ईंजन मल्टीपल यूनिट (डीईएमयू) गाड़ी:

अअमासं ने 'हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित डीपीआरएस 1600 एचपी डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (हाइड्रोजन गाड़ी सेट) के विकास' के लिए तकनीकी विशिष्टि तैयार की हैं। यह एक नई तकनीक है और इस परियोजना के लिए उत्तर रेलवे के सोनीपत-जींद रेलखंड के बीच परिचालित 1200 किलोवाट डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट में हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित प्रणाली के रेट्रो फिटमेंट करने का विचार है। कम अनुरक्षण और नियंत्रणीय कार्बन उत्सर्जन के साथ हाइड्रोजन डीजल (43 मेगा जूल/किलोग्राम) की तुलना में उच्च ऊर्जा घनत्व ईंधन (120 मेगा जूल/किलोग्राम) है। अधिकतम और औसत विद्युतशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रस्तावित संकरित विद्युतशक्ति प्रणाली में प्राथमिक ऊर्जा स्रोत प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन फ्यूल सेल (पीईएमएफसी) है और द्वितीयक ऊर्जा स्रोत बैटरी बैंक होगा। स.डि.का./चेन्नई में

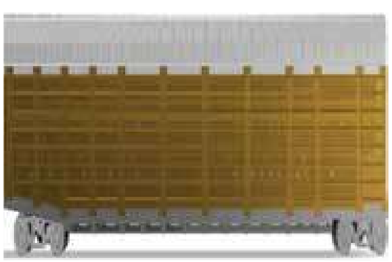

अधिक ऊंचाई वाले ऑटो कार वाहक (एसीटी2)

गाड़ी का एकीकरण शुरू हो गया है। इस रेलगाड़ी के लोड बॉक्स का परीक्षण वर्ष 2025 के आरंभ में किया जाना अपेक्षित है। जींद स्टेशन पर हाइड्रोजन उत्पादन के लिए हाइड्रोजन संबंधी भू-अवसंरचना का कार्य भी प्रगति पर है। इस गाड़ी की अगले वर्ष से कमीशनिंग किया जाना अपेक्षित है।

रेलपथ घटकों का विकास

7. रेलपथ घटकों का विकासः

थिक वेब स्विच एक्सपैंशन जोड़ (टीडब्ल्यूएसईजे)

मोटे वेब स्विचों से रेल पटरियों की संरक्षा को मजबूत बनाने के साथ-साथ उसकी आयु में भी वृद्धि होती है। अअमासं द्वारा इसका उन्नत डिजाइन विकसित किया गया है जिससे निरंतर निर्बाध चालन मुहैया किया जाता है और विलंब में कमी आती है। दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्व तट रेलवे, पश्चिम रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे प्रत्येक पर 10 सेट थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट का परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट के संतोषजनक कार्य-निष्पादन के आधार पर, इसे तापमान जोन I, II और III के लिए अपनाया जा रहा है जिसके लिए 10 क्षेत्रीय रेलों में विस्तारित परीक्षण प्रगति पर हैं। इन विस्तारित परीक्षणों के निष्कर्षों के आधार पर जोन-IV में परीक्षणों के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

कैंटेड टर्नआउट

अअमासं ने कैंटेड टर्नआउट के प्रमाणित डिजाइन को अपनाने के लिए कार्यात्मक आवश्यकता संबंधी विनिर्देश तैयार किए हैं। इस नए डिजाइन से उच्च गति पर चालन सुविधा में सुधार होगा और अनुरक्षण संबंधी कार्यों में कमी आएगी। चार क्षेत्रीय रेलों (दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे) में निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वेल्ड-योग्य कास्ट मैंगनीज स्टील (सीएमएस) क्रॉसिंग

वर्धित गति और भारी धुरा भार (एचएएल) की सम्हलाई के लिए भारतीय रेल द्वारा रेलपथ के आधुनिकीकरण के लिए वेल्ड-योग्य कास्ट मैंगनीज स्टील क्रॉसिंग (डब्ल्यूसीएमएससी) को विकसित किया गया है। वेल्ड-योग्य कास्ट मैंगनीज स्टील क्रॉसिंग को पटरियों में लगाने का उद्देश्य भारतीय रेल पर थ्रुपुट में सुधार करना है। डब्ल्यूसीएमएससी के लाभ निम्नानुसार हैं:

- यार्डों में फिश प्लेट जॉइंटों के उपयोग की समाप्ति
- कम रखरखाव
- चालन की बेहतर गुणवत्ता
- प्रति सीएमएस क्रॉसिंग 24 बोल्ट होल में कमी

8. भारतीय रेल में 4जी एलटीई-आर का परीक्षण

रेलवे बोर्ड द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे में 500 मार्ग किलोमीटर पर 4जी एलटीई-आर प्रौद्योगिकी प्रणाली के अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) फील्ड परीक्षण के लिए कार्य को मंजूरी दी गई है। इस कार्य का उद्देश्य रेलगाड़ी परिचालन सहित भारतीय रेल के लिए समर्पित 4जी/एलटीई नेटवर्क विकसित करना है। इससे भारतीय विनिर्माताओं को रेलों संबंधी विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध 4जी एलटीई उत्पादों का परीक्षण करने में भी सक्षमता प्राप्त होगी।

भारतीय रेल में 4जी एलटीई-आर का परीक्षण

9. उत्तर मध्य रेलवे के मथुरा-पलवल खंड में भारतीय रेल के लिए 5जी स्वदेशी समाधान की अवधारणा का प्रमाण (पीओसी)

भारतीय रेल पर 5जी इको-सिस्टम के विकास के लिए अअमासं ने रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित उत्तर मध्य रेलवे के मथुरा-पलवल खंड में भारतीय विक्रेताओं के साथ स्वदेशी 5जी नेटवर्क समाधान संबंधी अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) फील्ड परीक्षणों से संबंधित कार्य शुरू किया है। इस कार्य का उद्देश्य गाड़ी संचालन सहित भारतीय रेल के लिए स्वदेशी 5जी नेटवर्क समाधान विकसित करना है।

9000 एचपी (ईएफ9के) मैसर्स सीमेंस निर्मित रेलइंजनों को शुरु करना।

10. 9000 एचपी (ईएफ9के) मैसर्स सीमेंस निर्मित रेलइंजनों को शुरु करना:

भारतीय रेल ने मैसर्स सीमेंस लिमिटेड के साथ एक विनिर्माण-सह-अनुरक्षण करार के माध्यम से 1200 विद्युत रेलइंजन के प्रापण के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इन 9000 एचपी इंजनों का निर्माण सरकारी चल स्टॉक कारखाने, दाहोद में किया जाएगा और पश्चिम रेलवे द्वारा 4 (चार) नामित सरकारी अनुरक्षण डिपो में 35 वर्षों के लिए बनाए रखा जाएगा। इन रेल इंजनों का उपयोग मुख्यत: पश्चिमी डीएफसी और रेलवे के ग्रेडेड खंडों पर कंटेनर मालगाड़ियों को 200 ग्रेडिएंट्स में 1 पर 75 कि.मी. प्रति घंटे की गति से 4500 टन के डबल स्टैक संरूपण में ढुलाई और ऐसी गाड़ियों की औसत गति में लगभग 50-60 कि.मी. प्रति घंटे तक सुधार करने के लिए किया जाता है।

11. सिगडेट: इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन के लिए सिगनल-प्रणाली डिजाइन ऑटोमेशन टूल

सिगनल-प्रणाली डिजाइन के लिए सिगडेट, स्वदेशी रूप से विकसित उपकरण है जो रूट कंट्रोल चार्ट और एप्लिकेशन लॉजिक तैयार करने के लिए आवश्यक समय को कम करता है। यह उपकरण उन अधिकारियों के लिए उपयोगी है जो सभी क्षेत्रीय रेलों के सिगनल प्रणाली डिजाइनरों से संबद्ध होते हैं और भारतीय रेल पर मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणालियों में नए अवसंरचना संबंधी कार्यों को चालू करने/परिवर्तनों की कमीशनिंग करने में तेजी लाते हैं। सिगडेट के प्रारंभिक संस्करण को 100 मार्गों तक वाले यार्डों की आरसीसी की जेनेरेशन के लिए शुरु किया गया था। हाल ही में, दिनांक 15.03.2024 को अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा सिगडेट के एप्लिकेशन लॉजिक भाग को सिगडेट संस्करण 4.0 के रूप में जारी किया गया है।

12. थर्मल विजन कैमरा प्रणाली:

अअमासं ने कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करके "बड़े जंगली जानवरों के गुजरने के विषय में कर्मीदल को सचेत करने के लिए थर्मल विजन कैमरा (टीवीसी)" नामक पायलट परियोजना की संकल्पना की है। इस प्रणाली के प्रोटोटाइप को सिलीगुड़ी जंक्शन रेलवे स्टेशन के लोको शेड के लोको नं. डब्ल्यूडीपी4डी 40436 पर संस्थापित किया गया है। यह प्रणाली बेहतर रूप से कार्य कर रही है और इससे हाथी/जंगली जानवरों से संभावित टक्कर की कई घटनाओं से बचा जा चुका है। ऑटोनॉमस थर्मल विजन कैमरा आधारित लोको पायलट सहायता प्रणाली (एटलस) के लिए एक आईएस मानक भी विकसित किया गया है।

13. रेलवे चालक सहायता प्रणाली (आरडीएएस) के साथ कर्मीदल वॉयस और वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली (सीवीवीआरएस) का विकास:

कर्मीदल वॉयस और वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली हवाई जहाज के ब्लैक बॉक्स के समान है। इसे घटना के पश्चात विश्लेषण के लिए लोकोमोटिव कैब, पैंटो, रेलपथ और साइड दृश्यता के प्रभावी और छेड़छाड़ रहित वीडियो और वॉयस रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करने के लिए संस्थापित किया गया है। इस उपकरण से जांचकर्ताओं को अमूल्य डेटा भेजा जाएगा ताकि उन्हें दुर्घटना के संबंध में हुई घटनाओं के अनुक्रम को समझने और चालक दल के कार्य-निष्पादन सहित परिचालन संबंधी मुद्दों की पहचान करने में सहायता मिल सके। गाड़ी के परिचालन के दौरान लोको पायलट की सतर्कता की निगरानी के लिए रेलवे चालक सहायता प्रणाली विकसित की गई है। इसमें सम्मिलित रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कैमरा (प्रत्येक रेलडिब्बे में 1 अदद), डेटा स्टोरेज मेमोरी, सीवीवीआरएस के नेटवर्क वीडियो रिकॉर्डर (एनवीआर) से जुड़ने के लिए इंटरफेसिंग पोर्ट, चिह्नित असामान्य स्थिति हेतु वॉयस कमांड/दृश्यता संकेत भेजने के लिए स्पीकर शामिल हैं।

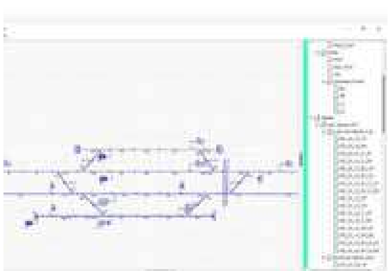

सिगडेट: इलेक्टॉनिक अंतर्पाशन के लिए सिगनल-प्रणाली डिज़ाइन ऑटोमेशन टूल

14. रेलपथ साइड डायग्नोस्टिक प्रणाली

हॉट एक्सल बॉक्स हॉट व्हील डिटेक्टर (एचएएचडब्ल्यू) की विशिष्टि का विकास:

हॉट एक्सल बॉक्स हॉट व्हील डिटेक्टर (एचएएचडब्ल्यू) प्रणाली एक्सल बॉक्स बेयरिंग, व्हील रिम/डिस्क और ब्रेक डिस्क के तापमान की निगरानी करके हॉट एक्सल बॉक्स और लॉक्ड

व्हील का पता लगाने के लिए एक स्वचालित वेसाइड संसूचन प्रणाली है। अनुसंधान निदेशालय/अअमासं द्वारा जारी विशिष्टि के आधार पर उत्तर रेलवे द्वारा 106 अदद एचएएचडब्ल्यू प्रणाली का प्रापण शुरू किया गया है।

स्वदेशी व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर प्रणाली विशिष्टि का विकास:

व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी) एक वेसाइड संसूचन प्रणाली है, जिसका उपयोग संभावित ट्रीड संबंधी दोषों जैसे फ्लैट स्पॉट, आउट-ऑफ-राउंड, बिल्ट-अप ट्रीड्स, सस्पेंशन (स्प्रिंग्स, शॉक एब्जॉर्बर आदि) के साथ-साथ शेल्ड ट्रीड में दोषों के साथ पहियों की पहचान करने के लिए किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप उच्चतर भार प्रभाव होता है, जिससे गाड़ी और रेलडिब्बों के पुर्जो और रेलपथ संरचना को क्षति होती है। स्वदेशी व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर प्रणाली की विशिष्टि जुलाई 2023 में जारी की गई थी। उत्तर रेलवे द्वारा स्वदेशी व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर प्रणाली के प्रापण का कार्य प्रगति पर है।

स्वदेशी व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर प्रणाली विशिष्टि का विकास

व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली (डब्ल्यूपीएमएस) विशिष्टि का विकास:

- मौजूदा प्रणालियों का अध्ययन करके और अत्याधुनिक विशेषताओं को शामिल करके अनुरक्षण डिपो में संरक्षा मानकों और पहिया संबंधी मापदंडों के सटीक मापन को अपग्रेड करने के लिए व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली की विशिष्टि तैयार की जा रही है। अंतिम मसौदा विशिष्टि तैयार की गई है और हितधारकों से अपेक्षित टिप्पणियों के लिए दिनांक 18.09.2024 को अपलोड किया गया।

15. इलास्टोमेरिक पैड का बेहतर डिजाइन

इलास्टोमेरिक पैड का उपयोग मुख्य रूप से पहियों के घिसाव को कम करने के लिए किया जाता है और यह कंपन रोधी तत्व के रूप में भी कार्य करता है और मालगाड़ी स्टॉक के थ्री-पीस रेलडिब्बों को बेहतर संचालन क्षमता प्रदान करता है। अअमासं द्वारा एक बेहतर डिजाइन और विशिष्टि को विकसित किया गया है, जिसे इलास्टोमेरिक पैड डिजाइन बी कहा जाता है।

इस नए डिजाइन की विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- अधिकतम खिंचाव
- वर्धित ताप हस्तांतरण विशेषताएं
- बेहतर लोचदार तत्व गुण
- कड़े परीक्षण मानदंड

16. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के सहयोग से कैरिजवे 10.5 मीटर (2एल) और 14 मीटर (3एल) के लिए बोल्टेड कैमल-बैक आकार के ऊपरी पैदल पुल (आरओबी) गर्डरों के नए डिजाइन

यह डिजाइन एनएचएआई के सहयोग से 08 स्पैन- 48 मीटर, 54 मीटर, 60 मीटर, 72 मीटर 2 लेन और 3 लेन राजमार्गो के लिए विकसित किया जा रहा है। 72 मीटर, 2 लेन के पहले स्पैन की सामान्य व्यवस्था और संरचनात्मक डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है। संरचनात्मक आरेख तैयार किया जा रहा है।

17. नेटवर्क-इन-बॉक्स (एनआईबी) का परीक्षण

नेटवर्क-इन-बॉक्स (एनआईबी) का परीक्षण अअमासं परिसर और मानक नगर रेलवे स्टेशन, लखनऊ में आयोजित किया गया था। एक निजी 4जी नेटवर्क स्थापित किया गया था, जहां लगभग 30 मीटर की ऊंचाई पर 17 डीबीआई एंटीना के साथ 2टी और 2 आर का समर्थन करने वाला 20-वाट ईनोड बी स्थापित किया गया और 3.5 किलोमीटर तक कवरेज को दर्शाया गया था। मोबाइल पर वॉइस और विडियो, 4जी कैमरा एवं पीटीटी फोन, वीओआईपी पीबीएक्स सहित मोबाइल फोन के बीच निर्बाध पूर्ण विशेषता की कार्यात्मकता (अअमासं/मुख्यालय/इलाहाबाद और

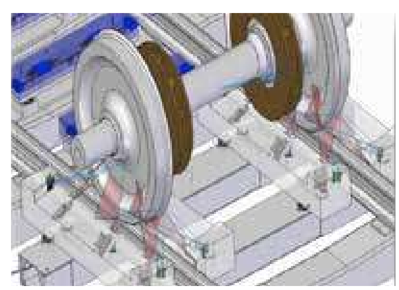

व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली (डब्ल्यूपीएमएलडी) विशिष्ट का विकास

हाई स्पीड लोको पायलटों की मनोवैज्ञानिक अनुवीक्षण और एप्टीट्युड जांच

गोरखपुर) तथा पीटीजेड के संचालन के साथ-साथ पीटीजेड कैमरा की दृश्यता सहित वीडियो फोन एकीकरण को दर्शाया गया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में अवधारणा प्रमाण (पीओसी) के लिए एफआरएस तैयार किया गया है।

18. हाई स्पीड लोको पायलटों की मनोवैज्ञानिक अनुवीक्षण और एप्टीट्यूड जांच

अअमासं ने हाई-स्पीड गाड़ी संचालन की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोको पायलटों के लिए व्यापक सीएडीएटी परीक्षण किया। ये परीक्षण प्रतिक्रिया समय, अवधारणा और सतर्कता जैसी महत्वपूर्ण विशेषताओं का आकलन करते हैं। हाई-स्पीड गाड़ियों के लिए 3,592 से अधिक लोको पायलटों की जांच की गई है। एक नया सीएडीएटी केंद्र पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पर 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से परिचालन को सक्षम बनाएगा। इसी प्रकार चयन और पदोन्नति के लिए संरक्षा कोटि के कर्मचारियों अर्थात एएलपी, एसएम, मोटरमैन और हाई-स्पीड लोको पायलटों की योग्यता परीक्षण आयोजित किए गए थे। एससी/टीओ के चयन के लिए मेट्रो रेल निगमों और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों को परामर्शी सेवाएं भी प्रदान की गई हैं। एएलपी/एसएम/एमएम के पद के लिए 21,301 से अधिक उम्मीदवारों और 3,592 लोको पायलटों की उच्च गति से संबंधित जांच की गई।

19. जांच और परीक्षण

चल स्टॉक के कठोर परीक्षण के माध्यम से संरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने कई अन्वेषण संबंधी परीक्षण और फील्ड परीक्षण किए हैं, जिनमें दोलन परीक्षण, युग्मक बल और नियंत्रणीयता परीक्षण, आपातकालीन ब्रेकन दूरी परीक्षण, रेटिंग और निष्पादन परीक्षण, सीओसीआर परीक्षण और स्क्वीज परीक्षण शामिल हैं। इन परीक्षणों में नए चल स्टॉक डिजाइन और मौजूदा रेलइंजनों दोनों में प्रमुख बदलाव को शामिल किया गया है। इस कठोर परीक्षण द्वारा नए चल स्टॉक संबंधी समस्याओं के समाधानों को शुरु करने की सुविधा प्रदान की है और मौजूदा चल स्टॉक को उच्च गति से सक्षम बनाया गया है, अवसंरचना के अनुरक्षण के लिए प्रमाणित चल स्टॉक और भारतीय रेल नेटवर्क की समग्र गतिशीलता में सुधार किया है।

जांच / परीक्षण का प्रकार	19-20	20-21	21-22	22-23	23-24
दोलन परीक्षण	31	21	30	45	28
युग्मक बल, नियंत्रणशीलता, ईबीडी, आरएंडपी एवं आघात संबंधी परीक्षण	16	8	15	27	26
सीओसीआर परीक्षण	7	15	1	10	11
टीएम रन	7	9	12	13	13
स्क्वीज परीक्षण	13	5	7	11	9
विशेष परीक्षण और अध्ययन	2	2	6	5	7
जोड़	76	60	71	111	94
एयर ब्रेक लैब परीक्षण	2	1	1	11	17
ब्रेक डायनो परीक्षण	2	1	0	0	0
फैटीग परीक्षण	6	21	13	10	25
कुल परीक्षण और जांच	86	83	85	132	136

इसके अलावा, भारतीय रेल के चल स्टॉक संरक्षा प्रमाणन और गतिक कार्यशीलता संबंधी मूल्यांकन पद्धति को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए, अअमासं द्वारा ईएन-14363 आधारित रेलगाड़ी स्थिरता और गतिक कार्यशीलता संबंधी मूल्यांकन आधारित परीक्षण पद्धति में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

नेटवर्क-इन-बॉक्स (एनआईबी) का परीक्षण

पर्यावरण प्रबंधन

काचेगुडा रेलवे स्टेशन की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र

रेलवे सबसे कम प्रदूषण करने वाला यातायात साधन है। रेल परिचालन को पर्यावरण-हितैषी बनाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदम अनुवर्ती पैराग्राफों में एक-एक करके बताए गए हैं।

भारतीय रेल में हरित ऊर्जा पहल

सौर ऊर्जा

भारतीय रेल ने ऊर्जा का एक बहुत बड़ा उपभोक्ता होने के नाते न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभावों वाले ऊर्जा तंत्र को प्राप्त और साकार करने के लिए लागत-फलकारी विकल्पों की पहचान करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध किया है, जिसके द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता पर अपनाकर कार्बन उत्सर्जन का न्यूनीकरण किया है।

इसके भाग के रूप में, मार्च 2024 तक भारतीय रेल में 231.5 मेगा वाट के सौर संयंत्र (छत पर 174.67 मेगा वाट + भूमि पर 56.83 मेगा वाट) पहले ही चालू किए जा चुके हैं। मार्च 2024 तक कुल 2,569 रेलवे स्टेशनों पर और सेवा परिसरों में छतों पर संयंत्र लगाए हैं।

कर्षण आपूर्ति के लिए तीन प्रायोगिक परियोजनाओं को पहले ही सफलतापूर्वक चालू किया जा चुका था:

- उत्तर रेल में पानीपत के पास दिवाना में 2 मेगा वाट क्षमता का सौर संयंत्र सितंबर, 2020 में सफलतापूर्वक चालू किया गया था।
- भेल द्वारा बीना में 1.7 मेगा वाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र, जो सौर ऊर्जा का सीधे 25 किलो वोल्ट की आल्टरनेटिंग करंट प्रणाली में प्रभरण करता है। जुलाई 2020 में सफलतापूर्वक चालू किया गया था।
- दक्षिण पूर्व मध्य रेल के भिलाई में 50 मैगा वाट का सौर संयंत्र अप्रैल, 2023 में सफलतापूर्वक चालू किया गया।

पवन ऊर्जा

❖ भारतीय रेल ने 103.4 मेगा वाट के पवन ऊर्जा बिजली संयंत्र संस्थापित किए हैं।

❖ तमिलनाडु में 10.5 मेगा वाट क्षमता (गैर-कर्षण के लिए) और 10.5 मेगा वाट क्षमता (कर्षण के लिए), राजस्थान में 26 मेगा वाट क्षमता (कर्षण के लिए) और महाराष्ट्र में 56.4 मेगा वाट क्षमता (कर्षण के लिए) के पवन ऊर्जा संयंत्र संस्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, डेवलपर मोड में 50 मेगा वाट क्षमता के पवन ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए भी करारनामे पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

❖ दिव्यांगों, वृद्धजनों और बच्चों की रेलवे प्लेटफार्मों पर आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, भारतीय रेल 'सुगम्य भारत अभियान' के अंतर्गत लिफ्टें और स्वचालित सीढ़ियां उपलब्ध करा रही है। मार्च 2024 तक 651 रेलवे स्टेशनों पर लिफ्टें या स्वचालित सीढ़ियां उपलब्ध कराने का कार्य पूरा हो चुका है।

❖ 2023-24 में 210 स्वचालित सीढ़ियां और 276 लिफ्टें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। अभी तक (मार्च, 2024 तक) 389 रेलवे स्टेशनों और 550 रेलवे स्टेशनों पर क्रमश: 1,435 अदद स्वचालित सीढ़ियां और 1.436 अदद लिफ्टें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

पवन ऊर्जा

100% विद्युतीकरण और अन्य हरित पहल

प्रकाश-व्यवस्था में सुधार

- भारतीय रेल विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर प्रकाश-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयास कर रही है। प्रकाश-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न नीतियां जारी की गई हैं। अभी तक (मार्च 2024 तक) 1,710 रेलवे स्टेशनों पर प्रकाश-व्यवस्था को बेहतर बनाया जा चुका है।

ऊर्जा संरक्षण

- रेल कर्मचारियों के बीच ऊर्जा कुशलता और संरक्षण पहलों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस के दौरान प्रत्येक वर्ष 'ऊर्जा संरक्षण सप्ताह' मनाया जा रहा है।
- रेल मंत्रालय और क्षेत्रीय रेलों के विभिन्न ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों एवं ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने के सतत प्रयासों के फलस्वरूप इस वर्ष 13 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
- गैर-कर्षण संस्थापनाओं में ऊर्जा उपयोग का न्यूनीकरण करने के लिए, दिनांक 30.12.2022 को एक कार्य-योजना के साथ एक ऊर्जा कुशलता नीति जारी की गई है। यह नीति मोटे तौर पर 05 कार्रवाई बिंदुओं अर्थात् सतत-संपोषित इमारतों, क्लाउड आधारित डेटा निगरानी एवं प्रबंधन पोर्टल, उपस्कर और उपकरणों में ऊर्जा कुशलता, विद्युतशक्ति गुणवत्ता की बहाली, क्षमता निर्माण और जागरूकता पर केंद्रित है।

गो-ग्रीन अभियान के अंतर्गत नया विद्युतीकरण, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

- सभी रेलवे स्टेशनों पर 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां लगाई जा चुकी हैं। इसके द्वारा, भारतीय रेल अपने सभी रेलवे स्टेशनों पर 100% एलईडी प्रकाश-व्यवस्था रखने वाली पूरे विश्व में सर्वत्र एक बड़ी रेलवे बन गई है।
- कार्यालयों, अनुरक्षण डिपुओं आदि सहित सभी रेल संस्थापनाओं में भी 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां उपलब्ध कराई जा रही हैं और सभी आवासीय क्वार्टरों में भी 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां लगाई जा चुकी हैं।

सहायक पावर यूनिट (एपीयू) - सहायक पावर यूनिट, एक स्वत: पूर्ण इकाई होती है जिसमें इंधन की बचत के लिए एक छोटा डीजल रेलइंजन होता है, जिसमें एक छोटा डीजल इंजन कंप्रेसर और अल्टरनेटर जुड़ा होता है। इसकी अपनी नियंत्रण प्रणाली, एक्सेसरीज होती हैं तथा यह इंजन की मौजूदा नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकृत होती है। जब रेलइंजन 10 मिनट से अधिक समय तक निष्क्रिय खड़ा रहता है तो मुख्य इंजन बंद हो जाता है तथा सहायक पावर यूनिट प्रणाली में छोटा 25 अश्व शक्ति का इंजन काम करना शुरू कर देता है और बैटरियों एवं एयर ब्रेक पाइपों को चार्ज करता है। रेलइंजन के मुख्य इंजन द्वारा 25 लीटर की खपत की तुलना में सहायक पावर यूनिट का डीजल इंजन प्रति घंटे केवल 3 लीटर डीजल की खपत करता है। सहायक पावर यूनिट युक्त प्रत्येक रेलइंजन से अकेले ईंधन तेल में ही ₹20 लाख प्रति वर्ष की बचत होने की प्रत्याशा है। मदौरा संयंत्र में विनिर्माणाधीन सभी नए डीजल रेलइंजनों में सहायक पावर यूनिट लगाई गई हैं।

वनरोपण

वर्ष 2023-24 के दौरान रेलवे ने 75.92 लाख पेड़ों का सामूहिक वृक्षारोपण किया। इसके अलावा, रेलवे अधिक से अधिक पेड़ लगाने के सभी प्रयास कर रही है।

इसके अलावा, 'अधिक अनाज उगाओ' योजना के अंतर्गत सब्जियां, फसलें आदि उगाने के लिए समूह 'ग' और 'घ' कोटि के रेल कर्मचारियों को रेल भूमि का लाइसेंस भी दिया जाता है।

ऑटोमैटिक कोच वाशिंग प्लांट

कार्मिक

औद्योगिक संबंध

वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। मान्यता प्राप्त फेडरेशन/यूनियनों ने सभी महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया जिसके फलस्वरूप भारतीय रेल के समवेत उद्देश्यों को प्राप्त करने में रेल कर्मचारियों की प्रभावी और सार्थक भागीदारी हुई।

कर्मचारियों की संख्या

31.03.2023 की तुलना में 31.03.2024 को रेल कर्मचारियों (एमटीपी/रेलवे को छोड़कर) का समूह-वार और विभाग-वार विवरण निम्नानुसार है:

समूह-वार विवरण	दिनांक 31.3.2023 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31.3.2024 की स्थिति के अनुसार
समूह क	10,390	**9,983**
समूह ख	7,425	**7,048**
समूह ग		
(i) कारखाना और कारीगर कर्मचारी	1,20,339	**1,22,917**
(ii) रनिंग कर्मचारी	1,49,026	**1,53,661**
(iii) अन्य कर्मचारी	9,02,435	**9,58,571**
समूह घ		
(i) कारखाना और कारीगर कर्मचारी	$	**$**
(ii) अन्य कर्मचारी	$	**$**
जोड़	11,89,615	**12,52,180**
$ पूर्व समूह घ का समूह ग में विलय कर दिया गया है		
विभाग-वार विवरण		
प्रशासन	14,320	**14,606**
कार्मिक	20,169	**21,298**
लेखा	19,453	**18,517**
इंजीनियरी	2,74,112	**3,02,643**
सिगनल और दूरसंचार	60,965	**63,164**
परिवहन	1,47,746	**1,64,213**
वाणिज्य	69,667	**74,913**
यांत्रिक इंजीनियरी	2,75,161	**2,74,101**
भण्डार	15,575	**15,922**
बिजली	1,97,193	**2,10,247**
चिकित्सा	29,316	**27,808**
रेल सुरक्षा बल	65,624	**63,869**
निर्माण	-	**-**
गति शक्ति	314	**879**
जोड़	11,89,615	**12,52,180**

औसत वार्षिक मजदूरी प्रति कर्मचारी

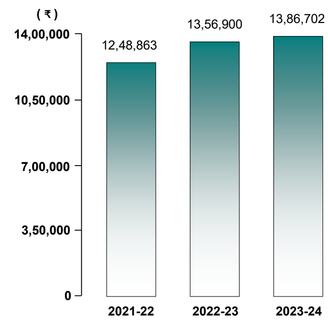

मिशन कर्मयोगी के तहत भारतीय रेल के अधिकारियों का प्रशिक्षण

रेल सौधा, दक्षिण पश्चिम रेलवे

वेतन बिल

गत वर्ष की तुलना में पेंशन आदि सहित वेतन बिल 7.57% की वृद्धि दर्ज करते हुए 12,221.12 करोड़ रु. बढ़कर 1,73,639.99 करोड़ रु. हो गया। प्रति कर्मचारी औसत वेतन 13,56,900 रु. प्रति वर्ष से 2.2% बढ़कर 13,86,702 रु. प्रति वर्ष हो गया। साधारण संचालन व्यय (मूल्य ह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि में विनियोग को छोड़कर) से चालित लाइन (पेंशन और उपदान के प्रति संदाय को छोड़कर) कर्मचारी लागत का अनुपात 58% था। 31 मार्च की स्थिति के अनुसार कर्मचारियों की कुल संख्या और पिछले दो वर्षों में प्रति कर्मचारी औसत वार्षिक वेतन का विवरण निम्नानुसार है:

	2022-23	**2023-24**
कर्मचारियों की कुल संख्या (हजार में)	1,190	**1,252**
औसत वार्षिक मजदूरी प्रति कर्मचारी (₹ में)	13,56,900	**13,86,702**

अनुसूचित जाति (अ.जा) और अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा) का प्रतिनिधित्व

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल में (एमटीपी रेलों को छोड़कर) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व की तुलनात्मक स्थिति निम्नानुसार है:

	अनुसूचित जाति के कर्मचारियों की संख्या		**अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या**	
	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार	**31.03.2024 की स्थिति के अनुसार**	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार	**31.03.2024 की स्थिति के अनुसार**
समूह क	1,448(13.94)	**1,493(14.96)**	772(7.43)	**809(8.10)**
समूह ख	1,225(16.50)	**1,235(17.52)**	517(6.96)	**536(7.60)**
समूह ग#	1,97,830(16.88)	**2,07,674(16.81)**	91,468(7.81)	**95769(7.75)**
कुल जोड़	2,00,503(16.85)	**2,10,402(16.80)**	92,757(7.80)	**97114(7.76)**

पूर्ववर्ती समूह 'घ' सहित

नोट: कोष्ठक में उल्लिखित आंकड़े कर्मचारियों की कुल संख्या से अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिशत दर्शाते हैं।

आरक्षण संबंधी मामलों के निपटान के लिए और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की उनकी सेवा संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतों की जांच करने के लिए मंत्रालय/रेलवे/जोन/मंडल/कारखाने/उत्पादन इकाईयों में प्रत्येक स्तर पर एक पूर्णतया समर्पित आरक्षण प्रकोष्ठ मौजूद है।

रेल भर्ती बोर्ड:

वर्ष 2023-24 के दौरान, विभिन्न समूह 'ग' के पदों (लेवल 1 को छोड़कर) के तहत 11,926 उम्मीदवारों को पैनलबद्ध किया गया है।

उत्पादकता संबद्ध बोनस:

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, भारतीय रेल के सभी अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को (रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के कर्मचारियों को छोड़कर) 78 दिन का उत्पादकता सम्बद्ध बोनस स्वीकृत किया गया। इससे लगभग 11,72,240 रेल कर्मचारी लाभान्वित हुए। इसके अलावा, वर्ष 2023-24

के लिए रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के समूह 'ग' के 62,349 कर्मचारियों को 30 (तीस) दिन की परिलब्धियों के समान तदर्थ बोनस स्वीकृत किया गया।

कर्मचारियों की संख्या

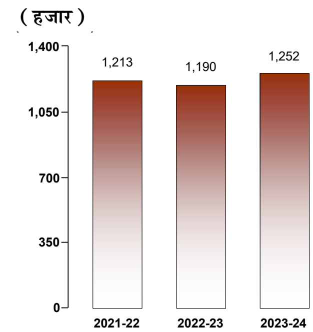

उत्पादकता संबद्ध बोनस और तदर्थ बोनस दोनों का भुगतान 7,000 रु. प्रति माह की अधिकतम दर पर किया गया है। उत्पादकता संबद्ध बोनस और तदर्थ बोनस के लिए वित्तीय निहितार्थ क्रमश: लगभग 2,028.57 करोड़ रु. और 43.07 करोड़ रु. था।

मानव संसाधन विकास (एचआरडी) तथा जनशक्ति योजना

भारतीय रेल पर मानव संसाधन विकास से संबंधित कार्यनीतियों को आंतरिक और बाह्य परिवर्तनों के संदर्भ में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की दिशा में पुनर्निर्देशित किया गया है। इन-हाउस प्रशिक्षण सुविधाओं के अतिरिक्त, रेल कर्मियों को भारत में और विदेशों में अन्य संस्थानों में विशेषीकृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल कर्मचारियों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके उनके कार्य से संबंधित विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में उच्चतर शैक्षणिक अर्हताएं प्राप्त करके अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्रशिक्षण के लिए मूल अवसंरचना में सुधार करने के प्रयास करना एक सतत प्रक्रिया है। नवीनतम परिचालन संबंधी और व्यावसायिक आवश्यकताओं के संदर्भ में जनशक्ति की भर्ती को विनियमित करने के लिए जनशक्ति नियोजन प्रणाली को पुन: डिजाइन किया गया है।

2. भारतीय रेल पर, देशभर में स्थित इसके 08 केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान भारतीय रेल के अधिकारियों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ये केन्द्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा रेल अधिकारियों की विशेषीकृत प्रशिक्षण संबधी विभिन्न आवश्यकताओं को भी पूरा करते हैं। इनमें सेवारत अधिकारियों के लिए सामान्य प्रबंधन, सामरिक प्रबंधन के साथ-साथ कार्यात्मक क्षेत्र से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। भारतीय रेल के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों (सीटीआई) द्वारा, भारत में गैर-रेलवे संगठनों के साथ-साथ विदेशों से प्रशिक्षुओं के लिए आवश्यकता-आधारित विशेष पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं और जिसकी काफी सराहना की जाती है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एक उद्देश्य और पेशेवर दृष्टिकोण के साथ अध्ययन पर बल दिया जाता है। इन-हाउस प्रशिक्षण के संकाय के अतिरिक्त, व्यापार, उद्योग और सरकार में विविधतापूर्ण अनुभवों वाले बाह्य विशेषज्ञों को बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावहारिक समस्याओं के साथ शैक्षणिक अवधारणाओं की संबद्धता बनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

2.1. क्षेत्रीय-रेल और मंडल स्तर पर प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा अराजपत्रित कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जा रहा है। किसी कर्मचारी के कैरियर के विभिन्न चरणों में विशेष रूप से संरक्षा और तकनीकी श्रेणियों से संबंधित कर्मचारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण निर्धारित किया गया है। हालांकि, पुनश्चर्या प्रशिक्षण के लिए अतिदेय कर्मचारियों की कुछ श्रेणियों को उक्त प्रशिक्षण पूरा होने तक ड्यूटी से हटा दिया जाता है। छात्रावास में रहन-सहन की अवस्थाओं में सुधार करने, भोजनालय सुविधाएं बेहतर बनाने, मनोरंजक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों के लिए सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने, प्रशिक्षण से संबंधित कमियों को दूर करने और साथ ही संचालन मॉडलों सहित मॉडल कक्षों, सी-थ्रू मॉडल्स आदि को अपग्रेड करने के निरंतर प्रयास किए जाते हैं।

2.2. प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्रतिष्ठान में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग करके प्रशिक्षण संबंधी अवसंरचना स्थापित करने के लिए राजकोष पर कोई अतिरिक्त बोझ डाले बिना उद्योग के लिए कुशल जनशक्ति को विकसित करने के लिए प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान करना सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को नियमित रोजगार मिलने पर औद्योगिक वातावरण को अपनाने में सुविधा मिल सकती है। भारतीय रेल को प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षुओं की नियुक्ति में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रशस्ति पत्र' से भी सम्मानित किया गया है।

19वें एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते रेल कर्मचारी

2.3. बहु-विषयक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं जहां विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के रेलवे कर्मचारियों को संयोजित कार्यात्मक दक्षता प्रदान की जा सकती है।

3. तकनीकी उन्नयन और रोजगार की बदलती आवश्यकताओं की दृष्टि से सभी विभागों के मौजूदा प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा करने की आवश्यकता थी। अत: सभी विभागों जैसे यातायात, वाणिज्यिक, विद्युत, सिविल, मेकेनिकल, सिगनल एवं दूरसंचार तथा वित्त के मौजूदा प्रशिक्षण मॉड्यूलों की समीक्षा, अद्यतन किया गया और रेलवे की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इन प्रशिक्षण मॉड्यूलों को ऑनलाइन माध्यम में बदल दिया गया है और इसे अपलोड कर दिया गया है।

3.1. इसके अलावा, रेल मंत्रालय ने संपूर्ण भारतीय रेल पर सरकार (डीओपीटी) की पहल – 'मिशन कर्मयोगी' भी शुरू की है। इस पहल के अंतर्गत, एक ऑनलाइन लर्निंग पोर्टल – आई-गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म की परिकल्पना की गई है, जिसमें अपने ऑन-बोर्ड कर्मचारियों को किसी भी समय, कहीं भी नि:शुल्क रूप से कौशल/पुन: कौशल/कौशल उन्नयन हेतु स्व-गतिक्रम मोड में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम मुहैया कराए जाते हैं। इस कार्यक्रम में रेलवे के ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की संख्या सबसे अधिक है। रेलवे के विभिन्न आई-गॉट से संबंधित आंकड़े इस प्रकार हैं:

- ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की संख्या – 10 लाख से अधिक (80.66%)
- न्यूनतम 01 पाठ्यक्रम में नामांकित अधिकारियों की संख्या – 1,22,908 (12.19%)
- कुल पाठ्यक्रम नामांकन – 7,63,580
- कुल पाठ्यक्रम पूरा करना – 5,10,031
- आई-गॉट पर रेलवे पाठ्यक्रमों की संख्या – 36

वर्ष 2023-24 के दौरान, कुल 64,338 राजपत्रित और 5,19,566 अराजपत्रित कर्मचारियों ने विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रशिक्षित राजपत्रित कर्मचारियों की संख्या

केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान	वर्ष 2023-24
एनएआईआर	18,128
आईआरईईएन	2,400
आईआरआईएमईई	2,664
आईआरआईटीएम	2,657
जेआरआरपीएफ	29,610
आईआरआईएसईटी	4,332
आईआरआईसीईएन	3,440
आईआरआईएफएम	807
कुल	**64,338**

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा का गठन मूलत: रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए किया गया था। यह कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों, कर्मचारियों के आश्रितों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पास नियमों के अनुसार उनके परिवार के सदस्यों एवं आश्रितों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती है।

2,572 चिकित्सा अधिकारियों और 37,087 पराचिकित्सा कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या के साथ यह विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक स्वास्थ्य सेवा है। पूरे देश में फैली हुई 586 स्वास्थ्य इकाइयों में 129 अस्पताल और लगभग 14,000 आंतरिक शय्याओं के साथ यह सेवा वर्ष भर में चौबीसों घंटे कार्य करती है। यह लगभग एक करोड़ लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान करती है।

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रशिक्षण

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा उपचार सेवाओं के अलावा निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, स्वास्थ्य संवर्धन, व्यावसायिक और औद्योगिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं भी मुहैया कराई जाती है। यह रेल परिसरों के भीतर पानी और भोजन की गुणवत्ता की निगरानी करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

रेल अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना कार्यान्वित की गई है। अभी तक, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के लाभार्थियों के लिए 91 अस्पताल खोले गए हैं।

हमारे तेरह क्षेत्रीय अस्पतालों में अधिकांश विशेषज्ञताओं और कुछ अति-विशेषताओं में बहुत प्रतिष्ठित डीएनबी कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण हेतु संस्थानों का कार्य कर रहे हैं।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा (आईआरएचएस) के अंतर्गत किए जाने वाले अन्य कार्यों में यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना, रेल दुर्घटनाओं के संबंध में कार्रवाई करना, कॉलोनी की स्वच्छता, और खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम (एफएसएसए) का कार्यान्वयन करना, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण और अध्ययन कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है। हमारी स्वास्थ्य सेवाओं पर लाभार्थियों को अत्यधिक विश्वास है।

रेलवे अस्पताल में कोविड का इलाज व टीकाकरण किया जा रहा है। रेलवे अस्पतालों में 98 पीएसए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र संस्थापित और कमीशन किए गए हैं। 21 लाख से अधिक लाभार्थियों को कोविड टीकाकरण की पहली और 19 लाख से अधिक को दूसरी खुराक दी जा चुकी है।

कार्य-निष्पादन के आंकड़े (2023-2024)

कुल बहिरंग रोगी मामले जिन्हें परिचर्या प्रदान की गई	1,91,94,533
कुल अंतरंग रोग मामले जिन्हें भर्ती किया गया	5,30,017
की गई शल्यचिकित्साओं की कुल संख्या	1,33,226
रुग्णता के कारण नष्ट श्रम दिवसों का प्रतिशत	1.64
उन नए उम्मीदवारों की संख्या जिनकी आरोग्यता के लिए जांच की गई	31,055
उन कर्मचारियों की संख्या जिनकी आवधिक चिकित्सा जांच की गई	1,64,446
एकत्र किए गए/पाए गए दोषपूर्ण खाद्य नमूनों की संख्या	4,666 / 114
अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण/आरोग्यता के लिए पानी के नमूने	11,57,406/10,62,855
जीवाणु परीक्षण/आरोग्यता के लिए पानी के नमूने	77,449 / 73,609
उन बीमार यात्रियों की संख्या जिन्हें रेलवे डॉक्टरों द्वारा परिचर्या प्रदान की गई	95,034
उन बच्चों की संख्या जिन्हें टीका लगाया	12,626
स्वास्थ्य आश्वासन कैम्प	13,941
उपरोक्त बहु-उद्देश्य स्वास्थ्य अभियानों में आरोग्यता की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या	5,16,722

कर्मचारी कल्याण:

भारतीय रेलों की कल्याण योजनाओं में शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, आवासन, खेलकूद, मनोरंजन और खानपान के क्षेत्रों से संबंधित व्यापक कार्य शामिल हैं।

कर्मचारी हित निधि, रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को शिक्षा, मनोरंजन, चिकित्सा, खेलकूद, स्काउट और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में अतिरिक्त सुविधाएं सुलभ कराने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। चिकित्सा की स्वदेशी पद्धतियां अर्थात आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधालयों का संचालन इस निधि की सहायता से किया जाता है।

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार लगभग 37.60% कर्मचारियों को रेलवे क्वार्टर सुलभ कराए गए हैं। 2023-24 के दौरान 4,441 कर्मचारी क्वार्टरों को विद्युतीकृत किया गया।

भारतीय रेल में विभिन्न प्रकार की सहकारी समितियां कार्य कर रही हैं। ये सहकारी समितियां, केंद्रीय सहकारी समिति रजिस्ट्रार, पूर्व में कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, और वर्तमान में सहकारिता मंत्रालय अथवा संबंधित राज्य, जिनमें वे संचालित की जाती हैं, के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत हैं। ऐसी समितियों के कार्य बहुराज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के द्वारा शासित किए जाते हैं। समितियों के कर्मचारियों के प्रशासनिक, वित्तीय, प्रबंधकीय, नियुक्ति और सेवा मामलों पर रेल प्रशासन की कोई अधिकारिता नहीं है। भारतीय रेल स्थापना नियमावली की जिल्द II के अध्याय XXIII के उपबंधों के अनुसार रेलवे द्वारा इन सहकारी समितियों को केवल कतिपय सुविधाएं और रियायतें उपलब्ध कराई जाती हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल में 55 थ्रिफ्ट एवं क्रेडिट समितियां, 75 रेल कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समितियां, 10 श्रम सहकारी समितियां तथा 04 रेल कर्मचारी आवासन समितियां कार्यरत हैं।

पेंशन अदालतें:

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपी एंड पीडब्लयू) के निर्देशों के अनुसार, क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों को पेंशनभोगियों की शिकायतों की जांच और निपटान करने के लिए क्षेत्रीय रेल में वार्षिक रूप से और मंडल स्तर पर तिमाही रूप में पेंशन अदालत आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इन मामलों का मौके पर निपटान करने के समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। दिसम्बर, 2023 के माह में आयोजित पेंशन अदालत के दौरान कुल 3,538 मामलों पर सुनवाई की गई थी।

रेल मंत्री कल्याण एवं राहत कोष:

इस कोष से विपत्ति के समय जैसे प्राकृतिक आपदा, दीर्घकालिक अस्वस्थता, आकस्मात मृत्यु आदि से उत्पन्न स्थिति में रेल कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को वित्तीय सहायता और राहत प्रदान की जाती है।

रेल विद्यालय:

भारतीय रेल द्वारा लालागुडा, सिकंदराबाद में स्थित एक(01) डिग्री कॉलेज के अलावा उनहत्तर(69) रेलवे विद्यालयों का संचालन किया जाता है। ये स्कूल पूर्ण रूप से कर्मचारियों के कल्याण के उपाय के रूप में संचालित किए जा रहे हैं और वे रेल कर्मचारियों के साथ-साथ रेलवे से इतर कर्मचारियों के बच्चों को रियायती शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, रेलवे भूमि पर तिरानवे(93) केन्द्रीय विद्यालय भी चलाए जा रहे हैं, जो इन विद्यालयों के आस-पास रहने वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद के क्षेत्र में भारतीय रेल के खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियां

I. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर :-

- 9 से 14 अप्रैल, 2023 तक अस्ताना (कजाकिस्तान) में आयोजित एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रेलवे के पहलवान खिलाड़ी (पुरुष/महिला) श्री रुपिन (पश्चिम रेलवे) ने रजत पदक जीता, श्री विकास और श्री सुनील कुमार ने ग्रीको रोमन शैली में कांस्य पदक जीते और सुश्री निशा दहिया (उत्तर पश्चिम रेलवे) ने रजत पदक जीता और श्री अमन (उत्तर रेलवे) ने फ्री स्टाइल कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता।
- रेलवे की भारोत्तोलन खिलाड़ी सुश्री एस. बिंदियारानी देवी (पूर्वोत्तर सीमा रेलवे) ने 3 से 12 मई, 2023 तक जिंजू (कोरिया) में आयोजित एडब्ल्यूएफ एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- रेलवे की स्नूकर खिलाड़ी श्री कमल चावला (पश्चिम मध्य रेलवे) ने 16 से 25 जून, 2023 तक ईरान में आयोजित एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप में स्वर्ण और कांस्य पदक जीता।
- निम्नलिखित रेलवे के साइक्लिंग खिलाड़ी श्री रोनाल्डो सिंह (पूर्वोत्तर सीमा रेलवे) ने 14 से 19 जून, 2023 तक निलाई (मलेशिया) में आयोजित सीनियर एशियन साइक्लिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- रेलवे की टेबल टेनिस खिलाड़ी सुश्री सुतीर्था मुखर्जी (दक्षिण पूर्व रेलवे) ने 20 से 25 जून, 2023 तक ट्यूनिस (ट्यूनीशिया) में आयोजित डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट की महिला युगल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।
- रेलवे के कबड्डी (पुरुष) खिलाड़ियों/अधिकारियों ने 25 से 30 जून, 2023 तक बुसान में आयोजित 11वीं एशियाई कबड्डी पुरुष चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व किया और स्वर्ण पदक जीता।
- रेलवे के एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने 12 से 16 जुलाई, 2023 तक बैंकॉक में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चार (04) स्वर्ण पदक, छह (06) रजत पदक और तीन (03) कांस्य पदक जीते।
- रेलवे के भारोत्तोलकों ने 12 से 16 जुलाई, 2023 तक नोएडा (यूपी) में आयोजित 2023 राष्ट्रमंडल सीनियर (पुरुष और महिला) भारोत्तोलन चैंपियनशिप में छह (06) स्वर्ण पदक और दो (02) रजत पदक जीते।
- रेलवे के ब्रिज (पुरुष) कार्ड गेम के खिलाड़ियों ने 31 से 07 अगस्त, 2023 तक नीदरलैंड में आयोजित 18वीं विश्व युवा ब्रिज चैंपियनशिप 2023 में देश का प्रतिनिधित्व किया और भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता।
- रेलवे के निशानेबाजी के खिलाड़ी श्री अखिल श्योराण (उत्तर रेलवे) ने 14.08.2023 से 01.09.2023 तक बाकू (अजरबैजान) में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- रेलवे के जिमनास्टिक खिलाड़ी श्री आशीष कुमार (उत्तर मध्य रेलवे) ने 18.08.2023 से 20.08.2023 तक कैरिरो (ग्रीस) में आयोजित एफआईजी इंटरनेशनल फ्राओस कप 2023 में कांस्य पदक जीता।

- रेलवे की साइक्लिंग टीम ने 7-11 सितंबर, 2023 तक डेनमार्क के मोल्स ब्जर्ग में आयोजित 14वीं यूएसआईसी (वर्ल्ड रेलवे) साइक्लिंग चैंपियनशिप में कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

- रेलवे की जिमनास्टिक खिलाड़ी सुश्री प्रणति नायक (चितरंजन रेलइंजन कारखाना) ने 8 से 10 सितंबर, 2023 तक जोमबेथेली (हंगरी) में आयोजित वर्ल्ड चैलेंज कप जिमनास्टिक टूर्नामेंट के वॉल्टिंग टेबल इवेंट में कांस्य पदक जीता।

- 23 सितंबर, 2023 से 8 अक्टूबर, 2023 तक हांग्जो (चीन) में आयोजित 19वें एशियाई खेल 2022 में एशियाई खेल 2022 में देश की पदक तालिका में रेलवे खिलाड़ियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। भारत द्वारा जीते गए कुल 107 पदकों में से, रेलवे ने 22 पदक जीते। उन्होंने 08 स्वर्ण, 07 रजत और 07 कांस्य पदक का योगदान दिया है। रेलवे के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है।

  स्वर्ण पदक विजेताओं के नाम श्री राजेश आर.-एथलेटिक्स 400 मीटर रिले टीम; सुश्री पारुल चौधरी-5000 मीटर; सुश्री अन्नू रानी-भाला फेंक; श्री अखिल श्योराण और स्वप्निल सुरेश कुसाले-50 मीटर 3 पोजीशन शूटर; श्री अमित रोहिदास और श्री जरमनप्रीत सिंह-पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी; श्री नितिन रावल, श्री सुनील कुमार, श्री प्रवेश और श्री नितेश-पुरुष कबड्डी टीम के खिलाड़ी; सुश्री पूजा, सुश्री रितु नेगी-महिला कबड्डी खिलाड़ी; सुश्री बी. अनुषा, सुश्री राजेश्वरी गायकवाड़ और कनिका आहूजा-महिला क्रिकेट खिलाड़ी; **रजत पदक विजेताओं के नाम** श्री सुमित मुखर्जी-पुरुष ब्रिज टीम के खिलाड़ी; श्री अजय कुमार सरोज-1500 मीटर एथलेटिक्स खिलाड़ी; श्री राजेश आर.-400 मीटर मिक्स्ड रिले एथलेटिक्स खिलाड़ी; सुश्री पारुल चौधरी-3000 मीटर एससी; श्री विथ्या रामराज-400 मीटर मिक्स्ड रिले और 4×400 मीटर रिले एथलेटिक्स खिलाड़ी; सुश्री ज्योति याराजी-100 मीटर बाधा दौड़; सुश्री प्राची-4×400 मीटर रिले; श्री मिथुन मंजूनाथ और श्री साई प्रतीक के-पुरुष बैडमिंटन टीम के खिलाड़ी; **कांस्य पदक विजेताओं के नाम** सुश्री सुतीर्था मुखर्जी-महिला युगल टेबल टेनिस खिलाड़ी; श्री अमन-पहलवान; सुश्री किरण-पहलवान; श्री सुनील-पहलवान; श्री विथ्या रामराज - 400 मीटर बाधा दौड़; सुश्री प्रीति-3000 मीटर एससी; सुश्री पी. सुशीला चानू, सुश्री दीप ग्रेस एक्का, सुश्री नेहा, सुश्री निशा, सुश्री नवनीत कौर, सुश्री निक्की प्रधान, सुश्री मोनिका, सुश्री लालरेमसियामी, सुश्री संगीता कुमारी, सुश्री वंदना कटारिया, सुश्री सलीमा टेटे-महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी;

- रेलवे की हॉकी (महिला) खिलाड़ियों ने 27 से 05 नवंबर, 2023 तक रांची (झारखंड) में आयोजित महिला एशियाई चैंपियन ट्रॉफी में देश का प्रतिनिधित्व किया और स्वर्ण पदक जीता।

- रेलवे के शूटिंग खिलाड़ी श्री अखिल श्योराण (उत्तर रेलवे) ने 05 से 18 जनवरी, 2024 तक जकार्ता में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप राइफल/शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

- रेलवे की जिमनास्टिक खिलाड़ी सुश्री प्रणति नायक (चितरंजन रेलइंजन कारखाना) ने 15 से 18 फरवरी, 2024 तक काहिरा (मिस्र) में आयोजित एफआईजी अपैरेटस विश्व कप 2024 में कांस्य पदक जीता।

- रेलवे के ग्रैंड मास्टर शतरंज खिलाड़ी श्री दीपन चक्रवर्ती (आईसीएफ) ने 20 से 27 फरवरी, 2024 तक मलेशिया में आयोजित राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

- रेलवे की भारोत्तोलक सुश्री बिंदियारानी देवी (पूर्वोत्तर सीमा रेलवे) ने 28 मार्च से 11 अप्रैल, 2024 तक फुकेत (थाईलैंड) में आयोजित आईडब्ल्यूएफ विश्व कप 2024 में कांस्य पदक जीता।

II. राष्ट्रीय स्तर पर

दिनांक 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 के दौरान, रेलवे की टीमों ने कुल 56 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया। जिनमें से रेलवे को 03 चैंपियनशिप में तीसरा स्थान, 14 चैंपियनशिप में उपविजेता और 22 चैंपियनशिप में विजेता रही।

III. 2023-24 के दौरान निम्नलिखित रेलवे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है:-

क्र.सं.	नाम	खेल	पुरस्कार	रेलवे
(i)	सुश्री पारुल चौधरी	एथलेटिक्स	अर्जुन पुरस्कार	पश्चिम रेलवे
(ii)	श्री सुनील कुमार	कुश्ती	अर्जुन पुरस्कार	उत्तर पश्चिम रेलवे
(iii)	सुश्री रितु नेगी	कबड्डी	अर्जुन पुरस्कार	दक्षिण मध्य रेलवे
(iv)	सुश्री पी. सुशीला चानू	हॉकी	अर्जुन पुरस्कार	मध्य रेलवे

महिलाओं का कल्याण, विकास और सशक्तिकरण

दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

भारतीय रेल में महिलाओं के कल्याण पर केन्द्रित गतिविधियाँ

भारतीय रेल निःसंदेह देश का सबसे बड़ा सिविल नियोक्ता है। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 12,52,180 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 99,809 महिला कर्मचारी हैं। भारतीय रेल में महिला उन्मुख कल्याण उपायों की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की गई है, जिसमें कर्मचारी हित निधि से विशिष्ट वित्तीय सहायता के साथ सेमिनारों, शिविरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित रूप से आयोजन करना शामिल है। कर्मचारियों के बच्चों के लिए कार्यस्थलों/कार्यालयों में काफी क्रेच, चेंजिंग रूम, टिफिन रूम और विश्राम कक्ष अलग से उपलब्ध कराए गए हैं। कर्मचारी हित निधि समितियों की मुख्यालयों और मंडलों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नकद पुरस्कार देकर मेधावी महिला कर्मचारियों को पुरस्कृत करने संबंधी नीति है। इसके अलावा, रेल कर्मचारियों के परिवारों की महिला सदस्यों के लिए कल्याणकारी उपाय के रूप में व्यावसायिक कौशल जैसे सिलाई, बुनाई, सौंदर्य कला और स्टेशनरी मदें बनाने आदि सिखाने के लिए हस्तशिल्प केंद्र संचालित किए जा रहे हैं; ताकि उन्हें रोजगार के व्यापक अवसर या स्वरोजगार प्राप्त करने में मदद मिल सके। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में कर्मचारी हित निधि के अंतर्गत "महिला सशक्तिकरण गतिविधियों" के लिए ₹3.26 करोड़ का विशिष्ट परिव्यय निर्धारित किया गया था, जो 01.04.2023 तक क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों के पास शेष पहले से ही उपलब्ध ₹8.62 करोड़ की शेष राशि के अतिरिक्त है।

महिला कर्मचारियों के लिए कार्य वातावरण में सुधार लाने के लिए, यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए विभिन्न स्तरों पर आंतरिक शिकायत समितियाँ गठित की गई हैं। इसके अलावा, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की निगरानी के लिए आंतरिक शिकायत समिति के ब्यौरे के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में "शी-बॉक्स" पोर्टल नामक एक केंद्रीकृत मंच शुरू किया गया है।

महिला यात्रियों के लिए सुविधाएं

- लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के शयनयान श्रेणी में तथा सभी राजधानी/दुरंतो/पूर्णतः वातानुकूलित/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के 3एसी श्रेणी में महिला यात्रियों के लिए छह बर्थ का आरक्षण कोटा निर्धारित किया गया है, चाहे वे किसी भी आयु की हों, अकेले या महिला यात्रियों के समूह में यात्रा कर रही हों।
- मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के अनारक्षित डिब्बों में भी महिला यात्रियों के लिए एकोमोडेशन निर्धारित किया गया है।
- उपनगरीय रेलगाड़ियों में केवल महिला यात्रियों के उपयोग हेतु अलग से कम्पार्टमेंट/सवारी डिब्बे निर्धारित किए गए हैं।
- मुंबई, कोलकाता, सिकंदराबाद और चेन्नई के उपनगरीय खंडों के साथ-साथ दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) खंडों पर महिला स्पेशल सेवाएं परिचालित की जाती हैं।

महिला यात्रियों की संरक्षा एवं सुरक्षा

रेलगाड़ियों में महिला यात्रियों को संरक्षा और सुरक्षा प्रदान करने के लिए, दक्षिण पूर्व रेलवे में रेल सुरक्षा बल द्वारा पायलट परियोजना "मेरी सहेली" के रूप में एक पहल शुरू की गई है। महिला यात्रियों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने में प्राप्त सफलता को ध्यान में रखते हुए, इस पहल को पूरे भारतीय रेल नेटवर्क में शुरु किया गया है।

उत्तर रेलवे में महिला दिवस का आयोजन

इसके क्रियान्वयन के लिए महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों की समर्पित टीमें बनाई गई हैं। वर्तमान में, इस उद्देश्य के लिए 230 रेल सुरक्षा बल टीमें तैनात की जा रही हैं, जो भारतीय रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन 400 से अधिक रेलगाड़ियों को कवर करती हैं। मार्गवर्ती रेल सुरक्षा बल चौकियों को भी अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की आवाजाही के बारे में पहले से ही सूचित कर दिया जाता है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उन्हें हाई अलर्ट पर रखा जाता है। त्वरित प्रतिक्रिया और कार्य को सरल बनाने के लिए उन्हें निर्भया फंड से टैब प्रदान किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन **महिला सुरक्षा** के अंतर्गत महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में पुरुष यात्रियों का प्रवेश निषेध करने के लिए निरंतर अभियान चलाए जाते हैं। इस पहल को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से, इसकी उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण करने के लिए महिला यात्रियों से भी फीडबैक लिया जाता है।

यात्री सुविधाओं में लिफ्ट

दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं

दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू किया गया था। इस अधिनियम के उपबंधों के क्रियान्वयन के लिए रेल मंत्रालय सहित केंद्र/राज्य सरकार के सभी मंत्रालयों की बहुक्षेत्रक सहयोगी पद्धति की आवश्यकता है।

रेलगाड़ियों में आरक्षण

- दिव्यांगजन रियायती टिकट पर यात्रा करने वाले दिव्यांगजनों के लिए अनुपनगरीय रेलखंडों पर चलने वाली सभी रेलगाड़ियों में स्लीपर श्रेणी में चार शायिकाओं, तृतीय वातानुकूल अथवा तृतीय इकोनामी में चार शायिकाओं (इन दोनों में जिस श्रेणी अर्थात् 3ई/3ए में कोटा निष्पादित किया जानता है उसका निर्णय क्षेत्रीय रेलों द्वारा रेलगाड़ी में उपलब्ध उस श्रेणी के सवारी डिब्बों की संख्या को ध्यान में रखते हुए तय किया जा सकता है), आरक्षित सेकेंड सिटिंग (2एस) और वातानुकूल चेयर कार में चार सीटों (उन रेलगाड़ियों में जिनमें उन श्रेणियों के दो से अधिक सवारी डिब्बे लगे हैं) और गरीब रथ एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के एसएलआरडी सवारी डिब्बों में चार शायिकाओं का आरक्षण कोटा निर्धारित किया गया है, इस तथ्य पर ध्यान दिए बिना कि रियायती सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। दिव्यांगजन के साथ सहचर के रूप में जाने वाले व्यक्ति को भी इस कोटे से शायिका का आबंटन किया जाता है। दिव्यांगजनों के लिए दुरंतो एक्सप्रेस जैसी पूर्णतया आरक्षित रेलगाड़ियों में एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों में चार शायिकाएं निर्धारित करने के अनुदेश भी जारी किए गए हैं।

अलग आरक्षण खिड़की

यदि प्रति शिफ्ट औसत मांग 120 टिकटों से कम नहीं है तो दिव्यांगजनों, महिला यात्रियों, वरिष्ठ नागरिकों, पूर्व सांसदों, विधायकों, मान्यता-प्राप्त पत्रकारों और स्वतंत्रता सेनानियों की आरक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों में अलग खिड़कियां निर्धारित की गई हैं। यदि दिव्यांगजन या वरिष्ठ नागरिकों सहित इनमें से किसी भी श्रेणी के व्यक्तियों के लिए एक अनन्य खिड़की निर्धारित करने का कोई औचित्य नहीं है तो इन सभी श्रेणियों के व्यक्तियों के आरक्षण अनुरोधों को पूरा करने के लिए कुल मांग के आधार पर एक या दो खिड़कियां निर्धारित की गई हैं।

दिव्यांग यात्रियों के लिए रेल किराये में रियायत

1. शारीरिक दिव्यांग/गतिविषयक दिव्यांग व्यक्ति जो सहचर के बिना यात्रा नहीं कर सकते - किसी भी उद्देश्य के लिए। बहरहाल, वे सहचर के साथ या उसके बिना टिकट बुक करवा सकते हैं।	• द्वितीय श्रेणी, स्लीपर, प्रथम श्रेणी, तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 75%। • प्रथम वातानुकूल और द्वितीय वातानुकूल में 50%।
2. मानसिक दिव्यांग व्यक्ति जो सहचर के बिना यात्रा नहीं कर सकते - किसी भी उद्देश्य के लिए। बहरहाल, वे सहचर के साथ या उसके बिना टिकट बुक करवा सकते हैं।	• राजधानी/शताब्दी रेलगाड़ियों में तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 25%। • मासिक सीजन टिकट* और तिमाही सीजन टिकट** में 50%।
3. पूर्ण दृष्टिहीनता से पीड़ित दृष्टि दिव्यांग व्यक्ति, अकेले या सहचर के साथ यात्रा करने वाले - किसी भी उद्देश्य के लिए।	• एक सहचर भी समान रियायत के लिए पात्र है।
4. पूर्ण बधिर एवं वाक दिव्यांग व्यक्ति (उस व्यक्ति में दोनों कष्ट एकसाथ हों), अकेले या एक सहचर के साथ यात्रा करने वाले - किसी भी उद्देश्य के लिए।	• द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और प्रथम श्रेणी में 50%। • मासिक सीजन टिकट और तिमाही सीजन टिकट में 50%। • एक सहचर भी समान रियायत के लिए पात्र है।

*मासिक सीजन टिकट **तिमाही सीजन टिकट

अतिरिक्त सुविधाएं

यात्री सुविधाओं में एस्केलेटर

- रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों आदि के उपयोग के लिए पहियाकुर्सियों की व्यवस्था करने के अनुदेश पहले से मौजूद हैं। पहियाकुर्सियां रेलवे द्वारा अपनी लागत पर उपलब्ध कराई जाती है और दिव्यांगजनों, वृद्धजनों को रेलगाड़ियों से लाने या तक पहुंचाने के लिए उनके परिचरों को पूर्णतया 'नि:शुल्क' दी जाती है। बहरहाल, जब परिचर इच्छुक या उपलब्ध नहीं है तब दिव्यांगजनों आदि का मार्गरक्षण करने के लिए पूर्व-निर्धारित मामूली दर पर कुलियों (सहायकों) की सेवाएं ली जा सकती हैं। इसकी सूचना रेलवे स्टेशन परिसर में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की जाती है। पहियाकुर्सी पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, बीमार व्यक्तियों आदि को लाने-ले जाने के लिए कुली शुल्क अलग-अलग रेलवे स्टेशन पर अलग-अलग होता है, जैसा कि क्षेत्रीय रेलवे द्वारा निर्धारित किया जाए।

- दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए कुछ रेलवे स्टेशनों पर बैटरी से चलने वाली कारें उपलब्ध कराई गई हैं।

- रेलवे स्टेशनों पर एसटीडी/पीसीओ बूथों के आबंटन में 25 प्रतिशत बूथ 40 प्रतिशत और उससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों (जिसमें नेत्रहीन शामिल हैं) के लिए आरक्षित किए गए हैं।

- रेल सुरक्षा बल दिव्यांगजनों की रेल यात्रा में परेशानी मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत है। 'ऑपरेशन सेवा' इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित पहल है, जहां रेल सुरक्षा बल के कर्मी बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और बीमार/घायल व्यक्तियों की रेल यात्रा में सहायता करते हैं और रेलगाड़ी में चढ़ने और उतरने में उनकी हर संभव सहायता करते हैं, उनकी आकस्मिक जरूरतों को पूरा करते हैं जैसे पहियाकुर्सी, स्ट्रेचर, चिकित्सा सहायता, एम्बुलेंस, दवा आदि उपलब्ध कराना।

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, आरपीएफ द्वारा 43,800 से अधिक दिव्यांगजनों की सहायता की गई और वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 67,318 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 68,057 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई और वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-जुलाई, 2024) में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित कोचों में अनधिकृत यात्रा करते हुए 35,787 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 36,241 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई।

- जरूरतमंद रेल यात्री (दिव्यांगजन सहित) सीधे रेल मदद पोर्टल पर टेलीफोन/शिकायत करके या हेल्पलाइन नंबर 139 (जो आपातकालीन प्रत्युत्तर सहायता प्रणाली नंबर 112 के साथ एकीकृत है) के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उनकी समस्या का तत्काल आधार पर निवारण किया जाता है और उनके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है/सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

- रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा संबंधी शिकायतों और अन्य शिकायतों को प्राप्त करने एवं सुलझाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, कू आदि पर भी चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

- दिव्यांगजनों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, रेल सुरक्षा बल 'ऑपरेशन उपलब्ध' के अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित कूपे में अनधिकृत यात्रा करते पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करता है।

सवारी डिब्बे का विशेष डिजाइन

भारतीय रेल लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) और सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) दोनों सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली लगभग सभी मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में अंतिम वाहन एलएसएलआरडी/एसएलआरडी (द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड वैन और विकलांग अनुकूल कम्पार्टमेंट) में विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के लिए निर्धारित एक अलग डिब्बे की सुविधा प्रदान करती है। इन डिब्बों में चौड़े प्रवेश द्वार, चौड़ी बर्थ, चौड़े कंपार्टमेंट, चौड़े दरवाजे के साथ बड़ा शौचालय, व्हील चेयर पार्किंग क्षेत्र आदि होते हैं। इन शौचालयों के अंदर, सहारे के लिए साइड की दीवारों पर अतिरिक्त ग्रैब रेल और उपयुक्त ऊंचाई पर वॉश बेसिन और दर्पण भी उपलब्ध हैं। यह भी प्रयास किया गया है कि प्रत्येक मेल/एक्सप्रेस गाड़ी में कम से कम एक ऐसा सवारी डिब्बा हो।

इसके अतिरिक्त, दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, सभी नव निर्मित सवारी डिब्बों में एकीकृत ब्रेल संकेतक अर्थात ब्रेल लिपि के साथ लगाए गए संकेतक भी प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों में इसका रेट्रोफिटमेंट भी चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

अत्याधुनिक वंदे भारत रेलगाड़ियों का डिजाइन भी दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वंदे भारत रेलगाड़ियों के पहले और आखिरी सवारी डिब्बों (डीटीसी) में व्हील चेयर के लिए व्यापक प्रवेश द्वार, पार्किंग व्यवस्था और आसानी से चलने के लिए जगह का विशेष प्रावधान है। इन सवारी डिब्बों में शौचालय भी दिव्यांगजनों के अनुकूल हैं, जिनमें अतिरिक्त ग्रैब हैंडल, व्यापक स्थान आदि हैं। वंदे भारत गाड़ियों में सभी महत्वपूर्ण निर्देश और सीट संख्या भी ब्रेल लिपि में दिए गए हैं।

सवारी डिब्बों में प्रवेश को और अधिक सरल बनाने के लिए हल्के वजन वाले मॉड्यूलर रैंप का प्रावधान भी किया जा रहा है। भारतीय रेल का प्रयास है कि प्रत्येक यात्री के यात्रा अनुभव को यादगार बनाने के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान की जाएं।

रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं

भारतीय रेल दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत उल्लिखित अधिदेश को पूरा करने के लिए भारत सरकार के 'सुगम्य भारत अभियान' के भाग के रूप में दिव्यांगजनों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों को सुगम्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजन यात्रियों के लिए सुविधाओं सहित सुविधाओं में सुधार/संवर्धन एक सतत और चलायमान प्रक्रिया है।

इस संबंध में, 2020 में भारतीय रेल में कार्यान्वयन हेतु 'दिव्यांगजनों और कम गतिशील यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं की सुगम्यता दिशानिर्देश' को परिपत्रित किया गया था और दिनांक 13.11.2023 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। व्यापक सुगम्यता दिशानिर्देशों में निम्नलिखित भाग हैं:

I. सूचना प्रणाली सुलभता

क) रेलवे/आईआरसीटीसी का वेबपेज/वेबसाइट

ख) मोबाइल ऐप

ग) जन उद्घोषणा प्रणाली

घ) स्टेशन पहचानसूचक व्यवस्था डिजाइन

II. स्टेशन सुगम्यता

क) सुगम्य पार्किंग

ख) टिकट और पूछताछ खिड़की

ग) सहायता बूथ - दिव्यांगजनों के लिए सहायता स्थान

घ) सुरक्षा जांच

III. प्लेटफॉर्म सुगम्यता

क) शौचालय

ख) पेयजल बूथ

ग) भोजनालय और कैफेटेरिया

IV. अंतर-प्लेटफॉर्म स्थानांतरण

क) सबवे

ख) फुट ओवर ब्रिज

ग) लिफ्ट

V. रेलगाड़ी / सवारी डिब्बा सुगम्यता

क) रेलगाड़ी सवारी डिब्बा और प्लेटफार्म इंटरफेस

ख) सवारी डिब्बे की बाह्य साज-सज्जा

ग) सवारी डिब्बे की आंतरिक साज-सज्जा और बैठने की व्यवस्था

घ) सवारी डिब्बा सुविधाएं, सुगम्य शौचालय, दिव्यांग अनुकूल सवारी डिब्बे

ङ) आपातकालीन निकासी

VI. निगरानी और फीडबैक तंत्र

क) निगरानी तंत्र

ख) फीडबैक तंत्र

भारतीय रेल में भर्ती

जहां तक अराजपत्रित पदों के लिए खुले बाजार से सीधी भर्ती का संबंध है, रेलवे द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का अनुपालन किया जाता है, जो निर्देश-मानक दिव्यांगजन व्यक्तियों के लिए पदों के प्रत्येक समूह अर्थात 'ग' और 'घ' में संवर्ग संख्या में रिक्तियों की कुल संख्या के चार प्रतिशत का आरक्षण उपबंधित करता है, जिसका प्रत्येक एक प्रतिशत खंड (क), (ख) और (ग) के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए और एक प्रतिशत खंड (घ) से (ङ) के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित होगा, अर्थात्;

क) अंधता और निम्न दृष्टि (1%)।

ख) बधिर और ऊंचा सुनने वाला व्यक्ति (1%)।

ग) गतिविषयक दिव्यांगता (ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, बीए) जिसमें कुष्ठ रोगमुक्त व्यक्ति, प्रमस्तिष्क घात, बौनापन, तेजाबी आक्रमण पीड़ित और पेशीय दुष्पोषण (1%) शामिल हैं।

घ) स्वपारायणता, बौद्धिक दिव्यांगता, विनिर्दिष्ट विद्या दिव्यांगता और मानसिक रुग्णता; तथा

ङ) बधिर-अंधता (1%) सहित (क) से (घ) के बीच बहुदिव्यांगता।

रेलवे में अराजपत्रित पदों पर खुले बाजार से भर्ती के लिए, दिव्यांग उम्मीदवारों को निम्नलिखित छूट/रियायत भी प्रदान की जाती है:

(i) दिव्यांग उम्मीदवारों से केवल ₹250 परीक्षा शुल्क (छूट-रहित कोटि से ₹500 की तुलना में) लिया जाता है और वह भी लिखित परीक्षा में उनके उपस्थित होने पर वापस लौटा दिया जाता है।

(ii) जब दिव्यांगजनों के लिए रिक्तियां आरक्षित हैं और प्रत्येक कोटि अर्थात, अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग ख्र नान क्रीमी लेयर के लिए अर्हता प्राप्त करने के न्यूनतम प्रतिशत अंकों के साथ दिव्यांगजनों का पूरा पैनल नहीं बनाया जा सकता है, तब इस समुदाय के लिए अर्हता प्राप्त करने के निर्धारित न्यूनतम अंकों में 2 अंकों तक की छूट की अनुमति दी जाएगी।

(iii) समुदाय-वार आयु छूट के साथ-साथ दिव्यांग उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट दी जाती है।

(iv) दिव्यांग उम्मीदवारों को लेवल -1 भर्ती परीक्षा के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) में उपस्थित होने से छूट दी गई है।

(v) अनेक दिव्यांगता कोटियों के दिव्यांग उम्मीदवारों को भर्ती परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए लिपिक की सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

(vi) परीक्षा केंद्र को दिव्यांगजन अनुकूल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जैसे रैम्प, भूतल पर बैठने की व्यवस्था आदि। दृष्टि ह्रास पीड़ित उम्मीदवारों को कागज के साथ टेलर फ्रेम, ब्रेल स्लेट का उपयोग करने की अनुमति है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के कार्यान्वयन के बाद, आरक्षण को 3% से बढ़ाकर 4% करने और आरक्षण के उपबंध हेतु दिव्यांगों के कार्यात्मक वर्गीकरण की परिधि को बढ़ाने के लिए रेल मंत्रालय ने सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से इसे उपयुक्त रूप से क्रियान्वित किया है। समूह 'क' पदों पर सीधी भर्ती हेतु दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 द्वारा यथा अभिनिर्धारित कुष्ठ रोगमुक्त व्यक्तियों और तेजाबी आक्रमण पीड़ितों की नई कोटियों के लिए भी आरक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सुरक्षा

बचाए गए बच्चे, रे.सु.ब.

रेल सुरक्षा बल का गठन रेल सुरक्षा बल अधिनियम 1957 (वर्ष 1985 और 2003 में यथा संशोधित) के अंतर्गत रेल संपत्ति, यात्री क्षेत्रों, यात्रियों की बेहतर रक्षा और सुरक्षा तथा उनसे संबंधित मामलों के लिए किया गया है। रेल सुरक्षा बल का नेतृत्व महानिदेशक पद के अधिकारी द्वारा किया जाता है, जो रेल मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

रेल सुरक्षा बल को रेल संपत्ति की चोरी, गबन और गैरकानूनी कब्जे के मामलों से निपटने के लिए 'रेल संपत्ति (विधिविरुद्ध कब्जा) अधिनियम 1966' के अंतर्गत शक्तियां प्रदान की गई हैं। रेल सुरक्षा बल को रेल अधिनियम 1989 के अंतर्गत छत पर यात्रा, दलाली, महिलाओं के लिए निर्धारित सवारी डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश, अनधिकृत बिक्री, अतिक्रमण आदि के अपराधों से निपटने की भी शक्तियां प्रदान की गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा "स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985" की धारा 42 और 67 और "सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003" की धारा 25 के अंतर्गत रेल सुरक्षा बल के क्रमश: अधिकारिता क्षेत्रों के अंदर रेल सुरक्षा बल की शक्तियों की अतिरिक्त परिधि का संवर्धन किया गया है।

रेल सुरक्षा बल का प्रशासनिक ढांचा भारतीय रेल के प्रशासनिक ढांचे के अनुरूप है। इसके अलावा, रेल सुरक्षा विशेष बल नामक एक विशेष संघटन, जो वाहिनी पैटर्न पर संगठित है, क्षेत्रीय रेलों में रेल सुरक्षा बल की सहायता करने के लिए विशेषीकृत सेवाएं सुलभ कराता है। इस समय, देश के विभिन्न भागों में अवस्थित रेल सुरक्षा विशेष बल की 15 वाहिनी हैं, जिनमें एक महिला वाहिनी और एक कमांडो वाहिनी (कोरास) शामिल हैं।

पृथक विशेषीकृत आसूचना इकाइयां, नामत: विशेष आसूचना शाखा (एसआईबी) और अपराध आसूचना शाखा (सीआईबी) भी क्रमश: विशेष और आपराधिक आसूचनाओं के एकत्रण के लिए क्षेत्रीय रेलों के साथ-साथ मंडलों में कार्य करती हैं। उपर्युक्त के साथ-साथ भण्डार, श्वान दस्ता और बैंड इस बल की अन्य विशेषीकृत इकाइयां हैं और बल की आवश्यकता के अनुसार मंडल, वाहिनी और क्षेत्रीय स्तर पर अवस्थित हैं।

दिनांक 14.08.2019 को माननीय रेल मंत्री जी ने रेलवे के लिए प्रथम कमांडो बल: कोरास (रेल सुरक्षा के लिए कमांडो) को नियुक्त किया था। रेल सुरक्षा बल और रेल सुरक्षा विशेष बल के जवानों को शामिल करने वाले विशिष्ट वर्दी में कोरास बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट और अत्याधुनिक हथियारों आदि से लैस हैं। कोरास कमांडो ने बारूदी सुरंगों और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निपटने, बंधकों के बचाव, छिपकर गोली दागने और सेंध लगाने में विशेषज्ञता के साथ बुनियादी और उन्नत कमांडो पाठ्यक्रमों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा किया है। इस यूनिट की संकल्पना रेलगाड़ी परिचालनों की क्षति, अशांति, व्यवधान, हमले/बंधक/अपहरण और रेल क्षेत्रों में आपदा परिस्थितियों संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रिस्पांडर के रूप में की जा रही है। बहरहाल, 'पुलिस' और 'सार्वजनिक व्यवस्था' भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत राज्य सरकार के विषय हैं और इसलिए, राज्य सरकारें अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों अर्थात राजकीय रेल पुलिस/जिला पुलिस के माध्यम से रेलों पर अपराध की रोकथाम, पता लगाने, दर्ज और जांच-पड़ताल करने और कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। रेल सुरक्षा बल रेल संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों के लिए बेहतर रक्षा और सुरक्षा सुलभ कराने और तत्संबंधी मामलों के लिए राजकीय रेल पुलिस/जिला पुलिस के प्रयासों की पूर्ति करता है। रेल संपत्ति सहित सरकारी संपत्ति की क्षति, तोड़-फोड़ के मामलों को भारतीय दंड संहिता और अन्य अधिनियम के अंतर्गत संबंधित राजकीय रेल पुलिस/राज्य पुलिस द्वारा दर्ज किया जाता है और उनकी छानबीन की जाती है। साथ ही, राजकीय रेलवे पुलिस पर उपगत प्रशासनिक व्यय को केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा साझा किया जाता है।

मेरी सहेली अभियान के अंतर्गत

रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों को चौबीसों घंटे सुरक्षा संबंधी सहायता

- **रेल हेल्पलाइन :** रेल यात्री सीधे रेल मदद पोर्टल पर या हेल्पलाइन नंबर 139 (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली संख्या 112 के साथ एकीकृत) के माध्यम से कॉल/शिकायत करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उनकी समस्या का तत्काल आधार पर निवारण किया जाता है और उनके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है/सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- **ट्विटर :** सुरक्षा से संबंधित शिकायतों/सुझावों का, जो रेल मंत्री के ट्विटर हैंडल @RailMinIndia और @RailwaySeva द्वारा प्राप्त किए जाते हैं, तत्परतापूर्वक निपटान किया जाता है और आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जाती है।

ट्विटर और सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त की गई शिकायतों का विवरण

वर्ष	ट्विटर पर प्राप्त हुई शिकायतों की संख्या	हैल्पलाइन नंबर पर प्राप्त हुई शिकायतों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	25,782	3,09,952
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	11,304	1,99,633

रेल सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण करने हेतु किए गए प्रयास

रेल यात्रियों को संरक्षित एवं सुरक्षित यात्रा सुलभ कराने के उद्देश्य से, काफी संख्या में सवारी डिब्बों और रेलवे स्टेशनों पर मुहैया कराए गए क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन कैमरों से निगरानी रखी जाती है। टीम रेल सुरक्षा बल द्वारा रेल यात्रियों की रक्षा और सहायता करने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं ताकि यात्रियों सहित भारतीय रेल के सभी हितधारकों के बीच विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को बढ़ाया जा सके। रेल सुरक्षा बल पूरे भारत में पूर्ण समर्पित भाव से और प्रतिबद्धता के साथ उसे सौंपी गई ड्यूटियों और उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहा है

क) ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' (बच्चों को बचाना):- रेल सुरक्षा बल देखभाल और सुरक्षा की जरूरत रखने वाले ऐसे बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक कार्य करता है जो विभिन्न कारणों से खो गए हैं/अपने परिवार से बिछुड़ गए हैं।

वर्ष	रेल सुरक्षा बल द्वारा बचाए गए बच्चों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	11,040
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	7,791

ख) ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' :- रेल सुरक्षा बल रेलों में यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षित यात्रा पर विशेष ध्यान देता है। रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित एवं अन्य शिकायतों को प्राप्त करने और सुलझाने के लिए टेलीफोन कॉल (रेल हेल्पलाइन 139 और ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि जैसे अन्य सोशल मीडिया फोरमों) पर चौबीसों घंटे उपलब्ध है। रेल सुरक्षा बल ने अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित राजकीय रेल पुलिस को सौंप दिया है

वर्ष	भा.दं.सं. के पता लगाए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	2,901	3,197
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	1,911	2,194

ग) **ऑपरेशन "अमानत" –** रेल सुरक्षा बल कर्मी उन यात्री सामानों को सुरक्षित रखने में सहायता करते हैं जो यात्रियों द्वारा रेलगाड़ी में चढ़ने अथवा गाड़ी/रेलवे स्टेशन से रवाना होने की जल्दबाजी में पीछे छूट जाते हैं। रेल सुरक्षा बल ने यात्रीयों के सामान पीछे छूट जाने संबंधी मामलों का पता लगाया है और इसे ऑपरेशन अमानत के तहत सही यात्रियों को सौंप दिया गया है।

वर्ष	पीछे छूटे सामान की पुनर्प्राप्ति	बरामद संपत्ति का मूल्य (करोड़ ₹ में)
वित्त वर्ष 2023-24	35,776	58.2
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	16,909	29

ऑपरेशन मेरी सहेली

घ) **ऑपरेशन "जीवन रक्षा" –** ऑपरेशन जीवन रक्षा के अंतर्गत प्लेटफामों, रेलपथों पर और रेलगाड़ियों में रेल सुरक्षा बल द्वारा सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण यात्रियों के जीवन की रक्षा की गई, जिसमें यात्री जल्दीबाजी में चलती रेलगाड़ी में चढ़ने/उतरने की कोशिश करते हैं और रेलगाड़ी के पहिए के नीचे आने के खतरे के साथ फिसल/गिर गए या फिर चलती रेलगाड़ी के सामने जानबूझकर आकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

वर्ष	रेलपथ पर होने वाली मौतों को कम करने के लिए जीवन की रक्षा करना		
	पुरुष	महिला	कुल
वित्त वर्ष 2023-24	2,545	1,086	3,631
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	1,300	519	1,819

ङ) **ऑपरेशन "सेवा" –** रेल सुरक्षा बल कर्मी बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजन और बीमार/घायल व्यक्तियों की रेलगाड़ियों और उससे जुड़ी सेवाओं द्वारा यात्रा में उनकी सहायता करते हैं जैसे कि रेलगाड़ियों में चढ़ना और उतरना; आकस्मिक जरूरतों को पूरा करना जैसे पहियाकुर्सी, स्ट्रेचर, चिकित्सा सहायता, एम्बुलेंस, दवा और शिशु आहार सुलभ कराना, आदि।

वर्ष	रेल सुरक्षा बल से सहायता पानेवाले व्यक्तियों (बुजुर्गों/महिलाओं/दिव्यांगजनों/बीमार/घायलों/शिशुओं) की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	43,887
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	8,303

च) **ऑपरेशन "मातृशक्ति" –** रेल सुरक्षा बल कर्मी, विशेषतः महिला रेल सुरक्षा बल कर्मी जो इस समय रेल सुरक्षा बल की कुल कर्मचारी संख्या का 9% हैं (वर्दीधारी बलों में सबसे अधिक) हैं, ऑपरेशन मातृशक्ति के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की सहायता करने के लिए असाधारण रूप से प्रयास करती हैं, जिन्हें रेलगाड़ी यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा हो जाती है और उनके प्रसव कराने में सहायता करती हैं।

वर्ष	प्रसव के दौरान देखभाल और सहायता सुलभ कराए गए मामलों की संख्या		
	रेलगाड़ी में	परिसरों में	कुल
वित्त वर्ष 2023-24	119	76	195
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	50	36	86

छ) **ऑपरेशन "आहट" (एक्शन अगेंस्ट ह्यूमन ट्रैफिकिंग) –** रेल सुरक्षा बल, अखिल भारतीय पहुंच के साथ राष्ट्रीय वाहक पर प्रहरी होने के नाते, मानव तस्करी के खिलाफ राष्ट्र की लड़ाई में इसकी भूमिका अहम है। रेलवे के माध्यम से होने वाली मानव तस्करी को रोकने के लिए, रेल सुरक्षा बल ने अन्य हितधारकों के साथ समन्वय करके एक अखिल भारतीय

रेलयात्रा को सुरक्षित बनाते हुए

अभियान "ऑपरेशन आहट" शुरू किया है। मानव तस्करों के प्रयासों को विफल करने के लिए एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए, 2022 में जारी परिपत्र के अनुसार, भारतीय रेल में 750 से अधिक स्थानों पर पोस्ट स्तर (थाना स्तर) पर रेल सुरक्षा बल की मानव तस्करी विरोधी इकाइयाँ (एएचटीयू) कार्यरत हैं। ये मानव तस्करी विरोधी इकाइयाँ मानव तस्करी को रोकने में शामिल एजेंसियों के साथ नियमित रूप से संपर्क में हैं और उन्होंने तस्करी किए जा रहे बच्चों को बचाने में उनकी सहायता की है।

रेल सुरक्षा बल ने दिनांक 06.05.2022 को एसोसिएशन ऑफ वॉलंटरी एक्शन (नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी की संस्था), जिसे बचपन बचाओ आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है, के साथ मानव तस्करी पर छापे, बचाव और सूचना साझा करने के लिए रेल सुरक्षा बल और रेलवे कर्मियों की क्षमता संवर्धन में सहयोग देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दिनांक 19.03.2024 को, रेल सुरक्षा बल ने रेल सुरक्षा बल कर्मियों को क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण प्रदान करके तथा कार्यशालाओं के आयोजन करके मानव तस्करी को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

वर्ष	तस्करी से बचाए गए व्यक्तियों की संख्या					गिरफ्तार किए गए तस्करों की संख्या
	किशोर		व्यस्क		कुल	
	लड़के	लड़कियां	पुरुष	महिला		
वित्त वर्ष 2023-24	892	72	13	13	990	260
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	482	34	39	3	558	177

ज) **ऑपरेशन "उपलब्ध"** - आम जनमानस के लिए आरक्षित स्थान के लिए रेल टिकटों को खरीदना बहुत कठिन कार्य रहा है क्योंकि दलाल कन्फर्म्ड रेल आरक्षण को ऑनलाइन हथिया रहे थे, जिससे आम जनमानस के लिए कन्फर्म्ड टिकट की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। रेल सुरक्षा बल दलाली (रेल टिकट खरीदने और आपूर्ति करने का अनधिकृत कारोबार) में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध गहन और निरंतर कार्रवाई कर रहा है। इसी प्रकार यात्रियों के लिए सुरक्षा की अनुभूति का संवर्धन करने के प्रयास में, ऑपरेशन उपलब्ध के तहत अधिकृत यात्रियों के प्रवेश को रोकने वाले टॉवल स्प्रेडर्स और दिवयांगजनों के लिए आरक्षित डिब्बे में अनधिकृत प्रवेश के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है। समग्र भारतीय रेल में रेल सुरक्षा बल द्वारा दलालों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाए जाते हैं और इसमें संलिप्त पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध मौजूदा कानूनी उपबंधों के अनुसार कार्रवाई की जाती है। ऐसे मामलों में टीम रेल सुरक्षा बल द्वारा संगत कानूनी उपबंधों के अंतर्गत कार्रवाई की गई थी।

क. टॉवल स्प्रेडर्स/अनधिकृत प्रवेश/अधिकृत यात्रियों के प्रवेश का विरोध करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई

वर्ष	रेल अधिनियम की धारा 155 के अंतर्गत दर्ज किए गए मामले	गिरफ्तार व्यक्ति	वसूल की गई जुर्माना राशि (₹)
वित्त वर्ष 2023-24	31,413	31,522	62,24,750
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	16,779	168,07	33,63,085

ख. गैर-कानूनी टिकटों की खरीद के विरुद्ध कार्रवाई

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या	जब्त की गई टिकटों की संख्या		जब्त की गई टिकटों का मूल्य (करोड़ ₹ में)		ब्लॉक की गई आईआरसीटीसी यूजर आईडी की संख्या
			भावी यात्रा	पिछली यात्रा	भावी यात्रा	पिछली यात्रा	
वित्त वर्ष 2023-24	5,204	5,525	21,653	1,28,069	5.1	19.2	31,054
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	2,256	2,394	8,467	63,385	9	33.8	11,852

ग. दिव्यांगजन यात्रियों के लिए आरक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा स्थान पर अनधिकृत रूप से कब्जा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	67,318	68,057
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	43,903	44,439

स्टेशन परिसर में रे.सु.ब. कार्मिक ड्यूटी करते हुए

झ) ऑपरेशन 'रेल सुरक्षा' - रेल सुरक्षा बल को रेल संपत्ति की रक्षा और सुरक्षा का अधिदेश दिया गया है। रेल सुरक्षा बल 'रेल संपत्ति (विधिविरुद्ध कब्जा) अधिनियम 1966' के संगत उपबंधों के अंतर्गत रेल संपत्ति की चोरी, गबन में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करता है।

बुक किए गए परेषण + रेल सामग्री

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	बरामद की गई संपत्ति का मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	6,116	11.9	11,538
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	2,663	2.5	3,225

ञ) ऑपरेशन सतर्क - रेलगाड़ियों द्वारा प्रतिबंधित वस्तुओं का परिवहन कर चोरों/कानून तोड़ने वालों का एक प्रमुख जरिया बन गया है। इस मुहिम का उद्देश्य अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कार्य में उनकी सहायता करना है जिसके अंतर्गत रेल सुरक्षा बल तंबाकू उत्पाद, शराब उत्पाद की बरामदगी, नकली भारतीय मुद्रा नोट/गैर-हिसाबी सोना/गैर-हिसाबी नकदी/आलेखांकित अन्य कीमती धातु/तस्करी का सामान/हथियार और गोला-बारूद/विस्फोटकों की बरामदगी और प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी करता है/इसमें अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता करता है।

वर्ष	तंबाकू उत्पाद			शराब उत्पाद			नकली भारतीय मुद्रा नोट/ गैर-हिसाबी सोना/नकदी/ तस्करी के अन्य सामानों की बरामदगी		
	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार व्यक्ति	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार व्यक्ति	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार व्यक्ति
वित्त वर्ष 2023-24	71	1.7	29	1,415	1.7	957	78	21.1	65
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	52	1.6	33	891	1	567	35	11	27

ट) ऑपरेशन 'दूसरा' - दूर-दराज के स्थानों पर रेल परिसरों और रेलगाड़ियों में अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा खाने-पीने की वस्तुओं की बिक्री द्वारा अनधिकृत विक्रय/फेरी लगाने की गतिविधि का खतरा बना रहता है। इससे यात्रियों को खाने में मिलावट और खाने की खराब गुणवत्ता का खतरा अधिक बना रहता है। यह मुहिम रेल परिसरों और रेलगाड़ियों में अनधिकृत फेरी लगाने और विक्रय के खतरे के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए शुरू की गई है।

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	2,57,207	2,58,692
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	1,22,489	1,22,661

ठ) **ऑपरेशन 'नारकोस'** – स्वापक पदार्थ न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को नष्ट करते हैं, बल्कि वे अर्थव्यवस्था और राष्ट्र हित को भी नुकसान पहुंचाते हैं। 2019 से रेल सुरक्षा बल को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत तलाशी लेने, जब्त करने और गिरफ्तार करने की शक्ति भी प्रदान की गई है। रेल द्वारा स्वापक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान पर विशेष ध्यान देने के लिए, रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नारकोस शुरू किया है।

स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ की बरामदगी

वर्ष	पता लगाए गए मामलों की संख्या	बरामद स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ का मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	1,059	59.2	1,017
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	688	2.5	605

ङ) **ऑपरेशन 'विलेप'** – वन्यजीवों, पशु अंगों और वानिकी उपज की तस्करी प्रकृति के विरुद्ध अपराध है। टीम रेल सुरक्षा बल इस मुद्दे के प्रति सजग है और ऑपरेशन विलेप के अंतर्गत रेल द्वारा वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है।

वर्ष	पता लगाए गए मामलों की संख्या		गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
	जंतु समूह	वनस्पति	
वित्त वर्ष 2023-24	11	10	12
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	19	1	10

ढ) **ऑपरेशन 'जनादेश'** – विधानसभा/संसदीय चुनावों के दौरान स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने और किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रोकने के लिए रेल सुरक्षा बल की टुकड़ियों को तैनात किया जाता है।

वर्ष	चुनाव ड्यूटी में तैनात किए गए रेल सुरक्षा बल के कर्मियों की संख्या	चुनाव ड्यूटी में रेल सुरक्षा बल की कोई उल्लेखनीय उपलब्धि
वित्त वर्ष 2023-24	7,435	4
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	17,007	74

- **आम संसदीय चुनाव-2024 के दौरान, रेल सुरक्षा बल ने 39 करोड़ रुपये मूल्य की गैर-हिसाबी नकदी, ड्रग्स/स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (गांजा/चरस, तंबाकू), वर्जित सामान (शराब), बहुमूल्य धातु (सोना, चांदी आदि), अवैध हथियार/गोला-बारूद, अन्य (सिगरेट, पान मसाला आदि) जब्त किए।**

ण) **ऑपरेशन 'भूमि'** – रेल सुरक्षा बल "ऑपरेशन भूमि" के तहत रेलवे के सहयोगी विभागों को रेल भूमि के अवैध अतिक्रमण हटाने में सहायता करता है।

वर्ष	आयोजित किए गए अभियानों की संख्या	स्थान सहित अतिक्रमण मुक्त किया गया क्षेत्र
वित्त वर्ष 2023-24	1,490	6,626
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	556	8,631

त) **मेरी सहेली पहल** – दक्षिण पूर्व रेलवे में रेल सुरक्षा बल द्वारा उस क्षेत्र से शुरू होने वाली रेलगाड़ियों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए पायलट परियोजना के रूप में 'मेरी सहेली' पहल की शुरुआत की गई थी। महिला यात्रियों में सुरक्षा की भावना पैदा करने में इसकी सफलता को देखते हुए, इस पहल को 17.10.2020 को समूचे भारतीय रेल नेटवर्क में शुरु किया गया था, जिसका उद्देश्य लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा के दौरान अर्थात् आरंभिक स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक बेहतर सुरक्षा प्रदान करना था।

इसके क्रियान्वयन के लिए महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों की समर्पित टीमें बनाई गई हैं। वर्तमान में, इस उद्देश्य के लिए 230 रेल सुरक्षा बल टीमें तैनात की जा रही हैं, जो भारतीय रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन 400 से अधिक रेलगाड़ियों को कवर करती हैं। टीम के सदस्य लक्षित यात्रियों को यात्रा के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों और संकट में मदद मांगने के लिए उपलब्ध चैनलों के बारे में जानकारी देते हैं। मार्ग में पड़ने वाली रेल सुरक्षा बल चौकियों को भी अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की आवाजाही के बारे में अग्रिम में सूचित कर दिया जाता है और बिना समय गंवाए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उन्हें हाई अलर्ट पर रखा जाता है। त्वरित प्रतिक्रिया और कार्य को आसान बनाने के लिए उन्हें निर्भया फंड से टैब प्रदान किए जा रहे हैं।

इस पहल को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से इसकी उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण करने के लिए महिला यात्रियों से भी फीडबैक भी लिया जाता है।

ऑपरेशन महिला सुरक्षा के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा का संवर्धन करने के लिए किए गए विशेष प्रयास

- ऑपरेशन "महिला सुरक्षा" के अन्तर्गत महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में पुरुष यात्रियों के प्रवेश के विरुद्ध अक्सर अभियान चलाए जाते हैं।

रेल अधिनियम की धारा 162 के अंतर्गत की गई कार्रवाई (महिलाओं के लिए आरक्षित सवारी डिब्बों में अथवा अन्य स्थानों पर प्रवेश करना)

वर्ष	पंजीकृत मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
वित्त वर्ष 2023-24	79,228	83,251
वित्त वर्ष 2024-25 (अगस्त तक)	48,671	49,926

थ) **रेलगाड़ी मार्गरक्षण**

- जीआरपी द्वारा 1,450 रेलगाड़ियों के मार्गरक्षण के अतिरिक्त रेल सुरक्षा बल द्वारा औसतन प्रतिदिन 1800 रेलगाड़ियों का मार्गरक्षण किया जा रहा है।
- क्षेत्रीय रेलों को यथासंभव अधिक सीमा तक रेलगाड़ी मार्गरक्षी दलों में पुरुष और महिला रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल कर्मियों की उपयुक्त संयुक्त संख्या तैनात करने के अनुदेश दिए गए हैं।
- महानगरों में चलने वाली महिला स्पेशल रेलगाड़ियों का महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा मार्गरक्षण किया जा रहा है। अन्य रेलगाड़ियों में, जिनमें मार्गरक्षण उपलब्ध कराया जाता है, रेलगाड़ी मार्गरक्षी दलों को अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों, मार्ग पर और ठहराव रेलवे स्टेशनों पर महिला सवारी डिब्बों की अतिरिक्त निगरानी करने के लिए कहा गया है।

सतर्कता

सतर्कता संगठन रेल प्रशासन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शिकायतों की जांच करता है, प्रबंधकीय निर्णयों के संबंध में नमूना जांच करता है, ताकि वस्तुनिष्ठता, पारदर्शिता और मौजूदा नियमों एवं पद्धतियों के अनुरूप उनके अनुपालन का निर्धारण किया जा सके।

सतर्कता कार्यप्रणाली के तीन पहलू हैं: (i) निवारक सतर्कता (ii) सहभागी सतर्कता और (iii) दंडात्मक सतर्कता।

निवारक सतर्कता

इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे अधिकारियों के एक व्यापक वर्ग में ज्ञान का प्रसार करना, निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी के उपयोग को उत्प्रेरित करते हुए अधिक पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता प्रदान करने हेतु प्रणाली के युक्तिकरण उपायों का सुझाव देना और भ्रष्टाचार शमन से संबंधित मुद्दों के बारे में जनता के बीच अधिक जागरूकता पैदा करना है।

इस दिशा में उठाए गए कुछ कदम इस प्रकार थे:

- वर्ष 2023-24 में सभी रेलों में कुल 13,711 निवारक जांचें की गई।
- वर्ष 2023-24 में सभी बड़ी रेल इकाइयों ने परिपत्रण के लिए ई-पत्रिकाएं/बुलेटिन जारी किए। इन बुलेटिनों में विभिन्न विभागों से संबंधित घटना अध्ययन, करें और मत करें आदि शामिल हैं।
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के दौरान व्यापक जन अभियान चलाने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।

सहभागी सतर्कता

- **24 घंटे सतर्कता हेल्पलाइन:** रेलवे की 24 घंटे सतर्कता हेल्पलाइन (हेल्पलाइन नंबर 139)। इसके अलावा, सतर्कता अधिकारियों के ईमेल पते वेबसाइट पर पोस्ट किए गए हैं।
- आम जनता को विभाग में उपलब्ध सुविधाओं और शिकायतों को दर्ज करने के अर्थोपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए हर साल अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवंबर के पहले सप्ताह के दौरान **सतर्कता जागरूकता सप्ताह** मनाया जाता है। वर्ष 2023 में 30 अक्टूबर और 05 नवंबर के बीच सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया था।
- **परामर्श:** वर्ष 2023 में सतर्कता द्वारा सामयिक मुद्दों पर 83 कार्यशालाएं/वेबिनार/संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न स्तरों और विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों, वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और अन्य रेल कर्मियों ने भाग लिया था; प्राथमिक फोकस नियमों, कार्यपद्धतियों और सर्वाधिक महत्वपूर्ण, उन कठिनाइयों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करना था, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

दंडात्मक सतर्कता: उन अधिकारियों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है जिनके विरुद्ध अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान सतर्कता जांच मामलों में अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई/अंतिम रूप दिया गया:

सतर्कता जांच मामले	2023-24
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई थी।	3,126
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप बड़ी शास्ति रोपित की गई।	1,668
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप छोटी शास्ति रोपित की गई।	4,427

हिन्दी का प्रयोग-प्रसार

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा 14 और 15 सितंबर, 2024 को 'भारत मंडपम' नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह-2024 तथा चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में माननीय गृह राज्य मंत्री जी द्वारा रेल मंत्रालय को वर्ष 2023-24 के दौरान राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के उपबंधों के अनुसार, भारतीय रेल हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए लगातार प्रयत्नशील है। 31 मार्च, 2024 के अंत तक अधिसूचित रेल कार्यालयों की संख्या 3,681 है। इन रेल कार्यालयों में हिंदी में प्रवीण कर्मचारियों को राजभाषा नियमों के तहत विनिर्दिष्ट विषयों में शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे बोर्ड कार्यालय एवं क्षेत्रीय रेलों आदि के राजभाषा अधिकारियों द्वारा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किए जाते हैं।

वर्ष 2023-24 में संसदीय राजभाषा की दूसरी उपसमिति द्वारा 91 रेल कार्यालयों के राजभाषा के प्रयोग-प्रसार संबंधी निरीक्षण किए गए तथा संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण के दौरान रेल कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार की प्रशंसा भी की गई है। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड कार्यालय द्वारा हिंदी में गृह-पत्रिका 'रेल राजभाषा' प्रकाशित की जाती है। अब तक इस गृह पत्रिका के 136 अंक निकाले जा चुके हैं जिनकी प्रतियां सभी रेल कार्यालयों में परिपत्रित की गई हैं। क्षेत्रीय रेलों/मंडलों आदि द्वारा भी अपने स्तर पर लगभग 151 हिंदी गृह-पत्रिकाएं निकाली जा रही हैं।

हिंदी टाइपिंग, हिंदी आशुलिपि, तथा हिंदी भाषा प्रशिक्षण

गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों के अलावा, भारतीय रेल द्वारा हिंदी भाषा, हिंदी टाइपिंग तथा हिंदी आशुलिपि में सेवा के दौरान प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष 2023-24 तक कुल प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या निम्नानुसार है:-

हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान/प्रवीण	8,20,458
हिंदी टाइपिंग	8,487
हिंदी आशुलिपि	2,793

अन्य गतिविधियां

कंप्यूटर आदि जैसे द्विभाषिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदने की मौजूदा नीति का अनुपालन किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल के विभिन्न कार्यालयों में 69,236 द्विभाषी पर्सनल कंप्यूटर उपलब्ध हैं। रेलवे बोर्ड सहित सभी क्षेत्रीय रेलों की वेबसाइटें भी द्विभाषी हैं। रेल कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने को बढ़ावा देने के लिए 850 कोड/मैनुअल और 6,469 स्टेशन संचालन नियम द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड सहित क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों आदि में 24,184 स्थानीय, सांविधिक और मानक फार्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं। भारतीय रेल पर इस समय 961 हिंदी पुस्तकालय हैं जिनमें हिंदी की लगभग 17 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा अधिकांश पुस्तकालयों के नाम हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकारों के नाम पर रखे गए हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समितियां

हिंदी के प्रयोग-प्रसार की समीक्षा करने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों आदि पर कुल 998 राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गठित हैं, जिनकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा, बोर्ड स्तर पर भी रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है, जिसकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्रालय एवं क्षेत्रीय रेलों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के उद्देश्य से, माननीय रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में 'रेलवे हिंदी सलाहकार समिति' गठित की जाती है, जिसका प्रमुख उद्देश्य भारतीय रेल पर राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव देना है।

हिंदी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहन योजनाएं:

रेल कर्मियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल पर विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं। इनमें कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक पुरस्कार योजना, रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक पुरस्कार योजना, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्रॉफी और अन्य रनिंग शील्ड योजना, व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना, रेल मंत्री हिंदी निबंध पुरस्कार योजना, प्रेमचंद पुरस्कार योजना, मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार योजना, लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना, रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना, क्षेत्रीय/अखिल रेल स्तर पर हिंदी निबंध, हिंदी वाक तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, अखिल रेल हिंदी नाटयोत्सव प्रतियोगिता शामिल हैं।

21 से 23 जून, 2023 तक भारतीय रेल यांत्रिक एवं विद्युत अभियंत्रण संस्थान (इरिमी), जमालपुर, पूर्व रेलवे में अखिल रेल हिंदी निबंध, हिंदी वाक् तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

06 जुलाई, 2023 को भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा द्वारा ऑनलाइन गोष्ठी में 'कृत्रिम मेधा एवं अनुवाद टूल' विषय पर राजभाषा निदेशालय के अधिकारियों एवं वरिष्ठ अनुवाद अधिकारियों ने प्रतिभागिता की।

28 अगस्त, 2023 को आयोजित रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक एवं रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से पुरस्कृत अधिकारियों को माननीय अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा 01 स्वर्ण पदक तथा 29 रजत पदक प्रदान किए गए।

राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए रेल मंत्रालय में 14 से 27 सितंबर, 2023 तक 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ माननीय गृह मंत्री जी एवं माननीय रेल मंत्री जी के संदेश वाचन से किया गया। हिंदी पखवाड़े में हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी वाक् प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, अंताक्षरी प्रतियोगिता, राजभाषा संगोष्ठी, काव्य-संगीत संध्या इत्यादि का आयोजन किया गया।

इसके अलावा, 12 से 15 मार्च, 2024 तक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर, उत्तर पश्चिम रेलवे में अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2023 का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र

पूर्वोत्तर क्षेत्र जिनमें 8 राज्य अर्थात् असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम शामिल हैं, जिन्हें पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल अवसंरचना का विकास रेल मंत्रालय का एक प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र है। सरकार प्रयास कर रही है की पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों तक रेल संपर्क सुलभ कराया जाए और तत्पश्चात इसका इन राज्यों की राजधानियों तक विस्तार किया जाए। अब पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों में से 7 राज्यों में रेल-संपर्क मौजूद है। सिक्किम को नई रेल लाइन परियोजना सिवोक-रंगपो (44 किलोमीटर) के साथ जोड़ा जा रहा है।

इस समय, पूर्वोतर क्षेत्र में अंशतः/पूर्णतः स्थितः 74,972 करोड़ रुपए की लागत पर 1,368 किलोमीटर लंबाई की 18 रेल परियोजनाएं (13 नई रेल लाइन और 5 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निष्पादन के चरणों में हैं।

इन परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति इस प्रकार है:-

नई लाइनें

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई	प्रत्याशित लागत	31.03.2024 तक व्यय	परिव्यय 2024-25	31.03.2024 तक स्थिति
1	बइरबी-सैरंग	51 कि.मी.	9,362	7,111	1,120	इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	अगरतला (भारत)-अखौरा (बांग्लादेश)	12.03 किलोमीटर (भारत में 5.46 किमी + बांग्लादेश में 6.57 किमी)	865 (भारतीय हिस्सा)	863	10	परियोजना कमीशन कर दी गई है।
3	बर्णिहाट-शिलौंग	108 कि.मी.	8,324	270	0.0001	खासी छात्र संघ (केएसयू) के विरोध के कारण मेघालय के हिस्से में भूमि अधिग्रहण कार्य रुका हुआ है।
4	दीमापुर (धनसिरी)-कोहिमा (जुब्जा)	82 कि.मी.	6,663	3,258	1,200	16 किमी का खंड चालू कर दिया गया है और शेष लंबाई में कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	जीरीबाम-इम्फाल	111 कि.मी.	14,322	14,423	1,200	55 किमी खंड चालू कर दिया गया है और शेष लंबाई में कार्य शुरू कर दिया गया है।

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई	प्रत्याशित लागत	31.03.2024 तक व्यय	परिव्यय 2024-25	31.03.2024 तक स्थिति
6	सिवोक-रंगपो	44 कि.मी.	7,877	7,032	2,330	इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
7	तेतेलिया-बर्णिहाट	22 कि.मी.	1,305	1,157	52	तेतेलिया-कमलजरी (10 किमी) रेल खंड पूरा हो गया है और यातायात के लिए खोल दिया गया है। असम में शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है। मेघालय राज्य में कानून और व्यवस्था की समस्या के कारण कार्य रूका हुआ है।
8	मरकोंगसेलेक-पासीघाट	27 कि.मी.	1,187	473	300	इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
9	दीमापुर-तिजित	257 कि.मी.	4,274	0	0.0001	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट 2013-14 में शामिल कर लिया गया है।
10	सलौना-खुमतई	99 कि.मी.	6,542	0	0.0001	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट 2017-18 में शामिल किया गया है।
11	शिबसागर-जोरहाट	62 कि.मी.	1,832	0	0.0001	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट 2017-18 में शामिल किया गया है।
12	तेजपुर-सिलघाट	25 कि.मी.	2,280	0	0.0001	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट 2017-18 में शामिल किया गया है।
13	महिशासन (भारत) - जीरो पाइंट (बांग्लादेश)	3 कि.मी.	39	30	15	परियोजना को 2020-21 में मंजूरी दी गई है। कार्य शुरू कर दिया गया है।

दोहरीकरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई	प्रत्याशित लागत	31.03.2024 तक व्यय	परिव्यय 2024-25	31.03.2024 तक स्थिति
1	न्यू बंगाई गांव-कामाख्या बरास्ता रंगिया	143 कि.मी.	2,048	2,657	750	82 किलोमीटर रेल खंड चालू कर दिया गया है और शेष खंड पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	न्यू बंगाई गांव-कामाख्या बरास्ता गोलपारा	176 कि.मी.	4,060	3,265	297	150 किलोमीटर रेल खंड का कार्य पूरा हो चुका है। शेष भाग में कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	कामाख्या गुवाहाटी के बीच तीसरी लाईन	6 कि.मी.	395	4	10	इस परियोजना को कामाख्या-न्यू गुवाहाटी चौहरीकरण के स्थान पर स्वीकृत किया गया है।
4	सरायघाट पुल (दोहरीकरण)	7 कि.मी.	1,474	1	50	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट 2017-18 में शामिल किया गया है।
5	लामडिंग तिनसुकिया जंक्शन दोहरीकरण	140 कि.मी.	2,124	5	300	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट 2019-20 में शामिल किया गया है।

यात्री सेवा में सुधार

वर्ष 2023-24 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में 08 नई रेलगाड़ियां (एकल) सेवाएं शुरू की गई और 08 रेलगाड़ियां (एकल) सेवाओं का विस्तार किया गया। इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र लो सेवित करने वाली 04 रेलगाड़ियां (एकल) के फेरों में वृद्धि की गई।

कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली

पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 139 स्थानों पर कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों में कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली सुलभ है। उपरोक्त में से कुछ स्थानों पर एकीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकट प्रणाली उपलब्ध है।

जन-संपर्क

जनसंपर्क निदेशालय, रेलवे द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली विभिन्न नीतिगत पहलों, सेवाओं, रियायतों, परियोजनाओं, कार्यनिष्पादनों और विकासात्मक गतिविधियों की सूचना का प्रचार-प्रसार करने के लिए उत्तरदायी है। रेल उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए संरक्षा और सुरक्षा मानदंडों सहित रेल कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बारे में उन्हें शिक्षित करने हेतु प्रचार अभियान भी चलाए जाते हैं। जनसंपर्क विभाग के लिए प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया द्वारा रेल उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद करना एक सतत प्रक्रिया है।

वर्ष 2023-24 के दौरान (01.04.2023 से 31.03.2024 तक) रेलवे बोर्ड के जनसंपर्क निदेशालय ने भारतीय रेल की कारपोरेट और सोशल, दोनों प्रकार की छवि का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेल मंत्रालय के साथ-साथ क्षेत्रीय रेलों के सोशल मीडिया हैंडल के विभिन्न पोस्टों और ट्वीटों पर फॉलोअर्स और लाइक्स की संख्या में अत्याधिक वृद्धि देखी गई है। अब ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि जैसी सोशल मीडिया सेवाओं का उपयोग न केवल विभिन्न नीतिगत पहलों/यात्री सुविधाओं के बारे में सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है, अपितु यह एक रियल टाइम यात्री समस्या निवारण माध्यम के रूप में भी कार्य कर रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल के सोशल मीडिया हैंडल पर फॉलोअर्स की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। सोशल मीडिया पर 50 लाख से अधिक फॉलोअर्स अर्थात् 'X' पर लगभग 13.67 लाख फॉलोअर्स, फेसबुक पेज पर लगभग 13.53 लाख फॉलोअर्स, यूट्यूब चैनल पर लगभग 3.52 लाख सब्सक्राइबर्स और इंस्टाग्राम पर लगभग 19.95 लाख फॉलोअर्स की संचयी वृद्धि के साथ, रेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत एक सबसे अच्छा कार्यप्रदर्शन करने वाला मंत्रालय बन गया है। एक आम आदमी (रेल उपयोगकर्ता या अन्यथा) रेल संबंधी शिकायत को आसानी से 'X' पर दर्ज कर सकता है और तत्पर निवारण प्राप्त कर सकता है। दिन-प्रतिदिन के आधार पर नई पहलों, नवोन्मेषों और रेलवे से संबंधित अन्य सूचना को दिखाने वाले छोटे वीडियो और अन्य रेल वृत्तचित्रों को यूट्यूब पर अपलोड किया जाता है। ऐसे सभी समारोहों/कार्यक्रमों का, जहां रेलवे नई रेलगाड़ियों/यात्री सुविधाओं का लोकार्पण करती है, यूट्यूब लाइव द्वारा प्रसारण किया जाता है, ताकि बड़े पैमाने पर आम जनता को रियल टाइम सूचना प्राप्त हो सके। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, रेल मंत्रालय को पहली बार "एक सार्वजनिक सेवा समारोह में सर्वाधिक लोग - एकाधिक स्थल" के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह मिली और साथ ही "01 घंटे में एक बिस्पोक प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक पुलों की तस्वीरें अपलोड करने" के कीर्तिमान खिताब के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी नाम दर्ज हुआ।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता पखवाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, हर घर तिरंगा, संविधान दिवस, अंतरराष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष आदि के बारे में जागरूकता हेतु कई प्रचार अभियान भी चलाए हैं। वर्ष के दौरान, 33,304 प्रेस विज्ञप्तियां जारी की गई; 780 संवाददाता सम्मेलन आयोजित किए गए; 421 प्रचार विवरणिकाएं प्रकाशित की गई। भारतीय रेल द्वारा विभिन्न रेडियो/टीवी चैनलों पर लगभग 10,742 रेडियो/टीवी स्पॉट बनाए गए और प्रसारण किए गए। रेलों द्वारा उनके क्षेत्र में नई सुविधाओं/पहलों/नई राष्ट्रीय परियोजनाओं को शुरू करने से रेल उपयोगकर्ताओं को होने वाले लाभों पर प्रकाश डालने के लिए 142 प्रेस दौरे आयोजित किए गए। भारतीय रेल ने देश भर में 93 प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

रेल मंत्रालय के जन-संपर्क निदेशालय द्वारा अपनी मासिक पत्रिकाओं अर्थात अंग्रेजी में 'इंडियन रेलवेज' और हिंदी में 'भारतीय रेल' का प्रकाशन जारी है ताकि भारत में रेलों और रेल उपयोगकर्ताओं के बीच कारगर कड़ी सुलभ कराई जा सके। दोनों पत्रिकाओं के वार्षिक विशेषांक भी प्रकाशित किए गए थे। उपयोगकर्ता अब आईआरसीटीसी पोर्टल द्वारा इन दोनों पत्रिकाओं के सदस्यता शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं और इन पत्रिकाओं का ई-संस्करण भी भारतीय रेल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

व्यावसायिक विज्ञापन

भारतीय रेल द्वारा उपलब्ध परिसंपत्तियों का उपयोग करके रेल परिसंपत्तियों पर व्यावसायिक प्रचार करने की अनुमति दी जाती है जैसे चल परिसंपत्तियों पर विनाइल रैपिंग, डिजिटल विज्ञापन, ऑडियो और वीडियो डिस्प्ले द्वारा कन्टेंट ऑन डिमांड, रेलवे स्टेशन परिसरों में, परिचलन क्षेत्रों में, रोड ओवर ब्रिज पर, रोड अंडर ब्रिज पर, रेल फाटकों पर, रेलवे कॉलोनियों में, रेल कारखानों में, रेल उत्पादन इकाइयों में, रेलपथ, क्षेत्रीय रेल मुख्यालयों, उत्पादन इकाइयों, प्रशिक्षण संस्थानों (केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों/क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थानों), अअमासं के आस-पास की भूमि पर होर्डिंगों द्वारा विज्ञापनों का प्रदर्शन और नवोन्मेषी विचारों/प्रत्ययों/थीमों/योजनाओं को अनुमति देना। व्यावसायिक प्रचार हेतु पीआरएस/यूटीएस टिकटों और आरक्षण चार्टों/फॉर्मों का भी उपयोग किया जाता है।

उपक्रम तथा अन्य संगठन

रेल मंत्रालय के अंतर्गत 14 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अन्य संगठन कार्य कर रहे हैं, जो इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	नाम	निगमित/शुरू किए जाने का वर्ष	मुख्य कार्यक्षेत्र
1	राइट्स	1974	भारत में और भारत से बाहर रेल और अन्य क्षेत्रों/उद्योगों से संबंधित सभी प्रकार और विवरणों की परियोजनाओं/प्रणालियों के विकास के लिए इंजीनियरी, तकनीकी एवं परामर्श सेवाएं डिजाइन करना, स्थापित करना, उपलब्ध कराना, परिचालन करना, अनुरक्षण और निष्पादन करना।
2	इरकॉन	1976	भारत और विदेश में रेल, पुलों, सड़कों, राजमार्गों, औद्योगिक और आवासीय परिसरों, विमानपत्तनों आदि जैसे अवसंरचना के विभिन्न क्षेत्रों में टर्नकी आधार पर अथवा अन्यथा निर्माण कार्यकलाप करना।
3	क्रिस	1986	क्रिस भारतीय रेल का सूचना प्रौद्योगिकी संगठन है। यह भारतीय रेल के सभी विभागों के लिए केन्द्रीकृत सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन तथा अनुरक्षण करता है।
4	आईआरएफसी	1986	भारतीय रेल के योजना परिव्यय का आंशिक वित्तपोषण करने के लिए बाजार से धन जुटाना।
5	कॉनकोर	1988	भारत के अंतर्राष्ट्रीय और देशीय कंटेनर कार्गो और व्यापार के लिए मल्टी-मोडाल संभार-तंत्र आधार विकसित करना।
6	केआरसीएल	1990	रेल लाइनों का निर्माण और परिचालन करना, रोड ओवर ब्रिज और रेल लाइन परियोजनाओं का निर्माण करना।
7	आरसीआईएल (रेलटेल)	2000	राष्ट्रव्यापी ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित ब्रॉडबैंड दूरसंचार और मल्टीमीडिया नेटवर्क का निर्माण करने के लिए भारतीय रेल के पास उपलब्ध अधिशेष दूरसंचार क्षमता एवं मार्गाधिकार का उपयोग करना।
8	आईआरसीटीसी	2001	रेलवे की खान-पान और पर्यटन गतिविधियों का निर्वहन करना। साथ ही, अपनी वेबसाइट द्वारा इंटरनेट टिकट की सुविधा साध्य बनाता है।
9	केएमआरसीएल	2008	युगल शहरों कोलकाता और हावड़ा को जोड़ने वाले साल्ट लेक से एस्प्लेनेड तक ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर को क्रियान्वित करना।
10	आरवीएनएल	2003	रेल अवसंरचना क्षमता का निर्माण और संवर्धन करना। मुख्यत: बहुपक्षीय/द्विपक्षीय वित्तपोषण एजेंसियों के माध्यम से और परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए देशीय बाजार से भी संसाधनों को जुटाना।
11	आरएलडीए	2005	भारतीय रेल के लिए गैर-दर सूची उपायों द्वारा राजस्व जुटाने के प्रयोजनार्थ वाणिज्यिक उपयोग हेतु खाली रेल भूमि का विकास करना।
12	डीएफसीसीआईएल	2006	गलियारों पर मालगाड़ियों के संचलन के लिए समर्पित रेल माल यातायात गलियारों की योजना बनाना और निर्माण करना।
13	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	1999	मुंबई महानगर क्षेत्र में रेल परियोजनाओं की योजना बनाना और क्रियान्वयन करना।
14	बीसीएल	1976 (रेल मंत्रालय में 2010 से)	मालडिब्बों का निर्माण, संरचनात्मक विरचन कार्य और विनिर्माण, ईओटी क्रेन का रिट्रोफिट्मेंट।

राइट्स द्वारा शिवमोग्गा, कर्नाटक में परामर्श सेवाएं

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज लिमिटेड (राइट्स)

विकास को गति प्रदान करना एवं तेज करना

रेल मंत्रालय के अधीन नवरत्न केंद्रीय लोक क्षेत्र उद्यम राइट्स लिमिटेड ने एक ऐसे पथ का अनुसरण किया है जिसने भारत की विकास गाथा में अद्वितीय सक्रिय भागीदारी की है। वर्ष 1974 में अपनी स्थापना के बाद से राइट्स ने, जो एक बहुविभागीय परामर्शदात्री संगठन है, दूरदृष्टि और धुति के साथ चुनौतियों का सामना किया है। भविष्य-उद्यत संगठन, राइट्स भारत और विदेश में परिवहन अवसंरचना क्षेत्र में अनुकूलित, विविध, व्यापक और प्रत्यय-से-प्रवर्तन-तक सेवाएं और एकीकृत समाधान उपलब्ध करा रहा है।

राइट्स की रेलवे, राजमार्गों, विमानपत्तनों, पत्तनों, रज्जु-मार्गों, मेट्रो रेलगाडियों, पुलों और सुरंगों, शहरी इंजीनियरी और सतत-संपोषणीयता, हरित गतिशीलता, अंतर्देशीय जलमार्गों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भौगोलिक पहुंच और परामर्शदात्री सेवाओं के मामले में अद्वितीय स्थिति है। परिष्कृत सॉफ्टवेयर (डिजाइनों के लिए सहित) और आधुनिक उपस्कर से सुसज्जित, राइट्स राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन/प्रमाणन रखने वाली आंतरिक सामग्री-परीक्षण प्रयोगशालाओं के साथ एक अद्वितीय निरीक्षण संगठन भी है। स्वतंत्र संरक्षा मूल्यांकक प्रमाणपत्र के साथ, राइट्स भारत में यह प्रमाणन रखने वाली दूसरी कंपनी बन गई है।

स्मार्ट और चिरस्थायी समाधान प्रदान करके और अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और 2,000 से अधिक प्रतिभाशाली पेशेवरों के साथ राइट्स ने एशिया, अफ्रीका, लातिन अमरीका, दक्षिण अमरीका और मध्य पूर्व क्षेत्र में सर्वत्र 55 से अधिक देशों में ग्राहकों को सेवा प्रदान की है।

राइट्स अपनी 50वीं वर्षगांठ को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करने के बाद, इस बात पर जोर दे रहा है कि एक संगठन के रूप में वह कौन है, वह कैसे काम करता है और वह कैसे आगे बढ़ने की योजना बना रहा है, ताकि वह स्वयं को # विकसित भारत के योगदानकर्ताओं के रूप में दर्शा सके।

विकास पथ पर

वित्त वर्ष 2024 राइट्स के लिए एक गौरवमयी वर्ष था, जिसमें इसने दो असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कीं: इसकी 50वीं वर्षगांठ और नवरत्न के दर्जे से सम्मानित किया जाना। व्यावसायिक मामले में, कंपनी ने काफी चुनौतियों का सामना करते हुए इस वर्ष 1,289 करोड़ रुपए का अब तक का सबसे अधिक समेकित परामर्श राजस्व प्राप्त करने के लिए अपनी मूल्य सामर्थ्य का कार्यनीतिक रूप से लाभ उठाया। टर्नकी और पट्टा खंड सेगमेंट ने भी क्रमश: 903 करोड़ रुपए और 138 करोड़ रुपए का अब तक का सबसे अधिक राजस्व हासिल किया।

पिछले वित्त वर्ष में, राइट्स ने वित्त वर्ष 2023 में 2730 करोड़ रुपए के मुकाबले 2,539 करोड़ रुपए का समेकित राजस्व हासिल किया। अन्य आय को छोड़कर परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2023 में 2,628 करोड़ रुपए के मुकाबले 2,453 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2023 में कर पूर्व लाभ 774 करोड़ रुपए के मुकाबले 670 करोड़ रुपए रहा और वित्त वर्ष 2023 में करोपरांत लाभ 571 करोड़ रुपए के मुकाबले 495 करोड़ रुपए रहा।

निवल संपत्ति बढ़कर 2,507 करोड़ रुपए हो गई है और राइट्स ऋण-मुक्त रहा है। साथ ही, वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों पर 13.31 करोड़ रुपए का व्यय किया है।

ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए लगातार संतोषजनक कार्यनिष्पादन और व्यापार विकास हेतु प्रयास, वित्त वर्ष 2024 के अंत में 5,690 करोड़ रुपए के क्रयादेशों में परिणत हुए हैं, जिनमें से 2,300 करोड़ रुपए के क्रयादेश केवल वित्त वर्ष 2024 में ही प्राप्त किए गए हैं।

राइट्स द्वारा भारत के सबसे लंबे रेल-सह सड़क पुल-बोगीबील पुल की संरचनात्मक हालात की निगरानी

निष्पादित की गईं चुनिंदा परियोजनाएं (वित्त वर्ष 2024)

मोज़ाम्बिक, राइट्स को डेमू रेलगाड़ियां मुहैया कराई गई

- अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास
- ग्वालियर हवाई अड्डे के लिए परामर्श सेवाएँ
- पश्चिमी समर्पित माल गलियारे पर न्यू उमरगाम-सचीन खंड के लिए परामर्श सेवाएँ
- लगभग 512 मार्ग कि.मी. का रेल विद्युतीकरण
- कोयला, बिजली और इस्पात संयंत्रों में महत्वपूर्ण रेलवे साइडिंग
- नया वाई-वक्र, जो हावड़ा-मुंबई ट्रंक मार्ग पर ब्रजराजनगर और लाजकुरा स्टेशनों के बीच कोल इंडिया की पहली मील संपर्कता परियोजना है
- आबू रोड और तारंगा हिल के बीच सुरंगों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
- फरक्का बैराज पर गंगा नदी पर रेल पुल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
- नागपुर मैट्रो चरण-I के लिए परामर्श
- ओडिशा के कलिंगनगर में एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
- चंडीगढ़ ट्राइसिटी के लिए व्यापक गतिशीलता योजना

हरित स्पर्श

'हरित' कंसल्टेंसी की भविष्य दृष्टि के साथ सतत संपोषणीयता इकाई ने इस उभरते हुए कार्य क्षेत्र में अवसरों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'सतत् संपोषणीयता एवं हरित गतिशीलता इकाई' बनने के लिए अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार किया।

राइट्स की सहायक कंपनी आरईएमसी लिमिटेड बिजली प्रबंधन और उत्पादन का कार्य करती है और इसे नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा-कुशलता परियोजनाओं का प्रबंधन करने के साथ-साथ भारतीय रेल के लिए ओपन एक्सेस के अंतर्गत संपूर्ण बिजली प्रापण का प्रबंधन करने का अधिदेश दिया गया है।

पुरस्कार और सम्मान

राइट्स को कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हें:

- संस्थागत उत्कृष्टता के लिए **स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार**
- नैगमिक शासन के लिए **स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार**
- निर्यात में उत्कृष्टता के लिए **ईईपीसी इंडिया क्षेत्रीय पुरस्कार (उत्तरी)**
- **सीईएआई राष्ट्रीय पुरस्कार** (बोगीबील पुल के लिए परामर्श)
- इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर द्वारा **संरक्षा नवाचार पुरस्कार**
- **वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई पुरस्कार**
- **सर्वश्रेष्ठ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एसएएएफ सिल्वर पुरस्कार**
- **रेल मंत्री राजभाषा पुरस्कार**

इरकॉन मुख्यालय, गुरुग्राम

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन)

28 अप्रैल 1976 को इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम), जिसे पूर्व में औपचारिक रूप से भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, का निगमन मुख्यत: भारतीय रेल की विशेषज्ञता के साथ भारत और विदेश में रेल अवसंरचना के निर्माण एवं विकास के प्रयोजन से किया गया था।

48 वर्षों के अपने संचालन के दौरान, कंपनी ने राजमार्गों, सुरंगों, पुलों, फ्लाईओवर, रोड ओवर ब्रिज, विमानपत्तन हैंगर और विमान पट्टी, मेट्रो रेल और इमारतों (औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय परिसरों), बिजली उच्च वोल्टता संप्रेषण लाइन और ग्रिड उप-स्टेशनों, औद्योगिक विद्युतीकरण, सिगनल और दूरसंचार प्रणालियां, उच्च गति रेल, समर्पित माल गलियारा आदि जैसे अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार किया है और मूल सामर्थ्य विकसित किया है। विदेश में परियोजनाओं से व्यापार के इसके बड़े हिस्से को देखते हुए, 17 अक्टूबर 1995 से इसका नाम बदलकर "इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड" कर दिया गया था।

इरकॉन अपने संचालन के पिछले 48 वर्षों के दौरान प्रतिष्ठित परियोजनाओं को निष्पादित करने के बाद अंतरराष्ट्रीय ख्याति की अग्रणी निर्माण कंपनी के रूप में उभरा है। अभी तक, इरकॉन भारत में 401 से अधिक अवसंरचना परियोजनाएं और विश्व भर में 25 से अधिक देशों में 128 परियोजनाएं पूरी कर चुका है।

इरकॉन अनेक एशियाई और अफ्रीकी देशों में अवसंरचना के विकास में सक्रियतापूर्वक व्यस्त है। इरकॉन के अनुभव के साथ युग्मित इसकी विशेषज्ञता ने मलेशिया में 1 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक मूल्य की विशालकाय परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा और प्रवर्तन करने में सहायता की है, जो किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में पूरी की गई अभी तक की सबसे बड़ी परिवहन परियोजना है। इसके अलावा, इरकॉन श्रीलंका, बांग्लादेश, अल्जीरिया, नेपाल में रेल परियोजनाओं और म्यांमार में सड़क परियोजना का निष्पादन कर रहा है।

भारत में, इरकॉन ने विभिन्न प्रतिष्ठित परियोजनाएं शुरू की हैं जो वैश्विक अवसंरचना मानचित्र पर देश के उत्थान का प्रतीक हैं। कंपनी जम्मू और कश्मीर में सबसे बड़ी रेल निर्माण परियोजना में शामिल है। इरकॉन सिक्किम के लिए रेल संपर्क सुलभ कराने हेतु उत्तरी बंगाल के सिवोक से सिक्किम में रंगपो तक नई बड़ी लाइन का निर्माण भी कर रहा है।

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, इरकॉन ने कुल 128.45 किलोमीटर रेल लाइनों को सफलतापूर्वक कमीशन किया है, जिसमें से 54 किलोमीटर नई लाइन और लक्षित खंडों के लिए 74.45 किलोमीटर दोहरीकरण शामिल हैं।
- इरकॉन ने रेल विद्युतीकरण कार्यों के लिए 7 उप-स्टेशनों और 38 कि.मी 132 किलोवॉट ट्रांसमिशन लाइन सहित 1015 मार्ग कि.मी. और नई लाइन/दोहरी लाइन/एनसीआरटीसी आदि के लिए 137 मार्ग कि.मी. रेल विद्युतीकरण को सफलतापूर्वक कमीशन किया है, जो कुल मिलाकर 1152 मार्ग कि.मी. है, जो एक वर्ष में सबसे अधिक विद्युतीकरण कार्य है।
- वर्ष 2023-24 में इरकॉन ने 62 स्टेशनों के उच्चतम सिगनल प्रणाली कार्यों को कमीशन किया है।

वित्त वर्ष 2023-24 में चालू परियोजनाओं की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

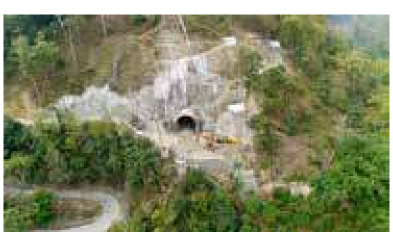

सिवोक रंगपो पर सुरंग कार्य, इरकॉन

1. यूएसबीआरएल परियोजना, जम्मू और कश्मीर में बनिहाल - संगलदान खंड को पूरा कर लिया गया और फरवरी 2024 में खोल दिया गया।

2. कटनी - सिंगरौली के दोहरीकरण के संबंध में, दिनांक 27.06.2023 को महरोई से विजयसोता (19.13 कि.मी.) तक एक खंड को सफलतापूर्वक कमीशन किया गया।

3. किऊल-गया दोहरीकरण परियोजना, पू.म.रे. के संबंध में, दिनांक 01.09.2023 को शेखपुरा से काशीचक (15.4 कि.मी.) तक का खंड 90 कि.मी. प्रति घंटे की गति पर कमीशन कर दिया गया है। इसके अलावा, दिनांक 23.01.2024 को काशीचक से वारिसली गंज तक के खंड को कमीशन कर दिया गया है।

4. 1 नवंबर, 2023 को माल सेवाओं के लिए अगरतला - अखौरा नई रेल लाइन के निश्चिंतपुर (भारत) से गंगासागर (बांग्लादेश) खंड का उद्घाटन किया गया है।

5. 1 नवंबर, 2023 को माल सेवाओं के लिए बांग्लादेश में खुलना से मोंगला न्यू पोर्ट रेल लाइन का उद्घाटन किया गया है।

6. दिनांक 24.11.2023 को हाजीपुर-बछवारा दोहरीकरण परियोजना को कमीशन किया गया और पू.म.रे. को सौंप दिया गया।

7. यूएसबीआरएल परियोजना की सुरंगों में 38.6 कि.मी. की रिजिड ओवरहेड कैटेनरी (आरओसी) प्रणाली को पहले ही कमीशन किया जा चुका है। यह आरओसी प्रणाली भारतीय रेल में पहली बार लागू की गई।

जयनगर बर्दीबास रेल लिंक परियोजना, इरकॉन

पुरस्कार और सम्मान (2023-24)

वर्ष के दौरान इरकॉन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2023-24 के दौरान जीते गए कुछ महत्वपूर्ण पुरस्कार और प्राप्त प्रशंसाएँ निम्नानुसार हैं:

- परियोजना "उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला नई बड़ी रेल लाइन - धरम-काजीगुंड खंड पर सुरंग टी-49 का निर्माण" के लिए "उत्कृष्ट सुरंग संरचना" के लिए सीईएंडसीआर वार्षिक पुरस्कार।
- गवर्नेंस नाऊ 10वां पीएसयू पुरस्कार - नैगमिक सामाजिक दायित्व प्रतिबद्धता
- गवर्नेंस नाऊ 10वां पीएसयू पुरस्कार - राष्ट्र निर्माण
- डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पुरस्कार - इंजीनियरिंग और निर्माण सेवा क्षेत्र में भारत के ईएसजी चैंपियंस 2024
- रेल एनालिसिस इंडिया द्वारा सिविल इंजीनियरिंग, रेल परियोजनाओं के परीक्षण और कमीशनिंग में उत्कृष्टता
- कंस्ट्रक्शन वर्ल्ड द्वारा शीर्ष चौलेंजर 2022-23 पुरस्कार
- अभिनव संरक्षा प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने के लिए संरक्षा नवाचार पुरस्कार 2023।
- इरकॉन ने ईएनआर सर्वेक्षण 2024 द्वारा प्रकाशित शीर्ष 250 अंतर्राष्ट्रीय ठेकेदारों की सूची में 232वीं रैंक और शीर्ष 250 वैश्विक ठेकेदारों की सूची में 207वीं रैंक हासिल की है।

वित्तीय कार्य-निष्पादन

वर्ष 2023-24 में, कंपनी ने कुल 12,388 करोड़ रुपए की आय दर्ज की है। कंपनी द्वारा प्राप्त कर पूर्व लाभ 1,156 करोड़ रुपए है और करोपरांत लाभ 863 करोड़ रुपए है। कंपनी की निवल संपत्ति 5,772 करोड़ रुपए है।

रेल सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस)

रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) की स्थापना 1986 में रेल मंत्रालय के अंतर्गत की गई थी। यह भारतीय रेल की आईटी शाखा है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और भारत के पाँच प्रमुख शहरों में पाँच क्षेत्रीय कार्यालय हैं। क्रिस भारतीय रेल के लिए सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी साधनों का विकास, संचालन और अनुरक्षण करता है। यह प्रौद्योगिकी के माध्यम से रेल परिचालन की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्रिस भारतीय रेल के विभिन्न पहलुओं के लिए सॉफ्टवेयर साधन डिजाइन और कार्यान्वित करता है जिनमें व्यवसाय विकास और परिचालन, अचल अवसंरचना, चल अवसंरचना, कोर बैकबोन और अन्य क्षेत्र शामिल हैं, और इन प्रणालियों के लिए निरंतर सहयोग और अनुरक्षण प्रदान करता है। यह मोबाइल ऐप, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करके रेलवे सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना और परिचालनिक दक्षता के निरंतर उन्नयन का भी कार्य करता है। यह केंद्र रेल परिचालन से संबंधित विशाल मात्रा में डेटा का प्रबंधन करता है और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सहयोग करने के लिए उनका उपयोग करता है। क्रिस विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों को जोड़ने के लिए रेलवे के मंडलों और हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करता है, जिससे पूरे नेटवर्क में निर्बाध संचार सुनिश्चित होता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल के प्रमुख क्षेत्रों में क्रिस की कुछ उपलब्धियां और मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं।

1. यात्री व्यवसाय

1.1 भारतीय रेल हेतु परिष्कृत ई-टिकटिंग प्रणाली: एंड्रॉइड आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट संस्करण 4.2.15 को 15 नवंबर 2023 को जारी किया गया जिसमें कई प्रमुख कार्यक्षमताएँ हैं। इसी तरह, आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट का रेल सारथी संस्करण 5.2.15 भी उसी तारीख को गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध कराया गया। प्रयोक्ता अनुभूति बेहतर बनाने के लिए कई तरह के सुधार करते हुए सभी मोबाइल ऐप में कई अपडेट किए गए। जर्नी प्लानर पर एक बेहतर स्टेशन सर्च फीचर शामिल करने के लिए आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप को अपग्रेड किया गया, जिससे स्टेशन शहर, राज्य और कीवर्ड (जैसे, केदारनाथ) द्वारा सर्च की जा सकती है, साथ ही स्मार्ट सर्च विकल्प भी दिए गए हैं। टिकट बुकिंग के लिए अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए पेलो, एसबीआई ईपे, कैशफ्री, ईजबज और बजाज फाइनेंस ईएमआई विकल्पों सहित नई भुगतान विधियाँ जोड़ी गईं।

1.2 कॉन्सर्ट (चरण-I), आरडीबीएमएस पर एमआईएस और ओपन प्लेटफॉर्म सक्षमता का आधुनिकीकरण: प्राइम्स (यात्री आरक्षण सूचना प्रबंधन परिष्कृत प्रणाली) वेबसाइट को कई नई रिपोर्टें शामिल करने के लिए अपडेट किया गया है। विशेष रिपोर्ट सेक्शन में, किसी अप्रिय घटना की स्थिति में रेलगाड़ी के एक रेलखंड पर यात्रा करने वाले यात्रियों की सूची को ट्रैक करने के लिए दो नई रिपोर्टें जोड़ी गई हैं। एचएचटी और पीआरएस-चार्टिंग से प्राप्त ये रिपोर्ट विनिर्दिष्ट सेक्शनों की विस्तृत बोर्डिंग और डीबोर्डिंग जानकारी प्रदान करती हैं। डेटा स्रोतों की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए रिपोर्ट बिल्डर (सेल्फ-रिपोर्टिंग उपयोगिता) को संशोधित किया गया है। यात्री भोजन योजना से संबंधित आईआरसीटीसी की विभिन्न रिपोर्टें भी प्राइम्स पर उपलब्ध कराई गई हैं।

1.3 यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) आधुनिकीकरण (चरण-II): यात्री आरक्षण प्रणाली का आधुनिकीकरण शुरू कर दिया गया है, जिसमें नए एप्लिकेशन में कई सुधार किए जाने हैं। इनमें सीट या शायिका किराया सूची, बहुभाषी इंटरफेस, उपयोगकर्ता के अनुकूल पूछताछ और बुकिंग इंटरफेस चुनने की सुविधा और अधिक संख्या में रेलगाड़ियों के लिए टिकट बुक करने की क्षमता शामिल हैं।

क्रिस द्वारा सिगनल अनुरक्षण प्रबंधन तंत्र

1.4 पीआरएस डेटा वेयरहाउसिंग परियोजना: आईआरईपीएस के माध्यम से आईआरसीटीसी डायरेक्ट कैटरिंग अग्रिम भुगतान हस्तांतरण के लिए एक नया विकल्प बनाया गया है, जिसमें पीआरएस टीम द्वारा खानपान डेटा और स्टैटिक रिपोर्टें साझा की जाती हैं। रेलवे बोर्ड के विश्लेषण के लिए विभिन्न रिपोर्टें तैयार की गई, जिनमें प्रतीक्षा सूची को बंद करना, फ्लेक्सी किराया की उपलब्धि, धनवापसी नियम विश्लेषण और वंदे भारत की उपलब्धि शामिल हैं। संसदीय सत्रों के दौरान उठाए गए प्रश्नों के समाधान के लिए रिपोर्टें भी तैयार की गई।

1.5 कॉन्सर्ट, आरटीआर और राउटरों का अनुरक्षण: कार्यशीलता और प्रयोक्ता अनुभूति को बढ़ाने के लिए प्रणाली में कई बदलाव किए गए। सबसे पहले केबिन या कूप आवंटित किए जाने पर एक ही पीएनआर से करंट बुकिंग पर वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में बिल्लियों और कुत्तों को ले जाने की अनुमति देने के लिए प्रणाली को अपडेट किया गया। दूसरा बदलाव यह किया गया कि आरएसी कोटा शायिकाओं के इष्टतम उपयोग के लिए एचएचटी में रिक्त स्थान की जानकारी देने के लिए आशोधन किए गए। तीसरा बदलाव अब इस प्रणाली में क्यूआर कोड स्कैन-आधारित भुगतान के माध्यम से बुकिंग की जा सकती है। अंतिम बदलाव, रेलगाड़ी के प्रारंभिक स्टेशन पर पहला चार्ट तैयार होने के बाद, रिमोट लोकेशन से राजधानी, शताब्दी और दुरंतो जैसी रेलगाड़ियों में रिक्त स्थान के लिए ड्यूटी पास पर बुकिंग करने के लिए अपडेट किए गए।

1.6 अनारक्षित टिकट प्रणाली: डिजिटल इंडिया पहल के तहत कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए, टिकट जारी करने के लिए यूटीएस काउंटरों पर एसबीआई-यूपीआई क्यूआर कोड का उपयोग करके एक नया कैशलेस भुगतान विकल्प जोड़ा गया। यूटीएस काउंटरों पर जनरेट किए गए परिवर्तनशील क्यूआर कोड स्कैन करके किसी भी यूपीआई-सक्षम मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से भुगतान किया गया।

1.7 हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी): फ्री ड्यूटी और स्टेशन ड्यूटी कर्मचारियों के लिए एक नया एप्लिकेशन सफलतापूर्वक विकसित और कार्यान्वित किया गया। रेलगाड़ियों में यात्रा करते समय क्यूआर कोड के माध्यम से डिजिटल भुगतान को एचएचटी क्लाइंट एप्लिकेशन में एकीकृत किया गया और कर्मचारी गण की उपयोगिता और दक्षता बढ़ाने के लिए एचएचटी चार्ट पेज पर डॉग/कैट प्रकार्य को जोड़ा गया। कुल 18,240 एचएचटी डिवाइस की अधिप्राप्ति की गई और भारतीय रेल नेटवर्क में सभी रेलगाड़ियों में इन्हें तैनात किया गया।

1.8 अखिल भारतीय रेल सुरक्षा बल सुरक्षा हेल्पलाइन: परिचालनिक दक्षता बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय रेल स्तर पर मेरी सहेली मॉड्यूल को स्वचालित किया गया। रेल प्रहरी और रेल सुरक्षा मोबाइल ऐप को फ्लटर का उपयोग करके पुनर्विकसित किया गया, जिससे उनके निष्पादन और प्रयोक्ता अनुभूति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। रद्दकरण और स्टेशन डायवर्जन सहित, रेलगाड़ी के चालन की स्थिति वास्तविक समय पर अपडेट के लिए एनटीईएस के साथ आरएस2 मेरी सहेली मॉड्यूल का एकीकरण सफलतापूर्वक किया गया।

1.9 आईआर आरपीएफ सिक्युरिटी मैनेजमेंट सिस्टम में सुरक्षा नियंत्रण कक्षों की नेटवर्किंग प्रणाली: रेलवे से संबंधित अपराधियों को खोज निकालने के लिए एक व्यापक प्रणाली मुहैया करने के लिए रेलवे अपराधियों के लिए राष्ट्रीय अपराधी डेटा बैंक मॉड्यूल विकसित किया गया। रेल संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम और उन पर आधारित रजिस्टरों को देख पाने के लिए डीएफसीआर का प्रावधान किया गया, जिससे डेटा सुलभता में सुधार हुआ।

1.10 संपूर्ण भारतीय रेल में प्रतिदाय कोचिंग: प्रतिदाय प्रक्रिया के स्वचालन और आद्योपांत डिजिटलीकरण से आरक्षित ई-टिकटों में टीडीआर प्रक्रिया के माध्यम से दायर आवेदनों के लिए प्रतिदाय प्रबंधन की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वेब सक्षम कोचिंग प्रतिदाय एप्लिकेशन के अंतर्गत एक नया मॉड्यूल विकसित किया गया और कई प्रणालियों के साथ एकीकृत किया गया, जिसमें ऑनबोर्ड यात्री स्थिति जांच के लिए एचएचटी (हैंड हेल्ड टर्मिनल), रेलगाड़ी चालन की स्थिति के लिए एनटीईएस (राष्ट्रीय रेलगाड़ी पूछताछ प्रणाली), पीएनआर सत्यापन, प्रतिदाय राशि और लेखांकन के लिए पीआरएस और प्रतिदाय प्रसंस्करण के लिए एनजीईटी ई-टिकटिंग शामिल हैं। यह प्रणाली अब भुगतान के तरीके और भुगतान गेटवे के आधार पर, लगभग 2-4 दिनों के भीतर ग्राहक के खातों में प्रतिदाय करने में सक्षम है।

1.11 राष्ट्रीय रेलगाड़ी पूछताछ प्रणाली: सभी इंटरफेस पर सवारी डिब्बों की स्थिति की जानकारी देखने का विकल्प पेश करके प्रणाली की कार्यक्षमता बढ़ायी गयी। बीडीटीएस के साथ एकीकृत किया गया और क्लाउड-आधारित कोच जल स्तर संकेतक लागू किया गया, जिसने 50 सवारी डिब्बों के लिए पानी भरने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया। एनटीईएस को भी आईआरसीटीसी ई-कैटरिंग और आईआरसीटीसी 139 कॉल सेंटर के साथ एकीकृत किया गया ताकि वास्तविक समय में रेलगाड़ी की चालन स्थिति को अपडेट किया जा सके। डब्ल्यूईसीआरएस (वेब सक्षम कोचिंग धन वापसी प्रणाली) के साथ एकीकरण ने वर्तमान तिथियों के लिए धन वापसी को सक्षम किया, जबकि आस्था रेलगाड़ियों के लिए चालन की स्थिति आईआरसीटीसी कॉल सेंटर के साथ एकीकरण के माध्यम से प्रदान की गई। वेबसाइट और मोबाइल ऐप दोनों पर ष्स्पॉट योर ट्रेनष प्रकार्यात्मकता में औसत देरी की विशेषताएं जोड़ी गई। परिसंपत्ति विफलता को चिह्नित करते समय रेलगाड़ी सेवा विवरण (रेलगाड़ी संख्या, प्रारंभ तिथि) को अनिवार्य रूप से कैप्चर करना, साथ ही रेलगाड़ियों की रुकौनी और रेलगाड़ी सेवाओं की गिनती पर ध्यान केंद्रित करना सक्षम किया गया।

2. माल और पार्सल प्रबंधन

2.1 पार्सल प्रबंधन प्रणाली: संपूर्ण भारतीय रेल में अतिरिक्त 349 पार्सल स्टेशन क्रियान्वित किए गए, जिससे पार्सल बुकिंग स्टेशनों की कुल संख्या 575 हो गई। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर कार्गो ग्राहकों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया, जिससे एकीकृत ऑनलाइन भुगतान, लदान, उतराई और सुपुर्दगी सेवाएँ संभव हो सकीं। एक नया डॉग/कैट बुकिंग मॉड्यूल यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) के साथ एकीकृत किया गया, साथ ही ऑनलाइन बुकिंग विवरण देखने के लिए एक प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) भी शामिल की गई, जिससे दक्षता और ग्राहक अनुभूति में वृद्धि हुई।

2.2 एफओआईएस के लिए निकट साइट आपदा प्रबंधन प्रणाली: यह कार्य 'एफओआईएस के 3 वे डीआर' के भाग के रूप में किया गया, जिसमें उत्तर मध्य रेलवे में स्थित एक निकट साइट और सिकंदराबाद में एक दूरस्थ साइट शामिल थी।

2.3 कोचिंग अनुरक्षण प्रबंधन: चरण I में, समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार सीएमएम एप्लिकेशन का 75% कार्य पूरा हो चुका था और इसे सभी 65 कोचिंग डिपो में सुधार के लिए लागू किया गया था। इसके अतिरिक्त, पूर्ण कोच मास्टर और संव्यवहार संबंधी विवरण रिपोर्ट वाली एक पीडीएफ फाइल डाउनलोड के लिए उपलब्ध कराई गई थी। वर्ष के दौरान, 22,510 शिकायतों से 7,785 करोड़ रुपये की कोचिंग वारंटी शिकायत जनरेट की गई तथा 7,397 करोड़ रुपये का सफलतापूर्वक निपटान किया गया। चरण II में, समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार सीएमएम

एप्लिकेशन का 60% कार्य पूरा कर लिया गया था तथा सभी 24 कोचिंग डिपो स्थानों पर इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया था।

2.4 माल गाड़ी अनुरक्षण प्रबंधन मॉड्यूल (एफएमएम): रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर दिए गए सुझाव के अनुसार और भावी डिजिटलीकरण की दिशा में प्रयासों को जारी रखते हुए, एफएमएम एप्लिकेशन को कई विशेषताओं के साथ परिष्कृत किया गया। इसमें वे ब्रिज मॉड्यूल की सभी विशेषताओं को समाविष्ट किया गया जिसके फलस्वरूप उपयोगकर्ता आधिकारिक प्रलेखन के लिए सहायक प्रलेख या छवि अपलोड कर सकते हैं। वे ब्रिज मास्टर और संव्यवहार विवरण संबंधी रिपोर्ट वाली एक सर्वसमावेशी पीडीएफ फाइल डाउनलोड के लिए उपलब्ध कराई गई। मालगाड़ी रेकों की आद्योपांत जांच से संबंधित यार्ड मॉड्यूल को विभिन्न मदों की दशा जैसे कंटेनर माल डिब्बों में एटीएल लॉक, बोल्स्टर, सेंटर पिवोट्स और बॉक्सएन-टाइप माल डिब्बों में दरवाजों की संख्या और ऊंचाई को कैप्चर करने के लिए विकल्पों को शामिल करने के लिए अपडेट किया गया।

3. रेलगाड़ी परिचालन

3.1 वास्तविक समय रेलगाड़ी सूचना प्रणाली (आरटीआईएस): लगभग 4,000 अतिरिक्त बिजली इंजनों को आरटीआईएस से सुसज्जित किया गया, जिससे यात्री रेलगाड़ियों के लिए 61% नियंत्रण चार्ट प्लॉटिंग की सुविधा मिली और कुल मिलाकर 48% स्वचालन दर हासिल हुई। डीओटी/डब्ल्यूपीसी/एसएसीएफए/एनओसीसी से सांविधिक मंजूरी प्राप्त की गई और आरटीआईएस प्रणाली संचालन को इसरो के एसपी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित दिल्ली अर्थ स्टेशन से क्रिस डीसी के साथ सह-स्थित आरटीआईएस सैटकॉम हब में स्थानांतरित कर दिया गया। भावी चरणों के लिए संशोधित आरटीआईएस डिवाइस विशिष्टियों को इसरो के सहयोग से अंतिम रूप दिया गया और आरडीएसओ द्वारा पृष्ठांकित किया गया। लोको शेड और ट्रिप शेड कर्मियों के लिए एंड्रॉइड प्ले स्टोर पर आरटीआईएस उपकरण निगरानी के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया गया।

3.2 कम्प्यूटरीकृत नियंत्रण चार्टिंग (सीओए): एफओआईएस-सीओए एकीकरण को परिष्कृत किया गया और सफलतापूर्वक लागू किया गया, जिसमें ब्लॉक विवरण के लिए टीएमएस के साथ एकीकरण भी शामिल है। आस्था रेलगाड़ियां शुरू की गई और उनकी निरंतर निगरानी की गई। जीपीएस अपडेट उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 1.8 लाख से 3.1 लाख हो गए, जिसमें अधिक इंजनों से डेटा प्राप्त हुए। लॉन्ग हॉल ट्रेन मॉड्यूल को पुनः डिजाइन किया गया और चालक दल की ड्यूटी के घंटों की ट्रैकिंग में सुधार किया गया। ईडीएफसी के लिए सीओए को डीएफआईएस के साथ एकीकृत किया गया और विभिन्न एप्लिकेशन जैसे कि आईआर डैशबोर्ड, डिजिटल ट्विन और लामडिंग मंडल के साथ डेटा साझाकरण को एपीआई के माध्यम से सुलभ कराया गया। इसके अतिरिक्त, मार्ग अनुकूलन के लिए ईएसबी के माध्यम से सीओए डेटा ट्रांसफर के लिए यूज केसेज विकसित किए गए।

3.3 सॉफ्टवेयर एडेड ट्रेन शेड्यूलिंग सिस्टम: फ्रेट चार्टिंग मॉड्यूल का उपयोग करके भारतीय रेल के सभी खंडों की गाड़ी परिचालन की अधिकतम क्षमता की सफलतापूर्वक गणना की गई और खंड उपयोग का आकलन करने के लिए इन परिणामों की वास्तविक चालन से तुलना की गई। वार्षिक समय-सारणी तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न क्रिस आईसीटी प्रणालियों में लगभग 10,000 रेलगाड़ी प्रोफाइल को कुशलतापूर्वक विभाजित किया गया। समय-सारणी डेटा के लिए पुल-आधारित रेस्ट एपीआई का उपयोग करते हुए गोल (ऑप्टिमाइज्ड लोको लिंक का स्वतः निर्माण) और एचएचटी के साथ एकीकरण पूरा किया गया, जिसमें वृद्धिशील परिवर्तनों का प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया गया। डेटा विश्लेषण से बिना रुके 400 किलोमीटर या 4 घंटे से अधिक चालनों की पहचान करने में भी सहायता मिली।

3.4 संक्रिया विज्ञान साधनों के उपयोग द्वारा मार्ग इष्टतमीकरण प्रतिरूपण: माइलस्टोन एम1, जिसमें एक विस्तृत परियोजना योजना की तैयारी और अनुमोदन शामिल था, सफलतापूर्वक पूरा हो गया।

3.5 भारतीय रेल के लिए कम्प्यूटरीकृत चालक दल प्रबंधन: ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) का विश्लेषण करने के लिए छवियों को कैप्चर करने की सुविधा के लिए चालकदल ऐप में एक नया मॉड्यूल जोड़ा गया है। क्रू माइलेज के ट्रांसफर के लिए कोंकण रेलवे के साथ एकीकरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। ऐप अब वास्तविक समय, लोकेशन-आधारित एलआई मूवमेंट एंट्री को भी कैप्चर करता है। इसके अतिरिक्त, एफओआईएस-सीएमएस एकीकरण लागू किया गया है, जिससे सीएमएस उपयोगकर्ता सीधे एफओआईएस से ट्रैफिक एडवाइस (टीए) बना सकते हैं। इसके अलावा, सीएमएस एप्लीकेशन में एचआरएमएस आईडी से सीएमएस आईडी के लिए मैपिंग पूरी कर ली गई है, जिससे सिंगल साइन-ऑन सुविधा का कार्यान्वयन संभव हो पाया है।

3.6 टीटीई लॉबी: 740 टीटीई लॉबी में से 532 को 2023-24 में सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया, जिससे सक्रिय लॉबी की कुल संख्या 731 हो गई है। एचआरएमएस आईडी का उपयोग करते हुए सिंगल साइन-ऑन प्रकार्यात्मकता को सफलतापूर्वक समाविष्ट किया गया, जिससे उपयोगकर्ता की सुविधा में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, एप्लिकेशन का क्रिस क्लाउड में माइग्रेशन पूरा कर लिया गया, जिससे अभिगम्यता और विश्वसनीयता में सुधार हुआ।

3.7 रेलइंजन परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली (स्लैम): इसे सात नए कमीशनकृत या परिवर्तित बिजली लोको शेड में शुरू किया गया। बिजली रेलइंजनों को रखे जाने वाले 35 डीजल शेडों में भी उन्नत एप्लिकेशन वाले स्लैम लगाए गए और शेड को उनके एक्सेस प्रदान किए गए। यातायात रेलइंजन नियंत्रक (टीएलसी) और ट्रिप शेड मॉड्यूल को संस्थानिक रूप से विकसित किया गया और रेल उपयोगकर्ताओं को इसका एक्सेस दिया गया। डीजल रेलइंजनों के लिए एक इनवार्ड/आउटवार्ड मॉड्यूल विकसित किया गया, जिसमें डीजल रेलइंजनों का अनुरक्षण करने वाले 40 शेडों को लॉगिन क्रेडेंशियल प्रदान किए गए। मुख्यालय ने परिसंपत्ति विफलता की ट्रैकिंग और परिष्करण के लिए एक टीएलसी मॉड्यूल बनाया। चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, बनारस रेलइंजन कारखाना और पटियाला रेलइंजन कारखाना सहित उत्पादन इकाइयों को स्लैम एप्लिकेशन जारी किया गया। संवर्धित प्रकार्यात्मकता के लिए आरबी ट्री व्यू और मंडल टीएलसी डैशबोर्ड जैसे नए डैशबोर्ड शुरू किए गए, साथ ही आरटीआईएस, एफओआईएस, आईसीएमएस और एमडीएमएस जैसी अन्य परियोजनाओं के साथ एकीकरण भी किया गया।

3.8 संरक्षा सूचना प्रबंधन प्रणाली (सिम्स): सिम्स परियोजना में, कई प्रमुख विकास कार्य और कार्यान्वयन पूरे किए गए। एचआरएमएस उपयोगकर्ता आईडी का उपयोग करके सिंगल साइन-ऑन प्रकार्यात्मकता को एकीकृत किया गया। आईवीआरएस -139 के माध्यम से दुर्घटना विवरण प्रदान करने के लिए प्रणाली को रेल मदद के साथ भी एकीकृत किया गया। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना, जांच और डीएआर (विभागीय कार्रवाई रिपोर्ट) पूछताछ के लिए डेटा प्रदान करने के लिए यूसीसीसी डैशबोर्ड के साथ एकीकरण किया गया। एक दुर्घटना जांच अनुशंसा मॉड्यूल भी विकसित और कार्यान्वित किया गया।

3.9 चालक दल वॉइस और वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली: इसे रेलवे बोर्ड द्वारा 07 नवंबर, 2023 को अधिदेशित किया गया, क्रिस को 14359 इंजनों में आरडीएएस के साथ सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध कराने के साथ-साथ आईपी-आधारित निगरानी के लिए केंद्रीय वीडियो प्रबंधन प्रणाली (सीवीएमएस)

स्थापित करने का कार्य सौंपा गया था।

4. परिसंपत्ति प्रबंधन और चल स्टॉक

4.1 रेडियो फ्रीक्वेंसी अभिनिर्धारण का उपयोग करके स्वचालित चल स्टॉक पथानुसरण और अनुरेखण प्रणाली: आरएफआईडी फिक्स्ड रीडर डैशबोर्ड संस्करण 1.2 और संगत एंड्रॉइड ऐप संस्करण जारी किया गया है, जिसमें एचआरएमएस के साथ एकीकृत सिंगल साइन-ऑन की सुविधा है। फिक्स्ड रीडर परिसंपत्तियों की संस्थापना पूरी कर ली गई है, और पोर्टरीड ऐप का नया संस्करण, जिसमें फीडबैक और शिकायत विशेषताएँ शामिल हैं, लॉन्च किया गया है। आरएफआईडी फिक्स्ड रीडर डैशबोर्ड के लिए टाइमलाइन मॉड्यूल भी शुरू किया गया है। जगाधरी, जयपुर, दुर्ग, कटनी, पारादीप और विशाखापत्तनम में साइट सर्वेक्षण किए गए।

4.2 माल डिब्बों के लिए जीपीएस सेट: डब्ल्यूजीपीएस डैशबोर्ड को डब्ल्यूजीपीएस एंड्रॉइड ऐप के साथ जारी किया गया था, जो जीपीएस डिवाइस संस्थापन और अनुवीक्षण को सपोर्ट करता है।

5. परिसंपत्ति प्रबंधन और अचल अवसंरचना

5.1 रेलपथ मशीन अनुरक्षण और प्रबंधन प्रणाली (टीएमएमएमएस): व्यापक परीक्षण के बाद, भारतीय रेल में ट्रैक मशीनों के 88 संस्करणों में से 45 को लॉन्च कर दिया गया। यह एप्लिकेशन अब 20 में से 11 प्रकार की ट्रैक मशीनों को कवर करती है। एप्लिकेशन के अनुकूलन को सुकर बनाने के लिए ट्रैक मशीन उपयोगकर्ताओं को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किए गए। उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया के आधार पर आशोधनों को लागू किया गया और एप्लिकेशन में नई विशेषताएँ जोड़ी गई।

5.2 रेलपथ प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस): क्रिस ने भारतीय रेल के सभी 68 मंडलों में 'टीएमएस-निरीक्षण ऐप' को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इस मोबाइल ऐप को उनकी भौगोलिक अवस्थिति के आधार पर रेलपथ परिसंपत्तियों के निरीक्षण को सुव्यवस्थित बनाने के लिए डिजाइन किया गया था और इसे टीएमएस के साथ एकीकृत किया गया था। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध इस ऐप में पाँच प्रकार की रेलपथ परिसंपत्तियाँ शामिल हैं: प्वाइंट और पारण, समपार, घुमाव और एलडब्ल्यूआर।

5.3 जीआईएस मानचित्र और भू-स्थानिक डेटाबेस परिसंपत्तियां: भारतीय रेल की परिसंपत्तियों के लिए जीआईएस मानचित्रण और भू-स्थानिक डेटाबेस में महत्वपूर्ण प्रगति की गई। नए विकसित एडिटर एप्लिकेशन की सहायता से समपारों और पुलों, यार्डों, स्टेशनों, भवनों और संरचनाओं सहित कई प्रमुख परिसंपत्तियों के लिए डेटा क्लीनिंग कार्य पूरे किए गए। एक नया भूमि सीमा एडिटर एप्लिकेशन शुरू किया गया, जिसमें एक छवि/पीडीएफ अपलोडर है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 68 मंडलों के लिए अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। पीएम गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान प्लेटफॉर्म के लिए मानक संचालन प्रक्रिया में यथा उल्लिखित, परिसंपत्ति एडिटिंग के लिए एक मेकर, चेकर, अप्रूवर प्रणाली को शामिल करते हुए एक उपयोगकर्ता प्रबंधन मॉड्यूल परिनियोजित/विकसित किया गया था। गश्ती कर्मियों और की-मैन की गतिविधियों को आईआर-जीआईएस पोर्टल में एकीकृत करते हुए, वास्तविक समय पर उनकी ट्रैकिंग के लिए एक संकल्पना साक्ष्य (पीओसी), भी पूरा किया गया।

5.4 भूमि प्रबंधन सूचना प्रणाली: वार्षिक भुगतान विकल्प के साथ मामलों को समायोजित करने के लिए वार्षिक बिल जारी करने संबंधी प्रकार्यात्मकता को लागू किया गया।

5.5 पुल प्रबंधन प्रणाली: पुल निरीक्षण मॉड्यूल को मानसून से पहले किए गए निरीक्षण, मानसून के बाद किए गए निरीक्षण और संबंधित रेल अधिकारियों द्वारा किए गए तकनीकी निरीक्षणों को शामिल

करने के लिए परिष्कृत किया गया। जलमग्न संरचनाओं से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक अंतर्जलीय निरीक्षण मॉड्यूल शुरू किया गया था। इसके अतिरिक्त, इंस्पेक्शन नोट मॉड्यूल की सहायता से निरीक्षण निष्कर्षों का विस्तृत प्रलेखन सक्षम किया गया। फ्लड रिपोर्ट मॉड्यूल बाढ़ से संबंधित प्रभावों का व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है और मानसून बुकलेट में मानसून के मौसम के लिए महत्वपूर्ण जानकारी, दिशानिर्देश और तैयारी के उपाय शामिल किए जाते हैं।

6. संसाधन प्रबंधन, वित्त और लेखा

6.1 रेल कौशल विकास योजना (आरकेवीवाई): 98 रेलवे संस्थानों ने भारत में 21 दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 16 अल्पकालिक पाठ्यक्रम पेश किए गए। कुल 14,636 नामांकित अभ्यर्थियों में से 11,609 ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया।

6.2 यातायात लेखा प्रबंधन प्रणाली (टीएएमएस): लेखा कार्यालय बैलेंस शीट मॉड्यूल सफलतापूर्वक निर्मित और कार्यान्वित किया गया, जिससे उपयोगकर्ता बिल योग्य और गैर-बिल योग्य वाउचरों का मिलान कर सकते हैं, बिल तैयार कर सकते हैं और तत्पश्चात् संबंधित पक्षों और सरकारी निकायों से वसूली के लिए जर्नल वाउचर (जेवी) बना सकते हैं। ट्रैफिक बुक पार्ट सी भी निर्मित और कार्यान्वित किया गया, जिसमें अंकेक्षित तुलन-पत्र से जोनों की यातायात से प्राप्त आय को समेकित किया गया, जिसमें अन्य जोनों के लेखों से संबंधित समायोजन और निजी कंपनियों से जमा राशि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जेबॉस एचसीआई एनवायरनमेंट में सर्वर माइग्रेशन गतिविधि सफलतापूर्वक पूरी की गई।

6.3 मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस): कई प्रमुख मॉड्यूल और संवर्द्धन लागू किए गए। इनमें छुट्टी प्रबंधन मॉड्यूल, छुट्टी नकदीकरण और अर्धवार्षिक रूप से छुट्टियों का ऑटो क्रेडिट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, मोबाइल ऐप के जरिए छुट्टी के लिए आवेदन करने का विकल्प भी दिया गया। एमपीपी मॉड्यूल लॉन्च किया गया, साथ ही कर्मचारियों को रेलवे बोर्ड, अ.अ.मा.सं., क्रिस में पदस्थापित करने के लिए इच्छा व्यक्त करने की सुविधा और हकदार कर्मचारियों के लिए आईआरएमएस पैनल में आवेदन करने का विकल्प भी दिया गया।

6.4 भुगतान रजिस्टर और लेखांकन प्रणाली (आईपीएएस): एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म के लिए आरईएसएस 2.0 मोबाइल ऐप विकसित और स्थानांतरित करके, तृतीय पक्ष द्वारा निरीक्षण (टीपीआई) हेतु भुगतान प्रक्रिया लागू करके और पेंशन समाधान और संशोधनों के लिए एक नया अर्पन मॉड्यूल बनाकर उल्लेखनीय प्रगति हासिल की। इसके अतिरिक्त, एचएमआईएस को आईपीएएस के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया तथा 148 इकाइयों में एनएसडीएल एकीकरण के माध्यम से एनपीएस अंशदान के अंतरण को स्वचालित किया गया, जिससे पेरोल और लेखांकन प्रक्रियाओं में दक्षता और परिशुद्धता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

7. डैशबोर्ड एकीकरण और विश्लेषण

7.1 ई-दृष्टि: गिनीज बुक और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में रिकॉर्ड स्थापित करने के उद्देश्य से अमृत भारत प्रधानमंत्री उद्घाटन समारोह के सफल निष्पादन के लिए **ई-दृष्टि** की योजना, डेटा संग्रह और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस प्रणाली ने रेलवे बोर्ड वॉर रूम के माध्यम से आस्था स्पेशल रेलगाड़ियों की लाइव निगरानी की सुविधा प्रदान की और प्रधानमंत्री कार्यालय के **प्रयास** डैशबोर्ड के साथ रेलवे के **केपीआई** के दैनिक और मासिक साझाकरण को सुव्यवस्थित किया। इसके अतिरिक्त, **ई-दृष्टि** ने निर्वाचन क्षेत्र-वार उपलब्धियों और रेलवे द्वारा किए गए कार्यों को प्रदर्शित करने वाली पुस्तिकाओं के स्वतः सृजन को सक्षम किया।

7.2 अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों और संसदीय संदर्भों के लिए एमआईएस: संसद के प्रश्नों को संसाधित करने के लिए एक पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया था, और इस एप्लिकेशन का उपयोग पिछले दो संसद सत्रों में किया गया था।

7.3 श्रमिक कल्याण पोर्टल: भारतीय रेल श्रमिक कल्याण पोर्टल को भारतीय रेल में स्वीकृत कार्यों पर ठेकेदारों द्वारा नियोजित श्रमिकों को वेतन भुगतान का प्रबंधन करने के लिए डिजाइन किया गया। इससे न्यूनतम वेतन अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित हुआ और इससे यह सुनिश्चित हुआ कि संविदा कर्मियों को उनके हक का वेतन मिले। इस प्लेटफॉर्म पर ठेकेदारों को नियमित रूप से वेतन भुगतान डेटा अपलोड करना होता है, जिससे रेलवे को ठेकेदारों द्वारा श्रमिकों को किए जाने वाले भुगतान की निगरानी करने में सहायता मिलती है। अपनी शुरुआत से ही, पोर्टल पर 23,800 से अधिक ठेकेदार, 110,900 प्राधिकार पत्र, 979,600 श्रमिक पंजीकृत किए गए हैं, जिनका वेतन 15,470 करोड़ रुपये है और 23.2 करोड़ मानव-दिवस दर्ज किए गए हैं।

भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड (आईआरएफसी)

रेल मंत्रालय के योजना परिव्यय का अंशतः वित्तपोषण करने और उसकी विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाजार से धन जुटाने के उद्देश्य के साथ, दिसंबर 1986 में पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित किया गया। वर्ष दर वर्ष भारतीय रेल वित्त निगम अपने लिए नियत ऋण लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। कर-मुक्त/कर-योग्य बॉन्ड, 54 ईसी कैपिटल गेन बॉन्ड, बैंकों/वित्तीय संस्थानों से सावधि ऋण और बाह्य वाणिज्यिक ऋणों आदि के जरिए धन जुटाया जाता है। लोक उद्यम विभाग ने समझौता ज्ञापन में स्थापित मापदंडों की तुलना में 2016-17 से कंपनी के कार्य निष्पादन के लिए इसे लगातार "उत्कृष्ट" वर्ग में रखा है।

31 मार्च 2024 तक, कंपनी ने रेलवे को ₹3,00,267 करोड़ की चल स्टॉक परिसंपत्तियां पट्टे पर दी हैं। भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेलइंजनों, मालडिब्बों और सवारीडिब्बों का वित्तपोषण किया गया है। गत वर्षों के दौरान इस अभिग्रहण द्वारा भारतीय रेल में यातायात निर्गमन और राजस्व वृद्धि को बढ़ाने में सहायता मिली है। 31 मार्च, 2024 तक भारतीय रेल वित्त निगम ने सांस्थानिक वित्त द्वारा ₹1,70,039.98 करोड़ की रेल परियोजनाओं का वित्तपोषण भी किया है। इसके अलावा, इससे पहले 31 मार्च, 2024 तक भारतीय रेल वित्त निगम ने बजटेतर संसाधन-एस के अंतर्गत ₹55,991.91 करोड़ की रेल परियोजनाओं का वित्तपोषण भी किया है।

भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा वित्तपोषित चल स्टॉक/परियोजना परिसंपत्तियों को रेल मंत्रालय को पट्टे पर दिया जाता है। भारतीय रेल वित्त निगम को मंत्रालय द्वारा नियमित रूप से पट्टा भुगतान किया जा रहा है।

भारतीय रेल वित्त निगम की निरंतर लाभ अर्जित करने का ट्रैक रिकार्ड है। अभी तक इसने भारत सरकार को लाभांश के रूप में ₹10,383.51 करोड़ का भुगतान किया है। इसकी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और ऋण साख के आधार पर, इसे तीन प्रमुख देशीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से यथासंभव उच्चतम रेटिंग और चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से 'सॉवरेन' समतुल्य निवेश रेटिंग मिली है।

भारतीय रेल वित्त निगम ऐसा सर्वप्रथम केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम भी बन गया है, जिसने गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी), गांधीनगर में अपने 500 मिलियन अमरीकी डालर के ग्रीन ऑफशोर बॉन्ड को अनन्य रूप से एनएसईआईएफएससी और इंडिया आईएनएक्स में सूचीबद्ध किया है।

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकोर)

मार्च, 1988 में कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को, जो भारत सरकार के रेल मंत्रालय का एक नवरत्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, निगमित किया गया था और इसने नवंबर, 1989 में परिचालन शुरू किया था। पूरे भारत में आधुनिक एवं अत्याधुनिक लॉजिस्टिक सुविधाओं और मल्टी-मोडाल संभार-तंत्र पार्क को विकसित करके व्यापार और उद्योग-जगत/हितधारकों की सहायता करने के मुख्य उद्देश्य के साथ इस कंपनी की स्थापना की गई थी।

कॉनकोर बाजार में अग्रणी है जिसके पास भारत में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो/कंटेनर फ्रेट स्टेशनों के 66 टर्मिनलों (4 निर्यात-आयात, 24 घरेलू, 35 संयुक्त और 3 कार्यनीतिक सहयोग-करार) का व्यापक नेटवर्क है, जिसकी शुरूआत भारतीय रेल से लिए गए 7 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो से हुई थी। कंपनी ने भारत के अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कंटेनरीकरण और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यनीतिक स्थलों पर मल्टी मोडाल लॉजिस्टिक पार्क (एमएमएलपी) विकसित किए हैं।

विशेष उपलब्धियां

कंपनी ने अपने हितधारकों के साथ दीर्घकालिक सोच और निष्पक्ष आचरण से विश्वास को बनाए रखने के लिए उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच स्वयं को एक प्रतिस्पर्धी, ग्राहक-अनुकूल और विकास-अभिमुख संगठन के रूप में स्थापित किया है।

- कॉनकोर को मल्टी-मोडाल लॉजिस्टिक पार्क, जालना के परिचालन और अनुरक्षण हेतु स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया है।
- वर्ष के दौरान मैसूर के कडाकोला तथा ओडिशा के जाजपुर एवं पारादीप में कॉनकोर के मल्टी-मोडाल लॉजिस्टिक पार्कों का उद्घाटन किया गया है।
- जीआईडीसी और कॉनकोर की संयुक्त पहल जीआईसीओएन के माध्यम से दाहेज में गति शक्ति कार्गो टर्मिनल को कमीशन किया गया।
- अहमदगढ़ स्थित कॉनकोर जेवी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (पीएलआईएल) में सीमा-शुल्क गतिविधियों का उद्घाटन किया गया।
- कॉनकोर ने 100 एलएनजी कंटेनर ट्रकों के एक दस्ते को तैनात करके एलएनजी ईंधन की आपूर्ति में अग्रणी भूमिका निभाई है और 200 एलएनजी कंटेनर ट्रकों की खरीद प्रक्रियाधीन है।
- ग्रीन संभार-तंत्र - एलएनजी ट्रक: स्थायी संभार-तंत्र के साधनों को बढ़ावा देने और एलएनजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए कॉनकोर ने खातूवास और दादरी में अपने मल्टी-मोडाल लॉजिस्टिक पार्क में एलएनजी स्टेशन स्थापित करने की पहल की है।
- वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली पर आधारित कॉनकोर का अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कमान केन्द्र का संचालन शुरू किया गया, जो रियल टाइम में कंटेनर के 3डी स्टैक अवस्थिति की निगरानी करेगा।
- हितधारकों के लिए व्यवसाय करने में आसानी के लिए ई-फॉरवर्डिंग नोट की शुरूआत की है, जो दक्षता और पारदर्शिता के एक नए युग के प्रतीक को दर्शाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी पहल: स्वचलन का एकीकरण

- कॉनकोर ने 31 अगस्त, 2023 को अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, तुगलकाबाद पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग आधारित कंटेनर टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली और वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली द्वारा कंटेनर के 3डी स्टैक अवस्थिति की रियल टाइम में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताओं के साथ निगरानी करने के लिए कार्यान्वित किया है:-
  - ➢ डेटा संग्रहण में बेहतर सटीकता
  - ➢ त्वरित एवं सुविचारित निर्णय लेने में सक्षम
  - ➢ ग्राहक सेवा का बेहतर स्तर
  - ➢ कार्गो की निरंतर दृश्यता
  - ➢ संरक्षा एवं सुरक्षा में वृद्धि
  - ➢ बेहतर पारदर्शिता
  - ➢ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा विश्लेषण

चुनौतियों का सामना करने की कार्यनीति

कंपनी ने बढ़ते संभार क्षेत्र में लाभप्रदता के साथ आगे के विकास हेतु एक कार्यनीति तैयार की है। इस कार्यनीति में शामिल हैं:

- समर्पित माल यातायात गलियारों और प्रमुख औद्योगिक संपदाओं क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थानों पर मल्टी-मोडाल लॉजिस्टिक पार्कों की स्थापना।
- शिपिंग लाइन, पत्तन टर्मिनलों के साथ कार्यनीतिक संबंध बनाकर माल-यातायात अग्रेषण, वितरण, सीमा शुल्क संबंधी स्वीकृतियों जैसी सेवाओं में विविधता प्रदान की है।
- सड़क पुल निर्माण संबंधी समाधान के साथ निजी माल यातायात टर्मिनलों/गति शक्ति मल्टी-मोडाल कार्गो टर्मिनल की स्थापना।
- डबल स्टैक लंबी दूरी की माल गाड़ियों को बढ़ावा देना और रेल पोत अंतरण केंद्र का विकास करना।
- एक लॉजिस्टिक्स सहयोगी के माध्यम से कॉनकोर टर्मिनल दाहेज पर तरल और गैस कार्गो के भंडारण एवं परिवहन के लिए सुविधाएं स्थापित करना।
- सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से कॉनकोर टर्मिनलों पर ग्रेड ए वेयरहाउसिंग स्थापित करने की संभावनाओं का पता लगाना।

कोंकण रेलवे कार्पोरेशन निगम लिमिटेड (केआरसीएल)

वर्ष 1990 में कंपनी की स्थापना भारत के पश्चिमी तट पर रेल के निर्माण एवं परिचालन के प्रयोजनार्थ रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र राज्य सरकार (22%), कर्नाटक राज्य सरकार (15%), केरल राज्य सरकार (6%) और गोवा राज्य सरकार (6%) की इक्विटी भागीदारी के साथ की गई थी। वर्तमान में रेल मंत्रालय की इक्विटी भागीदारी 59.89% है, जबकि शेष राज्यों में क्रमश: 18.36%, 12.52%, 5.01% और 4.23% इक्विटी भागीदारी है।

प्रमुख वित्तीय विशेषताएं:

(करोड़ ₹ में)

विवरण	2022-23	2023-24
कुल आय	5,152.25	**4,677.53**
परिचालन मार्जिन	632.67	**736.30**
करोपरांत लाभ	278.93	**301.73#**
निवल मूल्य	1,792.44	**2,021.82**

 # यह निगम की स्थापना के बाद से अब तक का सबसे अधिक लाभ है।

रेलगाड़ी परिचालन कार्य-निष्पादन:

क. वर्ष 2023-24 के दौरान कोंकण रेलवे में प्रतिदिन औसतन उन्नचास (49) जोड़ी मेल/एक्सप्रेस और चार (04) जोड़ी पैसेंजर रेलगाड़ियां चल रही हैं। इसके अलावा, वर्ष 2023-24 के दौरान ग्रीष्मावकाश, गणपति उत्सव, दिवाली त्यौहार, शरदावकाश, आंगणेवाडी यात्रा एवं होली त्यौहार के समय यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ की सम्हलाई के लिए 667 अदद स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गई। इसके अलावा, वर्ष के दौरान 1,721 अदद अन्य स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गई जिनमें एफटीआर स्पेशल, इलेक्शन स्पेशल, मिलिट्री स्पेशल आदि शामिल हैं। वर्ष के दौरान, कोचिंग से अभी तक की सर्वाधिक ₹1,029.99 करोड़ की आमदनी (पैसेंजर एवं अन्य कोचिंग संबंधी राजस्व) अर्जित की गई, जो पिछले वर्ष के ₹975.10 करोड़ से 5.6 प्रतिशत अधिक है।

ख. वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान माल यातायात के क्षेत्र में, रोल ऑन - रोल ऑफ (रोरो) सेवाओं सहित प्रति दिन औसतन अठारह (18) मालगाड़ियां चलाई गई। वित्त वर्ष के दौरान माल यातायात राजस्व ₹700.62 करोड़ था, जो पिछले वर्ष के 746.41 करोड़ रुपए की तुलना में 6.1% कम है।

ग. **भारत-नेपाल सीमापार रेल का परिचालन:** नेपाल रेलवे कंपनी लिमिटेड ने दिसंबर, 2024 तक परिचालन एवं अनुरक्षण सहायता के लिए कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड को नियुक्त किया है। इस समझौते के भाग के रूप में, कोंकण रेलवे ने डेमू रेलगाड़ी सेटों का परिचालन और अनुरक्षण किया, विशेषज्ञ जनशक्ति और न्यूनतम उपस्करों की आपूर्ति की, रेल परिचालन के लिए मूलभूत प्रणालियों का निर्माण किया और रेलपथ एवं सिगनल-प्रणाली के अनुरक्षण के लिए तकनीकी सहायता सुलभ कराई। रेल परिचालन एवं अनुरक्षण कार्यों के संबंध में कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड की अभी तक की यह पहली अंतर्राष्ट्रीय परियोजना है। दिनांक 03 अप्रैल, 2022 से कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा नेपाल रेलवे के जयनगर और कुर्था स्टेशनों के बीच भारत-नेपाल क्रॉस बॉर्डर रेल का परिचालन शुरू किया गया। इस अवधि के दौरान, कोंकण रेलवे ने 100% समयपालन के साथ प्रत्येक दिन दो अप और दो डाउन रेलगाड़ी सेवाओं का परिचालन किया।

परियोजना कार्य निष्पादन:

क. **उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क (उधमपुर बारामूला रेल लाइन परियोजना, जम्मू और कश्मीर):** कार्पोरेशन द्वारा सभी 16 सुरंगों की खुदाई पूरी कर ली गई है। मुख्य सुरंग की कुल सुरंग खुदाई कार्य 44.59 किलोमीटर है। इस वित्त वर्ष के दौरान सुरंग टी-1 (लंबाई 3159 मी), जिसमें भारी मात्रा में पानी का प्रवाह है, और मुख्य बाउंड्री प्रणोद से होकर गुजरने वाली सुरंग की खुदाई करने में सफलता प्राप्त हुई है। इस वित्त वर्ष में रेलपथ लिंकिंग कार्य सहित अंजी

पुल का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। दिनांक 20.02.2024 को बनीहाल-खरी-सुंबर-संगलदान खंड के बीच नई रेल लाइन और बारामूला-श्रीनगर-बनीहाल-संगलदान खंड के विद्युतीकरण कार्यों को राष्ट्र को समर्पित किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 में ₹3,135.14 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) की तुलना में ₹2,522.37 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का कारोबार हासिल किया गया।

ख. **अनाक्कमपोयिल-कालडि-मेप्पादि सुरंग सड़क परियोजनाः** केरल सरकार ने अनाक्कमपोयिल-कालडि-मेप्पादि सुरंग सड़क परियोजना के निष्पादन के लिए कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड को विशेष प्रयोजन योजना समनुदिष्ट किया है। इस परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए कोंकण रेलवे, लोक निर्माण (एच) विभाग और केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड के बीच एक त्रिपक्षीय करारनामे पर हस्ताक्षर किए गए हैं। निगम ने 2,043.74 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से दक्षिणी छोर पर 4 लेन का पंहुच मार्ग और दो समानांतर प्रमुख पुलों के साथ ट्विन ट्यूब एकदिशीय सुरंग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली है। केरल सरकार से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है।

ग. **विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय पत्तन, केरल के लिए रेल संपर्कः** विझिंजम पत्तन, बलरामपुर रेलवे स्टेशन को जोड़ने के लिए कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड और विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय पत्तन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दक्षिण रेलवे द्वारा गैर-सरकारी रेल मॉडल के अंतर्गत ₹1,200.38 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अनुमोदित की जा चुकी है। इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

घ. **अन्य क्षेत्रीय रेलों के लिए मार्ग विद्युतीकरणः** कार्पोरेशन द्वारा अपनी परियोजना से आमदनी में वृद्धि के लिए रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं हेतु बड़े पैमाने पर बोलियां लगाई जा रही है। इस संबंध में, निगम को अन्य क्षेत्रीय रेलों के मार्ग विद्युतीकरण कार्य के लिए 338.67 करोड़ रुपए की परियोजना लागत के साथ 09 अदद स्वीकृति पत्र प्राप्त हुए हैं और कार्य प्रगति पर हैं।

ङ. **रक्सौल-काठमांडू नई विद्युतीकृत बड़ी लाइन के लिए अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षणः** पूर्व मध्य रेल ने कोंकण रेलवे को रक्सौल (भारत) और काठमांडू (नेपाल) के बीच नई बड़ी लाइन (136 किलोमीटर) के लिए अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण का कार्य सौंपा है। इस पूरी दूरी के लिए चंक्रमण सर्वेक्षण, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण, भूविज्ञानी मानचित्रण एवं फील्ड सर्वेक्षण कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

च. **टाटा केमिकल्स परियोजना, केन्याः** कोंकण रेलवे ने मैसर्स टाटा केमिकल्स लिमिटेड, मगादी, केन्या के साथ मार्च, 2023 में रेलपथ, रेलइंजन और चल स्टॉक सहित रेल प्रणालियों के पुनर्स्थापन के लिए करारनामे पर हस्ताक्षर किए, इस परियोजना पर कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है। जुलाई, 2023 में इस परियोजना के पहले चरण का कार्य पूरा हुआ था। परियोजना का मूल्य 1.14 करोड़ रुपए है।

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (रेलटेल)

भारतीय रेल को अत्याधुनिक संचार नेटवर्क अवसंरचना सुलभ कराकर रेलगाड़ी परिचालन और संरक्षा प्रणालियों को तेजी से आधुनिकीकरण करने में रेलवे की सहायता करने के लिए रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (मिनी रत्न श्रेणी-1 केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम) का गठन वर्ष 2000 को किया गया था। रेलटेल के पास देश भर में 7,325 स्टेशनों से गुजरने वाले 67,956 किलोमीटर रेलपथ के साथ निर्बाध मार्गाधिकार है।

पिछले कुछ वर्षों में, यह दूरसंचार अवसंरचना प्रदाता से देश का एक सबसे बड़ा सुरक्षित न्यूट्रल दूरसंचार सेवा प्रदाता और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता बन गया है। रेलटेल देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास पूरे देश में ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। रेलटेल के पास देश भर में फैले 62,000+ मार्ग किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क है। रेलटेल का एक्सेस नेटवर्क पूर्वोत्तर राज्यों सहित 21000 से अधिक किलोमीटर तक फैला हुआ है जो देशभर के सभी महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों तथा कई ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च गति विश्वसनीय संपर्कता प्रदान करता है। रेलटेल के पास दो अपटाइम, यू.एस.ए. प्रमाणित टियर-III डाटा सेंटर हैं और इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचीबद्ध एक 'रेल क्लाउड' हैं, जिसमें अत्याधुनिक सुरक्षा परिचालन केंद्र, नेटवर्क परिचालन केंद्र है और इसमें 800 से अधिक कुशल पेशेवर शामिल हैं। रेलटेल का इसके अद्वितीय नेटवर्किंग हाई बैंडविड्थ बैकबोन सेग्मेंट के साथ एक गौरवान्वित स्थान है। इस नेटवर्क में संवर्धित कार्यकुशलता और वृद्धि के लिए मिशन हेतु अत्यावश्यक अनुकूलित संपर्कता प्रणाली सुलभ कराने की क्षमता है।

रेलटेल नेटवर्क में 2 एमबीपीएस से 800 जीबीपीएस लिंक तक सेवा प्रदान करने की क्षमता है। रेलटेल नेटवर्क में विभिन्न प्रौद्योगिकियां शामिल हैं जैसे सिंक्रोनस डिजिटल हिरारकी (एसडीएच), पैकेट ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (पीटीएन), डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (डीडब्ल्यूडीएम), इंटरनेट प्रोटोकॉल-मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपी-एमपीएलएस) जिनका अनुरक्षण नेटवर्क परिचालन केन्द्रों और प्रशिक्षित फील्ड जनशक्ति द्वारा चौबीसों घंटे किया जाता है। कुल 11000+ बैकबोन और एक्सेस पीओपी उपलब्ध हैं। नेटवर्क पर उपलब्ध कराए गए सभी उपस्कर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के हैं और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार मानकों के अनुरूप हैं। रेलटेल द्वारा डाटा सेंटर स्पेस में नई परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा रहा है और आगामी वर्षों में 102 एज डाटा सेंटर बनाने की योजना बनाई जा रही है तथा नोएडा में सार्वजनिक निवेश भागीदारी को आमंत्रित करके एक अन्य अत्याधुनिक डाटा सेंटर स्थापित करने पर सक्रियतापूर्वक विचार किया जा रहा है।

वित्तीय कार्य-निष्पादन

अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार परिदृश्य के बावजूद, रेलटेल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ₹2622 करोड़ की कीर्तिमान भंजक कुल आमदनी अर्जित की है, जो पिछले वित्त वर्ष के कारोबार और लाभ दोनों की तुलना में 31% की विलक्षण वृद्धि है। वर्ष के दौरान, कंपनी के परिचालन राजस्व में 31% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो ₹2,568 करोड़ के कारोबार तक पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह ₹1,957 करोड़ रुपए था। रेलटेल ने भारतीय रेल को राजस्व हिस्सेदारी के रूप में ₹43 करोड़ और लाइसेंस शुल्क के लिए दूरसंचार विभाग को ₹82 करोड़ का भुगतान किया है।

कंपनी ने अंतरिम लाभांश के रूप में प्रति शेयर ₹1.00 का भुगतान भी किया है जो सभी शेयरधारकों के लिए समादत्त शेयर पूंजी का 10% है। नए दृष्टिकोण और केंद्रित प्रयासों के साथ, कंपनी बेहतर वित्तीय परिणाम हासिल करने और उद्योग में अपनी स्थिति को अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर आश्वस्त है।

मुख्य क्षेत्र

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस)

रेलटेल ने भारतीय रेल के 129 अस्पतालों और 581 स्वास्थ्य इकाइयों सहित 710 स्वास्थ्य इकाइयों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली सुलभ कराने का कार्य पूरा कर लिया है। यह सटीक,

इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहीत मेडिकल रिकॉर्ड सुलभ कराने के लिए उन्नत अस्पताल प्रशासन और रोगी स्वास्थ्य देखभाल हेतु एकीकृत नैदानिक सूचना प्रणाली है।

इस सॉफ्टवेयर की विशेषताओं में विभागों और प्रयोगशालाओं के अनुसार नैदानिक डेटा को अनुकूलीकृत करना, मल्टी-अस्पताल विशेषता शामिल है जो कि सर्वत्र परामर्श; चिकित्सा और अन्य उपस्कर के साथ निर्बाध इंटरफेस सुलभ कराता है और इससे रोगियों को उनके मोबाइल पर उनके सभी चिकित्सा संबंधी रिकॉर्ड को एक्सेस करने का लाभ मिलेगा। अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के लगभग 34 मॉड्यूल हैं। रेल अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ भी एकीकृत किया गया है।

रेल अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली कर्मचारियों की विशिष्ट मेडिकल आईडी से जुड़ा हुआ है, जिसके लिए भारतीय रेल के नियमित कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को लगभग 50 लाख यूएमआईडी कार्ड जारी किए गए हैं। भारतीय रेल अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली ने 18 महीनों में 710 स्वास्थ्य इकाइयों के साथ सहयोग स्थापित करते हुए 1 करोड़ निदान पर्ची सफलतापूर्वक जारी करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रति दिन औसतन 50,000 निदान पर्ची के साथ, रेल अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली रोगी देखभाल पर, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और कुशल स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना सुनिश्चित करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है। रेलटेल की अभिनव प्रणाली अस्पतालों को शीर्ष स्तर की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए सशक्त बना रही है, जबकि स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच निर्बाध सहयोग को भी सक्षम बना रही है।

रेल नियंत्रण और कमान सिगनल प्रणाली का आधुनिकीकरण

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को उत्तर रेलवे के 26 स्टेशनों पर पुराने यांत्रिक सिगनल उपकरणों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से बदलने का कार्य सौंपा गया है। मौजूदा यांत्रिक सिगनल प्रणाली द्वारा सिगनल को कम करने और पटरियों को बदलने के लिए लीवर फ्रेम का उपयोग किया जा रहा है। नई इलेक्टॉनिक इंटरलॉकिंग सिगनल प्रणाली अब माउस के क्लिक से सिगनल को कम करने और पटरियों को बदलने में सक्षम होगी और संरक्षा को बढ़ाएगी तथा गाड़ी परिचालन की दक्षता में सुधार करेगी। रेलटेल को दक्षिण मध्य रेलवे से स्वचलित ब्लॉक सिगनल प्रणाली के प्रावधान के लिए व्यापक सिगनल और दूरसंचार कार्यों के लिए कार्य आदेश भी प्राप्त हुआ है।

सुरंग संचार

रेलटेल चुनौतीपूर्ण रेल सुरंगों में संरक्षा और संपर्कता बढ़ाने के लिए सुरंग संचार प्रणाली संस्थापित करने में सक्रिय रहा है। रेलटेल ने कई सुरंग संचार परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें दक्षिण पश्चिम रेलवे में हुबली मंडल का कैसल रॉक-कुलेम खंड, मध्य रेलवे में मुंबई मंडल का पनवेल-कर्जत, कर्जत-लोनावाला और कसारा-इगतपुरी खंड, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के लमडिंग मंडल का बैराबी-सैरंग खंड, जम्मू और कश्मीर रेल लिंक परियोजना के इस धरम-बनिहाल खंड में एक एकीकृत सुरंग रेडियो संचार प्रणाली स्थापित करना शामिल हैं। कोंकण रेलवे कार्पोरेशन और कटरा-बनिहाल खंड से कटरा-धरम खंड में एक ही प्रणाली से रेलटेल पूरे खंड के लिए सुरंग संचार प्रणाली कार्यान्वित की जा रही है।

वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस)

रेलटेल द्वारा 5102 रेलवे स्टेशनों पर इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा-आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली की व्यवस्था को भी क्रियान्वित किया जा रहा है। इससे भारतीय रेल नेटवर्क पर यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा का संवर्धन करने में सफलता मिलेगी। रेलटेल द्वारा संबंधित क्षेत्रीय रेलों द्वारा विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर संस्थापित विभिन्न स्टैंडअलोन वीडियो निगरानी प्रणाली को भी एकीकृत किया जा रहा है ताकि वीडियो रिकॉर्डिंग को मंडल और क्षेत्रीय रेल मुख्यालय में केंद्रीय रूप से देखा जा सके और निगरानी की जा सके। इस परियोजना के तहत, स्टेशन परिसरों में लगाए जाने वाले सभी कैमरों को ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क के अंतर्गत लाया जाएगा और एक केंद्रीकृत स्थान (सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष) में पहुंचाया जाएगा जहां से रेल सुरक्षा कर्मियों द्वारा कई एलसीडी मॉनिटरों पर उनकी निगरानी की जाएगी। इस प्रणाली में स्टेशनों पर उच्च क्षमता वाले स्टोरेज उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग को एक निर्धारित अवधि के लिए संग्रहीत किया जा सके।

एनआईसी की ई-ऑफिस एप्लिकेशन

रेलटेल ने भारतीय रेल के लिए एनआईसी की ई-ऑफिस प्रणाली को कार्यान्वित करने का कार्य पूरा कर लिया है। एनआईसी की ई-ऑफिस परियोजना भारत सरकार के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कार्यक्रम के तहत एक मिशन मोड परियोजना (एमएमपी) है। इस परियोजना का उद्देश्य अधिक कुशल, प्रभावी और पारदर्शी अंत:-सरकारी एवं अंतर-सरकारी लेनदेन तथा प्रक्रियाओं की शुरुआत करना है। भारतीय रेल की 250+ इकाइयों में एनआईसी की ई-ऑफिस प्रणाली को क्रियान्वित किया जा चुका है। भारतीय रेल के 1.50+ लाख से अधिक उपयोगकर्ता ई-ऑफिस एप्लिकेशन का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें अभी तक 30+ लाख ई-फाइलें खोली गई हैं और 3.45 करोड़ पावतियां बनाई गई हैं। संकट के समय में ई-ऑफिस एक वरदान साबित हुआ है और रेल कर्मचारियों में से काफी अधिक कर्मचारी घर से कार्य कर पाए थे, जो कि मैनुअल फाइल प्रणाली के मामले में असंभव होता। रेलवे में एनआईसी की ई-ऑफिस प्रणाली को कार्यान्वित करने की सफलता के साथ रेलटेल ने 85+ से अधिक संगठनों में एनआईसी की ई-ऑफिस प्रणाली की सेवा को सुलभ कराया है।

रेलवे स्टेशन वाई-फाई सेवाएं

रेलटेल द्वारा सभी रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई सुलभ कराकर रेलवे स्टेशनों का डिजिटल हब में कायापलट किया जा रहा है। 6,112 रेलवे स्टेशनों पर रेलटेल के रेलवायर वाई-फाई मुहैया कराया गया है। यह विश्व का एक विशालतम और सर्वाधिक तीव्र सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क में से एक है, जिसे प्रति माह औसतन 50 लाख विशिष्ट लॉगिन द्वारा एक्सेस किया जा रहा है। यात्रियों द्वारा इस सुविधा का उपयोग हाई डेफिनेशन वीडियो स्ट्रीमिंग, फिल्में, गाने, गेम डाउनलोड करने और ऑनलाइन अपने कार्यालय के कार्य करने के लिए किया जाता है।

स्टेशन वाई-फाई रेल उपयोगकर्ताओं और रेलवे स्टेशनों के आसपास के समुदाय के बीच इतना लोकप्रिय था कि इसने वैश्विक और घरेलू मीडिया का ध्यान आकर्षित किया।

रेलवायर-रीटेल ब्रॉडबैंड सेवा

रेलटेल रीटेल ब्रॉडबैंड सेवा रेलवायर - रेलटेल का होम इंटरनेट 10,500 से अधिक भागीदारों के साथ सफल सहभागिता में 5.70 लाख ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवाओं ने वित्त वर्ष 23-24 में 56,692 नए ग्राहकों की निवल वृद्धि दर्ज की है। यह अंतिम स्थान संपर्कता सुलभ कराने के लिए स्थानीय केबल ऑपरेटरों ने उपभोक्ताओं के साथ सहभागिता में

सहयोग करता है। अपने सहयोगी रेलवायर रिटेल ब्रॉडबैंड प्लेटफॉर्म के साथ, रेलटेल देश भर में कई खुदरा और उद्यम ग्राहकों के लिए विश्वसनीय ब्रॉडबैंड सेवाओं की अपनी पेशकश का विस्तार करने में सक्षम है।

उत्कृष्टता केंद्र-रेल सिगनल-प्रणाली, संचार और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र

रेलवे सिगनल-प्रणाली के क्षेत्र में सक्षम और कुशल जनशक्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, रेलटेल ने सिगनल-प्रणाली, दूरसंचार और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। इस उत्कृष्टता केंद्र द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से कवच (स्वचालित गाड़ी सुरक्षा) और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करने वाले प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम पेश किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्टता केंद्र का उद्देश्य आईआरएसई लाइसेंस के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रमाणन के लिए मूल्यांकन एजेंसी के रूप में कार्य करना है, जो अनुभवी रेलवे प्रोफेशनल और युवा इंजीनियरों दोनों को सेवाएं मुहैया कराएगा।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

रेलटेल अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व की पहलों द्वारा समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए समर्पित है। रेलटेल द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने में सक्रिय रूप से शामिल है और समय-समय पर लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार रेलटेल मुख्यत: डिजिटल साक्षरता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। वित्त वर्ष 2023-24 में, रेलटेल द्वारा विभिन्न कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व परियोजनाओं के लिए ₹484.49 लाख की राशि आवंटित की गई थी। इन पहलों में सुपर-30 के उनके प्रमुख कार्यक्रम जैसे सेहत केन्द्र का संचालन, पूर्ण रूप से सुसज्जित एम्बुलेंस दान करना, यौनकर्मियों के बच्चों, बुनकरों के गांव की गरीब महिलाओं और अन्य जरूरतमंद अनाथ बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण प्रदान करना शामिल है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी)

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक 'मिनी रत्न (श्रेणी-I)' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है। आईआरसीटीसी को 27 सितंबर, 1999 को भारतीय रेल की एक विस्तारित शाखा के रूप में शामिल किया गया था, जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों, रेलगाड़ियों और अन्य स्थानों पर खानपान और आतिथ्य सेवाओं को उन्नत, पेशेवर बनाना और प्रबंधित करना तथा बजट होटलों, विशेष टूर पैकेजों, सूचना और वाणिज्यिक प्रचार तथा वैश्विक आरक्षण प्रणालियों के विकास के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देना था।

रेल मंत्रालय ने 19 जुलाई, 2024 को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में आईआरसीटीसी को 'अनुसूची बी' से 'अनुसूची ए' श्रेणी में अपग्रेड करने की घोषणा की।

कंपनी की मुख्य गतिविधियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

1. खानपान एवं आतिथ्य;
2. इंटरनेट टिकटिंग;
3. यात्रा एवं पर्यटन (राज्य तीर्थ सहित);
4. पैकेज्ड पेयजल (रेल नीर)।

खानपान एवं आतिथ्य सेवाएं

आईआरसीटीसी भारतीय रेल नेटवर्क में यात्रियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई खानपान सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इन सेवाओं को तीन मुख्य खंडों में वर्गीकृत किया गया है: चल खानपान सेवाएँ, स्थैतिक खानपान सेवाएँ और ई-खानपान सेवाएँ।

चल खानपान सेवाएँ

चल खानपान सेवाएँ विशेष रूप से चलती रेलगाड़ियों में यात्रियों की सेवा के लिए डिजाइन की गई हैं। इस वर्ग में राजधानी, शताब्दी, दुरंतो जैसी प्रीमियम रेलगाड़ियां शामिल हैं। गतिमान, तेजस और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक रेलगाड़ियां उन्नत सुविधाओं और खानपान सेवाओं से युक्त हैं।

ट्रेन साइड वेंडिंग: ऐसी सेवाएँ जिनमें बिना रसोईयानों वाली रेलगाड़ियों में यात्रियों को नाश्ता और पेय पदार्थ प्रदान किए जाते हैं।

31 मार्च, 2024 तक आश्चर्यजनक तैयारी के साथ 474 से अधिक रेलगाड़ियों को रसोईयान से सुसज्जित किया गया था और 713 रेलगाड़ियों में ट्रेन साइड वेंडिंग (टीएसवी) की व्यवस्था की गई थी। आईआरसीटीसी की खानपान सेवा खानपान नीति 2017 के अनुसार प्रदान की जाती हैं। नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रियों को रेलगाड़ियों में और स्टेशनों पर उच्च गुणवत्ता वाले, स्वच्छ और किफायती भोजन और पेय पदार्थ प्राप्त हों।

स्थैतिक खानपान सेवाएँ

- रेलवे स्टेशनों और अन्य नियत स्थानों पर स्थैतिक खानपान सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। ये सेवाएँ सुनिश्चित करती हैं कि यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले, यात्रा के दौरान और यात्रा के बाद विभिन्न प्रकार के भोजन के विकल्प उपलब्ध हों। इस वर्ग में फूड प्लाजा, फास्ट फूड इकाइयां, जलपान कक्ष (141), जन आहार (40), सेल किचन, बेस किचन, एग्जीक्यूटिव लाउंज (9), रिटायरिंग रूम (36) शामिल हैं।
- मार्च, 2024 तक कंपनी के पास 40 जन आहार, 141 जलपान कक्ष, 9 बेस किचन और 305 फूड प्लाजा/फास्ट फूड इकाइयां थीं।

ई-खानपान सेवाएँ

- आरक्षित टिकटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों के पास अब आईआरसीटीसी की ई-खानपान सेवा के माध्यम से विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों में से चुनने की सुविधा है, जिसका लाभ वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से लिया जा सकता है। इस अभिनव सेवा में यात्रियों को अपनी पसंद के भोजन चुनने की सुविधा है, जिसमें सेवा प्रदान करने वाले रेस्तरां द्वारा मेनू तैयार किए जाते हैं और अधिक मात्रा में ऑर्डर के लिए अनुकूलनीय होते हैं।
- वर्तमान में देश भर में लगभग 428 स्टेशनों पर संचालित, आईआरसीटीसी की ई-खानपान सेवा सफल रही है, जिसमें प्रतिदिन औसतन लगभग 55,118 भोजन बुक किए जाते हैं। इसकी व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करती है कि यात्री अपनी रेलयात्रा के दौरान गुणवत्तापूर्ण भोजन का आनंद ले सकें, जिससे समग्र यात्रा आरामदायक हो।
- नए पाक-कला उत्पाद: आईआरसीटीसी ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए दो बेहतरीन खाद्य उत्पाद शुरु किए हैं: प्रचलित 'रेलवे कटलेट' और 'बाउल मील - द गुड बाउल'।
- 'रेलवे कटलेट' में 60-ग्राम की दो सामग्रियाँ उपलब्ध करायी जाएंगी, जिनमें मूंगफली और

चुकंदर जैसी सामग्री होंगी और पैकेजिंग पर अनूठी कलाकृति होगी। इसका मूल्य 50 रुपये (सभी करों सहित) होगा।

- 'बाउल मील - द गुड बाउल' में यात्रियों को पौष्टिक और प्रसन्नचित्त भोजन के विकल्प प्रदान किए जाते हैं। यात्रियों के लिए कुशल तरीके से बनाए गए इन भोज्य पदार्थों की ताजगी और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अभिनव पैकेजिंग इनकी विशेषता है। द गुड बाउल के दो विकल्प उपलब्ध हैं। (1) शाकाहारी लोगों के लिए रोस्ट वेजिटेबल राइस बाउल (2) मांसाहारी लोगों के लिए चिकन कोफ्ता राइस बाउल।

आसान भुगतान विकल्प

- आईआरसीटीसी में यात्रियों के पसंद के अनुरूप सुविधाजनक भुगतान विधियां हैं। भोजन के लिए 'पे-ऑन-डिलीवरी' या ऑनलाइन प्रीपेड विकल्प के माध्यम से आसानी से भुगतान किया जा सकता है, जिसमें यात्रियों को निर्बाध लेनदेन का अनुभव सुनिश्चित होता है।

फीडबैक और सुधार

- आईआरसीटीसी के लिए यात्रियों की संतुष्टि सर्वोपरि है। अपने भोजन प्राप्त करने के बाद, यात्री सीधे ई-खानपान वेबसाइट पर मूल्यवान फीडबैक दे सकते हैं, जिससे ग्राहकों की पसंद के आधार पर सेवा की गुणवत्ता और मेनू में निरंतर सुधार हो सके।

रेल नीर पैकेज्ड पेयजल

रेल नीर पैकेज्ड पेयजल आज देश में पेयजल के सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है। रेल नीर केवल रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों के स्टॉलों पर बेचा जाता है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक, इस कंपनी की देश भर में 19 रेल नीर संयंत्र थे और इसने 39.49 करोड़ बोतलों का उत्पादन दर्ज किया। मल्लवल्ली (विजयवाड़ा) में एक और रेल नीर संयंत्र का निर्माण अंतिम चरण में है।

यात्रा और पर्यटन

आईआरसीटीसी देश की अग्रणी यात्रा और पर्यटन कंपनियों में से एक है और लगभग सभी प्रकार की पर्यटन गतिविधियों में अपनी मौजूदगी के साथ ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी (ओटीए) व्यवसाय के क्षेत्र में भी प्रमुख कंपनी है। आईआरसीटीसी सामूहिक पर्यटन व्यवसाय में माहिर है, जिससे इसकी किफायती विशेष पर्यटक रेलगाड़ियों में हर वर्ष बड़ी संख्या में घरेलू पर्यटक पर्यटन करते हैं। इसके अलावा, कंपनी संपन्न वर्ग के लिए महाराजा एक्सप्रेस और गोल्डन चौरियट जैसी लक्जरी पर्यटक रेलगाड़ियां और मध्यम वर्ग के पर्यटकों के लिए डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ियां भी चलाती है।

भारत गौरव पर्यटक रेलगाड़ियां

भारतीय रेल ने भारत गौरव पर्यटक रेलगाड़ियों के बैनर तले थीम आधारित सर्किट पर पर्यटक गाड़ियां चलाने की अवधारणा शुरू की। वित्त वर्ष 2023-24 में विभिन्न सर्किटों पर 182 रेलगाड़ी यात्राएं पूरी की गई, जो टूर पैकेज के रूप में पेश की गई, जिसमें आरामदायक रेलगाड़ी यात्रा और संबद्ध ऑनबोर्ड सेवाओं के साथ बसों द्वारा ऑफ-बोर्ड यात्रा और भ्रमण, होटलों में ठहरने, टूर गाइड, भोजन, यात्रा बीमा आदि जैसी सेवाएं प्रदान की गई।

"भारत-नेपाल यात्रा" का शुभारम्भ

20 सितंबर, 2024 को आईआरसीटीसी ने "भारत-नेपाल यात्रा" शुरू की, जो भारत और नेपाल के आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने वाली 9-रात, 10-दिवसीय तीर्थ यात्रा है। इस यात्रा में भारत

गौरव डीलक्स वातानुकूलित रेलगाड़ी में यात्रा शामिल है, जो यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएँ और सांस्कृतिक समृद्धि प्रस्तुत करती है।

इंटरनेट टिकटिंग

आईआरसीटीसी 2002 में अपनी स्थापना के बाद से ई-टिकटिंग क्षेत्र में अग्रणी के रूप में उभरा है। पिछले कुछ वर्षों में, आईआरसीटीसी ने भारतीयों द्वारा रेलवे टिकट बुक करने के तरीके को बदल दिया है, और देश तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के रूप में उभरा है।

'एक भारत - एक टिकट' पहल

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के सहयोग से आईआरसीटीसी ने दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाया है। दिल्ली मेट्रो रेल क्यूआर कोड-आधारित टिकट का 'बीटा संस्करण' 10 जुलाई, 2024 को लॉन्च किया गया था, जिससे मेनलाइन रेलवे यात्री आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन क्यूआर कोड टिकट बुक कर सकते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के साथ समझौता ज्ञापन

12 अगस्त, 2024 को आईआरसीटीसी ने 'एक भारत - एक टिकट' पहल को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी आईआरसीटीसी के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करने वाले यात्रियों के लिए सहज यात्रा समाधान की अनुमति देगी, जिससे रेल, हवाई या बस टिकटों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम क्यूआर कोड-आधारित टिकट खरीदना सुविधाजनक हो जाएगा।

नेक्स्ट जेनरेशन ई-टिकट प्रणाली

आईआरसीटीसी ने बढ़ती हुई मांग को पूरा करने और निर्बाध सेवा सुनिश्चित करने के लिए, नेक्स्ट जेनरेशन ई-टिकट प्रणाली बनाई। यह उन्नत प्रणाली उच्च क्षमता वाले सर्वर द्वारा समर्थित है जो प्रति मिनट 28,000 से अधिक टिकट बुक करने में सक्षम है, जो इस प्लेटफॉर्म की सुदृढ़ तकनीकी अवसंरचना को दर्शाता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

आईआरसीटीसी ने 21 जून, 2024 को रेलवे क्लब, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली में एक कायाकल्प योग सत्र का आयोजन कर गर्व से 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। 200 से अधिक आईआरसीटीसी कर्मचारियों और उनके परिवारों ने स्वास्थ्य एवं स्फूर्ति को बढ़ावा देते हुए इसमें भाग लिया। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, सिकंदराबाद और चंडीगढ़ सहित अन्य जोनल और क्षेत्रीय कार्यालयों में भी इसी तरह के सत्र आयोजित किए गए।

कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएमआरसीएल)

अपने समृद्ध इतिहास और जीवंत संस्कृति के साथ, कोलकाता को लंबे समय से यातायात संकुलन और अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों को हल करने के लिए जुलाई, 2008 में भारत सरकार द्वारा ईस्ट-वेस्ट मेट्रो परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसका लक्ष्य शहर भर में परिवहन का एक निर्बाध और कुशल साधन प्रदान करना था। कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रेल मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम को कोलकाता के ईस्ट वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण का कार्य सौंपा गया है जो हुगली नदी के पार

हावड़ा और कोलकाता के जुड़वे शहरों को जोड़ता है। यह केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली परियोजना है जिसमें रेल मंत्रालय की 74% इक्विटी हिस्सेदारी और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की 26% इक्विटी हिस्सेदारी है।

परियोजना की विशेषताएं

ईस्ट वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर साल्ट लेक सेक्टर-V, जो कि पूर्व में एक आईटी हब है, से पश्चिम में हावड़ा मैदान तक फैला हुआ है। ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर 16.55 किलोमीटर तक फैला है, जिसमें से 5.75 किलोमीटर एलिवेटेड सेक्शन और 10.80 किलोमीटर भूमिगत सेक्शन है। इसमें 12 स्टेशन हैं, जिनमें से 06 स्टेशन एलिवेटेड स्टेशन हैं और 06 स्टेशन भूमिगत स्टेशन हैं। कॉरिडोर महाकरन और हावड़ा मेट्रो स्टेशन के बीच बारहमासी नदी गंगा (हुगली) के नीचे से गुजरता है। यह प्रमुख विशेषता इसे भारत में प्रमुख नदी के नीचे पहली जलीय (सबएक्यूअस टनल) रेल प्रणाली बनाती है।

वास्तविक प्रगति

वर्तमान में, 16.55 किलोमीटर कॉरिडोर में से, साल्ट लेक सेक्टर-V से सियालदह [9.30 किलोमीटर] और हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड (4.80 किलोमीटर) तक 14.10 किलोमीटर पहले ही जनता के लिए खोल दिया गया है। एस्प्लेनेड और सियालदह के बीच शेष 2.45 किलोमीटर भूमिगत खंड का पूरा होने का कार्य बोबाजार क्षेत्र में जल प्रवेश की घटनाओं से प्रभावित है और इसे मार्च, 2025 के माह में कमीशन किए जाने की संभावना है।

हुगली नदी के नीचे सुरंग के माध्यम से हावड़ा और कोलकाता के जुड़वे शहरों को जोड़ने वाली परियोजना का सबसे प्रतिष्ठित खंड, जिसका उद्घाटन 06.03.2024 को हुआ था, एक प्रमुख मील का पत्थर था। यह एक इंजीनियरिंग चमत्कार है क्योंकि हमारे देश में पहली बार 15.03.2024 से विशाल गंगा नदी के नीचे मेट्रो ट्रेन चल रही है।

प्रमुख वित्तीय विशेषताएं

विवरण	(₹ करोड़ में)
नवीनतम स्वीकृत लागत	8,574.98
प्रस्तावित संशोधित लागत अनुमान	10,442.41
वर्ष 2024-25 के लिए व्यय [अक्टूबर, 2024 तक]	238.15
परियोजना की शुरुआत से अब तक का व्यय	9,253.27

की गई पहलें

- पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन पहल।
- हरित पहल।
- यात्री संरक्षा पहल।
- सिगनल प्रणाली की संरक्षा लेखापरीक्षा।
- यात्री अनुकूल पहल।
- सार्वजनिक सुविधा पहल।
- स्थानीय रूपांकनों के साथ कलाकृतियाँ और भित्ति चित्र।

कोलकाता मेट्रो की तारातल-माजेरहार मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, आरवीएनएल

परियोजना के लाभ

- यह कॉरिडोर हावड़ा और सियालदह में दो प्रमुख रेलवे टर्मिनस को जोड़ता है और एस्प्लेनेड स्टेशन पर मौजूदा उत्तर दक्षिण मेट्रो और जोका-बीबीडी बाग मेट्रो परियोजना को भी जोड़ता है।
- अनुमान है कि वर्ष 2025 में लगभग 7.5 लाख लोग प्रतिदिन इस प्रणाली का उपयोग करेंगे [राइट्स रिपोर्ट- 2017]
- हावड़ा और कोलकाता के जुड़वे शहरों के लिए हुगली नदी के पार एक तेज रेलगाड़ी संचार प्रदान करके क्षेत्र के जन परिवहन परिदृश्य को बढ़ावा देना।
- यातायात संकुलन को कम करना और यात्रा समय में कमी
- वायु गुणवत्ता में सुधार और ध्वनि प्रदूषण में कमी
- जीवन की गुणवत्ता, संरक्षा और सुरक्षा में सुधार
- क्षेत्रीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना
- कार्बन फुटप्रिंट में कमी

रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल)

रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, रेल विकास निगम लिमिटेड ने अत्याधुनिक रेल परिवहन क्षमता का निर्माण किया है और 2003 में अपनी स्थापना के बाद से भारत के अवसंरचना के विकास में एक प्रमुख कंपनी रही है। रेल विकास निगम लिमिटेड अंतर्राष्ट्रीय परियोजना निष्पादन, निर्माण, प्रबंधन पद्धतियों और मानकों को अपनाकर फास्ट-ट्रैक आधार पर परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने 152 से अधिक परियोजनाओं को पूरा किया है, जो देश के रेल नेटवर्क और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

2005 में परिचालन शुरू करने के बाद, रेल विकास निगम लिमिटेड ने स्वयं को रेल अवसंरचना क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है। अपनी अभिनव पद्धति से रेल विकास निगम लिमिटेड भारतीय रेल नेटवर्क के लिए परिवहन क्षमता के सृजन में सक्षम हो सका है। इन उपायों में परियोजना विशिष्ट विशेष प्रयोज्य योजनाओं का निर्माण शामिल है जिनसे बंदरगाहों और औद्योगिक समूहों को निर्बाध रेल संपर्क प्राप्त हो सका है। रेल विकास निगम लिमिटेड की परिचालन दक्षता ने इसे 2013 में 'मिनी रत्न' का दर्जा दिलाया और भारत के अवसंरचना विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारते हुए, इसे 2023 में "नवरत्न" का दर्जा दिया गया।

वित्तीय कार्य-निष्पादन

2023-24 में रेल विकास निगम लिमिटेड का वित्तीय कार्य-निष्पादन उल्लेखनीय रहा, जिसमें कर पूर्व लाभ 1,644.38 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,939.40 करोड़ रुपये हो गया, और करोपरांत लाभ 1,462.95 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,881.02 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले वर्ष की तुलना में करोपरांत लाभ में 15.38% की वृद्धि दर्शाता है।

परियोजना निष्पादन पर कंपनी का व्यय 20,281.57 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,732.58 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें जीएसटी के लिए 3,911.93 करोड़ रुपये शामिल नहीं हैं।

वास्तविक कार्य-निष्पादन

दोहरीकरण/नई लाइन/आमान परिवर्तन

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, कंपनी ने कुल 666.04 किलोमीटर रेल लाइन कमीशन की। इसमें 70.19 किलोमीटर नई लाइन, 24.53 किलोमीटर आमान परिवर्तन, 560.08 किलोमीटर

दोहरीकरण और महानगर परिवहन परियोजना (एमटीपी) योजना-शीर्ष के अंतर्गत 11.3 किलोमीटर कोलकाता मेट्रो परियोजनाएँ शामिल हैं।

अपनी स्थापना के बाद से और मार्च 2024 तक, कंपनी ने कुल मिलाकर 15,658.85 किलोमीटर लंबाई की परियोजनाएँ कमीशन की हैं। इसमें 626.22 किलोमीटर नई लाइन, 5,843.06 किलोमीटर दोहरीकरण, 2,125.51 किलोमीटर आमान परिवर्तन, 7,000.73 किलोमीटर रेल विद्युतीकरण और महानगर परिवहन परियोजना (एमटीपी) योजना शीर्ष के अंतर्गत 63.33 किलोमीटर शामिल हैं।

कोलकाता मेट्रो रेल परियोजना, आर वी एन एल

रेल विद्युतीकरण

रेल मंत्रालय द्वारा रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं को कमीशन करने पर जोर दिए जाने के साथ ही, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान प्रमुख मार्गों पर समर्पित रेल विद्युतीकरण निर्माण-कार्यों के 239.38 मार्ग किमी (309.70 ट्रैक किमी) को सफलतापूर्वक कमीशन किया। इन विशुद्ध विद्युतीकरण परियोजनाओं के अलावा, दोहरीकरण परियोजनाओं के साथ-साथ 571.32 किमी विद्युतीकरण भी पूरा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 2023-24 में कुल 810.7 किमी विद्युतीकृत खंड कमीशन किए गए।

निम्नलिखित विद्युतीकरण परियोजनाएँ पूरी तरह से कमीशन की गई:

- कासगंज-बरेली-भोजीपुरा-डालीगंज विद्युतीकरण (401 किमी)
- ढसा-जेतलसर का विद्युतीकरण (104.44 किमी)।

सिगनल प्रणाली एवं दूरसंचार

रेल विकास निगम लिमिटेड का सिगनल प्रणाली एवं दूरसंचार प्रभाग भारतीय रेल के लिए उन्नत सिगनल प्रणाली साधन प्रदान करने में उत्कृष्ट है, जो क्षमता और संरक्षा बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई), डिजिटल एक्सल काउंटर और फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करता है।

2023-24 में, रेल विकास निगम लिमिटेड ने 119 नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) स्टेशनों, 53 इंटरमीडिएट ब्लॉक सिगनल (आईबीएस) और 85 किलोमीटर की स्वचालित सिगनल प्रणाली को कमीशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, 69 मिड-सेक्शन समपार फाटकों को सिगनलों के साथ इंटरलॉक किया गया और 4,090 किलोमीटर का फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क बिछाया गया।

रेल विकास निगम लिमिटेड को 262.04 करोड़ रुपये के स्वचालित सिगनल प्रणाली के ठेके भी मिले, जिससे ग्वालियर-झांसी परियोजना और द.म.रे., उ.प.रे. और पूर्वो.रे. में अन्य निर्माण-कार्यों पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई।

कार्यशालाएं:

रेल विकास निगम लिमिटेड ने अत्याधुनिक रेलवे कर्मशालाओं की योजना बनाने और उन्हें प्रदान करने तथा उत्पादन इकाइयों की क्षमता संवर्धन में निरंतर अपनी विशेषज्ञता सिद्ध की है। 2022-23 के अंत तक, रेल विकास निगम लिमिटेड ने 17 कर्मशाला परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था। 2023-24 के दौरान, निम्नलिखित दो कर्मशाला परियोजनाएँ पूर्णतः पूरी हो गई:

- **खोरधा रोड:** मेनलाइन इलेक्ट्रिकल मल्टिपल यूनिट कार शेड (चरण-2) का निर्माण सितंबर, 2023 में पूरा हुआ।
- **वडोदरा:** विद्युत रेलइंजन के लिए एक नई आवधिक मरम्मत शॉप स्थापित करने का कार्य दिसंबर, 2023 में पूरा हुआ।

मेट्रो परियोजनाएं

कोलकाता मेट्रो परियोजना को भूमि अधिग्रहण, मंजूरी और स्थानीय अधिकारियों द्वारा बाधाओं को दूर करने से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बहरहाल, रेल मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार के सक्रिय समर्थन से परियोजना को आवश्यक गति मिली है।

वर्ष के दौरान, दो महत्वपूर्ण खंडों को कमीशन किया गया: जोका-बिनॉय बादल दिनेश बाग लाइन का माझेरहाट-तारातला (2.5 किमी) खंड, और न्यू गरिया-विमान बंदर लाइन का हेमंत मुखोपाध्याय-बेलियाघाटा (8.80 किमी) खंड।

विशेष प्रयोज्य योजनाएं

रेल विकास निगम लिमिटेड को रेल संपर्क परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए बंदरगाहों, खानों और राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से पांच विशेष प्रयोज्य योजनाएं सफलतापूर्वक बनाने पर गर्व है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने 1,485.74 करोड़ रुपये की इक्विटी का योगदान दिया है, जिससे 12,948 करोड़ रुपये की परियोजनाएं कार्यान्वित हो सकीं, जिसमें परियोजना भागीदारों से अतिरिक्त इक्विटी योगदान और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से जुटाई गई धनराशि भी शामिल है।

यह गौरव की बात है कि सभी पांच परियोजनाएं सफलतापूर्वक कमीशन हो गई हैं। इन विशेष प्रयोज्य योजनाओं से भारतीय रेल के लिए बिना किसी निवेश जोखिम के 1,13,705.74 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। 2023-24 में, इन विशेष प्रयोज्य योजनाओं से 42,857 लदे रेक भेजे गए और 121.09 मीट्रिक टन माल का परिवहन किया है।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

2023-24 में, रेल विकास निगम लिमिटेड ने कॉरपोरेट के सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत 29.71 करोड़ रुपये का व्यय किया। कंपनी का मुख्य ध्यान शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में है।

समझौता ज्ञापन निष्पादन

कंपनी को समग्र कार्य-निष्पादन के आधार पर 100 में से 96.0 अंक प्राप्त हुए। कंपनी ने इस गौरव के लगातार 13वें वर्ष छाप छोड़ते हुए वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लोक उद्यम विभाग से 'उत्कृष्ट' का दर्जा कायम रखा। यह उपलब्धि कंपनी को रेलवे के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में दूसरा सबसे ऊंचा दर्जा प्रदान करती है।

पुरस्कार एवं सम्मान

- रेल विकास निगम लिमिटेड को 21वें ग्रीनटेक सेफ्टी अवाड्र्स 2023 में ग्रीनटेक कंस्ट्रक्शन सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- **स्कोच** 2023 ने उत्कृष्ट वास्तविक और वित्तीय कार्य-निष्पादन के लिए 'कार्य-निष्पादन' श्रेणी के तहत रेल विकास निगम लिमिटेड को स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया।
- सेफ्टी एंड क्वालिटी फोरम द्वारा आयोजित दूसरे क्वालिटी कन्वेंशन 2023 में क्वालिटी इनोवेशन पुरस्कार 2023।
- डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू अवार्ड 2023।

- 23वें ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2023 में इंदौर मेट्रो परियोजना के लिए पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार और इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एडॉप्शन श्रेणी के तहत पुरस्कार।
- बर्कशायर मीडिया द्वारा भारत की सर्वश्रेष्ठ कंपनी का पुरस्कार 2023।
- तीसरे अर्बन इंफ्रा बिजनेस लीडरशिप पुरस्कार 2023 में रेल बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर पुरस्कार।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए)

रेल भूमि विकास प्राधिकरण रेल मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक प्राधिकरण है, जिसकी स्थापना रेल अधिनियम, 1989 में संशोधन के माध्यम से गैर-प्रशुल्क उपायों द्वारा राजस्व अर्जित करने के प्रयोजन से वाणिज्यिक उपयोग के लिए केंद्र सरकार द्वारा सौंपी गई रेल भूमि का विकास करना है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण का गठन 31.10.2006 के असाधारण राजपत्र अधिसूचना के अनुसार किया गया है, जिसे 05.01.2007 को संशोधित किया गया था। रेल भूमि विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली के नियम भी 04.01.2007 के असाधारण राजपत्र में अधिसूचित किए गए हैं।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण के कार्य

धारा 4(घ) के अनुसार, रेल भूमि विकास प्राधिकरण को रेल भूमि के विकास के संबंध में केंद्र सरकार के कार्यों का निर्वहन और ऐसी शक्तियों का प्रयोग करना है, जो रेलवे बोर्ड द्वारा विशेष रूप से उसे सौंपी गई हैं। अधिनियम की धारा 4ङ के अनुसार, विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा दिए गए ऐसे निर्देशों के अधीन, रेल भूमि विकास प्राधिकरण को केंद्र सरकार की ओर से करार करने और ठेकों को निष्पादित करने का अधिकार दिया गया है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (संविधान) नियम 2007 की धारा 24 के अनुसार, प्राधिकरण केंद्र सरकार के अनुमोदन से अधिनियम के तहत अपने सभी या किसी भी कार्य-निष्पादन के लिए कोई विशेष प्रयोज्य योजना, संयुक्त उद्यम या अन्य कानूनी संस्थाएं स्थापित कर सकता है।

प्राधिकरण के कार्य

खाली रेल भूमि का व्यावसायिक विकास

वर्ष 2023-24 के दौरान रेल भूमि विकास प्राधिकरण की कुल आय 959.57 करोड़ रुपये है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण को रेल अधिनियम की धारा 4 घ 2 (ii) के तहत सौंपी गई अधिशेष रेल भूमि से गैर-प्रशुल्क राजस्व अर्जित करना अनिवार्य है।

रेल मंत्रालय द्वारा 2023-24 तक व्यावसायिक विकास के लिए कुल 142 व्यावसायिक स्थल रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपे गए हैं।

व्यावसायिक स्थलों के अलावा, 18 स्टेडियम और 4 रेलवे लाइन (दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, कालका शिमला रेलवे, नेरल-माथेरान रेलवे और नीलगिरि माउंटेन रेलवे) भी व्यावसायिक विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपी गई थीं, जिन्हें 2023-24 के दौरान वापस ले लिया गया है।

रेलवे कॉलोनी का पुनर्विकास

2023-24 की शुरुआत तक कुल 104 कार्य-स्थल सौंपे गए थे। 2023-24 के दौरान, 5 नए कॉलोनी कार्य-स्थल सौंपे गए, जिससे 2023-24 तक कॉलोनी पुनर्विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को कुल 109 कॉलोनी पुनर्विकास कार्य-स्थल उपलब्ध हो गए।

बहु-कार्य परिसरों (एमएफसी) का निर्माण

बहु-कार्य परिसरों के लिए भूमि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को राजस्व साझेदारी मॉडल पर 30 से 45 साल के पट्टे पर दी जाती है। बहरहाल, रेल भूमि विकास प्राधिकरण ने निजी डेवलपर्स के माध्यम से विकास के लिए संयोजन मॉडल (अग्रिम पट्टा प्रीमियम और निश्चित वार्षिक पट्टा किराया मॉडल) को अपनाया, जिसके लिए बोलीदाताओं का चयन खुली प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। कुल मिलाकर, 40 बहु-कार्यात्मक परिसर बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को सौंपा गया था [इरकॉन (24), राइट्स (14), और आरवीएनएल (02)]। इन 40 बहु-कार्यात्मक परिसरों में से 24 बहु-कार्यात्मक परिसरों का निर्माण इरकॉन द्वारा किया गया है। बहरहाल, रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार, राइट्स द्वारा पूर्ण किए गए 14 बहु-कार्यात्मक परिसर भवन बिना किसी लागत के रेलवे को वापस सौंप दिए गए हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड ने भी संबंधित क्षेत्रीय रेलवे को 02 बहु-कार्यात्मक परिसर सौंप दिए हैं।

स्टेशनों का पुनर्विकास

104 स्टेशनों को पुनर्विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है, जिनमें से 02 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, 13 पर कार्य प्रगति पर है, 49 स्टेशनों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करके क्षेत्रीय रेलवे को सौंप दी गई है, 04 स्टेशनों पर निविदाएं आमंत्रित की गई हैं/ आमंत्रित की जानी हैं और 32 स्टेशनों की योजना प्रगति पर है। इसके अलावा, 04 स्टेशनों को छोड़ने का प्रस्ताव दिया गया है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल)

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) भारत सरकार (रेल मंत्रालय) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। भारतीय रेल के लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता चार बड़े महानगरों को जोड़ने वाला स्वर्णिम चतुर्भुज और उसके विकर्ण कार्यनीति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह मार्ग कुल मार्ग का 16% है, किंतु 52% यात्री यातायात और 58% माल यातायात का वहन करता है। पूर्वी गलियारा (कोलकाता-दिल्ली) और पश्चिमी गलियारा (मुंबई-दिल्ली) अत्यधिक संतृप्त थे। इन मार्गों को विसंकुलित करने के लिए एक समर्पित माल गलियारा विकसित किया गया। समर्पित माल गलियारे का निर्माण कार्यकुशलता सुनिश्चित करते हुए और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में सुस्पष्ट कमी करते हुए संतृप्त सड़क नेटवर्क को विसंकुलित और रेल माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। 9 राज्यों से होकर गुजरने वाले समर्पित माल गलियारों की कुल परिधि 2,843 किलोमीटर है।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत की निरंतर वृद्धि से माल परिवहन की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इस चुनौती का आगे बढ़कर सामना करते हुए, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की भारत के अवसंरचनात्मक रीढ़ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के लाभ

समर्पित माल गलियारा

- परिवहन की इकाई लागत में सुस्पष्ट कमी आने की प्रत्याशा है।
- दोहरी लाइनों के साथ समर्पित माल गलियारा मार्गों का निर्माण किया जाता है और स्वचालित सिगनल प्रणाली भी सुलभ कराई जाती है; फलस्वरूप प्रत्येक दिशा में 120 से अधिक रेलगाडियां चलाई जा सकती हैं।
- सड़क मार्ग यातायात का रेल मार्ग यातायात में शिफ्ट हो जाना। प्रारंभ में, भारतीय रेल के समानांतर मार्गों पर चलने वाले 70% माल यातायात को इन मार्गों पर लाने की योजना है और समय के दौरान, सड़क यातायात भी रेल मार्गों पर शिफ्ट हो जाएगा क्योंकि समर्पित

माल गलियारे परिवहन का अत्यधिक कुशल, किफायती, संरक्षित और तीव्रतर साधन सुलभ कराएंगे।

- पूर्वी समर्पित माल गलियारे और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के किनारे पर औद्योगिक गलियारे भी बन रहे हैं।
- 30 साल की अवधि के दौरान 457 मिलियन टन कार्बन-डाई-ऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन की बचत। यह वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता करेगा।

डब्ल्यूडीएफसी की सोहना सुरंग से होकर गुजरने वाली डबल स्टैक कंटेनर गाड़ी, डीएफसीसीआईएल

वर्ष 2023-24 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डीएफसीसीआईएल द्वारा विनियोजित 2,843 मार्ग किलोमीटर में से 2,741 मार्ग किलोमीटर समर्पित माल गलियारा नेटवर्क का सफलतापूर्वक प्रवर्तन किया जा चुका है। इस मील-पत्थर से भारतीय रेल के अत्यावश्यक फीडर मार्गों के रास्ते गुजरात और उत्तर भारत के पत्तनों के बीच संपर्क का बहुत अधिक संवर्धन हुआ है।

विशेषताएँ

समर्पित माल यातायात गलियारों के निम्नलिखित खंड राष्ट्र को समर्पित किए गए:-

दिनांक 07.07.2023 को पूर्वी समर्पित माल गलियारे का पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-सोननगर खंड (137 किमी), 18.12.2023 को पूर्वी समर्पित माल गलियारे का न्यू भाऊपुर-न्यू पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन खंड (402 किमी), 25.01.2024 को न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी (173 किमी) खंड, 12.03.2024 को न्यू खुर्जा-साहनेवाल (401 किमी), न्यू मकरपुरा-घोलवड (242 किमी) और परिचालन नियंत्रण केंद्र अहमदाबाद। इन खंडों के कमीशन होने से मालगाड़ियों की संकुलन/रुकौनी समाप्त हो जाएगी। यह पूर्वी और उत्तरी भारत के उद्योगों को पश्चिमी भारत के हिस्सों से भी जोड़ेगा।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, समर्पित माल गलियारों के 652 किलोमीटर (23%) खंड का कार्य पूरा कर लिया गया और इसे कमीशन कर दिया गया। महत्वपूर्ण खंड निम्नानुसार उल्लिखित हैं:-

- पूर्वी समर्पित माल गलियारा का न्यू साहनेवाल-शम्भू खंड (80 मार्ग किमी)।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारा का शम्भू-न्यू खतौली खंड (187 मार्ग किमी)।
- पश्चिमी समर्पित माल गलियारा का न्यू मकरपुरा-भेस्तान खंड (130 मार्ग किमी)।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारा का न्यू अहरौरा रोड-पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन खंड (27 मार्ग किमी)।
- पश्चिमी समर्पित माल गलियारा का घोलवड-वैतरणा खंड (90 मार्ग किमी)।
- पश्चिमी समर्पित माल गलियारा का साणंद नार्थ-न्यू मकरपुरा खंड (138 मार्ग किमी)।

निर्माण-कार्यों की प्रगति

- वित्त वर्ष 2023-24 में 12 रेल फ्लाई ओवर (आरएफओ) और 40 रेल उपरि पुल पूरे किए गए।
- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 615 रेलपथ किलोमीटर का आधुनिक नई रेलपथ निर्माण मशीन से रेलपथ संपर्क स्थापित किया गया, जिससे कुल लिंक 5766 रेलपथ किलोमीटर हो गया।
- वित्त वर्ष 2023-24 में यंत्रीकृत तार स्थापन रेलगाड़ी द्वारा 1125 रेलपथ किलोमीटर की शिरोपरि उपस्कर तार स्थापन पूरी की गई। 31.03.2024 तक कुल 5579 रेलपथ किलोमीटर शिरोपरि उपस्कर तार स्थापन पूरी की जा चुकी है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने ₹11,203 करोड़ रुपये (भूमि सहित) का पूंजीगत व्यय और 31.03.2024 तक ₹1,14,490 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया।

परिचालन

वित्त वर्ष 2023-24 में, कंपनी द्वारा प्रतिदिन औसतन 241 रेलगाडियों का सफलतापूर्वक परिचालन किया गया। रेलगाडियों की प्रति दिन संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। वित्त वर्ष 2023-24 में, कंपनी द्वारा 119 लाख सकल टन-किलोमीटर और 66.7 लाख निवल टन-किलोमीटर की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई।

समर्पित माल गलियारा गति: समर्पित माल गलियारे ने दर्ज की गई उच्चतम 99.82 किलोमीटर प्रति घंटे के साथ प्रभावशाली औसत गति हासिल की है। वित्त वर्ष 2023-24 में, पूर्वी समर्पित माल गलियारे ने 46 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत गति को बनाए रखा, जबकि पश्चिमी समर्पित माल गलियारे ने 55 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत गति के साथ बराबर गति को बनाए रखा। ये गति माल परिवहन को सुविधाजनक बनाने में समर्पित माल गलियारे की कार्यकुशलता और कारगरता का उदाहरण हैं।

मालगाड़ियों की गति में वृद्धि और संकुलन में कमी: समर्पित माल गलियारे भारतीय रेल की पटरियों पर संकुलन से तुल्याकालिक राहत प्रदान करते हुए माल यातायात की औसत गति का बहुत अधिक संवर्धन करता है। यह विशेषत: अत्यधिक संकुलित मार्गों पर अधिक यात्री रेलगाडियों और रेलगाड़ी समयपालन में परिणत होता है।

उच्च वहन क्षमता: भारतीय रेल की मौजूदा रेलपथ संरचना पर 20.32/22.9 टन धुरा भार वाली रेलगाडियों की अनुमति है। समर्पित माल गलियारे की रेलपथ संरचना को 25 टन धुरा भार वहन करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसे बाद में 32.5 टन धुरा भार तक ग्रेडोन्नत किया जा सकता है। समर्पित माल गलियारे पर अधिकतम संचलन आयाम भी भारतीय रेल के आयाम से अधिक है। अत: समर्पित माल गलियारे पर अधिक बहन क्षमता वाले बड़े मालडिब्बों का परिचालन किया जा सकता है। डीएफसी अपने नेटवर्क पर 1500 मीटर लंबे रेक वाली लंबी दूरी की रेलगाड़ियां चलाने में सक्षम है। माल ढुलाई क्षमता और औसत गति में वृद्धि होने से माल ढुलाई के थ्रूपुट में वृद्धि होती है।

औद्योगिक केन्द्रों का विकास: पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के किनारे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, अंतर्देशीय जलमार्गों से संपर्क और पूर्वी समर्पित माल गलियारे के किनारे अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा।

पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन: रेल परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन 28 ग्राम प्रति शुद्ध टन किलोमीटर है, जो सड़क परिवहन के 64 ग्राम प्रति शुद्ध टन किलोमीटर से काफी कम है। यह रेल परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बनाता है। इस प्रक्रिया में समर्पित माल

गलियारा 30 वर्षों में 457 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन होने से बचाकर पर्यावरण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

ट्रक ऑन ट्रेन लदान: प्रतिष्ठित ट्रक ऑन ट्रेन (टीओटी) सेवा पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के रेवाड़ी-पालनपुर रेलखंड पर परिचालित की जा रही है- 4,845 ट्रकों को 238 रेकों में ले जाया गया, जिससे कुल ₹14.91 करोड़ (लगभग) की आमदनी हुई, और 11.62 लाख लीटर डीजल (लगभग) की बचत हुई, फलस्वरूप देश की विदेशी मुद्रा की बचत हुई और लगभग 3,075 टन कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन की कमी आई। सपाट रेल मालडिब्बों पर भरे हुए और खाली ट्रकों की ढुलाई रेलपथ पर तीव्र और संरक्षित संचलन पर सवार द्वार-से-द्वार तक सेवा को समर्थ बनाएगी। रेलगाड़ी सेवा पर ट्रकों के परिवहन के लाभ हैं: कम कार्बन उत्सर्जन (64 ग्राम कार्बन-डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन प्रति शुद्ध टन किलोमीटर की तुलना में 28 ग्राम), सड़कों पर कम संकुलन। प्रत्येक ट्रक ऑन ट्रेन रेक एक बार में 45 ट्रकों को सड़क से हटाता है। इसके अन्य लाभ ट्रकों की कम टूट-फूट के फलस्वरूप अनुरक्षण पर कम व्यय, कार्य के नए कार्यदिवसों का सृजन, डीजल आयात बिलों में बचत हैं।

व्यवसाय विकास

डीएफसीसीआईएल द्वारा समर्पित माल गलियारा नेटवर्क के भाग के रूप में भारतीय रेल की गति शक्ति मल्टीमोडाल कार्गो टर्मिनल नीति से सुमेलित नए टर्मिनलों के विस्तार पर फोकस किया जा रहा है। इस पहल में विभिन्न संगठनों से विभिन्न रेल-संपर्क परियोजनाओं का डीएफसीसीआईएल नेटवर्क में एकीकरण शामिल है। विशेषत: राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम से दो रेल-संपर्क परियोजनाएं, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) से चार, तथा प्रिस्टिन लॉजिस्टिक्स और नवकार, प्रत्येक से एक रेल-संपर्क परियोजनाएं हैं। इन सभी परियोजनाओं को समर्पित माल गलियारा नेटवर्क में निर्बाध ढंग से समाविष्ट किया जा रहा है।

डीएफसीसीआईएल ने भारतीय रेल के कुल किलोमीटर मार्गों में समर्पित माल रेलपथ का 2089 मार्ग किलोमीटर जोड़ने, इसकी माल लदान क्षमता बढ़ाने तथा पहले भारतीय रेल नेटवर्क पर चालित मालगाडियों का एक बड़ा हिस्सा अपने अधिकार में लेकर यात्री नेटवर्क का संवर्धन करने में उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। डीएफसीसीआईएल से देश के अंदर माल परिवहन को बेहतर बनाने, कम संभार-तंत्र लागत के साथ पारगमन समय को न्यूनतम बनाने और "आत्मनिर्भर भारत" अभियान में अंशदान करने में अहम भूमिका निभाए जाने की प्रत्याशा है।

मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड (एमआरवीसी)

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना

1.1 मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड (एमआरबीसी लिमिटेड), रेल मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) के रेल संघटक को क्रियान्वित कर रहा है।

1.2 **मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I**

2003-04 के रेल बजट में मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I को स्वीकृत किया गया था। 2012 में इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया और इसे पूरा करने की लागत ₹4,452 करोड़ थी।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I (रेल संघटक) में प्रमुख अवसंरचनात्मक इनपुट

- 93 रेलपथ किलोमीटर का परिवर्धन (5वीं और 6ठी लाइन कुर्ला-ठाणे, तीसरी और चौथी लाइन बोरीवली-विरार)।
- 101 नए 9-कार रेक (909 कोच) को सेवा में शामिल किया गया।
- परियोजना प्रभावित 15,857 परिवारों का पुनर्स्थापन और पुनर्वास।

- सभी प्लेटफार्मों की लंबाई बढ़ाकर सभी लाइनों (हार्बर लाइन को छोड़कर) पर 12 कार रेकों का चालन।
- मध्य और पश्चिम रेल में 1500 वोल्ट डीसी से 25 हजार वोल्ट एसी में परिवर्तन-समूची-पश्चिम रेल में कर्षण परिवर्तन कार्य।

1.3 **मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-II**

परियोजना की लागत ₹8,087 करोड़ है, परियोजना को मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2क और 2ख में इस प्रकार विभाजित किया गया है:

1.3.1 **मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2क** – पूरी हो चुकी है। लागत ₹4,803 करोड़। विश्व बैंक से ऋण ₹1,727 करोड़।

क्र.सं	कार्य का नाम	निष्पादन एजेंसी	मौजूदा स्थिति
1	ईएमयू प्रापण/विनिर्माण (सवारी डिब्बा कारखाना)	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड/ अअमासं/ सवारी डिब्बा कारखाना	पूरा हो गया है।
2	1,500 वोल्ट डीसी से 25 हजार वोल्ट एसी में परिवर्तन	मध्य रेल, मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	पूरा हो गया है।
3	ईएमयू अनुरक्षण सुविधाएं और ईएमयू खड़ी करने की लाइनें	मध्य रेल, पश्चिम रेल, मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	पूरा हो गया है।
4	अनधिकार प्रवेश नियंत्रण उपाय	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	पूरा हो गया है।

1.3.2 **मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2ख** – प्रगति पर है। लागत – ₹3,284 करोड़।

क्र.सं	कार्य का नाम	निष्पादन एजेंसी	पूरा करने का लक्ष्य/ मौजूदा स्थिति
1	अंधेरी-गोरेगांव के बीच हार्बर लाइन का विस्तार	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	दिसंबर 2017 में पूरा हो गया है।
2	ठाणे-दिवा के बीच 5वीं और 6ठी लाइनें	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	फरवरी 2022 में पूरा हो गया है।
3	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-कुर्ला के बीच 5वीं और 6ठी लाइनें	मध्य रेल	मार्च, 2025 (चरण I)
4	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली के बीच 6ठी लाइन	पश्चिम रेल	मार्च, 2027
5	पुनर्स्थापन और पुनर्वास	मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण	परियोजना के साथ-साथ

1.4 **एमयूटीपी 2ग – हार्बर लाइन पर 12 कार का चलना-पूर्ण।** लागत – ₹714 करोड़।

सभी अवसंरचना के कार्य मार्च, 2016 में पूरे हो गए थे। परियोजना के तहत 13/12 कार ईएमयू रेक फरवरी, 2018 में प्राप्त हुए थे। इस परियोजना से हार्बर लाइन की क्षमता में 33% की वृद्धि हुई है।

1.5 **एमयूटीपी III – प्रगति पर है।** लागत – 10,947 करोड़ रुपए। एआईआईबी से ऋण – 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर

क्र.सं.	कार्य का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	नया उपनगरीय रेल गलियारा पनवेल-कर्जत (दोहरी लाइन) (29.6 किलोमीटर)	2,782
2	मध्य रेल में ऐरोली-कलवा (उत्थापित) के बीच नई उपनगरीय गलियारा लिंक (3.3 किलोमीटर)	476
3	पश्चिम रेल में विरार-दहानू रोड का चौहरीकरण (64 किलोमीटर)	3,578
4	चल स्टॉक का प्रापण (565 कोच)	3,491
5	रेलखंड के बीच अनधिकार प्रवेश नियंत्रण	551

1.6 **एमयूटीपी IIIक** – प्रगति पर है। लागत ₹33,690 करोड़ है। स्वीकृत ऋण–1,000 मिलियन अमरीकी डालर

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत (₹ करोड़ में)	निष्पादन एजेंसी
1.	गोरेगांव–बोरीवली के बीच हार्बर लाइन का विस्तार (7.08 मार्ग किलोमीटर)	826	पश्चिम रेल
2.	बोरीवली–विरार के बीच 5वीं और 6ठी लाइन (26 मार्ग किलोमीटर)	2,184	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
3.	कल्याण–आसनगांव के बीच चौथी लाइन (32.22 मार्ग किलोमीटर)	1,759	मध्य रेल
4.	कल्याण–बदलापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन (14.05 मार्ग किलोमीटर)	1,510	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
5.	कल्याण यार्ड–लंबी दूरी और उपनगरीय यातायात का पृथक्करण	866	मध्य रेल
6.	क) हार्बर लाइन और ट्रांस हार्बर पर छत्रपति मुंबई शिवाजी महाराज टर्मिनस–पनवेल में संचार–आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	1,391	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
	ख) मध्य रेल में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस–कल्याण में संचार–आधारित लिमिटेड रेलगाड़ी नियंत्रण	2,166	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
	ग) पश्चिम रेल में चर्च गेट–विरार में संचार आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	2,371	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
7.	स्टेशन सुधार–17 रेलवे स्टेशनों पर	947	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
8.	चल स्टॉक की खरीद 191 वातानुकूल ईएमयू रेक	15,802	मुंबई रेल विकास निगम/सवारी डिब्बा कारखाना/आधुनिक रेल कोच फैक्टरी।
9	चल स्टॉक के लिए अनुरक्षण सुविधाएं	2,353	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
10	गाड़ी खड़ी करने की लाइनें	557	मध्य रेल और पश्चिम रेल
11	विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का संवर्धन	708	मध्य रेल और पश्चिम रेल
12	तकनीकी सहायता	250	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
	कुल योग	**33,690**	

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड, रेल मंत्रालय के अधीन अनुसूची–ख, 'मिनी रत्न–I' भारी इंजीनियरी केन्द्रीय सरकारी लोक उद्यम है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है, दिल्ली और मुंबई में इसके कार्यालय हैं, कोलकाता और उसके आसपास 2 विनिर्माण इकाइयां हैं और पूरे भारत में परियोजना साइटें हैं। ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड दशकों से भारत में रेल चल स्टॉक उद्योग, विशेषकर मालडिब्बों के विनिर्माण में एक प्रमुख कंपनी रही है। इसके अन्य प्रमुख उत्पादों और सेवाओं में मालडिब्बों की मरम्मत, पुलों का सिविल निर्माण और संरचनात्मक इस्पात विरचन, कंटेनर विनिर्माण, रेल कारखाने का संचालन और अनुरक्षण, क्रेनों का विनिर्माण और उनका अनुरक्षण, इस्पात सांचे सब–असेंबली आदि शामिल हैं।

कंपनी ने साइटों पर पुराने और अनुपयोगी वैगनों की मरम्मत और सुधार, मालडिब्बों के आरओएच/पीओएच की देखरेख, रेलवे वर्कशॉप में नए मालडिब्बों के निर्माण के लिए भारतीय रेल की सहायता की है। अवसंरचना के मोर्चे पर, कंपनी अपनी क्षमताओं और तकनीकी विकास को

लगातार अद्यतन करती रही है, ताकि अपनी क्षमताओं के आधार पर भविष्य के विकास की गति को पूरा कर सके। नए डिजाइन के मालडिब्बों के लिए आरडीएसओ के साथ एक प्रोटोटाइप हब के रूप में मान्यता प्राप्त होने के कारण, कंपनी भारतीय रेल के लिए लगातार नए मालडिब्बों का विकास कर रही है, जिसमें इसकी समर्पित और सुविकसित डिजाइन और ड्राइंग हाउस और ईआरपी सक्षम व्यावसायिक प्रक्रियाएं हैं।

भौतिक एवं वित्तीय दृष्टि से कंपनी के प्रदर्शन की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

विवरण	2022-23	2023-24
संचालन से राजस्व (₹ करोड में)	1,043.30	**1,103.37**
निवल मूल्य (₹ करोड़ में)	200.32	**216.79**
नवनिर्मित मालडिब्बा (अदद)	1,800.00	**1,585.00**
पीओएच मालडिब्बों (सं.) सहित मालडिब्बों की मरम्मत	5,585.00	**8,916.00**
बोगी (अदद)	2,230.00	**2,232.00**

2023-24 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

- कंपनी ने 2023-24 में ₹1,103.37 करोड़ की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.75% की वृद्धि है।
- वीडीपीडी कार्यशाला में 2,866 मालडिब्बों के पीओएच के संबंध में सर्वाधिक टर्नआउट किया जो अक्टूबर, 2021 से परिचालन शुरू होने के बाद से लगातार सुधार कर रही है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 42.94% की वृद्धि है।
- पिछले रुझान को कायम रखते हुए, 2,232 बोगियों का अधिकतम निर्माण किया गया।
- कंपनी ने विविधीकरण अभियान पर जोर देते हुए पहले वर्ष में ही 58.19 करोड़ रुपये की लागत की सौर परियोजनाएं क्रियान्वित कीं।
- पुराने कारोबार को फिर से शुरू करने के बाद क्रेन सेवाओं और एएमसी कारोबार में पर्याप्त वृद्धि की; 2022-23 में ₹2.26 करोड़ से बढ़ाकर चालू वित्त वर्ष में ₹20.48 करोड़ का कारोबार किया।
- नए व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में विविधीकरण के बाद निम्नलिखित नए आदेश प्राप्त हुए-
  - ➢ ओटीएम आवास, पानागढ़, सैन्य इंजीनियरिंग सेवा का प्रावधान।
  - ➢ एसएलडीसी/पीटीसीयूएल के लिए भवन का निर्माण।
  - ➢ सौर ऊर्जा संचालित जल शोधन प्रणाली।
- कंपनी ने मल्टी डिस्चार्ज पोर्ट के साथ गैर-दबाव वाले बल्क सह सामान्य प्रयोजन कंटेनर के लिए पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार से डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- बीसीएल को XIII इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा अर्न्स्ट एंड यंग के सहयोग से आयोजित पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जिसमें 'परिचालन प्रदर्शन उत्कृष्टता', 'सीएसआर स्थिरता' और 'पीएसई में महिलाओं और दिव्यांगों का योगदान' श्रेणियां शामिल हैं।

सलाहकार बोर्ड

रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति

विभिन्न स्तरों पर रेल उपयोगकर्ताओं की सलाहकार समितियां रेल उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाओं में सुधार हेतु प्रबंधक-वर्ग और रेल उपयोगकर्ताओं के बीच औपचारिक परामर्श के अवसर सुलभ कराती हैं। रेल प्रशासन के लिए मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, कोंकण रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, मेट्रो रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री परिषद और रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समितियां उपयोगी सूचना सुलभ कराती हैं।

मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियों का 16.08.2024 से 15.08.2026 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए पुनर्गठन किया गया है। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियों, कोंकण रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, मेट्रो रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का 01.10.2024 से 30.09.2026 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए पुनर्गठन किया गया है। उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियों और रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समितियों का गठन स्वयं क्षेत्रीय रेलों द्वारा किया जाता है।

केन्द्रीय रेल अनुसंधान बोर्ड

केंद्रीय रेल अनुसंधान बोर्ड में अअमासं के महानिदेशक बतौर अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बतौर सदस्य और अपर महानिदेशक, अअमासं बतौर सदस्य सचिव शामिल हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, प्रख्यात वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, अन्य सरकारी विभागों, उद्योगजगत आदि के गैर-रेलवे सदस्यों को भी प्रतिनिधित्व दिया जाता है। यह बोर्ड रेलवे की अनुसंधान परियोजनाओं की अनुशंसा और समीक्षा करता है और अन्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं से समन्वय और सहायता भी सुनिश्चित करता है।

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्रालय और क्षेत्रीय रेलों में हिंदी के उपयोग का प्रचार-प्रसार करने के लिए माननीय रेल मंत्री की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति का गठन किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव देना है।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

2023-24

01.04.2023	रानी कमलापति से नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बालुरघाट और सियालदह के बीच नई दैनिक रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
08.04.2023	दो वंदे भारत एक्सप्रेस और एक नई रेलगाड़ी सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया:- • सिकंदराबाद-तिरुपति • चेन्नै-कोयंबटूर तांबरम और शेंगोट्टै के बीच नई रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अगस्तियम्पल्लि और तिरुतुरैपुंडी के बीच 37 किलोमीटर लंबे आमान परिवर्तन खंड का उद्घाटन किया गया।
12.04.2023	अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का उद्घाटन किया गया।
13.04.2023	देश के 45 केंद्रों पर 71,000 से अधिक सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए रोजगार मेला-4 'ऐतिहासिक मेगा भर्ती अभियान' का उद्घाटन किया गया।
13.04.2023	वीडियो लिंक के माध्यम से 'मिशन भर्ती' के अंतर्गत 'रोजगार मेला-4' कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसका आयोजन पूर्वोत्तर क्षेत्र के इंदिरा प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ और मैत्री सामुदायिक केंद्र, इज्जतनगर (बरेली) सहित देश के 45 केंद्रों पर किया गया।
14.04.2023	निम्नलिखित परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया: • डिगारु-लामडिंग का दोहरीकरण • न्यू बंगाईगाँव-धुपधरा • नई लाइन गौरीपुर-अभयापुरी • रानीनगर जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी का विद्युतीकरण • चापरमुख-सेनचोवा-सिलघाट टाउन और सेनचोवा-मैराबारी का विद्युतीकरण।
24.04.2023	रीवा में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया एवं राष्ट्र को समर्पित किया गया। छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला फोर्ट विद्युतीकरण आमान परिवर्तन राष्ट्र को समर्पित किया गया।

25.04.2023	तिरुवनंतपुरम से कासरगोड वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया और राष्ट्र को समर्पित किया गया।
10.05.2023	नाथद्वारा में तीन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई।
18.05.2023	पुरी से हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
23.05.2023	बांग्लादेश को रेल इंजन सौंपे गए।
25.05.2023	पूर्वोत्तर रेलवे के छह रेल खंडों के 100% विद्युतीकरण को राष्ट्र को समर्पित किया गया।
29.05.2023	91.03 मार्ग किलोमीटर लंबे न्यू बोंगाईगांव-दुधनई-मेंदीपथार और 91 किलोमीटर लंबे गुवाहाटी-चापरमुख नव विद्युतीकृत खंड को राष्ट्र को समर्पित किया गया तथा गुवाहाटी से न्यू जलपाईगुड़ी असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस और लामडिंग में डेमू/मेमू शेड का उद्घाटन किया गया।
01.06.2023	भारत और नेपाल के बीच बथनाहा (भारत) से नेपाल कस्टम्स यार्ड (नेपाल) तक भारतीय रेलवे कार्गो रेलगाड़ी का उद्घाटन किया गया तथा गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
19.06.2023	पुरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया गया।
21.06.2023	पूर्व-पश्चिम मेट्रो परियोजना कार्य और हुगली नदी के नीचे नवनिर्मित मेट्रो सुरंग के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया।
27.06.2023	पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया।
27.06.2023	धारवाड़ रेलवे स्टेशन से धारवाड़-केएसआर बेंगलुरु के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह कर्नाटक की दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस है और यह उत्तरी और मध्य कर्नाटक के बीच संपर्कता को बढ़ाती है।
07.07.2023	गोरखपुर से दो वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा गोरखपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखी गई।
07.07.2023	गाजीपुर सिटी-औंडिहार और औंडिहार-जौनपुर दोहरीकरण, भटनी-औंडिहार विद्युतीकरण, उत्तर प्रदेश में रेल नेटवर्क का 100% विद्युतीकरण, समर्पित माल यातायात गलियारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-सोननगर नई लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया गया तथा व्यासनगर- पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन स्टेशनों के बीच रेल फ्लाईओवर की आधारशिला रखी गई।

07.07.2023	जोधपुर-अहमदाबाद (साबरमती) स्पेशल वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया तथा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
08.07.2023	बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास और बीकानेर में रेल लाइन के दोहरीकरण की आधारशिला रखी गई।
08.07.2023	रेल विनिर्माण इकाई, काजीपेट की आधारशिला रखी गई।
06.08.2023	अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई तथा भारतीय रेल के सभी 508 स्टेशनों पर स्थानीय समारोह आयोजित किए गए।
24.09.2023	दक्षिण रेलवे में निम्नलिखित दो वंदे भारत रेलगाड़ियों का उद्घाटन किया गया तथा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया:- • 20666/20665 तिरुनेलवेली-चेन्नै एग्मोर वंदे भारत एक्सप्रेस • 20631/20632 कासरगोड-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस
24.09.2023	उदयपुर-जयपुर के बीच सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया।
24.09.2023	काचीगुडा-यशवंतपुर और विजयवाड़ा-चेन्नै वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
24.09.2023	9 वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया:- हैदराबाद (काचीगुडा)-बेंगलुरु (यशवंतपुर), विजयवाड़ा-एमजीआर चेन्नै, तिरुनेलवेली-मदुरै- एमजीआर चेन्नै, कासरगोड-तिरुवनंतपुरम, जामनगर-अहमदाबाद, रांची-हावड़ा, उदयपुर-जयपुर, पटना-हावड़ा, राउरकेला-पुरी।
01.10.2023	जक्लेर-कृष्णा नई रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की गई।
02.10.2023	राजस्थान में निम्नलिखित विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया:- • चित्तौड़गढ़-नीमच रेल लाइन का दोहरीकरण • कोटा-चित्तौड़गढ़ विद्युतीकृत रेल लाइन सवाई माधोपुर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-52ई के किलोमीटर 76 पर ऊपरी सड़क पुल के निर्माण और विस्तार की आधारशिला रखी गई।
03.10.2023	मनोहराबाद-सिद्दिपेट नई रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की गई।
03.10.2023	अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जगदलपुर स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई। ताड़ोकी-रायपुर डेमू रेलगाड़ी सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
28.10.2023	नई दिल्ली से 10वें रोजगार मेले का उद्घाटन किया गया। रोजगार मेले के इस सत्र में देश भर में 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए।

30.10.2023	गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई अवसंरचना रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया: • विरमगाम-सामाख्याली लाइन का दोहरीकरण • कटोसन रोड-बेचराजी लाइन का आमान परिवर्तन • पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे का न्यू भांडू से न्यू साणंद (नॉर्थ) खंड और 24 किलोमीटर संबद्ध लाइन।
31.10.2023	एकता नगर-अहमदाबाद स्टीम हेरिटेज स्पेशल रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
16.12.2023	देश भर के विभिन्न जोनों/मंडलों, उत्पादन इकाइयों और रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के 100 रेल कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' प्रदान किए गए। ये पुरस्कार/शील्ड नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित 68वें रेल सप्ताह केंद्रीय समारोह में प्रदान किए गए।
17.12.2023	रेलगाड़ी संख्या 06367 कन्याकुमारी-बनारस रेलगाड़ी का उद्‌घाटन किया गया तथा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
17.12.2023	कन्याकुमारी-बनारस 'काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
18.12.2023	19,150 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्‌घाटन किया गया और इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया गया, जिनमें इंदारा-दोहरीघाट के आमान परिवर्तित खंड का उद्‌घाटन और बलिया-गाजीपुर सिटी के दोहरीकरण का राष्ट्र को समर्पण तथा दोहरीघाट-मऊ के बीच मेमू रेलगाड़ी सेवा और अन्य रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना शामिल है।
18.12.2023	वाराणसी-नई दिल्ली के बीच दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
31.12.2023	अयोध्या धाम जंक्शन से अमृत भारत रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
02.01.2024	तमिलनाडु राज्य को लाभ पहुंचाने वाली 2,917 करोड़ रुपये की पांच रेल परियोजनाओं (2 दोहरीकरण+3 विद्युतीकरण) को राष्ट्र को समर्पित किया गया। (1) 41.4 कि.मी. सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमलूर-मेट्टूर डाम खंड का दोहरीकरण (2) दोहरीकरण परियोजना, 1,890 करोड़ रुपए की लागत से मदुरै-तूतीकोरिन दोहरीकरण परियोजना (160 किलोमीटर) तीन विद्युतीकरण परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया:- • तिरुच्चिराप्पल्लि-मानामदुरै-विरुदुनगर, • विरुदुनगर-तेनकाशी जंक्शन • शेंगोट्टै-तेनकाशी जंक्शन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदूर।

16.02.2024	राजस्थान के लिए आठ रेल परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया और राष्ट्र को समर्पित किया गया।
26.02.2024	अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश भर में 554 रेलवे स्टेशनों और 1,500 ऊपरी सड़क पुलों/अंडरपासों का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया गया।
26.02.2024	उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक के संगलदान रेल खंड का उद्घाटन किया गया।
02.03.2024	मुकुरिया-कटिहार-कुमेदपुर रेल लाइन के दोहरीकरण हेतु शिलान्यास किया गया। कटिहार-जोगबनी रेल खंड की विद्युतीकरण परियोजना का उद्घाटन किया गया। चार एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया:- • दानापुर-जोगबनी एक्सप्रेस (दरभंगा-सकरी के रास्ते) • जोगबनी-सहरसा एक्सप्रेस • सोनपुर-वैशाली एक्सप्रेस • जोगबनी-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस
06.03.2024	रक्सौल जंक्शन-जोगबनी के बीच एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
08.03.2024	किशनगंज, आजमनगर रोड और बारसोई जंक्शन पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया:- • रेलगाड़ी संख्या 04653/04654, • रेलगाड़ी संख्या 15933/15934, • रेलगाड़ी संख्या 13147/13148, • रेलगाड़ी संख्या 12551/12552
09.03.2024	निम्नलिखित विद्युतीकरण परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया:- (1) एकलाखी-बालुरघाट खंड; (2) बारसोई-राधिकापुर खंड; (3) रानीनगर जलपाईगुड़ी-हल्दीबाड़ी खंड; (4) बागडोगरा के रास्ते सिलीगुड़ी-अलुआबाड़ी खंड; (5) सिलीगुड़ी-सिवोक-अलीपुरद्वार जंक्शन-सामुकतला (अलीपुरद्वार जंक्शन-न्यू कोचबिहार सहित) खंड; (6) न्यू जलपाईगुड़ी में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सहित आमबाड़ी फालाकाटा-अलुआबाड़ी में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग। सिलीगुड़ी और राधिकापुर, सिलीगुड़ी के बीच एक नई यात्री रेलगाड़ी सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
12.03.2024	अहमदाबाद मंडल की विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस तथा अहमदाबाद-जामनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के ओखा तक विस्तार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

12.03.2024	निम्नलिखित रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया:- 1. चेन्नै-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस और कोल्लम-तिरुपति एक्सप्रेस 2. तिरुवनंतपुरम-कासरगोड वंदे भारत एक्सप्रेस का मंगलूरु सेंट्रल तक विस्तार किया गया। 3. कोल्लम-तिरुपति के बीच एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवा (रेलगाड़ी सं. 17241/17242) दक्षिण रेलवे में निम्नलिखित सुविधाएं राष्ट्र को समर्पित की गई: 1. बेसिन ब्रिज, चेन्नै में पिट लाइन (24-एलएचबी कोच कैमटेक स्टैंडर्ड पिटलाइन) 2. 06 गुड्स शेड (सिंगपेरुमाल कोविल गुड्स शेड, गंगैकोन्डान गुड्स शेड, तेनि गुड्स शेड, पट्टुकोट्टै गुड्स शेड, तिरुच्चिराप्पल्लि गुड्स शेड और वल्लियूर गुड्स शेड) 3. 04 जन औषधि केंद्र (डिंडीगुल, इरोड, तिरुच्चिराप्पल्लि, पालक्काड़) 4. 205 स्टेशनों पर "एक स्टेशन एक उत्पाद" के स्टॉल
12.03.2024	12.03.2024 को देशभर में 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं राष्ट्र को समर्पण किया गया तथा 10 वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों एवं अन्य रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
25.03.2024	41,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की लगभग 2000 रेल अवसंरचना परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण किया गया।

शब्दावली

लेखा

पूंजीगत निवेश	रेल की पूंजीगत परिसंपत्तियों का बही मूल्य।
सकल राजस्व	एक लेखांकन समयावधि में वास्तविक आमदनी, भले वसूल हुई हो या नहीं।
सकल प्राप्तियां	एक लेखांकन समयावधि में वसूल हुई वास्तविक आमदनी।
शुद्ध राजस्व	सकल यातायात प्राप्तियां घटा कुल संचालन व्यय।
परिचालन अनुपात	सकल राजस्व से संचालन व्यय का अनुपात।
उचंत	वसूल नहीं हुई आमदनियां, देयताएं जो एक लेखांकन समयावधि में अदा नहीं की गई।
संचालन व्यय	प्रशासन, परिचालन, अनुरक्षण एवं मरम्मत पर व्यय, मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि में अंशदान।

सांख्यिकी

घनत्व	रेल प्रणाली में किन्हीं दो स्थानों के बीच संचलित यातायात की मात्रा जिसका निरूपण यात्री किलोमीटर या शुद्ध टन किलोमीटर प्रति मार्ग किलोमीटर/चालित रेलपथ किलोमीटर या रेलगाड़ी किलोमीटर प्रति चालित रेलपथ किलोमीटर के रूप में किया जाता है।
इंजन किलोमीटर	एक इंजन का स्वयं अपनी शक्ति से एक किलोमीटर तक चलना।
सकल टन किलोमीटर	एक रेलगाड़ी द्वारा एक किलोमीटर तक कर्षित सकल टनभार जिसमें आयभार और धड़ाभार शामिल होता है।
गमन-दूरी	एक यात्री या एक टन माल जितनी औसत दूरी तक ढोया जाए।
भारित माल डिब्बा किलोमीटर	माल से लदे एक माल डिब्बे का एक किलोमीटर तक संचलन।
शुद्ध भार या शुद्ध टनभार	किसी यान या रेलगाड़ी द्वारा ढोए गए यात्रियों, सामान या पण्यों का आयभार।
शुद्ध टन किलोमीटर	एक किलोमीटर तक वाहित एक टन माल का आयभार।
गैर-राजस्व यातायात	वह यातायात जो रेलों के कार्य संचालन के लिए निःशुल्क ढोया जाए।
यात्री किलोमीटर	एक यात्री का एक किलोमीटर तक परिवहन।
राजस्व अर्जक यातायात	वह यातायात जिसके परिवहन के लिए परेषक अथवा परेषिती द्वारा भुगतान किया जाता है।
मार्ग किलोमीटर	रेल प्रणाली में दो स्थानों के बीच की दूरी भले उन दो स्थानों को कितनी भी लाइनें, अर्थात इकहरी लाइन, दोहरी लाइन, आदि जोड़ती हैं।

चालित रेलपथ किलोमीटर	साइडिंगों, यार्डों तथा पारणों के रेलपथ को छोड़कर सभी चालित रेलपथों की लंबाई।
रेलपथ किलोमीटर	साइडिंगों, यार्डों तथा पारणों के रेलपथ को शामिल करते हुए सभी चालित रेलपथों की लंबाई।
रेलगाड़ी किलोमीटर	रेलगाड़ी का एक किलोमीटर तक संचलन।
वाहन/माल डिब्बा किलोमीटर	एक यान/माल डिब्बे का एक किलोमीटर तक संचलन।
माल डिब्बा फेरा	एक माल डिब्बे के दो आनुक्रमिक लदानों के बीच का समयांतर।

यातायात

दर	पार्सल, सामान और माल की एक इकाई की ढुलाई के लिए दरसूची द्वारा नियत मूल्य।
किराया	वसूल किए गए 'दण्ड' को छोड़कर यात्रियों के परिवहन से रेलवे को प्राप्त धन।

अन्य

कर्मचारियों की संख्या	सभी कर्मचारी जिन्हें सीधे रेल प्रशासन द्वारा भुगतान किया जाता है।
भण्डार	रेल संचालन के लिए अपेक्षित सामान या पुर्जों की आपूर्ति, जिसे रेलवे द्वारा खरीदा गया हो या रेल कारखानों में विनिर्माण किया गया हो।
कर्षित प्रयास	रेलइंजन की भार कर्षण क्षमता जिसका निरूपण रेलइंजन द्वारा पहिए पर लगाए गए कर्षित बल के रूप में किया जाता है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक - केंद्र सरकार (रेलवे) की रिपोर्ट की महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा टिप्पणियों का सार तथा की गई कार्रवाई संबंधी लंबित नोट पर वस्तु-स्थिति रिपोर्ट।

लेखापरीक्षा की 2024 की रिपोर्ट संख्या 4 (अनुपालन लेखापरीक्षा)

मार्च 2022-23 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षा रिपोर्ट में 2,604.40 करोड़ रूपए की राशि से संबंधित विशिष्ट पैराग्राफ शामिल हैं। महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा परिणामों एवं निष्कर्षों का सार नीचे दिया गया है।

पैरा 2.1 वर्ष 2017-18 में गैर-किराया राजस्व उपार्जित करने के रेल मंत्रालय के अनुचित निर्णय के कारण इरकॉन द्वारा लिए गए ऋण पर ब्याज के भुगतान के कारण 834.72 करोड़ रुपए की हानिः रेलवे बोर्ड

रेल मंत्रालय को एक भूखंड के विकास के लिए इरकॉन द्वारा लिए गए 3,200 करोड़ रुपए के ऋण पर ब्याज के भुगतान पर 834.72 करोड़ रुपए की हानि हुई। भूखंड का कोई भी विकास किए बिना ब्याज सहित ऋण का पुन:भुगतान किया गया था।

पैरा 2.2 शंटिंग प्रभार की वसूली न करनाः पूर्व तट रेलवे

2018 से 2022 की अवधि के दौरान पूर्व तट रेलवे में रेल इंजनों का उपयोग करके शंटिंग कार्य के लिए शंटिंग प्रभारों की वसूली न करने से 149.12 करोड़ रुपए के राजस्व की हानि हुई।

पैरा 2.3 साइडिंग मालिकों से वस्तु एवं सेवा कर की वसूली न होनाः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे

रेलवे द्वारा साइडिंग मालिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर जीएसटी लगाने के संबंध में माल और सेवा कर (जीएसटी) प्रावधानों का अनुपालन न करने के परिणामस्वरूप साइडिंग मालिकों से 13.43 करोड़ रुपए की वसूली नहीं की जा सकी।

पैरा 3.1 अनुबंध प्रदान करने में पक्षपातः इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने निविदाओं के मूल्यांकन के लिए अपेक्षित अर्हता मानदंडों की अनदेखी करते हुए एक अपात्र बोलीदाता को 1,110.80 करोड़ रुपए का अनुबंध दिया।

पैरा 3.2 माल यातायात के लिए रेलखंड खोलने में असामान्य विलंब के कारण परिसंपत्तियों के निष्क्रिय रहने से संभावित आय की हानि हुईः पश्चिम रेलवे

आमान परिवर्तन के बाद माल यातायात के लिए रेलखंड को खोलने में विलंब के कारण परियोजना पर किए गए 121 करोड़ रुपए के निवेश के तीन वर्षों से अधिक समय तक

निष्फल रहने के अलावा, 2018-19 से 2020-21 की अवधि के दौरान 126 करोड़ रुपए की अर्जन क्षमता की हानि हुई।

पैरा 3.3 पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य पूरा न होने के कारण पूंजी अवरूद्ध होना: पश्चिम मध्य रेलवे

ऊपरी सड़क पुलों तक पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य पूरा न होने के परिणामस्वरूप रेलवे की 43.59 करोड़ रुपए की पूंजी अवरुद्ध हो गई तथा रेल फाटकों को बंद न करने के कारण 1.35 करोड़ रुपए का आवर्ती व्यय हुआ।

पैरा 3.4 ठेकेदार को भुगतान किए गए संग्रहण अग्रिम और उस पर ब्याज की वसूली न होना: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने वित्तीय हितों की रक्षा करने में विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप ठेकेदार को भुगतान किए गए संग्रहण अग्रिम और उस पर ब्याज की वसूली न होने के कारण 28.95 करोड़ रुपए की हानि हुई।

पैरा 3.5 ऊपरी सड़क पुलों के निर्माण पर 28.03 करोड़ रुपए की आवर्ती लागत के बावजूद रेल फाटकों को बंद न किया जाना और रेल फाटकों के निरंतर संचालन पर आवर्ती लागत: दक्षिण मध्य रेलवे

दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करते समय सीमित ऊंचाई वाले सबवे/हल्के पैदल पार पुल को शामिल करने के संबंध में रेल मंत्रालय के अनुदेशों का पालन न करने के परिणामस्वरूप रेल फाटकों को बंद नहीं किया जा सका।

पैरा 3.6 उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से 26.59 करोड़ रुपए के पट्टा प्रभारों की वसूली न होना: उत्तर मध्य रेलवे

उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को रेल भूमि पट्टे पर देने के संबंध में रेल मंत्रालय के अनुदेशों के उल्लंघन के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के साथ पट्टा करार निष्पादित नहीं किया जा सका। इसके अतिरिक्त, रेल प्रशासन उत्तर प्रदेश सरकार से भूमि पट्टा प्रभारों की वसूली नहीं कर सका जिसके परिणामस्वरूप 26.59 करोड़ रुपए के राजस्व की हानि हुई।

पैरा 3.8 वाशिंग पिट के निर्माण पर निष्फल व्यय: पूर्वोत्तर रेलवे

वाशिंग पिट के अकारण निर्माण की स्वीकृति और बाद में कार्य बंद करने के निर्णय के परिणामस्वरूप 10.72 करोड़ रुपए का निष्फल व्यय हुआ।

पैरा 3.13 रेल मंत्रालय के आश्वासन के बावजूद परिसंपत्ति का नगण्य उपयोग: उत्तर पश्चिम रेलवे

रेलगाड़ी सेवाएं शुरू होने के 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी 133.69 करोड़ रुपए के निवेश से सृजित अवसंरचना का इष्टतम उपयोग करने में रेल प्रशासन की अक्षमता के

कारण अजमेर-पुष्कर बड़ी लाइन का परिचालन नहीं किया जा सका। इसके परिणामस्वरूप, 2017-2018 से 2019-20 की अवधि के दौरान अजमेर-पुष्कर खंड में रेलगाड़ी परिचालन पर 6.78 करोड़ रुपए की हानि हुई।

पैरा 4.1 ट्रेन-18 के लिए ट्रेनसेट के निर्माण पर किए गए व्यय का निष्फल होना: सवारी डिब्बा कारखाना

दो वर्षों में 240 सवारी डिब्बों के निर्माण कार्यक्रम को अनुमोदित करने के बाद कर्षण प्रणाली को बदलने के रेल मंत्रालय के निर्णय के परिणामस्वरूप ट्रेन-18 के लिए 8.57 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ववर्ती विशिष्टि के अनुसार विनिर्मित सवारी डिब्बों के छह अनुपयोगी आवरण और 46 करोड रुपए लागत की सामग्री निष्क्रिय पड़े रहे।

पैरा 4.2 ढुलाई प्रभार के लिए परिहार्य भुगतान: दक्षिण पूर्व रेलवे

मरम्मती/लदान न किए जा सकने वाले मालडिब्बों की आपूर्ति के कारण, रेलवे को दिसंबर 2015 से दिसंबर 2021 तक की अवधि के लिए हल्दिया में हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स प्रणाली को ढुलाई प्रभार के रूप में 12.54 करोड़ रुपये का परिहार्य भुगतान करना पड़ा।

पैरा 4.5 रेल प्रशासन द्वारा ठेकेदार के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने के सतर्कता विभाग के सुझाव पर ध्यान न देने के कारण अनुचित तरीके से ठेका दिया गया: पूर्व तट रेलवे

पूर्व तट रेलवे ने सतर्कता विभाग के अनुदेशों पर यथोचित ध्यान दिए बिना 7.26 करोड़ रुपए की लागत पर सफाई कार्य संविदा प्रदान की।

लेखापरीक्षा की 2024 की रिपोर्ट संख्या 5 (अनुपालन लेखापरीक्षा)

महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों और सिफारिशों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

अध्याय 1: भारतीय रेल में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन

भारतीय रेल 129 अस्पतालों और 586 स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से लगभग एक करोड़ रेलवे लाभार्थियों को चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है। "भारतीय रेल में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन" विषय पर समीक्षा में 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान भारतीय रेल द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की पर्याप्तता और गुणवत्ता का निर्धारण करने संबंधी मुद्दों को शामिल किया गया। लेखापरीक्षा ने संसाधनों और उनके उपयोग, आवश्यक अवसंरचना की उपलब्धता, कोविड महामारी के दौरान संसाधनों के प्रबंधन, दवाओं/उपकरणों की अधिप्राप्ति आदि के संबंध में भारतीय रेल द्वारा तैयार की गई विभिन्न नीतियों और दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन की जांच की।

लेखापरीक्षा में पाया गया कि भारतीय रेल के कुल व्यय में स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय की हिस्सेदारी में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी थी, लेकिन 2021-22 में इसमें भारी गिरावट आई।

कई ऐसे मामले सामने आए, जब मरीजों ने चिकित्सा परामर्श के विपरीत अस्पताल छोड़ दिया। भारतीय रेल ने मरीजों को गैर-रेलवे मान्यता प्राप्त अस्पतालों में रेफर करने पर काफी खर्च किया। 7,38,297 (98.72 प्रतिशत) मामलों में रेफरल मामलों की चिकित्सीय लेखापरीक्षा नहीं की गई और यह व्यय बढ़ता हुआ दिख रहा है। आयुष्मान भारत योजना के पात्र लाभार्थियों को चिकित्सा उपचार कई रेलवे अस्पतालों में लागू नहीं किया गया। बिस्तर अधिभोग अनुपात (बीओआर), जो अस्पताल सेवाओं की उत्पादकता का एक संकेतक है, कई अस्पतालों में मानक मानदंडों से कम पाया गया।

लेखापरीक्षा में क्षेत्रीय रेलों के अस्पतालों की नमूना जांच में चिकित्सा और पराचिकित्सा कर्मचारियों की कमी भी पाई गई। आईपीएचएस मानदंडों के संदर्भ में मशीनों/चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता में भी कमी थी। नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 के अनुसार मशीनों/चिकित्सा उपकरणों की न्यूनतम आवश्यकता को भी पूरा नहीं किया जा रहा था।

चिकित्सा लेखापरीक्षा, गुणवत्ता वाली दवाओं की अधिप्राप्ति, परीक्षण रिपोर्टों की समय पर प्राप्ति तथा 'अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस)' के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और आंतरिक नियंत्रण तंत्र को सुदृढ करने की गुंजाइश है।

अध्याय 2: भारतीय रेल में पार्सल सेवाओं का प्रबंधन

रेल अधिनियम 1989 की धारा 2 (27) के अनुसार, 'पार्सल' से तात्पर्य किसी यात्री या पार्सल गाड़ी द्वारा वहन के लिए रेल प्रशासन को सौंपा गया माल है। रेलवे द्वारा व्यक्तिगत वस्तुओं, सामान्य व्यापारिक माल, नश्यवान वस्तुओं को बुकिंग और वहन करने के लिए पार्सल के रूप में स्वीकार किया जाता है। रिपोर्ट में पार्सलों की बुकिंग, पार्सल वैन और पार्सल एक्सप्रेस गाड़ियों को पट्टे पर देकर पार्सल सेवाएं प्रदान करने में भारतीय रेल के कार्य-निष्पादन पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। लेखापरीक्षा के कार्य क्षेत्र में 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान भारतीय रेल द्वारा तैयार की गई योजनाओं/नीतियों और उनके कार्यान्वयन से संबंधित मामले सम्मिलित थे।

लेखापरीक्षा में पाया गया कि भारतीय रेल द्वारा किए गए व्यवसाय विकास के प्रयासों में भारतीय रेल संदृश्य प्रलेख, 2020 में परिकल्पित पहल के स्तर प्रदर्शित नहीं थे। पार्सल दर-सूची को अक्तूबर 2013 से संशोधित नहीं किया गया है। पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाओं जैसे पहुँच मार्ग, छतदार शेड, पेयजल, माल रखने का क्षेत्र, व्यापारी कक्ष आदि का अभाव था। पार्सल कार्गो के कुशल पारगमन के लिए चल स्टॉक, पार्सल कार्यालयों और पार्सल प्रबंधन प्रणाली टर्मिनल की अवसंरचना क्षमता में वृद्धि नहीं की गई थी। वीपी की आपूर्ति न होने के कारण पार्सल आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सभी 16 क्षेत्रीय रेलों में, पार्सल खंड को पार्सल कार्गो एक्सप्रेस गाड़ियों (पीसीईटी) के लिए नहीं खोला गया था।

['भारतीय रेल में गाड़ी परिचालन में ऊर्जा प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा पहलकदमियों' विषय पर निष्पादन लेखापरीक्षा (मार्च 2022 को समाप्त वर्ष)]

'भारतीय रेल में गाड़ी परिचालन में ऊर्जा प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा पहलकदमियों' विषय पर निष्पादन लेखापरीक्षा यह आकलित करने के लिए की गई थी कि ऊर्जा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के विकास और ऊर्जा संरक्षण के संबंध में भारतीय रेल की बड़ी पहलकदमियाँ परिकल्पित परिणामों को प्राप्त कर रही हैं या नहीं।

सिफारिशों का सारांश

भारतीय रेल को चाहिए कि वह :

- छह क्षेत्रीय रेलों में ईंधन की लागत की जांच एवं उनमें कमी करे, जिनका अनुपात कार्य संचालन व्यय में काफी अधिक है और जो सस्ते विद्युत कर्षण में उत्तरोत्तर परिवर्तन के बावजूद बढ़ रही है।
- ईंधन और ऊर्जा खपत को प्रभावी ढंग से इष्टतमीकृत करने के लिए एसएफसी और एसईसी की गणना के लिए प्रणाली को स्वचालित करे।
- जोनल स्तर पर कार्यान्वयन में स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करने हेतु एकल नीति दस्तावेज/मास्टर परिपत्र में ऊर्जा संरक्षण के लिए सभी उपायों को संकलित और जारी करे।
- विद्युतीकृत मार्गों में विद्युत कर्षण का उपयोग न करने के कारण विद्युतीकृत मार्ग कि.मी. में वृद्धि की तुलना में चार क्षेत्रीय रेलों में विद्युत सकल टन किलोमीटर में कमी को सुधारे।
- मौजूदा पारंपरिक इंजनों की उपयोग अवधि थ्री फेज़ इंजनों की उत्पादन क्षमता आदि पर यथोचित विचार करते हुए 100 प्रतिशत थ्री फेज़ विद्युत इंजनों में परिवर्तन के लिए समय-सीमा तैयार करे।
- थ्री फेज़ वाले इंजनों और ईएमयू को इंजन से पुनरूत्पादित ऊर्जा डेटा के स्वचालित अभिग्रहण के लिए कार्यप्रणाली विकसित करे।
- ग्रिड को वापस भेजी गई पुनरूत्पादित विद्युत हेतु क्रेडिट प्राप्त करने हेतु प.म.रे. द्वारा अपनाई गई विधि को सभी क्षेत्रीय रेलों में प्रसारित करे।
- ऊर्जा खपत की निगरानी और उसका इष्टतमीकरण करने हेतु नियमित रूप से ऊर्जा लेखापरीक्षाएँ सुनिश्चित करे।
- नवीकरणीय ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों, जिनका दोहन किए जाने का प्रस्ताव है, के लिए नए उपायों और लक्ष्यों का ब्यौरा देते हुए एक व्यापक नीतिगत परिपत्र जारी करे।

14.10.2024 की स्थिति के अनुसार की गई कार्रवाई संबंधी लंबित नोट पर वस्तु-स्थिति रिपोर्ट

क्र.सं.	रिपोर्ट संख्या एवं वर्ष	उन पैरा/सीएजी रिपोर्ट की संख्या जिनके संबंध में ए.टी.एन. प्रस्तुत किए गए	पैरा/सीएजी रिपोर्ट का विवरण जिसके संबंध में ए.टी.एन. पर लंबित हैं			
			मंत्रालय द्वारा पहली बार भी न भेजे गए ए.टी.एन. की संख्या	भेजे गए लेकिन टिप्पणियों सहित लौटाए गए ए.टी.एन. की संख्या और लेखापरीक्षा, मंत्रालय द्वारा उनके पुन: प्रस्तुत किए जाने की प्रतीक्षा कर रही है	उन ए.टी.एन. की संख्या जिनकी अंतिम रूप से लेखापरीक्षा द्वारा विधीक्षा की गई है, लेकिन मंत्रालय द्वारा लोक लेखा समिति को प्रस्तुत नहीं किया गया है	लेखापरीक्षा
1	2016 के 13, 14, 32 और 37	45/44	0	0	1	0
2	2017 के 13, 14, 22, 36 और 45	43/43	0	0	0	0
3	2018 के 1, 5, 17, और 19	44/43	0	0	1	0
4	2019 के 10 और 19	50/50	0	0	0	0
5	2020 के 2 और 8	4/4	0	0	0	0
6	2021 के 5, 13 और 22	68/44	0	0	2	2
7	2022 के 16, 22, 23, 25 और 35	44/37	0	3	2	2
8	2023 का 13	4/3	0	0	1	0
9	2024 के 4, 5 और 6	39/0	20	1	1	17
	कुल	**341/288**	**20**	**4**	**8**	**21**

वित्तीय विवरण
एवं परिचालनिक सांख्यिकी

विषय-सूची

वित्तीय विवरण

समेकित लाभ और हानि लेखा 160

लाभ और हानि लेखे के पूरक विवरण

सकल यातायात प्राप्तियां 160

साधारण संचालन व्यय 161

आरक्षित निधियों में अंशदान 161

सामान्य राजस्व को लाभांश और अन्य भुगतान 161

तुलन-पत्र 162

रेल परिसंपत्तियों का मूल्य 164

योजना में रेलवे का अंशदान-निधियों का स्रोत/निधियों का उपयोग 166

परिचालन सांख्यिकी

परिसंपत्तियां 168

परिचालन 169

यातायात और आमदनी 170

चल स्टॉक का उपयोग 172

सामान्य 173

सांख्यिकीय संक्षेप-भारतीय रेल

वित्तीय विवरण

समेकित लाभ और हानि लेखा: 2023-24

2022-23 (₹ करोड़ में)	अनुषंगी विवरण		2023-24 (₹ करोड़ में)	अनुषंगी विवरण
2,39,982.56	I क	**सकल यातायात से प्राप्तियां**	**2,55,272.63**	**I क**
		साधारण संचालन व्यय		
1,80,255.78	I ख	(इसमें चालित लाइनों को भुगतान शामिल है)	**1,91,093.61**	**I ख**
		आरक्षित निधियों में अंशदान		
55,400.00	I ग	(मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि)	**59,800.00**	**I ग**
2,35,655.78		कुल संचालन व्यय	**250,893.61**	
4,326.78		यातायात से शुद्ध प्राप्ति (परिचालन लाभ)	**4,379.02**	
(-)1,809.40		विविध संव्यवहार (शुद्ध)	**(-) 1,119.34**	
2,517.38		**शुद्ध राजस्व (सकल लाभ)**	**3,259.68**	
		घटाइए		
—	I घ	**(क) सामान्य राजस्व को लाभांश तथा अन्य भुगतान**	**—**	**I घ**
—		**(ख) आस्थगित लाभांश दायिता को भुगतान**	**—**	
@@2,517.38		**आधिक्य (+)/कमी (—)**	**@3,259.68**	

@@ आधिक्य का विकास निधि (डीएफ) और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) में विनियोजन किया गया था।

@ आधिक्य का विकास निधि (डीएफ) और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) में विनियोजन किया गया था।

लाभ और हानि लेखे के पूरक विवरण

2022-23 (₹ करोड़ में)	I क		2023-24 (₹ करोड़ में)	I क
		सकल यातायात से प्राप्तियां कोचिंग यातायात से आमदनी यात्री यातायात		
# —		पूरे किराये	**#—**	
# —	63,416.85	पूरे किराये से कम	**#—**	**70,693.32**
		पार्सल तथा अन्य कोचिंग यातायात		
1,975.10		पार्सल	**2,009.30**	
105.63		सामान	**112.76**	
3,877.59	5,958.32	अन्य	**4,605.19**	**6,727.25**
		माल यातायात से आमदनी		
86,456.54		कोयला, कोक आदि	**91,247.46**	
74,782.81		सामान्य पण्य	**76,412.63**	
811.71		अन्य यातायात	**1,262.10**	
1,713.12		स्थान शुल्क और विलम्ब शुल्क	**1,507.39**	
(-)1,501.28	1,62,262.90	वापस की गयी रकम घटाइए	**(-)2,136.29**	**1,68,293.29**
	8,498.60	**विविध (फुटकर) अन्य आमदनी**		**9,652.44**
	2,40,136.67	**कुल सकल आय**		**2,55,366.30**
	154.11	उचंत (प्राप्य बिल)		**93.67**
	2,39,982.56	**सकल यातायात से प्राप्तियां** (वस्तुत: प्राप्त)		**2,55,272.63**

आंकड़े उपलब्ध नहीं

2022-23 (₹ करोड़ में)	कुल का प्रतिशत		2023-24 (₹ करोड़ में)	कुल का प्रतिशत
	I ख	**साधारण संचालन व्यय**		I ख
8,992.67	4.99	सामान्य अधीक्षण और सेवाएं	9,584.23	5.02
17,856.23	9.91	रेलपथ तथा निर्माण कार्यों से संबंधित मरम्मत तथा अनुरक्षण	20,049.85	10.49
6,709.42	3.72	मोटिव पॉवर की मरम्मत और अनुरक्षण	7,751.48	4.06
19,733.39	10.95	सवारी और माल डिब्बों की मरम्मत और अनुरक्षण	22,309.01	11.67
9,631.38	5.34	संयंत्र और उपस्कर की मरम्मत और अनुरक्षण	10,493.14	5.49
20,056.04	11.13	परिचालन व्यय-चल स्टाक और उपस्कर	22,062.12	11.55
37,074.57	20.57	परिचालन व्यय-यातायात	39,430.17	20.63
37,899.73	21.03	परिचालन व्यय-ईंधन	34,788.22	18.20
8,486.33	4.71	कर्मचारी कल्याण और सुविधाएं	9,473.47	4.96
8,260.64	4.58	विविध संचालन व्यय	9,413.43	4.93
5,472.43	3.04	भविष्य निधि, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	6,213.33	3.25
1,80,172.82		**सकल व्यय**	1,91,568.45	
82.95	0.05	उचंत (देय बिल)	(-) 474.84	-0.25
1,80,255.78	100.00	साधारण संचालन व्यय (वस्तुत: संवितरित)	1,91,093.61	100.00
				I ग
	I ग	**आरक्षित निधियों में अंशदान**		
700.00		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	800.00	
54,700.00		पेंशन निधि	59,000.00	
55,400.00		निधि में कुल अंशदान	59,800.00	
2,35,655.78		**कुल संचालन व्यय**	2,50,893.61	I घ
	I घ	**सामान्य राजस्व को लाभांश और अन्य भुगतान**		
	—	देय लाभांश (वर्तमान)		—
—		यात्री किराए पर कर के बदले भुगतान	—	
—	—	रेल संरक्षा निधि की सहायता के लिए	—	—
	—	**कुल देय लाभांश**		—
	—	आस्थगित लाभांश का भुगतान		—
	—	शुद्ध देय लाभांश		—

तुलन पत्र

31 मार्च, 2023 को (₹ करोड़ में)			31 मार्च, 2024 को (₹ करोड़ में)
		दायिताएं	
	क.	**ऋण पूंजी**	
#6,17,614.79		(सामान्य राजकोष द्वारा अग्रिम)	**@7,92,657.45**
	ख.	**निम्नलिखित से निवेश वित्तपोषित**	
53,449.91		रेलवे पूंजी निधि	**53,449.91**
66,813.65		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**67,380.32**
42,122.10		विकास निधि	**43,074.76**
77,158.48		रेलवे संरक्षा निधि	**1,22,158.81**
15,756.05		विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**15,756.05**
1,252.31		राजस्व	**1,252.31**
85,973.17		राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**97,295.34**
10,239.00		संप्रभु हरित निधि	**22,717.99**
2,354.72		अन्य विविध स्रोत	**2,515.88**
3,55,119.39		**जोड़**	**4,25,601.38**
	ग.	**आरक्षित**	
428.14		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**780.10**
15.52		विकास निधि	**572.54**
360.90		पेंशन निधि	**1,961.39**
442.16		रेलवे पूंजी निधि	**456.97**
3.38		रेलवे संरक्षा निधि	**3.06**
—		विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**—**
864.89		राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**1,302.40**
237.15		रेलवे दायिता सेवा निधि	**245.09**
2,352.14		**जोड़**	**5,321.55**
	घ.	**निक्षेप**	
39,570.32		(i) राज्य रेल भविष्य निधि	**38,689.13**
30,974.90		(ii) विविध निक्षेप	**41,465.42**
71.48		(iii) वित्तीय ऋण और अग्रिम	**73.39**
70,616.70		**जोड़**	**80,227.94**
	ड.	**चालू दायिताएं**	
6,389.80		(i) निर्वाह न की गयी (देय मांगें)	**7,373.30**
3.25		(ii) अन्य सरकारी विभागों को देय बकाया रकम	**3.25**
6,393.05		**जोड़**	**7,376.55**
10,52,096.07		**कुल जोड़**	**13,11,184.87**

@ इसमें एसआरएसएफ को ₹11,954.00 करोड़ का विनियोग, आरआरएसके को ₹90,000.00 करोड़, आरएसएफ को ₹1,07,957.03 करोड़ और ₹22,717.99 करोड़ का विनियोग एसजीएफ को शामिल नहीं हैं।

* इसमें एसआरएसएफ को ₹11,954.00 करोड़, आरआरएसके को ₹80,000.00 करोड़ का विनियोग, आरएसएफ को ₹62,957.03 करोड़ और एसजीएफ को ₹10,239 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं हैं।

II 31 मार्च, 2023 को (₹ करोड़ में)				II 31 मार्च, 2024 को (₹ करोड़ में)
			परिसंपत्तियां	
	च.		**ब्लॉक परिसंपत्तियां**	
		(i)	**अचल परिसंपत्तियां**	
50,178.86			भूमि	**60,342.15**
4,34,975.54			इमारतें और रेलपथ	**5,38,782.07**
2,38,853.12			चल स्टॉक	**3,13,604.86**
83,040.33			संयंत्र और उपस्कर	**1,05,587.50**
–			विविध परिसंपत्तियां	**–**
8,07,047.85			**कुल**	**10,18,316.58**
		(ii)	**निवेश**	
2,082.32			भण्डार-सूची	**3,600.95**
3,799.70			कार्य प्रगति पर (डब्ल्यूएमएस)	**5,125.64**
17,869.17			विविध अग्रिम (पूंजी)	**18,092.47**
23,751.19			**जोड़**	**26,819.07**
		(iii)	**अन्य उपक्रमों में निवेश**	
—			सड़क परिवहन उपक्रमों में हिस्से	**—**
1,41,935.14			अन्य सरकारी उपक्रम	**1,73,123.17**
9,72,734.18			**कुल ब्लॉक परिसंपत्तियां**	**12,18,258.82**
	छ.		**केन्द्रीय सरकार के अधीन निधियां**	
72,968.84			(कोंट्रा - मद ग और घ)	**85,549.49**
	ज.		**चालू परिसंपत्तियां**	
1,786.87			फुटकर देनदार	**2,295.55**
1,534.04			अन्य सरकारी विभागों से प्राप्य बकाया	**1,437.06**
1,971.09			यातायात संबंधी बकाया आमदनी	**2,461.15**
446.47			हस्ते रोकड़	**337.58**
654.58			वसूलनीय मांगें	**845.22**
10,52,096.07			**सकल जोड़**	**13,11,184.87**

31 मार्च, 2023 को कुल बही मूल्य

(₹ करोड़ में)

	ब्याज देय पूंजी (ऋण/लेखा सहित)	पूंजी निधि	मूआनि एवं विनि सुधार घटक सहित	ओ एल डब्ल्यू आर	यू. एस. मशीनरी और अन्य विविध औजार	रेल संरक्षा निधि	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	विशेष रेल संरक्षा निधि	एस जी एफ	कुल
भूमि	48,535.35	441.51	378.79	3.83	–	568.88	221.01	29.48	–	50,178.86
संरचना संबंधी इंजीनियरी कार्य										
स्टेशन और कार्यालय	1,16,822.65	11,861.27	26,883.05	405.74	0.27	11,155.99	11,387.67	561.84	–	1,79,078.49
कारखाने और भंडार की इमारतें	16,010.95	466.82	4,937.49	126.29	–	901.61	1,048.11	38.79	–	23,530.05
रिहायशी इमारतें	8,097.38	330.50	4,638.46	75.80	–	1,390.76	211.36	45.27	–	14,789.53
रेलपथ										
संरचना	54,407.74	6,684.08	8,918.74	55.60	0.01	24,737.75	11,679.69	1,558.79	–	1,08,042.41
रेल-पथ का सामान	41,960.07	4,598.24	21,398.76	146.39	–	16,070.50	37,816.49	6,570.15	–	1,28,560.60
पुल	19,694.97	1,555.91	5,310.01	36.09	–	10,381.61	6,556.50	1,494.41	–	45,029.50
चल-स्टॉक										
रेल इंजन और अतिरिक्त बॉयलर	49,613.34	8,876.75	8,737.52	3.80	–	18.58	3,680.33	1,086.84	10,239.00	82,256.17
रेलकार और ई.एम. यू. स्टॉक सहित सवारी डिब्बे	29,149.94	5,110.67	4,919.33	0.64	–	4.39	1,925.05	686.02	–	41,796.04
माल डिब्बा	27,342.86	4,750.38	3,623.65	1.04	–	520.42	2,081.72	985.73	–	39,305.80
फेरी व्यवस्था	231.72	15.46	9.98	0.01	–	3.15	116.62	–	–	376.94
रेल-सह-सड़क सेवाएं	3,238.82	9.11	1,115.36	21.56	0.23	2,422.30	1,150.38	63.09	–	8,020.85
सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क मोटर कारें और वाहन	-99.15	0.01	-70.02	–	–	3,256.18	-44.74	–	–	3,042.27
चल स्टॉक से इतर उपस्कर (मशीनरी और संयंत्र)	43,610.93	4,640.04	18,102.71	375.51	3.01	5,726.30	7,946.23	2,635.64	–	83,040.35
उचंत (चल परिसंपत्तियां, जैसे सूचीगत सामान या भण्डार में सामान)@										
भण्डार उचंत	1,852.27	2.91	31.90	–	–	0.08	195.17	–	–	2,082.32
निर्माण उचंत	3,799.70	–	–	–	–	–	–	–	–	3,799.70
विविध अग्रिम	15,496.06	20.53	0.01	–	2,351.19	–	1.37	–		17,869.17
सरकारी व अन्य वाणिज्यिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश-सड़क सेवाएं										
सरकारी वाणिज्यिक तथा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश	30,811.02	1,101.33	-	0.01	–	–	–	–	–	31,912.35
जोड़	6,17,614.79	53,449.91	1,08,935.75	1,252.31	2,354.72	77,158.48	85,973.17	15,756.05	10,239.00	9,72,734.18

नोट: @ इसमें वि.रे.सं.नि. के विनियोग से संबंधित ₹11,954.00 करोड़ शामिल नहीं हैं।

31 मार्च, 2024 को कुल बही मूल्य

(₹ करोड़ में)

	ब्याज देय पूंजी (ऋण/ लेखा सहित)	पूंजी निधि	मूआनि एवं विनि सुधार घटक सहित	ओ एल डब्ल्यू आर	यू. एस. मशीनरी और अन्य विविध औजार	रेल संरक्षा निधि	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	विशेष रेल संरक्षा निधि	एस जी एफ	कुल
भूमि	58,597.70	441.51	379.40	3.83	–	596.50	293.74	29.48	–	60,342.15
संरचना संबंधी इंजीनियरी कार्य										
स्टेशन और कार्यालय	1,41,487.99	11,861.27	29,899.33	405.74	0.27	23,703.19	14,032.37	561.84	–	2,21,951.99
कारखाने और भंडार की इमारतें	18,321.50	466.82	4,925.30	126.29	–	1,156.57	1,207.79	38.79	–	26,243.06
रिहायशी इमारतें	9,225.39	330.50	4,800.17	75.80	–	1,866.88	235.99	45.27	–	16,580.00
रेलपथ										
संरचना	70,739.80	6,684.08	8,356.33	55.60	0.01	38,050.78	12,359.70	1,558.79	–	1,37,805.09
रेल-पथ का सामान	56,174.06	4,598.24	21,559.55	146.39	–	27,656.58	40,238.26	6,570.15	–	1,56,943.24
पुल	24,836.85	1,555.91	5,347.09	36.09	–	12,405.71	8,514.37	1,494.41	–	54,190.45
चल-स्टॉक										
रेल इंजन और अतिरिक्त बॉयलर	73,573.55	8,876.75	7,725.82	3.80	–	30.98	4,494.28	1,086.84	22,717.99	1,18,510.01
रेलकार और ई.एम.यू. स्टॉक सहित सवारी डिब्बे	42,140.44	5,110.67	4,927.02	0.64	–	4.39	2,074.93	686.02	–	54,944.13
माल डिब्बा	39,089.86	4,750.38	3,614.60	1.04	–	1,217.06	2,296.02	985.73	–	51,954.69
फेरी व्यवस्था	337.48	15.46	9.98	0.01	–	3.15	283.52	–	–	649.59
रेल-सह-सड़क सेवाएं	3,545.10	9.11	1,133.34	21.56	0.23	2,787.50	1,177.68	63.09	–	8,737.61
सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क मोटर कारें और वाहन	521.70	0.01	-42.26	–	–	3,386.11	11.53	–	–	3,877.08
चल स्टॉक से इतर उपस्कर (मशीनरी और संयंत्र)	60,967.62	4,640.04	17,787.50	375.51	3.01	9,293.29	9,884.90	2,635.64	–	1,05,587.50
उचंत (चल परिसंपत्तियां, जैसे सूचीगत सामान या भण्डार में सामान)@										
भण्डार उचंत	3,377.42	2.91	31.90	–	–	0.04	188.68	–	–	3,600.95
निर्माण उचंत	5,125.57	–	–	–	–	0.08	–	–	–	5,125.64
विविध अग्रिम	15,558.20	20.53	0.01	–	2,512.36	–	1.37	–		18,092.47
सरकारी व अन्य वाणिज्यिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश-सड़क सेवाएं	1,06,443.66	2,984.39	0.01	0.01	–	–	0.20	–	–	1,09,428.27
सरकारी वाणिज्यिक तथा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश	62,593.56	1,101.33	-	0.01	–	–	–	–	–	63,694.90
जोड़	7,92,657.43	53,449.91	1,10,455.08	1,252.31	2,515.88	1,22,158.81	97,295.34	15,756.05	22,717.99	12,18,258.82

नोट: @ इसमें वि.रे.सं.नि. के विनियोग से संबंधित ₹11,954.00 करोड़ शामिल नहीं हैं।

योजना में रेलों का अंशदानः निधियों के स्रोत/उपयोग

2022-23 (₹ करोड़ में)	निधियों का स्रोत	2023-24 (₹ करोड़ में)
	आंतरिक स्रोत से सृजन	
2,517.38	वर्ष में आधिक्य (+)	**3,259.68**
	राजस्व और पूंजी से आरक्षित निधियों में अंशदान	
900.00	मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**1,000.00**
0.00	विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**0.00**
0.00	पूंजी निधि	**0.00**
266.00	पेंशन निधि (शुद्ध)	**1,562.24**
0.00	रेल संरक्षा निधि	**0.00**
0.00	रा.रे.सं.को.	**0.00**
38.97	निधि शेषों पर ब्याज	**90.59**
3,722.35	कुल आंतरिक रोकड़ शेष	**5,912.51**
	सामान्य राजस्व से बजटीय सहायता	
109,017.15	(क) पूंजी लेखे पर	**1,75,169.48**
-	(ख) एस.आर.एस.एफ. के लिए	-
30,000.00	(ग) आर.एस.एफ. के लिए	**45,000.00**
10,000.00	(घ) आर.आर.एस.के. के लिए	**10,000.00**
10,239.00	(ङ) एस.जी.एफ. के लिए	**12,478.99**
	(च) अस्थायी ऋण के रूप में:	
0.00	(i) आरक्षित निधि	**0.00**
0.00	(ii) विकास निधि	**0.00**
0.00	(iii) पूंजी निधि	**0.00**
	सामान्य राजस्व से अंशदान (ब्याज रहित)	
-	(क) एस.आर.एस.एफ. के लिए	-
-	(ख) आर.एस.एफ. के लिए	-
-	(ग) आर.आर.एस.के. के लिए	-
-	(घ) एस.जी.एफ. के लिए	-
159,256.15	सामान्य राजस्व से प्राप्त कुल अंशदान	**2,42,648.47**
162,978.50	**निधियों का समग्र स्रोत**	**2,48,560.98**

2022-23 (₹ करोड़ में)	निधियों का उपयोग	2023-24 (₹ करोड़ में)
	नयी परिसम्पत्तियों की खरीद और वर्तमान परिसम्पत्तियों का बदलाव	
	निम्नलिखित को प्रभारित खरीद :	
109,017.15	पूंजी	**1,75,169.48**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
985.39	विकास निधि	**952.66**
30,001.29	रेलवे संरक्षा निधि	**45,000.33**
11,797.42	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**11,322.17**
10,239.00	एस.जी.एफ.	**12,478.99**
0.00	चालू लाइन निर्माण (राजस्व)	**0.00**
617.38	मूल्यह्रास आरक्षित निधि को प्रभारित प्रतिस्थापन	**667.94**
162,657.63	**कुल निवेश**	**2,45,591.57**
	निम्नलिखित के लिए प्राप्त ऋणों की अदायगी :	
0.00	विकास निधि	**0.00**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
	अस्थायी ऋणों पर दिया गया ब्याज	
0.00	विकास निधि	**0.00**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
320.87	निधि शेषों में वृद्धि (+)/कमी (-)	**2,969.41**
162,978.50	**निधियों का कुल उपयोग**	**2,48,560.98**
	नोट:	
2,031.27	1 अप्रैल को सभी निधियों में अथशेष	**2,352.14**
2,352.14	31 मार्च को इतिशेष	**5,321.55**
	वृद्धि (+) कमी (–)	
320.87	शेष का ब्यौरा इस प्रकार है:	**2,969.41**
291.92	मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**351.96**
14.87	विकास निधि	**557.02**
273.39	पेंशन निधि	**1,600.50**
14.33	रेल पूंजी निधि	**14.81**
(-)1.29	रेल संरक्षा निधि	**-0.33**
(-)280.04	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**437.51**
7.69	ऋण सेवा निधि	**7.94**
-	एस.जी.एफ.	**–**
320.87	**जोड़**	**2,969.41**

परिसम्पत्तियां

2022-23				2023-24		
बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़	**मार्ग/रेलपथ किलोमीटर (000)**	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़
			मार्ग किलोमीटर			
58.07	–	58.07	विद्युतीकृत	**62.25**	**–**	**62.25**
65.98	1.34	68.58	कुल	**66.82**	**1.16**	**69.18**
			चालित रेलपथ किलोमीटर			
92.36	–	92.36	विद्युतीकृत	**102.50**	**–**	**102.50**
103.90	1.33	106.49	कुल	**107.35**	**1.19**	**109.75**
			कुल रेलपथ किलोमीटर			
113.77	–	113.77	विद्युतीकृत	**125.39**	**–**	**125.39**
129.51	1.41	132.31	कुल	**132.64**	**1.27**	**135.21**
7,180	97	7,364	**स्टेशनों की संख्या**	**7,314**	**54**	**7,461**
			चल स्टॉक (यूनिटों में)			
			रेल इंजन			
–	27	39	भाप	**–**	**27**	**38**
4	–	82*	डीजल हाईड्रोलिक एवं यांत्रिक	**4**	**–**	**84**
4,601*	45	4,648*	डीजल बिजली	**4,269**	**42**	**4,313**
9,565	–	9,565	बिजली	**10,675**	**–**	**10,675**
			सवारी डिब्बे			
64,095*	263*	64,658*	हॉल्ड रेल इंजन	**64,520**	**224**	**65,006**
7,975*	–	7,975*	ई.एम.यू. ट्रेलर	**8,125**	**–**	**8,125**
3,938*	–	3,938*	ई.एम.यू. मोटर कोच	**4,104**	**–**	**4,104**
1,711*		1,711*	डेमू/डीएचएमयू	**1,681**		**1,681**
7*	1*	13*	रेल कार	**5**	**0**	**10**
			सीटें/शायिकाएं (000)			
1,169.48*	0.11	1,169.59*	वातानुकूलित	**1,339.13**	**0.11**	**1,339.24**
109.62*	-	109.62*	वातानुकूलित कुर्सी-यान	**118.22**	**-**	**118.22**
-	0.58*	0.58*	पहला दर्जा	**-**	**0.58**	**1.68**
3,208.63*	11.01*	3,219.64*	दूसरा दर्जा	**3,112.60**	**8.96**	**3,121.56**
1,163.77*	–	1,163.77*	ई.एम.यू. ट्रेलर (सभी दर्जे)	**1,131.12**	**–**	**1,131.12**
606.10*	–	606.10*	ई.एम.यू. मोटर कोच (सभी दर्जे)	**659.65**	**–**	**659.65**
182.75*		182.75*	डेमू/डीएचएमयू	**178.96**		**178.96**
0.36	0.13*	0.57*	रेल कार (सभी दर्जे)	**0.36**	**-**	**0.57**
9,110.00*	41.00	9,167*	अन्य कोचिंग वाहन (यूनिटों में) (ब्रेक यान सहित)	**10,221.00**	**41.00**	**10,278.00**
2,205*	31	2,252*	रेल सेवा वाहन (यूनिटों में)	**2,691**	**28**	**2,744**
			माल डिब्बे (000)			
71.35*	0.58*	71.94*	बंद माल डिब्बे	**76.83**	**0.57**	**77.41**
200.47*	0.07	200.56*	खुले माल डिब्बे	**208.51**	**0.07**	**208.60**
25.23*	0.02*	25.43*	मवेशी-माल डिब्बे, विस्फोटकों के लिए माल डिब्बे, टिम्बर रेल माल डिब्बे, टंकी और विविध माल डिब्बे।	**26.09**	**0.20**	**26.28**
17.06*	0.09	17.17*	विभागीय माल डिब्बे (ब्रेक यान सहित)	**15.59**	**0.09**	**15.69**
			फैरी स्टॉक			
–	–	–	पॉवर वेसेल	**–**	**–**	**–**
–	–	–	डम्प क्राफ्ट	**–**	**–**	**–**

(मिलियन में)

परिचालन

2022-23				2023-2024		
बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़	**गाड़ी किमी.**	**बड़ी लाइन**	**मीटर लाइन**	**छोटी लाइन सहित जोड़**
			सवारी गाड़ियों और मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	0.02*	0.04*	भाप	—	0.02	0.04
134.00*	1.09*	135.18*	डीजल	102.81	0.91	103.80
471.49*	—	471.49*	विद्युत	537.70	—	537.70
89.09	—	89.09	विद्युत मल्टीपल यूनिट	91.68	—	91.68
35.57*	—	35.57*	#मेमू	48.39	—	48.39
—	—	—	डीएचएमयू	—	—	—
17.88	—	17.88	डेमू	17.95	—	17.95
—	—	0.07*	रेल कार	—	—	0.02
—	0.01	0.01	रेल बस	—	—	—
			माल गाड़ियों व मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	—	—	भाप	—	—	—
113.35	—	113.35	डीजल	98.75	—	98.75
439.72	—	439.72	विद्युत	414.06	—	414.06
			विभागीय			
—	—	0.02*	भाप	—	—	0.01
1.79	—	1.79	डीजल	4.74	—	4.76
2.27	—	2.27	विद्युत	10.31	—	10.31
0.21	—	0.21	विद्युत मल्टीपल यूनिट	0.22	—	0.22
0.15	—	0.15	मेमू	0.13	—	0.13
			शटिंग तथा अन्य इंजन किलोमीटर			
			शटिंग			
—	—	—	भाप	—	—	—
44.09*	0.09	44.19*	डीजल	40.96	0.02	40.99
27.50*	—	27.50*	विद्युत	28.13	—	28.13
			लाइट, अपेक्षित सहायता, सहायता अपेक्षित नहीं है, साइडिंग और विभागीय			
—	—	—	भाप	—	—	—
154.75	0.02	154.77	डीजल	117.87	—	117.89
359.42*	—	359.43	विद्युत	301.40	—	301.40
			इंजन किलोमीटर (ईएमयू और रेल कारों को छोड़कर)			
			सवारी गाड़ियों तथा मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	0.02	0.04*	भाप	—	0.02	0.04
174.11*	1.20*	175.41*	डीजल	142.98	0.93	144.01
530.11*	—	530.13*	विद्युत	615.62	—	615.64
			माल गाड़ियों तथा मिलीजुली गाड़ियों का भाग			
—	—	—	भाप	—	—	—
272.88	—	272.88	डीजल	218.49	—	218.49
771.76*	—	771.79*	विद्युत	669.85	—	669.85
			विभागीय			
—	0.01	0.01	भाप	—	0.01	0.01
2.84*	—	2.85*	डीजल	6.08	—	6.10
6.30*	—	6.30*	विद्युत	14.98	—	14.98
			कुल			
—	0.03*	0.04	भाप	—	0.03	0.05
448.77*	1.20*	450.07*	डीजल	366.21	0.95	367.26
1,304.14*	—	1,304.16*	विद्युत	1,295.28	—	1,295.80
			वाहन किलोमीटर			
20,364.27*	10.46	20,387.51	कोचिंग वाहन	21,848.31	8.95	21,864.15
2,160.37	—	2,160.37	इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट सवारी डिब्बे	2,233.78	—	2,233.78
908.80*	—	1,748.46	#मेमू	1,216.94	—	1,216.94
—	—	—	डीएचएमयू	—	—	—
393.80	—	393.80	डेमू	398.86	—	398.86
—	—	—	रेल कार	—	—	—
—	—	—	रेल बस	—	—	—
			माल डिब्बा किलोमीटर			
15,964.38*	—	15,964.38*	लदे हुए	15,091.20	—	15,091.20
25,525.60*	—	25,525.60*	कुल	23,977.41	—	23,977.41
62.54*	—	62.54*	कुल से लदे हुए का प्रतिशत	62.94	—	62.94

* संशोधित
# वंदे भारत सहित

2022-23 बड़ी लाइन	2022-23 मीटर लाइन	2022-23 छोटी लाइन सहित जोड़	यात्री यातायात	2023-24 बड़ी लाइन	2023-24 मीटर लाइन	2023-24 छोटी लाइन सहित जोड़
			प्रारंभिक यात्री (मिलियन में)			
			उपनगरीय			
264.27	0.00	264.27	पहला दर्जा	**303.50**	**0.00**	**303.50**
3,527.93	0.00	3,527.93	दूसरा दर्जा	**3,678.02**	**0.00**	**3,678.02**
3,792.20	0.00	3,792.20	कुल उपनगरीय	**3,981.52**	**0.00**	**3,981.52**
			अनुपनगरीय			
6.25	0.00	6.25	वातानुकूल पहला दर्जा	**8.38**	**0.00**	**8.38**
39.47	0.00	39.47	वातानुकूल शयनयान	**44.47**	**0.00**	**44.47**
180.36	0.00	180.36	वातानुकूल 3-टीयर	**211.03**	**0.00**	**211.03**
1.03	0.21	1.52	पहला दर्जा	**1.23**	**0.22**	**1.76**
40.32	0.07	40.45	वातानुकूल कुर्सीयान	**53.15**	**0.00**	**53.24**
			शयनयान दर्जा			
382.49	0.00	382.49	मेल/एक्सप्रेस	**370.35**	**0.00**	**370.35**
0.49	0.00	0.49	साधारण	**0.49**	**0.00**	**0.50**
			दूसरा दर्जा			
1,310.18	1.37	1,312.29	मेल/एक्सप्रेस	**1,497.99**	**1.42**	**1,499.79**
637.36	2.33	640.23	साधारण	**731.47**	**2.35**	**734.30**
2,597.95	3.98	2,603.55	कुल अनुपनगरीय	**2,918.57**	**3.99**	**2,923.82**
6,390.15	3.98	6,395.75	कुल-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**6,900.09**	**3.99**	**6,905.34**
			यात्री किलोमीटर (मिलियन में)			
			उपनगरीय			
8,421.70	0.00	8,421.70	पहला दर्जा	**9,591.32**	**0.00**	**9,591.32**
1,05,928.04	0.00	1,05,928.04	दूसरा दर्जा	**1,08,915.01**	**0.00**	**1,08,915.01**
1,14,349.74	0.00	1,14,349.74	कुल उपनगरीय	**1,18,506.33**	**0.00**	**1,18,506.33**
			अनुपनगरीय			
3,657.59	0.00	3,657.67	वातानुकूल पहला दर्जा	**4,740.60**	**0.00**	**4,740.60**
31,471.96	0.00	31,471.96	वातानुकूल शयनयान	**35,387.90**	**0.00**	**35,387.91**
1,55,765.16	0.00	1,55,765.16	वातानुकूल 3-टीयर	**1,79,822.28**	**0.00**	**1,79,822.28**
99.01	4.98	116.98	पहला दर्जा	**119.55**	**6.62**	**139.91**
12,280.59	0.43	12,286.39	वातानुकूल कुर्सीयान	**16,672.33**	**0.05**	**16,679.99**
			शयनयान दर्जा			
2,80,259.76	0.00	2,80,259.76	मेल/एक्सप्रेस	**2,67,530.11**	**0.00**	**2,67,530.11**
93.58	0.00	93.58	साधारण	**91.98**	**0.00**	**91.98**
			दूसरा दर्जा			
3,23,506.36	82.17	3,23,628.41	मेल/एक्सप्रेस	**3,98,102.06**	**98.65**	**3,98,222.20**
37,036.57	239.09	37,289.71	साधारण	**43,289.91**	**271.70**	**43,578.37**
8,44,170.58	326.67	8,44,569.62	कुल अनुपनगरीय	**9,45,756.72**	**377.02**	**9,46,193.35**
9,58,520.32	326.67	9,58,919.36	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**10,64,263.05**	**377.02**	**10,64,699.68**
			औसत गमन दूरी (किमी)			
			उपनगरीय			
31.90	0.00	31.90	पहला दर्जा	**31.60**	**0.00**	**31.60**
30.00	0.00	30.00	दूसरा दर्जा	**29.60**	**0.00**	**29.60**
30.20	0.00	30.20	कुल उपनगरीय	**29.80**	**0.00**	**29.80**
			अनुपनगरीय			
585.20	0.00	585.10	वातानुकूल पहला दर्जा	**565.50**	**0.00**	**565.50**
797.30	—	797.30	वातानुकूल शयनयान	**795.70**	**—**	**795.70**
863.60	0.00	863.60	वातानुकूल 3-टीयर	**852.10**	**0.00**	**852.10**
96.30	23.90	77.10	पहला दर्जा	**97.60**	**3.30**	**79.50**
304.60	0.00	303.70	वातानुकूल कुर्सीयान	**313.70**	**0.00**	**313.30**
			शयनयान दर्जा			
732.70	—	732.70	मेल/एक्सप्रेस	**720.50**	**—**	**720.50**
190.20	—	190.20	साधारण	**185.90**	**—**	**185.90**
			दूसरा दर्जा			
246.90	60.10	246.60	मेल/एक्सप्रेस	**284.90**	**69.40**	**284.70**
58.10	102.40	58.20	साधारण	**59.20**	**102.90**	**59.30**
324.90	82.00	324.40	कुल अनुपनगरीय	**335.50**	**88.00**	**335.10**
150.00	82.00	149.90	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**156.50**	**88.00**	**156.40**

2022-23 बड़ी लाइन	2022-23 मीटर लाइन	2022-23 छोटी लाइन सहित जोड़	यात्री यातायात से आमदनी (₹ करोड़ में)	2023-24 बड़ी लाइन	2023-24 मीटर लाइन	2023-24 छोटी लाइन सहित जोड़
			उपनगरीय			
475.24	—	475.24	पहला दर्जा	**600.31**	**—**	**600.31**
2,163.84	—	2,163.84	दूसरा दर्जा	**2,261.24**	**—**	**2,261.24**
2,639.08	—	2,639.08	कुल उपनगरीय	**2,861.55**	**—**	**2,861.55**
			अनुपनगरीय			
1,213.19	—	1,213.26	वातानुकूल पहला दर्जा	**1,628.19**	**—**	**1,628.19**
5,857.79	—	5,857.79	वातानुकूल शयनयान	**6,670.82**	**—**	**6,670.82**
21,344.52	—	21,344.52	वातानुकूल 3-टियर	**25,015.15**	**—**	**25,015.15**
4.83	6.89	33.07	पहला दर्जा	**4.82**	**7.59**	**37.09**
2,293.00	0.69	2,296.01	वातानुकूल कुर्सीयान	**3,323.44**	**0.13**	**3,326.45**
			शयनयान दर्जा			
15,928.74	0.00	15,928.74	मेल/एक्सप्रेस	**15,113.05**	**0.00**	**15,113.05**
6.08	0.00	6.08	साधारण	**6.43**	**0.00**	**6.43**
			दूसरा दर्जा			
13,523.00	6.73	13,532.60	मेल/एक्सप्रेस	**15,202.30**	**9.43**	**15,213.24**
552.46	11.14	565.69	साधारण	**807.05**	**12.08**	**821.36**
60,723.61	25.45	60,777.76	कुल अनुपनगरीय	**67,771.25**	**29.23**	**67,831.78**
63,362.69	25.45	63,416.84	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**70,632.80**	**29.23**	**70,693.33**
			औसत दर/यात्री किलोमीटर (पैसों में)			
			उपनगरीय			
56.4	—	56.4	पहला दर्जा	**62.6**	**—**	**62.6**
20.4	—	20.4	दूसरा दर्जा	**20.8**	**—**	**20.8**
23.1	—	23.1	सभी दर्जे (उपनगरीय)	**24.1**	**—**	**24.1**
			अनुपनगरीय			
331.7	—	331.7	वातानुकूल पहला दर्जा	**343.5**	**—**	**343.5**
186.1	—	186.1	वातानुकूल शयनयान	**188.5**	**—**	**188.5**
137.0	—	137.0	वातानुकूल 3-टियर	**139.1**	**—**	**139.1**
48.8	1,382.90	282.7	पहला दर्जा	**40.3**	**1,147.60**	**265.1**
186.7	—	186.9	वातानुकूल कुर्सीयान	**199.3**	**—**	**199.4**
			शयनयान दर्जा			
56.8	—	56.8	मेल/एक्सप्रेस	**56.5**	**—**	**56.5**
65.0	—	65.0	साधारण	**69.9**	**—**	**69.9**
			दूसरा दर्जा			
41.8	81.9	41.8	मेल/एक्सप्रेस	**38.2**	**95.6**	**38.2**
14.9	46.6	15.2	साधारण	**18.6**	**44.5**	**18.8**
71.9	77.9	72.0	सभी दर्जे (अनुपनगरीय)	**71.7**	**77.5**	**71.7**
66.1	77.9	66.1	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**66.4**	**77.5**	**66.4**
			माल यातायात			
		कुल बड़ी लाइन	प्रारंभिक टन (000' में)			**कुल बड़ी लाइन**
15,09,103.00	—	15,09,103.00	राजस्व उपार्जक	**15,88,061.00**	**—**	**15,88,061.00**
1,657.00	—	1,657.00	गैर राजस्व	**1,887.00**	**—**	**1,887.00**
15,10,760.00	—	15,10,760.00	कुल	**15,89,948.00**	**—**	**15,89,948.00**
			शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन में)			
9,59,566.00	—	9,59,566.00	राजस्व उपार्जक	**9,73,968.00**	**—**	**9,73,968.00**
322.00	—	322.00	गैर राजस्व	**501.00**	**—**	**501.00**
9,59,888.00	—	9,59,888.00	कुल	**9,74,469.00**	**—**	**9,74,469.00**
1,60,158.00		1,60,158.00	ढोये गये माल यातायात से आमदनी (₹ करोड़ में)	**1,65,880.00**		**1,65,880.00**
			औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)			
636.00	—	636.00	राजस्व उपार्जक	**613.00**	**—**	**613.00**
195.00	—	195.00	गैर राजस्व	**266.00**	**—**	**266.00**
635.00	—	635.00	कुल	**613.00**	**—**	**613.00**
166.91	—	166.91	औसत दर/टन किलोमीटर (पैसों में)	**170.31**	**—**	**170.31**

2022-23				2023-24		
बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन	**वाहन और माल डिब्बों का उपयोग :**	**बड़ी लाइन**	**मीटर लाइन**	**छोटी लाइन**
			वाहन किलोमीटर/वाहन दिन			
470	27*	77*	सवारी वाहन	**492**	**48**	**58**
404	35*	2*	अन्य कोचिंग वाहन	**399**	**11**	**14**
223	–	–	माल डिब्बा किलोमीटर/माल डिब्बा दिन	**192.00**	**–**	**–**
4.70	–	–	माल डिब्बा फेरा (दिन)	**5.11**	**–**	**–**
8,670.00	–	–	शुद्ध टन किलोमीटर/माल डिब्बा दिन	**7,851.00**	**–**	**–**
60.00	–	–	चालन में औसत माल डिब्बा भार (टन) (8-पहियों के हिसाब से)	**65.00**	**–**	**–**
			माल गाड़ियों की औसत रफ्तार			
			(किलोमीटर प्रति घंटा)			
			थ्रू माल गाड़ियां			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
31.60*	–	–	डीजल	**27.70**	**–**	**–**
29.50*	–	–	बिजली	**23.80**	**–**	**–**
30.00*	–	–	सभी कर्षण	**24.90**	**–**	**–**
			सभी माल गाड़ियां			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
31.10	–	–	डीजल	**27.30**	**–**	**–**
30.07*	–	–	बिजली	**24.10**	**–**	**–**
30.38*	–	–	सभी कर्षण	**25.00**	**–**	**–**
			इंजन का उपयोग			
			लाइन पर इंजन कि.मी./दिन/इंजन			
–	9	6*	भाप	**–**	**5**	**6**
316*	89*	44*	डीजल	**261**	**72**	**37**
419*	–	–	बिजली	**360**	**–**	**–**
			लाइन पर शुद्ध टन किलोमीटर/माल इंजन दिन			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
1,36,952*	–	–	डीजल	**1,19,068**	**–**	**–**
2,08,663*	–	–	बिजली	**2,23,604**	**–**	**–**
			प्रयोग में शुद्ध टन किलोमीटर/माल इंजन दिन			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
3,56,998*	–	–	डीजल	**3,44,624**	**–**	**–**
4,15,808*	–	–	बिजली	**3,72,647**	**–**	**–**
13,650*	–	–	शुद्ध टन कि.मी/माल इंजन घंटा (सभी कर्षण)	**14,256**	**–**	**–**
			माल गाड़ियों का औसत भार (टन)			
1,738*	–	–	शुद्ध भार	**1,899**	**–**	**–**
2,918*	–	–	सकल भार (इंजन के वजन सहित)	**3,085**	**–**	**–**

*संशोधित

बड़ी लाइन (2022-23)	मीटर लाइन (2022-23)	छोटी लाइन सहित जोड (2022-23)	घनत्व	बड़ी लाइन (2023-24)	मीटर लाइन (2023-24)	छोटी लाइन सहित जोड़ (2023-24)
34.46*	2.30	33.67*	गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ किलोमीटर प्रतिदिन	33.85	2.20	33.16
22.34*	2.30	21.80*	यात्री गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ किलोमीटर प्रतिदिन	21.73	2.13	21.28
16.42*	0.02	15.98	माल गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ	13.70	0.06	13.41
			चल स्टॉक की मरम्मत- (निष्क्रिय प्रतिशत)			
6.70*	7.35*	6.79*	रेल इंजन	7.15	32.24	7.26
5.11*	11.60*	5.16*	सवारी डिब्बे	4.84	2.16	4.84
7.38	—	7.33	अन्य कोचिंग वाहन	7.36	—	7.36
7.41*	—	7.41*	ईएमयू के डिब्बे	8.48	—	8.48
2.73*	0.00	2.73*	माल डिब्बे	2.46	0.00	2.46
			रेल इंजनों में ईंधन की खपत			
—	—	—	कोयला (000 टन)	—	—	—
1,433.53*	2.32	1,438.42	डीजल तेल (000 किलोमीटर)	1,208.74	1.73	1,212.28
22,086.40*	—	22,086.40*	बिजली (मिलियन किलोवाट घंटा)	23,221.11	—	23,221.11
1,915.66	—	1,915.66	ई.एम.यू. द्वारा बिजली खपत उपनगरीय सेवा (मिलियन किलोवाट घंटा)	1,929.03	—	1,929.03
			प्रति 1000 सकल टन किलोमीटर खपत			
			सवारी तथा मिश्रित			
—	—	—	कोयला (किलोग्राम)	—	—	—
3.57*	6.09	3.60	डीजल तेल (लीटर)	6.47	3.88	3.34
20.20*	—	18.70	बिजली (कि.वा.घं.)	19.10	—	19.10
			माल तथा मिश्रित			
—	—	—	कोयला (किलोग्राम)	—	—	—
1.61*	—	1.61*	डीजल तेल (लीटर)	1.98	—	1.98
6.30*	—	6.30*	बिजली (कि.वा.घं.)	6.19	—	6.19

वर्ग क और ख	वर्ग ग	वर्ग घ	जोड़	कार्मिक	वर्ग क और ख	वर्ग ग	वर्ग घ	जोड़
				संख्या (000)				
13.66	1,114.72	–	1,128.38	चालू लाइन	12.94	1,179.23	–	1,192.17
1.61	12.26	–	13.87	निर्माण	1.64	12.51	–	14.15
0.953	39.00	–	39.95	उत्पादन इकाईयाँ	0.94	38.00	–	38.94
1.59	5.82	–	7.42	रेलवे बोर्ड तथा अन्य रेलवे कार्यालय	1.52	5.40	–	6.92
17.813	1,171.80	–	1,189.62	कुल	17.04	1,235.14	–	1,252.18
6,483.70	1,54,935.18	–	1,61,418.87	कुल वेतन (₹ करोड़ में)	5,874.91	1,67,765.08	–	1,73,639.99
3,639.46	1,322.20	–	1,356.90	प्रति कर्मचारी औसत वार्षिक वेतन (₹000 में)	3,449.54	1,358.30	–	1,386.70

2022-23	भण्डार की खरीद (₹ करोड़ में)	2023-24
64,317	स्वदेशी आयातित	75,354
588	प्रत्यक्ष	347
51	भारत में खरीद	92
64,956	जोड़	75,793

*संशोधित

भारत सरकार
Government of India
रेल मंत्रालय
Ministry of Railways
(रेलवे बोर्ड)
(Railway Board)

सांख्यिकी एवं अर्थ निदेशालय, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)
भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित